RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 169
लखनऊ, रविवार, 11 अप्रैल, 2021
पृष्ठ 8+4 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

नए युग का मानव रीमोट
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

www.dailypioneer.com

चुनावी हिंसा में पांच की मौत, उठा सियासी तूफान

- हिंसा के बीच 77 फीसदी वोटिंग, सीआईएसएफ की फायरिंग में 4 मरे, बूथ के बाहर एक वोटर की हत्या
- चुनाव आयोग के मुताबिक केंद्रीय बल ने आत्मरक्षा में की फायरिंग
- प्रधानमंत्री ने हिंसा के लिए ममता को जिम्मदार ठहराया, ममता ने शाह पर उकसाने का आरोप लगा मांगा इस्तीफा

पश्चिम बंगाल में चौथे दौर का मतदान

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में मतदान के दौरान हुई हिंसा में घायल एक व्यक्ति को अस्पताल ले जाते लोग

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चौथे चरण के मतदान के दौरान हिंसा में पांच लोगों की जान चली गई। चार लोगों की मौत भीड़ को काबू करने की कोशिश में सीआईएसएफ जवानों की गोली से हुई जबकि एक व्यक्ति मतदान केंद्र के दौरान झड़प में मारा गया।

हालांकि दृढ़ मतदाताओं ने अपने तरीके से आतंक का मुकाबला किया और शाम साढ़े पांच बजे तक 76.16 प्रतिशत से अधिक वोट डालकर फैसला ईवीएम के हवाले कर दिया। सत्ता में लौटने के लिए कड़े संघर्ष से गुजर रही सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने केंद्रीय बलों और भाजपा पर हिंसा करने का आरोप लगाया, जबकि चुनाव आयोग ने कहा कि केंद्रीय बलों ने आत्मरक्षा में गोली चलाई। हिंसा की घटनाओं को लेकर सियासी तूफान खड़ा हो गया है। हुगली में जहां 76.02 प्रतिशत मतदान हुआ, वहीं हावड़ा में मत प्रतिशत 75.03 रहा। दक्षिण-24 परगना में 75.49, जबकि अलीपुरद्वार में 73.65 फीसदी वोट डाले गए। सबसे अधिक हिंसा का शिकार हुए कूच बिहार में भी मतदाता पीछे नहीं हटे और यहां 79.73 प्रतिशत मतदान हुआ। राज्य के पांच जिलों की 44 अन्य सीटों पर भी शनिवार को मतदान के दौरान हिंसक घटनाएं हुईं। मौत की पांचों घटनाएं कूचबिहार के सीतलकूची ब्लॉक में हुईं। यह इलाका उत्तरी बंगाल में बांग्लादेश, भूटान और असम की सीमा से सटा है।

सूत्रों ने बताया कि एक बच्चे को सीआईएसएफ कर्मियों द्वारा पीटकर हत्या करने की अफवाह फैलने के बाद करीब 300 से 400 ग्रामीणों ने बूथ संख्या 126 पर हमला बोल दिया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए यहां तैनात सीआईएसएफ कर्मियों ने गोली चलाई जिसमें चार लोग मारे गए। इनमें तीन हमीदुल, मनीरुल और समीलुल एक ही परिवार से हैं। गोलीबारी में पांच अन्य लोग घायल हुए हैं। उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पांचवें व्यक्ति की मौत भी सीतलकूची में पास के ही बूथ पर हुई। पीड़ित आनंद बर्मन पहली बार वोट डालने वाला था। आरोप है कि उस पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता पंचायत सदस्य ने हमला किया। संयोग से यह वही ब्लॉक है, जहां कुछ दिन पहले बंगाल भाजपा के अध्यक्ष दिलीप (शेष पेज 7)

केंद्रीय बलों की 71 और कंपनियां जाएंगी बंगाल

- चुनाव आयोग के अनुरोध पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लिया फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में शेष चार चरणों के चुनाव कराने के लिए केंद्रीय सशस्त्र बल (सीएपीएफ) की 71 अतिरिक्त कंपनियां तैनात करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को शनिवार को निर्देश दिए। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि अबतक, राज्य में चुनाव कराने के लिए कुल 1,000 कंपनियों को रखा गया था। पश्चिम बंगाल में विधानसभा की 294 सीटें हैं। नई कंपनियों को सीमा सुरक्षा बल (33), भारत तिब्बत सीमा पुलिस (13), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (12), सशस्त्र सीमा बल (9) और सीआईएसएफ (4) से लिया गया है। सीएपीएफ की एक कंपनी में लगभग 85 कर्मी होते हैं। पश्चिम बंगाल में शनिवार को चौथे चरण का मतदान हुआ। राज्य में आठ चरणों में मतदान होना है। अगले चरणों के चुनाव 17, 22, 26 और 29 अप्रैल को होने हैं।

कूच बिहार जिले में नेताओं के प्रवेश पर 72 घंटे की रोक

- अब बंगाल में मतदान से 48 के बजाय 72 घंटे पहले चुनाव प्रचार होगा बंद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने कूच बिहार जिले में हिंसा के बाद शनिवार को पश्चिम बंगाल में जारी विधानसभा चुनावों के दौरान कुछ पाबंदियां लगाई हैं। जिनमें राज्य में पांचवें चरण के मतदान से पहले प्रचार खत्म करने की सीमा 48 घंटे से बढ़ाकर 72 घंटे करना भी शामिल है।

आयोग ने कानून-व्यवस्था की स्थिति और बिगड़ने की किसी भी आशंका से बचने के लिए कूच बिहार जिले में अगले 72 घंटों तक नेताओं के प्रवेश पर रोक लगा दिया है। राज्य में चौथे चरण के मतदान के दौरान शनिवार को जिले में कथित तौर पर स्थानीय लोगों द्वारा केंद्रीय बलों पर हमले और उनकी राइफलें छीनने की कोशिश के बाद केंद्रीय बलों द्वारा की गई गोलीबारी में चार लोगों की मौत के बाद आयोग ने यह पाबंदियां लगाई लगायी हैं।

दो हजार आईसीयू बेड का तत्काल इंतजाम किया जाएः मुख्यमंत्री

- लखनऊ में कोरोना के बिगड़ते हालात पर सीएम की अहम बैठक
- धर्म स्थलों में पांच से अधिक लोगों को एक साथ प्रवेश की अनुमति न दी जाएः योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी लखनऊ में कोरोना संक्रमण के लगातार बिगड़ते हालात और मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल कम से कम दो हजार आईसीयू बेड की तत्काल तथा अगले एक सप्ताह में 2 हजार अतिरिक्त कोविड बेड का प्रबन्ध करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने जिलाधिकारी लखनऊ को सभी कोविड अस्पतालों में आक्सीजन की निरन्तर आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिये।

इसके अलावा लखनऊ में कोरोना का विस्तार रोकने के लिये सीएम योगी ने कई अन्य अहम फैसले लिये है। मुख्यमंत्री शनिवार की रात लोक भवन में लखनऊ में कोविड19 की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एरा मेडिकल कालेज, टीएस मिश्रा मेडिकल कालेज तथा इण्टीग्रल मेडिकल कालेज को पूर्ण रूप से डेडीकेटेड कोविड अस्पताल के रूप में परिवर्तित किया जाए। बलरामपुर अस्पताल में 300 बेड का डेडीकेटेड कोविड अस्पताल कल 11 अप्रैल को सुबह से कार्यशील किया जाए। मुख्यमंत्री ने पुलिस आयुक्त लखनऊ को पब्लिक एड्रेस सिस्टम को प्रभावी ढंग से संचालित कराने के निर्देश देते हुए कहा कि धर्म स्थलों में 5 से अधिक लोगों को एक साथ प्रवेश की अनुमति न दी जाए। बाजारों में व्यापारियों से संवाद बनाकर उनका सहयोग लेते हुए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराया जाए। मास्क का प्रयोग न करने वालों के विरुद्ध प्रवर्तन की कार्यवाही की जाए। यह कार्यवाही सद्भावपूर्ण एवं प्रेरक होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लखनऊ में कंटेनमेन्ट जोन में आवागमन को प्रतिबंधित किया जाए। एक संक्रमित मरीज से 25 मीटर की रेडियस में तथा एक से अधिक संक्रमित मरीजों की स्थिति में 50 मीटर रेडियस का कंटेनमेन्ट जोन बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी पुलिसए स्वास्थ्य तथा स्वच्छता कर्मी आवश्यक रूप से मास्क और ग्लव्स का प्रयोग करें। कंटेनमेन्ट जोन में पीपीई किट का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए।

चुनाव आयोग सख्त

कोविड नियमों का पालन हो अन्यथा रैलियों पर लगेगी रोक

- खास तौर पर मास्क न लगाने वाले स्टार प्रचारकों पर कसेगी लगाम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पांच राज्यों के विधानसभा के चार चरणों के मतदान के बाद चुनाव आयोग कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को लेकर गंभीर हो गया है। आयोग ने स्टार प्रचारकों और राजनीतिक दलों के नेताओं पर उम्मीदवारों के चुनाव प्रचार के दौरान कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने, मास्क नहीं लगाने के मामलों का इशारा करते हुए कहा कि इन लोगों पर प्रतिबंध लगाने के साथ रैलियों पर भी रोक लगाने में संकोच नहीं करेगा।

चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों को सलाह दी है कि चुनाव प्रचार के दौरान सोशल डिस्टेसिंग का पालन कर और मास्क लगाकर कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन कर स्थानीय लोगों के सामने उदाहरण पेश कर सकते हैं। आयोग ने शुक्रवार को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के नेताओं को लिखे पत्र में कहा कि व्यापक रूप से विदित है कि पिछले कुछ सप्ताहों में कोविड-19 के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। हालांकि आयोग के संज्ञान में चुनावी सभाओं प्रचार के ऐसे मामले आए हैं जहां सामाजिक दूरी, मास्क पहनने जैसे नियमों का उल्लंघन किया गया और आयोग के दिशा-निर्देशों की अवज्ञा की गई।

पत्र के अनुसार, ऐसा करके राजनीतिक दल और उम्मीदवार खुद को और इन चुनावी सभाओं में शामिल हो रहे लोगों को भी संक्रमण के गंभीर खतरे में डाल रहे हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि उल्लंघन के मामलों में वह अवज्ञा करने वाले उम्मीदवारों, स्टार प्रचारकों या राजनीतिक दलों के नेताओं की जनसभाओं, रैलियों पर आगे किसी अन्य सूचना के बिना पाबंदी लगाने में संकोच नहीं करेगा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने (शेष पेज 7)

तृणमूल के सर्वे में जीत रही है भाजपा

- ममता के प्रमुख रणनीतिकार प्रशांत किशोर का ऑडियो क्लिप आया सामने

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में 44 विधानसभा सीटों के लिए चल रहे मतदान के बीच भाजपा द्वारा एक ऑडियो क्लिप जारी किए जाने के बाद शनिवार को नया विवाद पैदा हो गया है। इस ऑडियो क्लिप में तृणमूल कांग्रेस के रणनीतिकार प्रशांत किशोर को कथित रूप से यह कहते हुए सुना जा सकता है कि सत्तारूढ़ दल के आंतरिक सर्वेक्षण में भी भाजपा जीतती हुई दिख रही है। कुछ पत्रकारों के साथ किशोर की बातचीत का अंश साझा करते हुए भाजपा के सूचना एवं प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने दावा किया कि बनर्जी के चुनावी रणनीतिकार ने पहले ही हार स्वीकार कर ली है। किशोर ने भाजपा को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म क्लबहाउस पर पूरा चैट जारी करने की चुनौती दी है और दावा किया है कि वर्तमान विधानसभा चुनाव में भगवा पार्टी को 100 से ज्यादा सीटें नहीं मिलेंगी। पीटीआई-भाषा इस कथित ऑडियो क्लिप का स्वतंत्र रूप से सत्यापन नहीं कर पाया है। इस क्लिप में किशोर को कहते हुए सुना जा सकता है कि मोदी बंगाल में बहुत लोकप्रिय हैं और इसमें कोई संदेह नहीं है।

वह ममता बनर्जी जितने लोकप्रिय हैं। उन्हें कथित रूप से यह भी कहते हुए सुना जा सकता है कि तृणमूल कांग्रेस से शुभेंदु अधिकारी का जाना और ममता बनर्जी को उनकी सलाह भी चुनाव परिणाम पर खास असर नहीं डाल सकती है। मालवीय द्वारा ट्वीटर पर साझा किए गए ऑडियो क्लिप में किशोर कह रहे हैं, राठेर, दलित और मतुआ समुदाय भाजपा के पक्ष में वोट डाल रहा है और यह महत्वपूर्ण कारक है। मतुआ समुदाय बड़े पैमाने पर भाजपा को वोट देगा, हालांकि यह 2019 की तरह नहीं होगा... इस बार समुदाय का 75 प्रतिशत वोट भाजपा और 25 फीसद तृणमूल को मिलेगा। इसके अलावा किशोर ने यह भी कहा, कुछ प्रतिशत ऐसे लोगों का भी है जो मोदी में भगवान देखते हैं।

बंगाल में हिन्दी भाषी जनता मोदी के कोर समर्थक हैं। राज्य सरकार के खिलाफ भी लहर है। ऑडियो क्लिप के अनुसारर, हमने सर्वे किया है जो दिखाता है कि भाजपा सत्ता में आएगी। जमीनी स्तर पर उसका काडर मजबूत है.... मैंने कहा था कि 50-55 प्रतिशत हिन्दू भाजपा के वोट दे रहे हैं। इस ऑडियो क्लिप से बंगाल में राजनीतिक तूफान आया हुआ है। एक ओर भाजपा का दावा है कि तृणमूल ने हार मान ली है, तो दूसरी और सत्तारूढ़ दल भगवा पार्टी पर लोगों को बहकाने का आरोप लगा रहा है। ऑडियो क्लिप जारी करने के बाद मालवीय ने ट्वीट किया, मोदी बंगाल में बहुत लोकप्रिय हैं और इसमें कोई संदेह नहीं है। देश भर में उनके प्रशंसक हैं। तृणमूल कांग्रेस सरकार (शेष पेज 7)

बिहार के पुलिस अधिकारी को पश्चिम बंगाल में भीड़ ने मार डाला

भाषा। किशनगंज, इस्लामपुर

पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में शनिवार तड़के छापेमारी के दौरान भीड़ द्वारा कथित तौर पर पीटे जाने से बिहार के एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना गोवालपोखर थाना क्षेत्र के पंथापाड़ा गांव में उस समय हुई जब बिहार के किशनगंज जिले के नगर थाना प्रभारी अश्विनी कुमार मोटरसाइकिल लूट के मामले में एक छापेमारी का नेतृत्व कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि मामले में आरोपियों को पकड़ने के लिए एक पुलिस टीम के साथ कुमार गांव में गए थे। यह मामला किशनगंज पुलिस थाने में दर्ज है। उन्होंने बताया कि भीड़ ने उन्हें घेर लिया और कथित तौर पर उन पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि इसके बाद पंजिपारा चौकी से पुलिसकर्मियों की एक टीम ने उन्हें भीड़ से छुड़ाया और इस्लामपुर सदर अस्पताल ले गई जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पश्चिम बंगाल पुलिस ने इस घटना के (शेष पेज 7)

यूपी में टूटे सभी रिकार्ड, 12787 नए मरीज व 48 लोगों की मौत

- लखनऊ बना हॉट स्पाट, 23 की गई जान, 4059 लोग मिले पॉजिटिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में कोरोना ने अपने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। बीते चौबीस घंटे के बीमारी के कहर से 48 लोगों की मौत हुई जबकि नए मरीजों का आंकड़ा अप्रत्याशित रूप से बढ़कर 12787 तक पहुंच गया। प्रदेश में वर्तमान में एक्टिव मरीजों की संख्या अब 58801 हो गई है। बीते 24 घंटे में हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने वालों की संख्या सिर्फ 2207 ही है।

राजधानी लखनऊ तो पूरी तरह से कोरोना का हॉट स्पाट बना हुआ है। लखनऊ में 24 घंटे में 4059 नए केस मिले हैं जबकि 23 लोगों ने दम तोड़ दिया। लखनऊ में अब 16690 एक्टिव केस हैं। लखनऊ के बाद प्रयागराज में 1460 नए केस आए हैं यहां दो लोगों की मौत हो गई है। यहां पर 6902 एक्टिव केस हैं। वाराणसी में 983 और कानपुर नगर में 706 नए केस आए हैं। कानपुर में छह लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बीते चौबीस घंटों के दौरान गाजियाबाद में 159, गौतमबुद्ध नगर में 221, मेरठ में 236, गोरखपुर में 422, बरेली में 144, मुरादाबाद में 81, झांसी में 235, अलीगढ़ में 44, आगरा में 104, सहारनपुर में 50, मुजफ्फरनगर में 161, बलिया में 188, अयोध्या में 91, बाराबंकी में 139, लखीमपुर खीरी में 60, मथुरा में 123, जौनपुर में 186, शाहजहांपुर में 40, देवरिया में 88, आजमगढ़ में 83, बुलंदशहर में 45, रायबरेली में 127, हरदोई में 49, इटावा में 98, महाराजगंज में 27, कुशीनगर में 86, रामपुर में 98, प्रतापगढ़ में (शेष पेज 7)

बाजार

सेंसेक्स	49,591
निफ्टी	14,834
सोना	46,257 /10g
चांदी	66,253 /kg

क्विक न्यूज

देश में 1.45 लाख से अधिक नए मामले, 794 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के रिकॉर्ड 1,45,384 नए मामले सामने आए है, जिसके बाद अब तक संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,32,05,926 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, उपचाराधीन लोगों की संख्या करीब साढ़े छह महीने बाद फिर से 10 लाख से अधिक हो गई। मंत्रालय ने बताया कि कोरोना वायरस के कारण 794 और लोगों की मौत हो गई, जो पिछले साल 18 अक्टूबर के बाद से किसी एक दिन की सर्वाधिक संख्या है। इस संक्रमण से अब तक मारे गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,68,436 हो गई है। देश में लगातार कोरोना के बढ़ते मामलों ने सरकार के साथ आम लोगों की चिंता भी बढ़ा दी है।

इटावा में ट्रक पलटने से 12 श्रद्धालुओं की मौत

इटावा में दुर्घटना स्थल पर राहत और बचाव कार्य करने पहुंची पुलिस और स्थानीय लोग

- करीब 45 अन्य घायल

पायनियर समाचार सेवा। इटावा

उप्र के इटावा जिले में नेजा (झंडा) चढ़ाने कालिका देवी मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं से भरे एक ट्रक के शनिवार शाम पलट जाने से 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि महिलाओं और बच्चों सहित करीब 45 अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य पूरी तेजी से करने और दुर्घटना में घायल लोगों के उपचार की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु होने पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता (शेष पेज 7)

शहीदों के लिए शतकुंडिया यज्ञ करेंगे योगेश्वर दास

कुंभ मेला

- देश के लिए बलिदान करने वालों के परिजन लेते हैं इसमें भाग, 2003 से इसका आयोजन कर रहे हैं दास
- हरिद्वार में गंगा तट पर तीन एकड़ में बसाया गया है अस्थायी शहीद नगर

गजेंद्र सिंह नेगी। हरिद्वार

हाथ जोड़े बालक योगेश्वर दास। दूसरी ओर शहीद नगर में शतकुंडिया यज्ञ के लिए आयोजन स्थल के निर्माण की तैयारियां चल रहीं हैं जोरों पर।

कुंभ मेले को दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक मेला माना जाता है। यहां पर आप विभिन्न साधु और संतों को अलग अलग धार्मिक, परंपराओं और आध्यात्मिक गतिविधियों में संलग्न देख सकते हैं। लेकिन बालक योगेश्वर दास जैसे कुछ ऐसे भी संत हैं जो अपने अलग तौर तरीके और साधना के जरिये लोगों का ध्यान आकृष्ट कर लेते हैं।

ये प्रत्येक कुंभ और अर्धकुंभ में दास 100 शतकुंडिया यज्ञ का आयोजन करते हैं। यह उन लोगों की आत्मा की शांति के लिए किया जाता जिन्होंने देश के लिए अपना जान न्योछावर कर दिया। वे यह काम वर्ष 2003 से कर रहे हैं। इस साल कुंभ मेला क्षेत्र में अस्थायी शहीद नगर में यह यज्ञ 11 अप्रैल से शुरू होगा और 26 अप्रैल तक चलेगा। यह शिविर हरिद्वार में गंगा तट पर बैरागी कैंप में तीन एकड़ में फैला हुआ है। दास आयोजन को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। इस बार 450 शहीदों के परिवार वालों को आमंत्रण भेजा गया है। इसमें 26/11 मुंबई हमले, पुलवामा हमले और कारगिल जंग में प्राणों का बलिदान देने वाले शहीदों का परिवार भी शामिल है। उन्होंने कहा कि शहीदों के लिए विशेष यज्ञ के आयोजन का विचार मेजर अजय सिंह जसरोथिया के बलिदान के बाद आया। परिवार की पीड़ा ने मुझे प्रेरित किया कि शहीदों के लिए मैं कुछ करुं। उन्होंने कहा कि यदि ये नौजवान देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर सकते हैं तो हम उनके लिए यज्ञ क्यों नहीं कर सकते।

दास के देश में कई स्थानों पर आश्रम है तथा दुनिया भर में काफी संख्या में उनके अनुयायी हैं। उन्होंने कहा कि शुरु में शहीदों के परिवारों को लिए यज्ञ के लिए मनाने में उन्हें दिक्कत पेश आई थी। उन्होंने कहा कि मैं देश के सभी हिस्सों में व्यक्तिगत तौर जाकर शहीदों के परिजनों से मिला और उन्हें इसके लिए तैयार किया। धीरे धीरे उन्हें यह विचार पसंद आने लगा और वे यज्ञ में भाग लेने लगे। यज्ञ के दौरान शहीदों के परिवार के सदस्य अपनी पीड़ा को साझा करते हैं। कुछ मामलों में परिवारों के बीच शादी वगैरह भी तय हुई है। गंगा के तट पर हवन कुंड तैयार किया (शेष पेज 7)

साझा करने से कम होती है पीड़ाः शारदा

हरिद्वार। जम्मू-कश्मीर स्थित अखनूर निवासी शारदा का मानना है कि दास के कारण उनके जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। कारगिल युद्ध के दौरान 1999 में तोलोलिंग में शहीद होने वाले हवलदार दलेर सिंह की विधवा शारदा ने बताया कि पति के शहीद होने के बाद दास उनके घर आए थे और यज्ञ में शामिल होने का अनुरोध किया था, जिसका आयोजन कसबे में किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि मैं यज्ञ में शामिल हुई और पाया कि मैं ही अकेली दुखियारी नहीं हूं। लोगों से अपनी पीड़ा साझा करने से दुख कम होता है। दास ने शारदा में आए बदलाव को देखकर उन्हें राजनीति में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। पिछले साल बीडीसी चुनाव में शारदा ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी।

सपा आज मनाएगी ज्योतिराव गोविन्द राव फुले की जयन्ती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी प्रख्यात समाज सुधारक, लेखक महात्मा ज्योतिराव गोविन्द राव फुले की 194वीं जयन्ती 11 रविवार को मनायी जायेगी। सपा प्रवक्ता ने बताया कि महात्मा ज्योतिराव गोविन्द राव फुले ने सितम्बर 1873 में महाराष्ट्र में सत्यशोधक समाज नामक संस्था का गठन किया। महात्मा फुले ने महिलाओं एवं दलितों की शिक्षा एवं उत्थान के लिए बहुत काम किये।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मेरे पति ई0एक्स0एन0के0 स्व0 चिंतामणि नि0ग्रा0 रामपुर सकरवारी थाना बेवाना अकबरपुर अम्बेडकरनगर के ऑर्मी नं0 14910736एम रिकॉर्ड में मेरा नाम गलती से विमला सिंह दर्ज हो गया है जबकि सही नाम विमलेश सिंह है इसी नाम से जाना पहचाना जाय।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम Haider Mehdi था जो अब बदलकर Haider Mehdi Kazmi हो गया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।
Haider Mehdi Kazmi S/o Simamat Husain Kazmi 257, Rani Mandi Allahabad.

आवश्यकता है

आवश्यकता है

स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत सत्यदेव डिग्री कालेज, गाधिपुरम् (बोरसिया) फदनपुर–गाजीपुर में स्नातक स्तर पर शिक्षा संकाय के बी0एड0 विभाग में 13 प्रवक्ताओं की एवं स्नातक स्तर पर ही कला संकाय के बी0ए0 में अतिरिक्त विषय संस्कृत, उर्दू, समाजशास्त्र, संगीत (गायन) व स्नातकोत्तर स्तर पर वाणिज्य संकाय में (एम0कॉम) में प्रवक्ताओं की।

योग्यता एवं वेतनमान NCTE/UGC/ विश्वविद्यालय परिनियमावली एवं उ0प्र0 शासन के मानकानुसार/योग्य अभ्यर्थी 21 दिनों के भीतर आवेदन करें।

प्रबन्धक
7704905302

आवश्यकता है

आवश्यकता है

स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत डॉ0 राम मनोहर लोहिया डिग्री कालेज, अध्यात्मपुरम्, ढोटारी–गाजीपुर में स्नातक स्तर पर शिक्षा संकाय के बी0एड0 विभाग में प्रवक्ताओं की एवं कला संकाय के अन्तर्गत एक प्राचार्य एवं हिन्दी, संस्कृत, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, गृहविज्ञान, शिक्षाशास्त्र एवं स्नातकोत्तर स्तर पर हिन्दी, गृहविज्ञान, शिक्षाशास्त्र, भूगोल, समाजशास्त्र विषयों में प्रवक्ताओं की। योग्यता एवं वेतनमान एन0सी0टी0ई0/विश्व. विद्यालय परिनियमावली/यू0जी0सी0 एवं उ0प्र0 शासन के मानकानुसार/योग्य अभ्यर्थी 21 दिनों के भीतर आवेदन करें।

नोट : दिनांक 02, 03 व 04 अप्रैल 2020 के विज्ञापन के क्रम में जिन्होंने आवे. दन कर दिया है, उन्हें पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

प्रबन्धक
मो0– 7704905302

WANTED

SKV EDUCATIONS
Bansura, Rampur Mathura, Sitapur
VACANCY FOR B.A. & B.Sc. Course
Assistant Professor for B.Sc. (Botany/Chemistry/ Maths/ Physics/Zoology) : 01 Post for each subject
Assistant Professor for B.A. (History/Education/Hindi/ Geography/Home Science/ Political Science/Sociology): 01 Post for each subject
Qualification, Experience & Percentage as per state govt. & lucknow university norms. Applicants must apply within 15 days to Manager, SKV Educations, 35 Patel Nagar-A, Near Sec.-9, Indira Nagar, Lucknow. Contact : 8528175859 E-mail: skveducations@gmail.com.

आवश्यकता है

आवश्यकता है

राम लखन महाविद्यालय, जामडीह, मऊ सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में स्ववित्त पोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय के अतिरिक्त विषय उर्दू 01 पद, अंग्रेजी 01 पद, शिक्षाशास्त्र 01 पद, ललितकला 01 पद व स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के हिन्दी 02 पद, संस्कृत 02 पद, समाज शास्त्र 02 पद, राजनीतिशास्त्र 02 पद, भूगोल 03 पद, गृह विज्ञान 03 पद एवं स्नातकोत्तर स्तर पर विज्ञान संकाय के गणित 02 पद, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान 03-03 प्रवक्ताओं की आवश्यकता है। योग्यता व वेतनमान यूजीसी रेगुलेशन/ उ.प्र. सरकार/ विश्वविद्यालय परिनियमावलीनुसार। उपरोक्त विषयों में इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति, आधार कार्ड तथा नवीनतम पासपोर्ट साइज के दो फोटो के साथ विज्ञापन तिथि से 21 दिनों के अन्दर महाविद्यालय के पते पर प्रबन्धक के पदनाम से आवेदन करें।
प्रबन्धक, मो. 9628155351, 9450624529

...देख दिनन के फेर

रहिमन चुप हो बैठिए देख दिनन के फेर वाली कहावत इस समय खाकी महकमे की प्रादेशिक सेवा से इस्तीफा देकर अलग हो चुके एक अधिकारी पर सटीक बैठ रही है। यह समय का ही फेर है कि नौकरी के शुरुआती दौर में ही अपनी जान जोखिम में डालकर एक माफिया डॉन के खतरनाक इरादों का खुलासा करने वाले अधिकारी को इनाम मिलने के बजाए न सिर्फ सरकारी प्रताड़ना झेलनी पड़ी बल्कि नौकरी छूटी, मुकदमा झेला और फिर जेल भी जाना पड़ा। लंबा समय जरूर लगा पर अब समय पूरी तरह बदल चुका है। भगवा सरकार के महाराज ने न सिर्फ इस अधिकारी पर लगाए गए झूठे मुकदमों को वापस ले लिया है बल्कि एक–एक कर माफिया डॉन के पूरे साम्राज्य को ध्वस्त करने में भी लगे हुए हैं। यही वजह है कि देड़ दशक से अधिक समय से गुमनामी के अंधेरे में जी रहे इस अधिकारी के नाम की चारों ओर धूम मची हुई है। बनारस से लेकर बाराबंकी तक लोग उसका स्वागत–सत्कार कर रहे हैं। उसकी बहादुरी व ईमानदारी की प्रशंसा हो रही है और माफिया के इशारे पर अन्याय पूर्ण कार्रवाई करने वाले प्रदेश के तत्कालीन मुखिया व साइकिल वाली पार्टी के नेता जी को लोग जमकर कोस रहे हैं। इतना ही नहीं उसके प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर एक मुहिम छेड़ दी है कि भगवा सरकार उसे दोबारा नौकरी में ले और सारे प्रमोशन भी दे। जानकारों का कहना है कि अगर कोई विशेष कानूनी अड़चन न आई तो भगवा सरकार यह करके भी दिखा सकती है।

कहां गईं मशीनें

शहर में कोरोना के बढ़ते मामलों पर नगर निगम के आला अफसरान दावे और वादे तक ही सीमित हैं। भला हो कुछ समाजसेवियों और सफाई कर्मियों का जिनके द्वारा भोजन वितरण और सफाई का कार्य देखा जा रहा है। यही हाल रहा तो पब्लिक के साथ अधिकारियों में भी कोविड का दायरा बढ़ने की आशंका हो गयी है। साहब के आदेश पर भी सैनिटाइजकरने वाले टैंकर और मशीनें सड़क पर नहीं दिखीं जिससे स्थित बिगड़ गयी। पहले कोरोना से बचाव के लिए लॉक डाउन सबसे बड़ा हथियार था लेकिन बेचारे अधिकारी चुनावों के चलते फंस गए हैं। मरता क्या न करता वाली हालत है। बड़े साहब बाहर बैरीकेटिंग का ठेका देकर भूल गए। अब यह ठेका लेने के बाद अफसर निढ़ाल हैं। कोरोना के नाम पर कुछ ठेकेदार पैसे की लूट करना चाहते हैं। इस हरकत से साहब के माथे पर पसीना आ गया है। क्षेत्रीय पार्षदों में भी इसको लेकर नाराजगी बढ़ गयी है। कुछ भी हो कोई मौके को भुनाने में चूकना नहीं चाहता है।

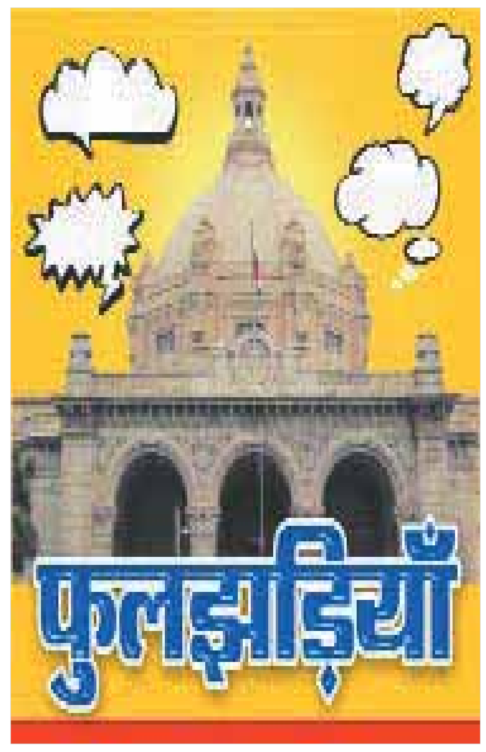

मोहे भाये पिता की गोद

पंचायत चुनाव हों, विधानसभा चुनाव हों या फिर कोरोना ही क्यों न आ जाए। मैं पिता की गोद से नहीं उतरूंगा। सब पिताजी देख लेंगे। आखिर वह शिव जो ठहरे। वह भी पालनहार। पिता की गोद में बैठकर आधा जीवन बिता दिया है। अब आगे भी ऐसे ही चल जाएगा। भले ही पिता जी ने प्रगतिशील रहने वाली पार्टी बना दी है लेकिन मैं प्रगतिशील नहीं बनूंगा। मैं स्वयं शिव का अंश हूं। जो शिव का है वह सब कुछ मेरा है। मुझे कुछ करने की जरूरत ही क्या है। इतना तो पिता ने बना ही दिया है कि पूरा जीवन आराम से कट जाएगा। अपना तो एक ही स्टाइल है। खाओ पियो मस्त रहो। जितनी प्रगति करनी थी पिताजी ने कर ली। आगे भी वही प्रगति करेंगे। जितनी पिताजी प्रगति करेंगे उतना ही मैं आगे बढ़ूंगा। आखिर सब कुछ मेरा ही तो है। मैं जो शिव का अंश आदित्य हूं। पिताजी की उंगली पकड़कर पहले भी चलता रहा हूं, आगे भी चलता रहूंगा। जो कुछ दिया है, उन्होंने दिया है। मैंने क्या किया है। मैं करूं भी क्यों। जब जरूरत ही नहीं है।

कड़का न कर दे कड़कनाथ

आए थे हरभजन को ओढ़न लगे कपास। जमाने से चली आ रही यह कहावत योगी सरकार के एक अधिकारी पर एकदम सही बैठती है। सालों साल की मेहनत और लम्बे शोध के बाद एक महिला अधिकारी ने कुछ महीने पहले कड़कनाथ मुर्गी पालन का कारोबार डाला। उम्मीद थी कि नौकरी के साथ–साथ कुछ अतिरिक्त आमदनी होगी। उनका यह सपना परवान चढ़ने से पहले ही टूट गया है और अब वह कारोबार को समेटने की सोच रही हैं। दरअसल सचिवालय सेवा की यह अधिकारी सरकार के एक ऐसे विभाग में कार्यरत हैं जो आपदा पीड़ितों के जख्मों पर मरहम लगाने का काम करता है। नौकरी के साथ–साथ इस महिला अधिकारी की शासन के अन्य विभागों में अच्छी जान–पहचान है। अनेक आईएएस आईपीएस और पीसीएस अफसरों के साथ इस महिला अधिकारी की अच्छी बनती है। कारोबार को शुरू करने से पहले इस महिला अधिकारी ने अपनी जान–पहचान वाले अफसरों से खूब चर्चा की। कारोबार शुरू होने पर यही अफसर उनके लिये मुसीबत बन गए। बताया जाता है कि कारोबार शुरू करने के बाद से लगभग हर दिन किसी न किसी अफसर की मुर्गे और अण्डे की डिमाण्ड आ जाती है लेकिन पैसा मिलता नहीं। ऐसे में उनका धंधा घाटे में चला गया है और अब वह कारोबार बंद करने की सोच रही हैं।

अस्पतालों में न हो बेड की कमी: योगी

कोविड-19 पर नियंत्रण के लिए सीएम ने की मंडलीय समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया है कि मण्डल के सभी जनपदों में एल–2 एवं एल–3 अस्पतालों में पर्याप्त बेड की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए वहां मैनपावर की व्यवस्था के साथ ही कर्मियों को प्रशिक्षण अवश्य दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अस्पतालों में उपलब्ध 108 एम्बुलेंस की संख्या में से आधी कोविड हेतु लगाई जाएं और उनका प्रयोग अन्यत्र न किया जाये। उन्होंने कहा कि कोविड से बचाव हेतु सर्तकता, सावधानी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने बाबा राघवदास मेडिकल कालेज में कोविड–19 पर नियंत्रण के लिए किये जा रहे उपायों की मण्डलीय समीक्षा बैठक करते हुए ये निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सभी सरकारी अस्पतालों में एंटीजन एवं आरटीपीसीआर की जांच नि:शुल्क होती है। इसमें अगर कही भी कोई शिकायत मिलती है तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाये। उन्होंने यह भी कहा कि प्राइवेट अस्पतालों में टेस्टिंग रेट निर्धारित किये जाये और यदि निर्धारित रेट से अधिक किसी प्राइवेट अस्पताल में धनराशि ली जाती है तो संबंधित अस्पताल के विरुद्ध प्रभावी/कड़ी कार्रवाई की जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, मध्य प्रदेश, केरल, कर्नाटक आदि प्रान्तों में कोरोना संक्रमण की स्थिति ज्यादा है। वहां से आने वालों का रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट पर कोविड टेस्टिंग अवश्य कराया जाये। इसके अतिरिक्त हर ग्राम पंचायत, वार्डो, नगर निकायों, आदि में निगरानी समितियां गठित कर उसे क्रियाशील किया जाये और वे इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सिस्टम से जुड़े होने चाहिए। निगरानी समितियों से निरन्तर संवाद स्थापित हो और इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सिस्टम मे स्वास्थ्य एवं प्रशासन का वरिष्ठ अधिकारी भी तैनात हो।

पीड़ित की संतुष्टि पुलिस की सफलता का मानक: सीएम

नवनियुक्त पुलिस उपाधीक्षकों को मिला नियुक्ति पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि पीड़ित की संतुष्टि ही पुलिस की सफलता का मानक है। कॉन्स्टेबल से लेकर पुलिस मुखिया तक को इसी भावना के साथ काम करना चाहिए। उन्होने प्रदेश की बदलती छवि पर खुशी जताते हुये कहा है कि यूपी पुलिस के बारे में 2017 के पहले तक तमाम तरह की चर्चाएं होती थीं लेकिन व्यावसायिक प्रतिबद्धता व्यवहारकुशलता दक्षता और पुलिस सुधार के प्रयासों से आज देश के तमाम राज्यों में जब चुनाव होते हैं तो यूपी पुलिस की तैनाती की भारी डिमांड होती है।

सीएम योगी शनिवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक पद पर चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान कर रहे थे। सीएम ने कहा कि चार साल पहले तक यूपी में होने वाली हर नियुक्ति पर सवाल खड़े होते थे। भेदभावपूर्ण रीति से नौकरियां मिलती थीं मेरिट की अनदेखी होती थी और योग्यता का अनादर का खामियाजा कई पीढियां भुगतती हैं। लेकिन आज लोक सेवा आयोग द्वारा की हर नियुक्ति प्रक्रिया शुचिता पारदर्शिता और ईमानदारी का पर्याय हैं। एक भी नियुक्ति पर सवाल खड़ा नहीं किया जा सकता। योग्य और सक्षम का चयन ही होता है। आयोग की साख बहाल हुई है।

सीएम ने कहा कि 2019 में प्रवासी भारतीय दिवस समारोह का आयोजन वाराणसी में होना था तो इसके तत्काल बाद प्रयागराज कुंभ जैसा विशाल आयोजन भी था। यही नहीं दो माह बाद लोकसभा चुनाव भी थे। लोग आशंकित थे कि यह सब कैसे होगा लेकिन वाराणसी में आये 76 देशों के 7000 डेलीगेट ने काशी के नए स्वरूप की सराहना तो की ही तथा यूपी पुलिस की व्यवहारकुशलता को खूब सराहा। इसी तरह 80 लोकसभा सीटों में 163000 बूथ पर शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराना आसान नहीं था। यूपी से आधी आबादी वाले राज्यों में तकरीबन हर सीट पर चुनाव में हिंसा हुई।

ईमानदारी से काम किया तो आईजी होकर रिटायर होंगे: नवनियुक्त पुलिस उपाधीक्षकों को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने उन्हें पुलिस की चुनौतियां और कर्तव्यपरायणता के महत्व से भी अवगत कराया। आपकी कार्यप्रणाली ही आपके जीवन के आगे की राह तय करेगी। पद की गरिमा का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि हाल ही में तीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को शासन ने अनिवार्य सेवानिवृत्ति प्रदान की है। वास्तव में जन जीवन में अनिश्चितता होती है तो भटकाव आता है। आपको पुलिस के अनुशासन को बनाये रखना होगा। फील्ड में सेवा के दौरान शासन आपको खुद को साबित करने का भी अवसर भी देता है। बस आपको अपनी कर्मठता सिद्ध करनी होगी। माहौल को चुटीला बनाते हुए सीएम ने कहा कि अगर यह नव नियुक्त डीएसपी मेहनत से काम करेंगे तो अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी की उम्र तक आते.आते आईजी पद तक पहुंच जाएँगे। उनकी इस बात पर पूरा ऑडिटोरियम ठहाकों से गूंज उठा।

संयम और विवेक के साथ त्वरित निर्णय लेना जरूरी: उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने नवनियुक्त पुलिस उपाधीक्षकों को बधाई देते हुए उन्हें सेवाकाल में विवेकपूर्ण निर्णय लेने की सीख दी। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा में अनेक बार अलग–अलग तरह के दबाव भी झेलने पड़ते हैं, लेकिन मौके की स्थिति को समझते हुए स्वविवेक का प्रयोग करते हुए दृढ़ता और विनम्रता और संयम के साथ त्वरित निर्णय लेना ही अच्छे अधिकारी की पहचान है। डिप्टी सीएम ने कहा कि हाल के वर्षों में यूपी पुलिस की छवि में सकारात्मक बदलाव हुआ है। आज अपराधियों में भय है तो आम नागरिकों के लिए मित्र पुलिस की छवि उभरी है यह सर्वथा सराहनीय है।

देश-प्रदेश में तमाम लोग परेशानियों से जूझ रहे हैं: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि आगामी वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश का चुनाव देश का चुनाव होगा। पश्चिम बंगाल ने दिखाया है कि भाजपा किसी भी स्तर पर जाकर चुनाव लड़ती है। उसके लिए आदमी की जान से ज्यादा चुनाव जीतना जरूरी है। देश प्रदेश में तमाम लोग परेशानियों से जूझ रहे हैं। वैश्विक महामारी कोरोना ने फिर हम सबको घेर लिया है। ऐसे चक्रव्यूह में फंस गए हैं कि कैसे निकलें किसी ने ऐसे बुरे और काले दिन नहीं देखे होंगे। भाजपा इस सबसे बेख़बर उत्सव और प्रचार से ही सरकार चला रही है। जनता अब आने वाले समय में बदलाव की तरफ देखेगी। वह तरक्की और खुशहाली के लिए वोट करेगी और भाजपा का सफाया हो जाएगा। अखिलेश यादव शनिवार को पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस, बसपा और भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं के बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल होने के अवसर पर पत्रकारों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि उनके आने से पार्टी को ताकत मिलेगी। पार्टी अपने साथ समाज के सभी वर्गो के लोगों को जोड़ने का काम करेगी। श्री यादव ने कहा कि आज तमाम लोग परेशानी में है। कितने लोग कोराना के संक्रमण में जान गंवा चुके हैं। इस संकट में गरीब का रोजगार छिन गया। पलायन के दौरान लोगों की जाने चली गई। जिन्हें संकट से बचाव के लिए इंतजाम करना था वे स्टार प्रचारक बनकर झूठ बोलने निकल पड़े हैं।

बसपा, भाजपा व कांग्रेस के नेता सपा में शामिल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व पर आस्था जताते हुए शनिवार को बसपा, भाजपा और कांग्रेस पार्टी छोड़कर आये कई वरिष्ठ नेताओं ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी में शामिल सभी नेताओं तथा उनके साथ आए कार्यकर्ताओं का स्वागत किया तथा उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा पार्टी को इनके आने से मजबूती मिलेगी।

मत्स्य पालन से लाखों युवाओं को रोजगार देगी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मछली पालन से रोजगार सृजन और आय में वृद्धि की संभावनाओं को देखते हुए योगी सरकार ने बड़ी पहल शुरू की है। कम पूंजी से शुरू होने वाले इस व्यवसाय से लाखों युवाओं को रोजगार देने के प्रयास तेज हो गए हैं। आसानी से शुरू होने वाले इस व्यवसाय से बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर तो उपलब्ध होंगे वहीं गांव में बंजर पड़ी पंचायती जमीन पर बनाए गए तालाबों से ग्राम पंचायत की आय के साधन भी बढ़ जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि रोजगार की अपार संभावनाएं रखने वाला मछली पालन ग्रामीण विकास और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। यही कारण है कि अब मछली पालन में प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिये सुनहरे अवसर प्रदान करने जा रही है। इस दिशा में मत्स्य पालन विभाग की ओर से कई लाभकारी योजनाएं शुरू होने जा रही हैं। जिससे बेरोजगारी तो दूर होगी और साथ में मत्स्य पालन को बढ़ावा भी मिलेगा। पिछली सरकारों ने इस दिशा में कोई महत्वपूर्ण कार्य नहीं किया जिस कारण रोजगार के बड़े अवसर प्रदान करने वाला यह क्षेत्र पिछड़ा रह गया। मत्स्य पालन विभाग की ओर से किसानों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। मत्स्य पालन का प्रशिक्षण देने के साथ ही इसके विस्तार के प्रयास सरकार की ओर से किए जा रहे हैं। अब किसान खेती के साथ.साथ मछलीपालन करके भी अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। प्रदेश गुना उत्पादन सरकार ने पिछली सरकारों की अपेक्षा मत्स्य जलाशयों की अवधि को 3 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष की है। यही कारण है कि बीते चार साल वर्षों मे प्रदेश में 26.44 लाख मी.टन मत्स्य उत्पादन हुआ। चार वर्षों में 1191.27 करोड़ मत्स्य बीज उत्पादन हुआ और 5902 मत्स्य पालकों को किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किये गये। प्रदेश सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना लागू करके नि:शुल्क मछुआ दुर्घटना बीमा योजना का लाभ भी किसानों को दिलवाया। सरकार ने पिछले चार वर्षों में प्रदेश के 2215 मछुआ आवास आवंटित किए हैं। इसके साथ ही यूपी के मत्स्य पालकों को फिश फार्मर ऐप का संचालन कर सुविधाओं में इजाफा किया है। प्रदेश में 57 मत्स्य बीज हैचरी और 385 मत्स्य बीज रियरिंग यूनिट का निर्माण होने से सीधे तौर पर लोगों को लाभ मिल रहा है। कुछ समय पूर्व योगी सरकार के नेतृत्व में बेस्ट स्टेट ऑफ इन्लैण्ड फिशरीज़ का प्रथम पुरस्कार भी प्रदेश को हासिल हुआ है। प्रदेश सरकार की यह सबसे बड़ी उपलब्धि बना है।

छात्रों को छात्रवृत्ति देने में सरकार ने बनाया रिकार्ड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

छात्रवृत्ति वितरण में भी योगी सरकार ने रिकार्ड कायम कर दिया है। छात्रों की पढ़ाई में किसी तरह की बाधा न उत्पन्न हो इसके लिए छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति दिए जाने का काम किया गया है। चार साल में प्रदेश सरकार ने दसवी के ऊपर के अनुसूचित जाति के छात्रों को 5309 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति दी जा चुकी है। सरकार की ओर से दसवीं के ऊपर के छात्रों को 71.49 करोड़ रुपए छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा चुका है। इसके अलावा अल्पसंख्यक छात्रों को भविष्य बनाने के लिए साढ़े चार लाख छात्रों को 109 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। प्रदेश में पिछड़े, दलित, वंचित वर्ग समेत अल्पसंख्यक गरीब छात्रों का भविष्य को संवारने के लिए योगी सरकार ने चार सालों में छात्रवृत्ति वितरण में कीर्तिमान बना दिया है। सरकार की ओर अनुसूचित जाति व सामान्य वर्ग की तर्ज पर अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक व अनुसूचित जनजाति के गरीब छात्र–छात्राओं को करोड़ों रुपयों की छात्रवृत्ति को सीधे छात्र.छात्राओं के खातों में भेजा जा रहा है। विगत चार वर्षों में अनुसूचित जाति के दसवीं कक्षा से नीचे के छात्रों को 391.75 करोड़ रुपए और अनुसूचित जाति के दसवीं कक्षा से ऊपर के छात्रों को 5309 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति वितरित की है। वहीं अनुसूचित जनजाति के दसवीं कक्षा से नीचे के के छात्रों को 3 करोड़ 7 लाख रुपए और अनुसूचित जनजाति के दसवीं कक्षा से ऊपर के छात्रों को 71. 49 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति वितरित किया गया है। साथ ही अन्य पिछड़े वर्ग के दसवीं कक्षा से नीचे छात्रों को 576.4 8 करोड़ रुपए और दसवीं कक्षा से ऊपर के छात्रों को 4217.15 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। इसके अलावा अल्पसंख्यक वर्ग के 4 लाख 31 हजार 730 दसवीं कक्षा से नीचे के छात्रों को 109.6 करोड़ रुपए और दसवीं कक्षा से ऊपर के 12 57 हजार 210 छात्रों को 899.92 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति दी गई। 12 लाख 57 हजार 210 छात्र–छात्राओं को 899.92 करोड़ की छात्रवृत्ति और सामान्य वर्ग के 2 लाख 32 हजार 552 दसवीं से पूर्व छात्रों को 59.58 करोड़ रुपए एवं दसवीं से आगे के छात्र.छात्राओं को 2052.65 करोड़ छात्रवृत्ति वितरित की गई। प्रदेश के 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालय निर्माण कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में 103 पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं।

हमेशा से दलित विरोधी रहा है समाजवादी पार्टी का चरित्र: मनोज यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन मनोज यादव ने सपा सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अखिलेश को दलित–पिछड़ा विरोधी मानसिकता का करार देते हुए कठघरे में खड़ा किया है। पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन मनोज यादव ने कहा कि सूबे की समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव आज पूरी तरह से दलित–पिछड़ों की हकमारी के मामले में पूरी तरह से एक्स्पोज हो चुके हैं। दलित–अति पिछड़ा समाज आज उनका साथ छोड़ चुका है। भारत रत्न बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की जयंती 'दलित दिवाली' के रूप में मनाने की घोषणा करना उसी हताशा का परिणाम है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अखिलेश यादव बाबा साहब की विचारधारा को कुन्द और सीमित करना चाहते है। उन्होंने कहा कि दलितों के उत्पीड़न में सपा–बसपा और भाजपा दोनों एक समान रहे हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी–33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

जागरूकता: वैक्सीनेशन का झण्डा बुलंद करेंगे लाखों छात्र

आज से 14 तक चलेगा टीकाकरण अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कोविड संक्रमण से बचाव और टीकाकरण के प्रति जनता को जागरूक करने की कमान संभालने के बाद अब प्रदेश की युवा शक्ति भी आगे आ गई है। प्रदेश के इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में पढ़ने वाले तीन लाख से अधिक छात्र अब लोगों को कोविड वैक्सीन के प्रति जागरूक करेंगे और वैक्सीन के प्रति लोगों के भ्रांतियों को भी खत्म करेंगे। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय की ओर से ऐसे छात्रों को धनराशि व अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

कोविड संक्रमण बढ़ने के साथ सीएम योगी ने संक्रमण पर काबू पाने के लिए खुद इसकी कमान संभाली है। कोविड नियंत्रण को लेकर सीएम ने निगरानी समितियों का गठन किया है। इसके अलावा सीएम ने स्वयं प्रयागराज व वाराणसी में कोविड वैक्सीनेशन प्रबंधों का जायजा लिया था। साथ ही अपने मंत्रियों को नोडल अधिकारी नियुक्त कर फील्ड में भेजा है। मुख्यमंत्री के फील्ड में उतरने के बाद अब एकेटीयू से सम्बद्ध संस्थानों के तीन लाख से अधिक छात्र भी करोनो संक्रमण की रोकथाम के लिए मैदान में आ गए है। एकेटीयू के कुलपति प्रो विनय पाठक ने बताया कि राज्यपाल व मुख्यमंत्री के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए छात्रों की मदद ली जा रही है।

वाटसअप पर फेटो अपलोड करो, पाओ सम्मान: एकेटीयू व आईईटी लखनऊ मिलकर कोविड वैक्सीन को लेकर जागरूकता अभियान शुरू करने जा रहा है। इस अभियान की शुरूआत राज्यपाल आनंदीबेल पटेल के कर कमलों से होगी। कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक बताते हैं कि इसमें सभी छात्रों से अनुरोध किया गया है कि वह अपने अभिभावकों व निवासित स्वजनों को कोविड वैक्सीन लेने के लिए प्रेरित करें। इसके बाद उनको अपने अभिभावकों की फेटो वाटसअप के जरिए विश्वविद्यालय को भेजना होगी। विश्वविद्यालय की ओर से ऐसे छात्रों को अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। एकेटीयू के साथ इस मुहिम में सीतापुर रोड स्थित आईईटी के चार हजार से अधिक छात्र भी शामिल होंगे। आईईटी के निदेशक प्रो विनीत कंसल ने बताया कि छात्रों को इस अभियान से जोड़ने से कोविड वैक्सीनेशन को बढ़ावा मिलेगा। छात्र बेहतर तरीके से वैक्सीनेशन को लेकर लोगों को भ्रांतियों को खत्म कर सकेंगे।

गांव में चलेगा जागरूकता अभियान: एकेटीयू अपने छात्रों के साथ.साथ राष्ट्रीय सेवा योजना व राष्ट्रीय कैडेट कोर इकाइयों की मदद से गांव में कोविड वैक्सीनेशन को लेकर जागरूकता अभियान चलाएगा। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों व आंगनबाड़ियों के माध्यम से ग्रामीण लोगों में वैक्सीनेशन को लेकर जो भ्रम है, उसे समाप्त करेगा। उनको करीबी टीकाकरण केन्द्र की जानकारी मुहैया कराई जाएगी।

ग्रामीणों को दिखाई जाएगी वाडियो: एकेटीयू के प्रवक्ता आशीष मिश्र बताते हैं कि ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती उर्दू अरबी फारसी विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के छात्रों द्वारा कोविड वैक्सीन की जानकारियों से जुड़ी पर आधारित एक विडियो तैयार की गई है। जो ग्रामीणों को दिखाई जाएगी। साथ ही इस विडियो का ऑनलाइन प्रचार व प्रसार किया जाएगा।

हजरतगंज चौराहे पर ऑटो को सेनीटाइज करते नगर निगम कर्मचारी

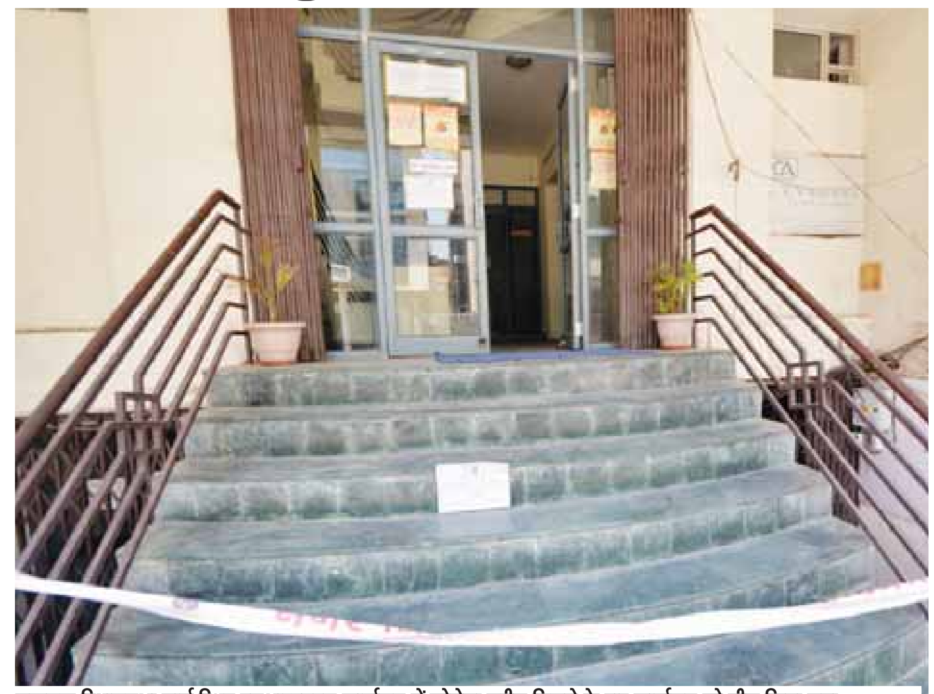

लखनऊ विधानसभा मार्ग स्थित एनआरएचएम कार्यालय में कोरोना मरीज मिलने के बाद कार्यालय को सील किया गया

लविवि में हॉस्टल खाली कराये जाने के बाद एक हॉस्टल में पसरा सन्नाटा

मंत्री अनिल राजभर ने लगवा ली वैक्सीन की पहली डोज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कहा-भारत में बनी कोविड वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित, पात्र व्यक्ति को आगे बढ़कर लगवानी चाहिए वैक्सीन

प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री श्री अनिल राजभर ने शिवपुर विधानसभा क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिरईगांव वाराणसी में अपनी बारी आने पर आज स्वदेशी कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लगवाई। मंत्री जी ने कहा कि भारत में बनी कोविड वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित है। वैक्सीन के लिए पात्र व्यक्ति आगे आकर अपना वैक्सीनेशन अवश्य कराये। श्री राजभर ने कहा कि प्रदेश में कोविड नियंत्रण के लिए मुख्यमंत्री जी के निर्देशन में कार्ययोजना बनी है जिस पर विभागों के द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बाहर से आने वाले लोग अपनी समाज के प्रति जिम्मेदारी समझते हुए अपनी जांच कराए या कुछ दिन घर मे ही रहे।

टीकाकरण उत्सव में सरकार लेगी धर्मगुरुओं की मदद

लखनऊ। पीएम नरेन्द्र मोदी के आवहन पर होने जा रहे टीकाकरण उत्सव को सफल बनाने के लिये योगी सरकार विभिन्न सम्प्रदायों के धर्म गुरूओं की मदद लेगी। इस बारे में मुख्यसचिव की तरफ से आज सभी जिलों को जरूरी दिशा-निर्देश जारी करके टीकाकरण अभियान को कामयाब बनाने का रोडमैप बताया गया है। मुख्यसचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा जारी किये गये निर्देश में कहा गया है कि राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री नगरीय संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों के साथ 12 अप्रैल को वेब वार्ता का आयोजन किया जायेगा तथा दिनांक 13 अप्रैल को प्रदेश के विभिन्न धर्मगुरूओं के साथ वेब वार्ता का आयोजन किया जायेगा। इन वेब वार्ताओं के आयोजन की सम्पूर्ण जिम्मेदारी सम्बन्धित जिलाधिकारी की रहेगी। विभिन्न धर्मगुरूओं, जिनकी संख्या 6 से 10 तक हो सकती है, को एनआईसी के माध्यम से कान्फ्रेन्स रूम में आमंत्रित किया जायेगा। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री द्वारा कुछ धर्मगुरूओं से वार्ता भी की जायेगी और सम्बोधन भी होगा। मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि कोरोना महामारी से लड़ाई हेतु प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक स्तर पर व्यापक प्रयास किये जा रहे हैं, जिनमें कि ट्रैकिंग, ट्रेसिंग एवं ट्रीटमेन्ट सम्मिलित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा देश में बनायी हुई वैक्सीन की भूमिका कोरोना की लड़ाई में निर्णायक सिद्ध हो रही है। टीकाकरण की कार्यवाही युद्ध स्तर पर की जा रही है। देश में प्रथम चरण में स्वास्थ्य कार्मिकों को, दूसरे चरण में फ्रन्ट लाइन वर्कर्स को तथा तीसरे चरण में 45 वर्ष से अधिक सभी व्यक्तियों को टीकाकरण की कार्यवाही की जा रही है। विशेष टीका उत्सव के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों से समन्वय स्थापित करके प्रदेश के आम नागरिकों को अधिक से अधिक टीकाकरण हेतु प्रेरित करने का अभियान चलाया जायेगा। विशेष टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक है कि समाज के विभिन्न वर्गों को टीकाकरण में सम्मिलित होने हेतु प्रोत्साहित किया जाये तथा उनका सहयोग लिया जाये।

आधे घर से तो आधे आफिस में करेंगे काम

सीएम के निर्णय के क्रम में मुख्यसचिव ने जारी किये दिशा-निर्देश

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के लगातार बढते मामलों के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चार शहरों में पचास फीसदी स्टाफ के साथ काम कराने के फैसले के क्रम में मुख्यसचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने आज व्यापक दिशा.निर्देश जारी कर दिये है। सचिवालय, विधान परिषद सचिवालय, विधान सभा सचिवालय तथा निदेशालयों में कार्यरत समूह (ख), समूह (ग) एवं समूह (घ) के तैनात 50 प्रतिशत कार्मिक कार्यालयों में उपस्थित हों और शेष 50 प्रतिशत कार्मिकों को घर से काम करने का प्रावधान किया गया है। नयी व्यवस्था के बार में मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि प्रदेश में कोरोना प्रसार को रोकने के लिए लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर नगर एवं वाराणसी स्थित विभिन्न सरकारी कार्यालयों में भी समूह.(ख), समूह (ग) एवं समूह.(घ) के तैनात 50 प्रतिशत कार्मिक कार्यालयों में उपस्थित हों और शेष 50 प्रतिशत कार्मिकों को घर से काम करना होगा। उन्होंने बताया कि सभी विभागाध्यक्ष एवं उक्त जनपदों के जिलाधिकारी इस प्रकार की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक दिन कार्यालयों में समूह.(ख), समूह (ग) एवं समूह.(घ) के तैनात 50 प्रतिशत कार्मिकों की उपस्थिति सुनिश्चित हो तथा शेष 50 प्रतिशत घर से ही कार्य निष्पादित करें। इसके लिए कार्मिकों का रोस्टर तैयार किया जायेगा।नयी गाइड लाइन में कहा गया है कि वह अपने यहां कार्यरत समूह.(ख), समूह (ग) एवं समूह.(घ) के कर्मचारियों का साप्ताहिक रोस्टर इस प्रकार बना लें कि ऐसी कर्मी अल्टरनेट (वैकल्पिक) सप्ताह में कार्यालय में आयें। कार्यालय आने वाले कार्मिकों का चिन्हीकरण करते समय घर से दूरी एवं कार्यालय आने में उपयोग किये जाने वाले स्वयं के साधनों का भी ध्यान रखा जायेगा। रोस्टर के अनुसार घर से कार्य सम्पादित कर रहे कार्मिक इस अवधि में अपने मोबाइल एवं इलेक्ट्रानिक साधनों के माध्यम से कार्यालय के सम्पर्क में रहेंगे, उन्हें आवश्यकता पड़ने पर बुलाया जा सकेगा। यह दिशा-निर्देश उन कर्मचारियों पर लागू नहीं होंगे जो ऐसी आकस्मिक एवं आवश्यक सेवाओं से जुड़े हैं जो कोविड.19 की रोकथाम में प्रत्यक्ष भूमिका निभा रहे हैं।

किसान के घर बदमाशों का धावा, जमकर लूटपाट

संवाददाता। सरोजनीनगर-लखनऊ

बंथरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात तीन नकाबपोश बदमाशों ने एक किसान के घर पर धावा बोल दिया। बदमाश घर के सदस्यों को अलग-अलग कमरों में बंधक बनाकर लूटपाट करने लगे। किसान ने शोरगुल मचाते हुए बदमाशों का विरोध किया तो बदमाशों ने उसके सिर पर ईट से कई वार कर उसे लहूलुहान कर दिया। जिससे किसान बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। बाद में बदमाश हजारों की नगदी व करीब एक लाख रुपये कीमत के गहने भरे दो संदूक लेकर वहां से फरार हो गए। बाद में होश आने पर किसान ने अपने परिजनों को बंधक मुक्त किया। वहीं शोरगुल सुनकर घरों से बाहर निकले पड़ोसियों ने बदमाशों को दौड़ाया, लेकिन बदमाश संदूक में रखे गहने और नकदी लेकर नगवा नाला की तरफ भाग निकले। आनन-फानन घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना के काफी देर बाद पहुंची पुलिस जांच पड़ताल कर वापस लौट गई। बंथरा के औरावां गांव निवासी किसान राजकुमार सिंह के मुताबिक शुक्रवार रात वह अपने घर के अंदर बरामदे में सो रहे थे। जबकि उनका बड़ा बेटा सनी अपनी पत्नी सीमा के साथ एक कमरे में और छोटा बेटा सोनू व उसकी मां एक कमरे में सो रहे थे। इसी बीच रात करीब 1:30 बजे छत के रास्ते किसान राजकुमार के घर में दाखिल हुए तीनों बदमाशों ने सभी के कमरों के दरवाजे की कुंडी बाहर से बंद कर दी और एक अन्य कमरे में रखे संदूक के ताले तोड़ने लगे। ताले टूटने की आवाज सुनकर राजकुमार की नींद खुल गई। इस दौरान बदमाश कमरे से दो संदूक उठा कर बाहर ले जा रहे थे। राजकुमार के मुताबिक संदूक ले जाते देख उन्होंने चिल्लाना शुरू कर

दिया और अकेले ही बदमाशों से भिड़ गए। इतने में खुद को घिरते देख बदमाशों ने ईंट उठाकर राजकुमार के सिर पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। जिससे वह लहूलुहान होकर बेहोशी की हालत में वहीं जमीन पर गिर गए। राजकुमार की माने तो तीनों बदमाश कपड़े से अपना चेहरा ढके हुए थे। बाद में होश आने पर राजकुमार ने कमरों के दरवाजे की कुंडी खोलकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। उधर राजकुमार की चीख-पुकार सुनकर पहुंचे ग्रामीणों की मदद से बदमाशों का काफी दूर तक पीछा किया गया, लेकिन बदमाश अंधेरे का फायदा उठाते हुए नगवा नाले की ओर भाग निकले। आनन फानन घटना की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के साथ कांबिंग की, तो किसान राजकुमार के संदूक गांव के बाहर जंगल में खाली पड़े मिले। राजकुमार के मुताबिक संदूकों का सारा सामान बाहर बिखरा पड़ा था। जबकि बंदूक के अंदर रखी 10 हजार रुपये की नगदी और करीब 1 लाख रुपये कीमत के गहने गायब मिले। फिलहाल पुलिस ने पीड़ित किसान की तहरीर पर मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली और बदमाशों का सुराग लगा रही है। पुलिस की जांच पड़ताल के दौरान बदमाश जिधर भागे थे, उस रास्ते में एक जोड़ी चप्पल और एक जोड़ी जूते पड़े मिले हैं। अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह जूते और चप्पल बदमाशों के ही हैं, जो ग्रामीणों के दौड़ाने पर वह छोड़ भागे। फिलहाल पुलिस ने इन चप्पल जूतों को कब्जे में ले लिया है। उधर इस घटना को लेकर ग्रामीणों में स्थानीय पुलिस के प्रति काफी नाराजगी व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस गस्त ना होने के कारण बदमाशों ने आराम से घटना अंजाम दे दी। उन्होंने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को घटना की सूचना देने के कुछ देर बाद पुलिस की पीआरवी मौके पर पहुंची और उन्होंने जांच पड़ताल किया। लेकिन आरोप है कि बंथरा पुलिस करीब घंटे भर बाद मौके पर पहुंच सकी और बाद में जांच पड़ताल कर वापस लौट गई। फिलहाल घटनास्थल पर काफी देरी से बंथरा पुलिस के पहुंचने को लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है।

अन्तर्राज्यीय गिरोह का तस्कर गिरफ्तार, 20 देशी पिस्टल बरामद

लखनऊ। एसटीएफ ने अन्तर्राज्यीय गिरोह के एक तस्कर राम प्रवेश यादव को लखनऊ के गोमती नगर विस्तार थाना क्षेत्र स्थित सीएमएस स्कूल के पास से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से .32 बोर की 20 देशी पिस्टल और 40 मैग्जीन बरामद हुईं।

गिरफ्तार तस्कर ने पूछताछ में बताया कि सत्यनाम निवासी सेंदुवा खण्डवा, मध्य प्रदेश अवैध पिस्टल बेचता है। जिससे वह 11000 रुपए प्रति पिस्टल मय मैग्जीन खरीद कर लाता है। जिन्हें उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में बेचता है। इसके पूर्व भी उसे अवैध पिस्टल के साथ वर्ष 2010 में पीलीभीत जिले व देवरिया के लार थाने में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जमानत पर रिहा होने के बाद वह फिर अवैध असलहों की तस्करी के धंधे में जुट गया।

कार की टक्कर से टेम्पो पलटी, ड्राइवर की मौत

मोहनलालगंज। गौरा पेट्रोल पम्प के निकट सवारियां लेकर आ रही टेम्पो में बेकाबू कार ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में टेम्पो पलटने से उसके नीचे दबकर ड्राइवर की मौत हो गई। जबकि जख्मी सवारियों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। निगोहां के भगवानपुर गांव निवासी बृजलाल उर्फ बब्लू टेम्पो चलाकर अपने परिवार का गुजारा करता था। शनिवार की शाम सवारियां लेकर मोहनलालगंज की ओर आ रहे बृजलाल की टेम्पो में गौरा पेट्रोल पम्प के निकट बेकाबू कार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।हादसे में टेम्पो अनियंत्रित होकर पलट गई जिसके नीचे दबकर ड्राइवर बृजलाल की मौत हो गई। जबकि सवारियां टेम्पो में फंसकर चीख पुकार करने लगी।मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पीएम के लिए भेजा जबकि उन्नाव के पुरवा निवासी आसिफअली और उसकी मां तस्लीम कौसर समेत अन्य जख्मी सवारियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाकर भर्ती कराया। इंस्पेक्टर दीनानाथ मिश्र ने बताया प्राथमिक उपचार के बाद सवारियों को घर भेज दिया गया। टेम्पो मालिक ओमकार जायसवाल की तहरीर पर कार ड्राइवर के विरुद्ध केस दर्ज कर उसे कब्जे में लिया गया है।

मानसिक विक्षिप्त की संदिग्ध हालात में मौत

लखनऊ। राजधानी के गाजीपुर इलाके में स्थित आजाद मार्केट में एक व्यक्ति की संदिग्ध हालात में मौत हो गयी। पुलिस का कहना है कि मृतक मानसिक रुप से विक्षिप्त था। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इंस्पेक्टर गाजीपुर प्रशांत मिश्रा का कहना है कि ग्राम उचाखेड़ा कलां थाना सिधौली जनपद सीतापुर हालपता मड़ियांव निवासिनी मीनू अवस्थी ने शनिवार को सूचना दिया उसके पति 45 वर्षीय सुधीर अवस्थी जो आजाद मार्केट गाजीपुर में चाय नाश्ता करने के लिए आये थे जिनकी मानसिक स्थित एक वर्ष से ठीक नहीं थी। बताया जा रहा है कि चाय नाश्ता के बाद उनकी अचानक मृत हो गयी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

रेलवे स्टेशन के निकट बरामद हुआ अज्ञात युवक का शव

मोहनलालगंज। रेलवे स्टेशन के निकट कंक्रीट के ढ़ेर पर शनिवार को अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया है। पुलिस को जामातलाशी में शव की जेब से 150 रुपये और एक डायरी व बीड़ी माचिस बरामद हुई है। मृतक ने सफेद व लाल रंग की शर्ट और बैंगनी रंग की जींस पहन रखी थी। उसके सिर पर सफेद रंग की मंकी कैप मौजूद थी। इंस्पेक्टर दीनानाथ मिश्र ने बताया मृतक मजदूर प्रतीत हो रहा है। उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव को मर्च्युरी भेजकर शिनाख्त कराने की कोशिश की जा रही है।

प्रधान प्रत्याशी पर आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट दर्ज

लखनऊ। सरकारी आदेशों व आचार संहिता के उल्लंघन में गुडम्बा पुलिस ने पैकरामऊ प्रधान प्रत्याशी पर रिपोर्ट दर्ज की है। इंस्पेक्टर गुडम्बा फरीद अहमद ने बताया कि उपनिरीक्षक गढ़ी चौकी सतीश चंद्र मिश्रा धानए नितेन्द्र यादवए अफसर अलीए चमन अहमदए अब्दुल, मंजेश, रीताए मंयक कुमारी टीम के साथ पैकरामऊ ग्राम में शुक्रवार शाम करीब 8. 30 बजे क्षेत्र भ्रमण के दौरान पाया गया कि ग्राम पैकरामऊ प्रधान मोहम्मद रेहान घर के 8. 30 बजे क्षेत्र भ्रमण के दौरान पाया गया कि ग्राम पैकरामऊ प्रधान मोहम्मद रेहान घर के सामने काफी संख्या में वाहन खड़े कर बिना विधिक अनुमति के लगभग 500 की संख्या मे भीड़ इकट्ठा कर चुनाव प्रचार कर रहा है। जिसके बाद प्रधान प्रत्याशी पैकरामऊ मो० रेहान पर धारा 144 के अंतर्गत सरकारी आदेशों व आचार संहिता के उल्लंघन में रिपोर्ट दर्ज की गई।

बीडीसी एक, प्रधान दो और सदस्य पद के 39 पर्चे खारिज

मोहनलालगंज। नामांकन पत्रों की जांच के अन्तिम दिन शनिवार को मोहनलालगंज ब्लाक में निगोहां से एक बीडीसी और दहियर व जमालपुर ददुरी से ग्राम प्रधान पद का एक.एक नामांकन खारिज किया गया है। जबकि ग्राम पंचायत सदस्य के 39 नामांकन खारिज किए गए। बीडीओ अजीत कुमार सिंह ने बताया रविवार को दोपहर तीन बजे तक नामांकन वापसी और तीन बजे के बाद चुनाव चिन्हों का वितरण किया जाएगा।

बिहार ले जाई जा रही शराब के साथ दो तस्कर दबोचे गए

लखनऊ। राजधानी की गोमतीनगर पुलिस ने हरियाणा मेड की बनी शराब को तस्करी के लिए बिहार ले जा रहे दो तस्करों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस का कहना है कि बरामद शराब की कीमत लाखों में है। वहीं पुलिस का कहना है कि पकड़े गये तस्करों में से दोनों गुणगांव से दो बार जेल भी जा चुके हैं। जानकारी के अनुसार शनिवार की प्रातः गोमतीनगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सहारा पुल के पास से जनेश्वर की तरफ एक ट्रक जा रही है जिसमें लाखों की अवैध शराब लदी है। पुलिस ने मुखबिर की बात पर भरोसा किया और ततकाल मौके पर पहुंच गयी। पुलिस को आता देख चालक ने गाड़ी भगाई लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर भाग रहे चालक व उसके साथी को दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में तस्करों ने अपना नाम हरदोई निवासी आदर्श प्रताप लोधी व फरुखाबाद निवासी अशोक कुमार बताया। पुलिस ने बताया कि डीसीएम की तलाशी में लाखो रुपए कीमत की शराब बरामद हुई है। पुलिस का कहना है कि गैंग का सरगना अजय प्रधान है जिसकी आदर्श से मुलाकात भोण्डी जेल में हुई थी वहीं से दोनों की दोस्ती हुई थी।

अवैध तमंचा सहित युवक गिरफ्तार: बख्शी का तालाब लखनऊ। इटौंजा पुलिस ने युवक को अवैध तमंचे सहित युवक को गिरफ्तार करने का दावा किया हैं । थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि उसरना चौराहे पर पुलिस चेकिंग कर रही थी । उसी वक्त एक युवक मोटरसाइकिल से गुजरा पुलिस को देखकर वह भागने लगा। पुलिस ने पीछा करने के बाद उसे पकड़ लिया।

रेलवे इंजीनियर के नौकर की हत्या में फरार आरोपी अनिकेत गिरफ्तार

कब्जे से 23 लाख रुपए व जेवरात बरामद महिला समेत चार लोगों को पुलिस पहले ही कर चुकी है गिरफ्तार दो अन्य की तलाश में पुलिस की दबिश जारी

लखनऊ। राजधानी की कैंट पुलिस ने गत दिनों रेलवे इंजीनियर पुनीत के घर से चोरी किए गये कारोड़ो रुपए व उनके नौकर की हत्या के मामले में फरार चल रहे शातिर अनिकेत को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि अभियुक्त के कब्जे से दो लाख तीस हजार रुपए व सोने के

जेवरात बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि अभी इस वारदात में शामिल दो अन्य शातिर फरार हैं जिनकी तलाश की जा रही है। इससे पहले वारदात के खुलासे के दौरान महिला समेत चार लोगों को पुलिस सत्तर लाख नकदी बरामद कर जेल भेज चुकी है। गौरतलब है कि गत दिनो कैंट स्थित रेलवे कालोनी निवासी इंजीनियर पुनीत कुमार के नौक बृज मोहन की हत्या कर दी गयी थी और इस दौरान करीब ढ़ाई करोड़ रुपए व गहने चोरी कर लिए गये थे। पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए शामिल महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे सत्तर लाख बरामद किए थे। पुलिस का दावा है कि घटना में शामिल फिरोजाबाद निवासी अनिकेत अजय उर्फ रिंकू उर्फ बाबूजी व उपरोक्त निवासी बहादुर फरार थे। पुलिस ने शनिवार को फरार चल रहे अनिकेत को गिरफ्तार कर लिया है और उसके कब्जे से तेईस लाख रुपए नकद व एक लाख कीमत के जेवरात बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है वही फरार दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

सामाजिक सहभागिता से ही संभव है क्षय रोग नियंत्रण

- राज्यपाल ने प्रशासनिक व पुलिस अफसरों के क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद लेने पर जतायी प्रसन्नता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि क्षय रोग निवारण अभियान की सफलता जनजाग्रति एवं सामाजिक सहभागिता से ही सम्भव है। अत: सभी प्रतिनिधि कैलेण्डर बनाकर प्रत्येक जिले में जागरुकता कार्यक्रम चलाये तथा अधिक से अधिक क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद लें। उन्होंने कहा कि जो बच्चे स्वस्थ हो चुके है, उनके स्थान पर दूसरे बीमार बच्चे लिये जा सकते है।

राज्यपाल शनिवार को राजभवन के गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश क्षय रोग निवारक संस्था की वार्षिक सामान्य बैठक को संबोधित कर रहीं थीं। बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त की कि जनपदों में जिलाधिकारी, सीडीओ, पुलिस अधीक्षक आदि स्तर के अधिकारी क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद ले रहे हैं।

इस कार्य में विश्वविद्यालयों, स्वयं सेवी संस्थाओं व समाज सेवियों का सहयोग मिल रहा है। हमें इसे जनांदोलन के रूप में चलाना चाहिए। राज्यपाल ने उदाहरण देते हुए कहा कि प्रदेश में लगभग 50 हजार से अधिक कालेज हैं। यदि हर कालेज एक गांव गोद ले तो यह कार्य प्रत्येक गांव तक पहुंच जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि तहसील स्तर पर ग्राम प्रधानों का सम्मेलन कराकर उन्हें भी इस अभियान से जोड़ने पर हमें आशातीत सफलता मिलेगी। राज्यपाल ने सदस्यों से अपील की कि वे क्षयरोग ग्रसित बच्चों के घर जाकर उन्हें फल मिठाई, गुड़, चना, मूंगफ ली, सत्तू आदि दें तथा बच्चे एवं उनके परिवार से संवाद स्थापित करें इससे आत्मीयता की भावना को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि यदि प्रबुद्ध वर्ग, समाज सेवी, चिकित्साविद्, राजनैतिज्ञ, शिक्षाविद् एवं निजी क्षेत्र सभी अपने राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व समझेंगे तो वह दिन दूर नहीं जब हमारा प्रदेश व देश क्षय रोग मुक्त हो जाएगा। इस अवसर पर राज्यपाल सहित समस्त सदस्यों ने वर्तमान कमेटी के समाप्त हुए कार्यकाल को ध्वनिमत से आगे के लिए अनुमोदित कर दिया। बैठक में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल महेश कुमार गुप्ता तथा उत्तर प्रदेश क्षय रोग निवारक संस्था के सदस्य मौजूद रहे।

राज्यपाल ने की आज से 14 अप्रैल तक टीका उत्सव मनाने की अपील

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन ने राजभवन लखनऊ से रोटरी मंडल के 37वें वार्षिक अधिवेशन में आनलाइन सहभागिता की। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में राज्यपाल ने कहा कि रोटरी समाजिक सेवा का पर्याय है। यह विश्व का सबसे बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन है, जो कि स्वास्थ्य, शिक्षा, शांति, सद्भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्यपाल ने कोविड-19 से बचाव के नियमों पर प्रकाश डालते हुए 45 साल के ऊपर आयु वालों को वैक्सीन लगवाने के लिए आह्वान किया तथा रोटरी के सदस्यों से अपेक्षा की कि प्रधानमंत्री के द्वारा की जा रही 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक टीका उत्सव मनाए जाने की अपील को जन-जन तक पहुंचाए। राज्यपाल ने टीबी रोग से ग्रसित बच्चों एवं कुपोषित गर्भवती महिलाओं के कल्याण के क्षेत्र में और अधिक काम करने के लिए कहा ताकि प्रधानमंत्री का 2025 तक देश को टीबी मुक्त देश बनाया जा सके। उन्होंने रोटरी के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए और अधिक समन्वय के साथ काम करने की बात कही।

कार्यक्रम में डिस्ट्रिक गवर्नर केके श्रीवास्तव, कंचना श्रीवास्तव, ट्रेनर रंजीत सिंह, चीफ एडवाइजर शैलेन्द्र जैन, कांफ्रेंस चेयरमैन ऋषि अग्रवाल, सचिव डॉ. आभा वर्मा एवं समस्त जिला सचिव उपस्थिति रहे।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को राजभवन में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट की।

तस्कर गिरफ्तार, अवैध मार्फीन बरामद

लखनऊ। जानकीपुरम पुलिस ने शनिवार को एक तस्कर को अवैध मार्फीन के साथ गिरफ्तार करने का दावा किया है। इंस्पेक्टर जानकीपुरम ब्रजेश सिंह ने बताया कि उपनिरीक्षक सुधांशू रंजन, आशुतोष कुमार पाण्डेय, हेडकांस्टेबल अवधेश कुमार गिरि, राधारमण ने टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर मंगल पुरवा, नानपारा, बहराइच निवासी नीरज (19) को 150 ग्राम अवैध मार्फीन के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपित को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 में जेल भेज दिया गया है।

टीकाकरण की खबर प्रकाशित करने पर पत्रकार को धमकाया

संवाददाता। सरोजनीनगर-लखनऊ

सरोजनीनगर के हरौनी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में कोरोना टीकाकरण बंद होने की खबर प्रकाशित करने पर स्वास्थ्य केन्द्र की प्रभारी द्वारा एक हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के स्थानीय संवाददाता को जमकर धमकाया। आरोप है कि महिला चिकित्सक ने फ़िर से खबर प्रकाशित करने पर पत्रकार को किसी झूठे मामले में आरोपित कर जेल भी भिजवाने की धमकी दी। सरोजनीनगर के रामदासपुर गांव में रहने वाले राहुल तिवारी एक हिन्दी दैनिक समाचार पत्र में अपराध संवाददाता है। राहुल तिवारी का आरोप है कि वह हरौनी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर अपनी मां श्रीमती माया तिवारी को कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज लगवाने गये थे। लेकिन वहां मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों ने बिना कोई कारण बताए ही उनके कार्ड में तिथि बदल कर वापस लौटा दिया। जिसपर राहुल तिवारी ने इसकी खबर प्रकाषित कर दी। राहुल तिवारी का आरोप है कि शुक्रवार को स्वास्थ्य केन्द्र की प्रभारी डा. अर्चना वर्मा ने फोन कर उन्हें काफी धमकाया और किसी फर्जी मामले में फंसाकर जेल भेजने की भी धमकी दी। राहुल तिवारी ने बताया कि डा. वर्मा द्वारा दी गई धमकी का आडियो वायरल करने पर अब वह उन्हें किसी संगीन वारदात में फर्जी फंसाने की धमकी दे रही है। इस संबंध में डा. वर्मा का कहना है कि वायरल हो रहा आडियो फर्जी है। हरौनी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर कोरोना टीकाकरण में हो रही लापरवाही को लेकर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के काफी नजदीकी माने जाने वाले एवं भाजपा के स्थानीय नेता ने भी अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मियों पर आरोप लगाया था। बताया जाता है कि इस खबर के प्रकाषन के बाद भी स्वास्थ्य केन्द्र की प्रभारी डा. वर्मा द्वारा कई मरीजों से स्थानीय पत्रकारो के खिलाफ जिला प्रशासन से शिकातय करने की धमकी दी थी।

इंग्लैण्ड के तीन विश्वविद्यालयों में सीएमएस छात्र का चयन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर (द्वितीय कैम्पस) के मेधावी छात्र अक्षत अरोड़ा ने उच्चशिक्षा हेतु इंग्लैण्ड के तीन विश्वविद्यालयों में चयनित होकर लखनऊ का गौरव बढ़ाया है, जिनमें इंग्लैण्ड की यूनिवर्सिटी ऑफ पोर्ट्समाउथ, किंग्स कालेज, लंदन एवं यूनिवर्सिटी ऑफ साउथम्पटन शामिल है। इस प्रकार, सीएमएस के एक और प्रतिभाशाली छात्र ने अपनी शैक्षणिक प्रतिभा की बदौलत विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में चयनित होकर अपने मेधात्व का परचम लहराया है।

अक्षत ने इस सफलता का श्रेय सीएमएस के अपने शिक्षकों को दिया है। सीएमएस के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष सीएमएस के 100 से अधिक मेधावी छात्र विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में उच्चशिक्षा हेतु चयनित होते हैं। इस वर्ष अभी तक सीएमएस के लगभग 50 से अधिक छात्र अमेरिका, इंग्लैण्ड, कैनडा, आस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, जर्मनी आदि विभिन्न देशों के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों में चयनित हो चुके है, जिनमें से अधिकतर को स्कॉलरशिप प्राप्त हुई है।

श्री शर्मा ने आगे कहा कि सीएमएस छात्रों के दृष्टिकोण व्यापक बनाने व उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु सदैव प्रयासरत है और इसी कड़ी में छात्रों को भारत में एवं विदेशों में उच्चशिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान कर रहा है। सीएमएस प्रदेश में एकमात्र एसएटी (सैट) एवं एडवान्स प्लेसमेन्ट (एपी) टेस्ट सेन्टर है जो उत्तर प्रदेश एवं आसपास के अन्य राज्यों के छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद कर रहा है। इससे पहले, विदेश में उच्चशिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक प्रदेश के छात्रों को सैट परीक्षा के लिए दिल्ली जाना पड़ता था।

भाजपा जनता की असली हितैशी: कौशल किशोर

संवाददाता। बीकेटी लखनऊ

त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में नामांकन के साथ ही अपने पक्ष में समर्थन के लिये मैदान में उतर पड़े हैं। शनिवार को सांसद कौशल किशोर ने वार्ड छह से जिला पंचायत सदस्य के लिये चुनाव लड़ रहे ज्ञान चंद ज्ञानी के लिये प्रचार किया। उन्होंने क्षेत्र के कठवारा और सुल्तानपुर गांव में आयोजित सभा में जनता से उन्हें जितने की अपील की हैं। उन्होंने बताया कि जनता की असली हितैसी भाजपा ही हैं। जो आमजन तक विकास का लाभ पहुचाने के लिये कार्यरत हैं। इस अवसर पर बीकेटी के पर्व ब्लाक प्रमुख शवदर्शन यादव नगर पंचायत अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे। वही विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कई वार्डो में क्षेत्रीय विधायक अविनाश त्रिवेदी ने जनसम्पर्क कार्यालय का शुभारंभ किया। वही वार्ड-2 से अनिता लोधीए वार्ड.3 से रामपाल रावतए वार्ड-4 से आरती रावतए वार्ड-5 से आशुतोष सिंह के समर्थन में कार्यालय का शुभारंभ करने के बाद जनसम्पर्क किया। जिस दौरान सभी भाजपा उम्मीदवारों को सदस्य जिला पंचायत चुनाव जिताने की अपील की है। इस अवसर पर दिनेश वर्मा राजू कश्यप सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त किया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व सांसद श्यामाचरण गुप्ता के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

पर्चों की जांच में दिखी सरगर्मी, एसडीएम समेत अफसरों ने लिया जायजा

लालगंज प्रतापगढ़। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन को लेकर शनिवार को भी ब्लाक मुख्यालयों पर पर्चो की जांच की प्रक्रिया जारी दिखी। एसडीएम राम नारायण ने लालगंज एवं सांगीपुर ब्लाक मुख्यालय पहुंचकर जांच प्रक्रिया की कार्रवाई का अवलोकन किया। एसडीएम ने उम्मीदवारों से भी पर्चे की जांच प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर उन्हें सीधे सूचित किये जाने को कहा। ब्लाक मुख्यालयों पर पहुंचे एसडीएम ने निर्वाचन कार्य मे लगे कार्मिकों को प्रक्रिया में पारदर्शिता की भी हिदायत दी।

एक सप्ताह बाद दर्ज की ट्रॉली चोरी की रिपोर्ट

संवाददाता। लखनऊ

गुडम्बा में ट्रॉली चोरी की रिपोर्ट एक सप्ताह बाद दर्ज की गई। पीड़ित का आरोप है कि गढ़ी चौकी इंचार्ज तहरीर को एक सप्ताह तक दबाए रहे पीड़ित के रिसीविंग मांगने पर दूसरी तहरीर लेकर 9 अप्रैल को रिपोर्ट दर्ज हुई। आदिल नगर कुर्सी रोड निवासी नौमी लाल (65) की बसहा नेवाजपुर खडन्जा रोड पर प्रजापति ट्रेडर्स के नाम से बालू मौरंग व सीमेंट की दुकान है। नौमी लाल के अनुसार उनकी दुकान का पूरा प्लाट 6 फिट ऊंची बाउंडरी वाल से घिरा हुआ है। जिसमें उनका ट्रैक्टर ट्रॉली खड़ा किया जाता है। 31 मार्च की रात्रि लगभग 12 बजे से 02 बजे के मध्य चोरों ने बाउंड्री वॉल को लांघ कर अंदर खड़ी ट्रॉली को चोरी कर लिया। चोरी के दूसरे दिन पीड़ित के छानबीन करने पर पता चला कि दो लोग सम्भवत: मोटर साइकिल से व तीन लोग ट्रैक्टर लेकर आए और उनके ट्रॉली को चुरा ले गए। पीड़ित नौमी लाल का आरोप है कि वह जब गढ़ी चौकी पर तहरीर लेकर गए तो गढ़ी चौकी इंचार्ज के उनसे कहा कि पहले खुद ट्रॉली को ढूढों जब न मिले तब रिपोर्ट दर्ज कराने आना। दो-तीन दिन बीतने के बाद जब दरोगा से दी गई तहरीर की रिसीविंग मांगी तो दरोगा ने पीड़ित से दूसरी तहरीर देने को कहा। जिसके बाद 9 अप्रैल को चोरी की रिपोर्ट दर्ज हुई।

बलरामपुर अस्पताल में मरीजों की लगी लंबी लाइन, इस दौरान सरकार की गाइड लाइन का पालन भी नहीं हो पा रहा था

किशोर को लेकर फरार तीन बच्चों की मां गिरफ्तार

गोरखपुर। सातवीं में पढ़ने वाले 14 वर्षीय एक छात्र के साथ फरार हुई तीन बच्चों की मां को पुलिस ने सुबह वन पार्क के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया है कि महिला को जेल भेजने की तैयारी की जा रही है। बतातें चलें कि कैंपियरगंज थाना क्षेत्र के एक गांव से माह भर पूर्व एक महिला गांव के एक किशोर के साथ भाग निकली थी। बाद में किशोर की मां की तहरीर पर पुलिस ने महिला के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया। इस बीच पता चला कि महिला वन पार्क के पास मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया।

प्रो. शुक्ला ने कुलपति के रूप में पदभार संभाला

लखनऊ। प्रो. अनिल कुमार शुक्ला ने ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति पद का कार्यभार शनिवार को संभाल लिया। इस दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने कहाकि उनका प्रयास विश्वविद्यालय में पठन-पाठन के स्तर को ऊंचा उठाना होगा। उन्होंने कहाकि वे यहां के शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के सहयोग से काम करेंगे।

बैठक में सर्वसम्मति से दो प्रस्ताव पारित

गोरखपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक डा. पृथ्वीराज सिंह, सह प्रांत संघचालक डा. महेंद्र अग्रवाल, प्रांत विशेष प्रमुख प्रो. डा. संजीत गुप्ता ने दो दिवसीय 19-20 मार्च को बेंगलुरू के चेन्नहल्ली स्थित जन सेवा विद्या मंदिर में हुई अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के बारे में संयुक्त रूप से पत्रकार वार्ता में जानकारी दी। विश्व संवाद केंद्र पर आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में निर्णय लेने वाली सर्वोच्च इकाई की इस सभा में दो प्रस्ताव प्रमुख रूप से 'श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण भारत के अंतर्निहित शक्ति का प्रकटीकरण' और 'कोविड-19 महामारी के सम्मुख खड़ा एकजुट भारत' प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य का आधार नित्य एक घंटे लगने वाली शाखाएं हैं। इसको ध्यान में रखकर गत वर्ष विषम परिस्थितियों में भी अपने कार्यकताओं ने नियमित रूप से समाज एवं संघ के स्वयंसेवकों से संपर्क, संवाद के साधनों का उपयोग करते हुए कार्य का संचालन रखने का सतत प्रयास किया।

आगजनी में गेहूं की फसल खाक

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के बेलहा गांव में अचानक सार्टसर्किट से हुई आगजनी से गेहूं की फसल जलकर खाक हो गयी। बेलहा गांव के दिलीप कुमार सिंहए जन्मेजय कुमार सिंह व धर्मेन्द्र कुमार सिंह तथा श्रीपाल यादव व विन्देश्वरी पटेल के खेत में बीती शुक्रवार की रात अचानक आग लग गयी। आग लगने से किसानो की लाखों की गेहूं की फसल का नुकसान हुआ है। जानकारी मिलने पर एसडीएम राम नारायण ने क्षेत्रीय लेखपाल को मौके पर भेजकर क्षति का आकलन कराया है। इधर आगजनी से फसल के नुकसान को लेकर पीडित परिवारों मे कोहराम मचा हुआ है।

विद्यालय से नकदी उड़ाये, तोडफोड़ कर पहुंचाया नुकसान

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर थाना के पूरे सिकन्दर मुरैनी स्थित जयमूर्ति सिंह इण्टर कालेज मे बीती नौ अप्रैल की रात मे अज्ञात अराजकतत्वों ने विद्यालय की बाउण्ड्रीवाल को क्षतिग्रस्त करते हुए तोडफोड कर काफीनुकसान किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य विकास सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि अज्ञात अराजकतत्वों ने रात में विद्यालय की चहरदीवारी गिरा दी तथा कुर्सी मेज व कार्यालय का दरवाजा तोडकर नष्ट कर दिया।

अंग्रेजों की नहीं जनाब ये योगी की हाईटेक जेले हैं

- कारागारों में सीसीटीवी सर्विलांस इकाइयां स्थापित, ड्रोन कैमरे से लेकर डीप सर्च मेटल डिटेक्टर से हो रही निगरानी
- जेलों में 3080 कैमरे लगे, 55 कारागारों में 04-05 मेगा पिक्सल के 220 अतिरिक्त कैमरे लगे
- लगातार हो रही प्रदेश के जिला कारागारों की निगरानी, पांच जिला कारागार हुए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं...। शोले फिल्म का यह डायलॉग तो आपने सुना ही होगा, लेकिन प्रदेश में आजकल लोगों की जुबां पर शोले नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री योगी के जमाने की हाईटेक जेलों का जिक्र है। बदलते दौर में पहली बार जेलों को हाईटेक करने का मुख्यमंत्री का प्रयास साकार हो रहा है। प्रदेश में जिला कारागार लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, आजमगढ़, चित्रकूट और बरेली को हाईटेक करते हुए सरकार ने कुख्यात अपराधियों को सुरक्षित निगरानी में रखने के लिए कारागारों को आधुनिक सुविधाओं के साथ लैस कर दिया है। ड्रोन कैमरे से लेकर डीप सर्च मेटल डिटेक्टर तक की व्यवस्था इन कारागारों में की गई है। इन पांच जिला कारागारों में आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर इन्हें बेहतर बना दिया गया है। इसके तहत जेलों की मुख्य प्राचीर की मेनवॉल पर कन्सरटीना फैन्सिंग कराई गई है। हर कारागार में एक.एक नॉन लिनियर जंक्शन डिटेक्टर -एनएलजेडी और पांच ड्रोन कैमरे लगाए गए हैं। यही नहीं, पांच नाइट विजन बाइनाकुलर, 25 हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर भी लगाए गए हैं। इन उपकरणों को हाईवोल्टेज से क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिए हैवी ड्यूटी स्टैब्लाइजर रखा गया है, ताकि इन उपकरणों को कोई नुकसान न हो सके। जिला कारागार लखनऊ में 48 अतिरिक्त उच्च मेगापिक्सल के सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

सीसीटीवी सर्विलांस इकाइयों की बात करें, तो प्रदेश के सभी कारागारों में सीसीटीवी सर्विलांस इकाइयां स्थापित की गई हैं। साथ ही प्रदेश के सभी कारागारों में 30.30 कैमरे लगे हैं। वर्तमान की बात करें तो 55 कारागारों में 04.05 मेगा पिक्सल के 220 अतिरिक्त कैमरे लगे हैं। सभी कारागारों में 3080 कैमरे स्थापित हैं। इन कैमरों की फीड मुख्यालय वीडियो वॉलध्कमाण्ड सेंटर में देखने की व्यवस्था है। राजधानी से सूब के सभी कारागारों की लाइव फीड मुख्यालय में सीधे देखी जा सकती है। यही नहीं, बंदियों की निगरानी के लिए अत्याधुनिक पोल मेटल डिटेक्शन सिस्टम लगाया गया है। जिसके तहत प्रदेश के सभी कारागारों में एफजी1 मेटल पोल डिटेक्शन सिस्टम स्थापित किया गया है। सभी कारागारों में एक-एक मल्टीजोन डोरफ्रेम और 3.5 की संख्या में हैण्डहेल्ड मेटल डिटेक्टर भी स्थापित कर दिए गए हैं।

प्रदेश सरकार ने सभी कारागारों में आन्तरिक संचार व्यवस्था के लिए इंटरकाम प्रणाली की व्यवस्था की है। बंदियों को एक साथ संबोधित किया जा सके, इसके लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम की व्यवस्था की गई है। मल्टी मीडिया प्रोजेक्टर के साथ-साथ गुड प्रिजन प्रैक्टिस के प्रचार प्रसार और फोटोग्राफी के लिए सभी कारागारों को डिजिटल कैमरे दिए गए हैं। सुरक्षा मुख्यालय के माध्यम से कारागारों में विभिन्न स्थानों पर जमीन के नीचे, नालियों, टेरिस और अन्य स्थानों पर छिपाई गई बड़ी या छोटी से छोटी धात्विक सामग्री की विश्वसनीय तलाशी के लिए डीप सर्च मेटल डिटेक्टर की सुविधा दी गई है। प्रदेश की सभी कारागारों में दो या एक की संख्या में और प्रशिक्षण उपयोग के लिए डॉ. सम्पूर्णानन्द कारागार प्रशिक्षण संस्थान में कुल 121 डीप सर्च मेटल की व्यवस्था की गई है। कारागारों के अंदर संचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए हैण्डहैल्ड और स्टैटिक वायरलेस सेट स्थापित किए गए हैं। वर्तमान में प्रदेश की सभी कारागारों में कम से कम 10 हैण्डहेल्ड और एक स्टैटिक सेट के साथ-साथ बड़े कारागारो में 20 हैंडसेट और 01 स्टैटिक सेट स्थापित हैं।

जेलों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने की वजह से ही विचाराधीन बंदियों की रिमांड के लिए प्रदेश की कारागारों और जनपद न्यायालयों में वीडियो कांफ्रेंसिंग इकाइयों की व्यवस्था कराई गई है। अभी तक प्रदेश में संचालित 75 जिलों में से 73 जनपद न्यायालयों और संचालित 70 कारागारों में इकाईयां स्थापित हैं। सीआरपीसी की धारा.167 (2) के अधीन विचाराधीन बन्दियों की रिमाण्ड की कार्रवाइयां इन इकाइयों के माध्यम से हो रही है। अभी तक लगभग 17 लाख बन्दियों की रिमाण्ड वीडियो कान्फ्रेंन्सिंग के माध्यम से सम्पादित होने से जहां सुरक्षा जोखिम कम हुई है।

मुख्तार पर कसा शिकंजा, आर्म्स एक्ट का नया मुकदमा दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पूर्वांचल के माफिया डॉन मुख्तार अंसारी पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है। राज्य सरकार के प्रयासों से पहले तो पंजाब की रोपड़ जेल से लाकर मुख्तार को कड़ी निगरानी के बीच यूपी की बांदा जेल में निरुद्ध किया गया और अब उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट का एक नया मुकदमा गाजीपुर जिले की मुहम्मदाबाद कोतवाली में दर्ज किया गया है। डीएम द्वारा मुख्तार का शस्त्र लाइसेंस निरस्त कर दिए जाने के बाद भी असलहा न जमा किए जाने के चलते मुहम्मदाबाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है। मुख्तार के खिलाफ इस कोतवाली में पहले से ही दो मुकदमे दर्ज हैं। साल 1996 में गाजीपुर जिले के तत्कालीन जिलाधिकारी द्वारा मुख्तार की डबल बैरल बंदूक का लाइसेंस निरस्त कर दिया गया था। इसके बाद साल 2017 में जिलाधिकारी ने उसकी राइफल का लाइसेंस भी निरस्त कर दिया। यह दोनों शस्त्र लाइसेंस निरस्त होने के बाद पुलिस की ओर से मुख्तार को दोनों असलहे जमा करने के लिए नोटिस तामील कराई गई लेकिन उसने आज तक अपने शस्त्र जमा नहीं किए। बावजूद इसके उसके खिलाफ यह मामला ठंडे बस्ते में पड़ा रहा लेकिन अब प्रशासन ने तेजी दिखाते हुए मुख्तार के खिलाफ मुहम्मदाबाद कोतवाली में आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज किया है। इसके साथ ही गाजीपुर और मऊ जिला प्रशासन ने मुख्तार के खिलाफ अन्य मामलों में भी छानबीन शुरू कर दी है। इसके अलावा उसके खिलाफ पूर्व में मिलने वाली शिकायतों और पुराने मामलों की फाइलों कों भी खंगाला जा रहा है।

कारपोरेट प्रशासन में सुधार की आवश्यकता

नियामकों और नीति-निर्माताओं को भारतीय फर्मों में स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशकों को अधिक शक्तियां प्रदान करने के लिए नियम और कानून विकसित करने होंगे।

हिमा बिंदू कोटा
(लेखिका एमिटी विश्वविद्यालय में सह प्रोफेसर हैं)

हालांकि ऐसा लग रहा है, वित्तीय घोटाले दुनिया भर में कारपोरेट प्रशासन के बढ़ते महत्व को उजागर करते हैं। भविष्य के घोटालों की पृष्ठभूमि में, शासन के मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा – विशेष रूप से पारदर्शिता और प्रकटीकरण, नियंत्रण और जवाबदेही – और बोर्ड संरचना के सबसे उपयुक्त रूप पर जो इस तरह के घोटालों को रोकने में सक्षम हो सकता है। वैश्विक वित्तीय संकट ने प्रभावी जोखिम–प्रबंधन के एक अनिवार्य तत्व के रूप में एक ध्वनि कारपोरेट प्रशासन प्रणाली की प्रासंगिकता को सामने लाया है। हालांकि एकमात्र कारण नहीं है, शासन की विफलताएं महत्वपूर्ण हैं जहां बोर्ड जोखिम को समझने और प्रबंधित करने में विफल होते हैं। संकट कारपोरेट प्रशासन और जोखिम प्रबंधन के साथ–साथ वित्तीय क्षेत्र में सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व के लिए अधिक प्रभावी दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है; भूमिका जो कॉरपोरेट गवर्नेंस की हो सकती है और जिसे निभाना चाहिए वह भरोसा बहाल करने में है।

कुछ हद तक, कंपनियों को जवाबदेह नहीं रखने के लिए शेयरधारकों की आलोचना की जा सकती है, और यह सच है कि बांडधारकों ने कंपनियों को उत्तोलन के माध्यम से अल्पकालिक रिटर्न रैंप करने के लिए प्रोत्साहित किया है। हालांकि, नियामकों ने अक्सर निर्णायक रूप से इस बात पर प्रतिक्रिया नहीं दी है कि बाजार जोखिम को कम कर रहे हैं, जिससे बैंक बोर्डों को बहुत कम पूंजी, अत्यधिक लाभ, बहुत अधिक तरलता जोखिम और खराब बंधक–उधार प्रथाओं का संचालन करने की अनुमति मिलती है। एक बढ़ती हुई धारणा है कि वैश्विक वित्तीय उथल–पुथल से छूत और फैलने वाले प्रभाव किसी भी देश की आर्थिक उपलब्धियों को कमजोर कर सकते हैं। नतीजतन, कारपोरेट गवर्नेंस और वित्तीय प्रणाली की स्थिरता और सुदृढ़ता के बीच एक बढ़ी हुई सहभागिता होनी चाहिए। इसलिए, कारपोरेट गवर्नेंस प्रथाओं को मजबूत बनाने की आवश्यकता है, विशेष रूप से बोर्ड की क्षमता और जिम्मेदारी को बढ़ाकर। बोर्ड के सदस्यों को अपने कार्यों को पूरा करने के लिए वित्तीय मुद्दों और जोखिम प्रबंधन के बारे में नवीनतम जानकारी होनी चाहिए और जब आवश्यक हो तो प्रशिक्षण आयोजित किया जाना चाहिए। बोर्ड को अपने प्रदर्शन का वार्षिक मूल्यांकन करना चाहिए और शेयरधारकों को रिपोर्ट करना चाहिए। भारत जैसी तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के संदर्भ में कारपोरेट प्रशासन के आसपास के कुछ मुद्दों का पता लगाना उचित है।

बाहर के स्वतंत्र निदेशकों और दृढ़ प्रदर्शन के बीच संबंध पर अनुभवजन्य साक्ष्य मिश्रित हैं। कारपोरेट बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की प्रभावशीलता के संबंध में शोधकर्ताओं द्वारा दो परस्पर विरोधी विचार प्रस्तुत किए जाते हैं। विचारों में से एक एजेंसी सिद्धांत पर आधारित है और दूसरा प्रबंधकीय आधिपत्य है। निदेशक मंडल सुशासन प्रथाओं की धुरी है। स्टॉकहोल्डर्स और अन्य प्रमुख हितधारकों द्वारा नियुक्त, निदेशक शेयरधारकों के सहायक हैं, न कि प्रबंधन के। इसलिए, जहां प्रबंधन के उद्देश्य शेयरधारकों से भिन्न होते हैं, गैर–कार्यकारी निदेशकों को अंतिम मालिकों के हितों का प्रतिनिधित्व करना चाहिए और उनके विवादास्पद निरीक्षण कार्यों का निर्वहन करना चाहिए। यही कारण है कि स्वतंत्रता किसी भी बोर्ड की संरचना का निर्धारण करने में एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है।

कारपोरेट प्रशासन का एजेंसी परिप्रेक्ष्य उन प्रोत्साहन समस्याओं की चिंता करता है जो निगमों में प्रबंधन और स्वामित्व के अलगाव द्वारा बनाई गई हैं। इसमें प्रबंधकों को अपनी उपयोगिता बढ़ाने के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहन है, लेकिन शेयरधारकों को अधिकतम रिटर्न देने के लिए नहीं। इन समस्याओं के परिणामस्वरूप, कारपोरेट नियंत्रण तंत्र ऐसे साधनों के रूप में विकसित हुए हैं जिनके द्वारा प्रबंधकों को निवेशकों के हितों में कार्य करने के लिए अनुशासित किया जाता है। निदेशक मंडल, विशेष रूप से स्वतंत्र और गैर–कार्यकारी निदेशक, आंतरिक शासन प्रणाली का शीर्ष है और इसका उद्देश्य प्रबंधकों को अवसरवादी कार्य करने के लिए प्रोत्साहन प्रोत्साहन के माध्यम से एजेंसी की समस्याओं को कम करने में सहायता करना है। अकादमिक साहित्य में इस बात के स्पष्ट प्रमाण दिए गए हैं कि एजेंसी की समस्या होने पर स्वतंत्र निदेशक शेयरधारकों की रक्षा करते हैं।

कारपोरेट बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की प्रभावशीलता के संबंध में शोधकर्ताओं द्वारा दो परस्पर विरोधी विचार प्रस्तुत किए जाते हैं। विचारों में से एक एजेंसी सिद्धांत पर आधारित है और दूसरा प्रबंधकीय आधिपत्य है। निदेशक मंडल सुशासन प्रथाओं की धुरी है। स्टॉकहोल्डर्स और अन्य प्रमुख हितधारकों द्वारा नियुक्त निदेशक शेयरधारकों के सहायक हैं, न कि प्रबंधन के। इसलिए, जहां प्रबंधन के उद्देश्य शेयरधारकों से भिन्न होते हैं, गैर-कार्यकारी निदेशकों को अंतिम मालिकों के हितों का प्रतिनिधित्व करना चाहिए।

गैर–कार्यकारी निदेशकों का मुद्दा यह सवाल उठाता है कि क्या यह बाहरी विशेषज्ञता निर्णयों के लिए अधिक ठोस आधार प्रदान करती है। बाहर के निदेशक (अंदर या कार्यकारी निदेशकों के विपरीत), संसाधनों और सूचनाओं को मूल्यवान पहुंच प्रदान करने के अलावा, शेयरधारकों के हितों की रक्षा भी करते हैं क्योंकि उनके रोजगार या उन्नति के अवसरों के साथ समान चिंता नहीं होती है। अध्ययन के इस क्षेत्र में प्रसिद्ध शोधकर्ताओं, जेन्सेन और मेकलिंग ने 1976 में शेयरधारकों और निदेशकों / प्रबंधकों के रिश्ते को प्रमुख और एजेंट के रूप में पहचाना। शेयरधारक चाहते हैं कि उनका धन अधिकतम हो, लेकिन प्रबंधकों के पास ऐसा करने के लिए कम प्रोत्साहन है कि वे मालिक हों। बोर्ड पर अधिक गैर–कार्यकारी निदेशक होने से, इस स्पष्ट संघर्ष को कम किया जा सकता है।

1986 में मेस और 1981 में हरमन जैसे शोधकर्ताओं का तर्क है कि बाहर के निदेशकों को सलाह दी जाती है कि वे सलाह देने की अपनी क्षमता के लिए, व्यापार और व्यक्तिगत संबंधों को मजबूत करने के लिए और एक संकेत भेजने के लिए कि कंपनी उनकी निगरानी करने की क्षमता के बजाय अच्छा कर रही है। आगे मेस का तर्क है कि बाहर के निर्देशकों का चयन करने में, उम्मीदवारों के शीर्षक और प्रतिष्ठा का मुख्य विचार है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि सीईओ निदेशक चयन प्रक्रिया पर हावी हैं और इसलिए बोर्ड को नियंत्रित करते हैं। इस दृश्य को वैंकिल और वाल्डो जैसे कुछ अन्य शोधकर्ताओं का समर्थन प्राप्त है, जो बाहरी निदेशकों के चयन में सीईओ द्वारा निभाई गई प्रमुख भूमिका के कारण फर्म के प्रदर्शन पर स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए बाहर के निदेशकों की क्षमता पर भी संदेह करते थे। गैर–कार्यकारी निदेशकों की आलोचना यह है कि वे अन्य प्रतिबद्धताओं के साथ बहुत व्यस्त हैं और केवल अंशकालिक आधार पर कंपनी के व्यवसाय के साथ जुड़े हुए हैं।

द्वैतता तब होती है जब कोई व्यक्ति निदेशक मंडल में दो सबसे शक्तिशाली पद रखता है – जैसे कि सीईओ और अध्यक्ष। सीईओ एक पूर्णकालिक पद है और कंपनी की दिन–प्रतिदिन की दौड़ के साथ–साथ कारपोरेट रणनीति को स्थापित करने और लागू करने की जिम्मेदारी है। सीईओ भी अंततः कंपनी के प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार है। इसके विपरीत, अध्यक्ष का पद सामान्य रूप से अंशकालिक होता है और मुख्य जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि बोर्ड प्रभावी ढंग से काम करे। इसलिए भूमिका में सीईओ सहित कार्यकारी निदेशकों के प्रदर्शन की निगरानी और मूल्यांकन शामिल है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में दो साल के आंकड़ों को लेकर सूचीबद्ध 130 मिडकैप कंपनियों पर किए गए एक अध्ययन में, परिणाम बताते हैं कि कुल निदेशकों के लिए गैर–कार्यकारी निदेशकों का अनुपात और स्वतंत्र गैर–कार्यकारी निदेशक की उपस्थिति लेखापरीक्षा समिति के प्रमुख का फर्म के प्रदर्शन से कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है। यह आधिपत्य सिद्धांत के अनुसार है कि निदेशक मंडल इसकी देखरेख की भूमिका को पूरा करने में असमर्थ है। यह भी पाया गया है कि भारत में मध्यम आकार की कंपनियों में फर्म के प्रदर्शन में सीईओ द्वैत संरचना सकारात्मक और महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह स्टीवर्डशिप सिद्धांत के साथ सहमति में है, कि प्रबंधक स्वाभाविक रूप से भरोसेमंद हैं और कंपनी के संसाधनों के अच्छे प्रबंधक हैं।

परिवार–नियंत्रित फर्मों में, परिवार के सदस्यों को नियंत्रित करने वाले बोर्ड में निदेशक नियुक्त किया जा सकता है, और इस प्रकार निदेशकों की स्वतंत्रता से समझौता हो सकता है। भारत में, सीईओ द्वैत और लघु बोर्ड सकारात्मक रूप से एक फर्म के प्रदर्शन में योगदान करते हैं। हालांकि, कुछ ऐसा प्रतीत होता है कि गैर–कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक अपनी निगरानी की भूमिका में विफल हो रहे हैं। नियामकों और नीति निर्माताओं को इस पर ध्यान देना होगा और स्वतंत्र गैर–कार्यकारी निदेशकों को अधिक दांत देने के लिए नियम और कानून विकसित करने होंगे।

सरकार के लिए चुनौती है किसान आंदोलन

किसान आंदोलन के मुद्दे पर सरकार रक्षात्मक भूमिका में है तथा अनेक किसान नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। लेकिन शायद बंगाल के चुनाव परिणाम ही बताएंगे कि सरकार दीर्घकालीन रूप से किसान आंदोलन की चुनौती का सामना कैसे करेगी।

इंद्रशेखर सिंह
(लेखक कृषि एवं पर्यावरण विशेषज्ञ हैं)

संयुक्त किसान मोर्चा ने भारत में 26 मार्च को सड़कें जाम कर भारत बंद का प्रयास किया। इसमें अहमदाबाद में स्थिति काबू से बाहर हो गई। भारतीय किसान यूनियन–बीकेयू के युद्धवीर सिंह को एक प्रेस सम्मेलन के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार करने वाले आईपीएस अधिकारी ने मीडिया को बताया कि 'अनुमति न लेने के कारण यह गिरफ्तारी हो रही है।' इससे यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठा कि क्या प्रेस कान्फ्रेंस करने के लिए भी सरकारी अनुमति की जरूरत है। उस समय प्रेस कान्फ्रेंस स्थल पर कोई प्रदर्शन या आयोजन नहीं हो रहा था और प्रेस सम्मेलन में बहुत कम लोग उपस्थित थे। क्या इतना छोटा कार्यक्रम सरकार को कोई नुकसान पहुंचा सकता था? हालांकि, टिकैत परिवार से संबंध रखने वाले वरिष्ठ नेता युद्धवीर की गिरफ्तारी से गुजरात सरकार ने उनको राजनीतिक लाभ ही पहुंचाया क्योंकि सामान्य प्रेस कान्फ्रेंस राष्ट्रीय खबर न बनती, जबकि अब बीकेयू के दूसरी श्रेणी का नेतृत्व भी राष्ट्रीय लोकप्रियता पा चुका है। इस प्रकार युद्धवीर को ट्विटर पर शहीद बना कर सरकार ने वास्तव में राकेश टिकैत के बीकेयू की सहायता ही की है।

हालांकि, प्रेस कान्फ्रेंस को निष्प्रभावी बनाने के लिए गिरफ्तारी की बात किसी प्रकार समझ से परे है। यह समझना कठिन है कि आखिरकार सरकार क्या सोच रही है। क्या अपने मनपसंद लोगों को आगे बढ़ा कर किसान मोर्चा तोड़ने के प्रयास हो रहे हैं? टिकैत गुट को ज्यादा वरीयता मिलने से 40 सदस्यों वाले किसान नेतृत्व समूह में तनाव पैदा हो गया है।

शायद यह सरकार की कार्यशैली के अनुरूप है। हालांकि, बाद में युद्धवीर को रिहा कर दिया गया और उन्होंने 27 मार्च को राजस्थान की किसान पंचायत में भाग लिया। युद्धवीर और राकेश टिकैत ने केन्द्र और गुजरात सरकार के इस 'उत्पीड़न' का भारी विरोध किया। उन्होंने इसे 'गुलामी का गुजरात माडल' बताते हुए कहा है कि 'गुजरात की जनता और किसान आजाद नहीं हैं।' इन बयानों का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि इनका संबंध महात्मा गांधी के राज्य में जनता को प्रेस कान्फ्रेंस करने पर गिरफ्तारी से है। ऐसा लगा जैसे युद्धवीर ने उस दिन कोई बहुत बड़ी राजनीतिक गलती कर डाली थी।

हमें एक और संभावना पर भी विचार करना चाहिए। क्या सरकार वास्तव में टिकैत की रणनीतियों और भाषणों से डरती है? 27 जनवरी की रात से राकेश टिकैत एक प्रकार से राष्ट्रीय राजनीति में पहुंच गए हैं। उनको राजस्थान और उत्तर प्रदेश की जाट पट्टी में भारी समर्थन मिला है। राकेश टिकैत के मार्च अभियान ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा जो नंदीग्राम से राजस्थान और पंजाब से तमिलनाडु तक फैला था। किसानों और खासकर नौजवान किसानों में उनका समर्थन बढ़ रहा है। एक हालिया मीडिया सर्वे ने उनको 100 शक्तिशाली भारतीयों में शामिल किया है। जल्द ही वे ऐसी शक्ति बन जाएंगे जिनसे निपटना कठिन होगा। क्या सरकार उन पर नजर रखने के लिए अनावश्यक रूप से राजनीतिक लाभ के लिए करदाताओं का पैसा खर्च कर रही है। केन्द्र सरकार की आक्रामकता बढ़ने के साथ ही किसानों का यूनियन के लिए समर्थन भी बढ़ रहा है। इस बीच टिकैत लगातार किसानों का आह्वान कर रहे हैं कि वे अनुचित कीमतों के खिलाफ विरोध करें।

हाल ही में पीपड़, मेहम, जयपुर व अन्य स्थानों पर उन्होंने जोर दिया कि किसानों को दिल्ली में प्रवेश कर संसद के बाहर अपनी फसलें बेचने के लिए तैयार रहना चाहिए। अनेक किसान यह साहसी रणनीति पसंद कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि सरकार कहती है कि किसान अपनी फसल कहीं भी बेच सकते हैं तो वे डीएम या एसपी के दफ्तर के बाहर ऐसा क्यों नहीं कर सकते हैं? अप्रैल मध्य मक देश के अधिकांश भागों में रबी की फसल तैयार हो जाएगी। यदि किसान आंदोलन आगे बढ़ता है तो सरकार को देशव्यापी प्रदर्शनों के लिए तैयार रहना होगा। ऐसा खासकर उस स्थिति में होगा जब कृषि उत्पादों के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य–एमएसपी के नीचे चले जांए। ऐसे में सरकार का यह आश्वासन निष्प्रभावी हो जाएगा कि 'एमएपी जारी रहेगी।'

क्या सरकार वास्तव में टिकैत की रणनीतियों और भाषणों से डरती है? 27 जनवरी की रात से राकेश टिकैत एक प्रकार से राष्ट्रीय राजनीति में पहुंच गए हैं। उनको राजस्थान और उत्तर प्रदेश की जाट पट्टी में भारी समर्थन मिला है। राकेश टिकैत के मार्च अभियान ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा जो नंदीग्राम से राजस्थान और पंजाब से तमिलनाडु तक फैला था। किसानों और खासकर नौजवान किसानों में उनका समर्थन बढ़ रहा है।

किसान आंदोलन में शामिल राकेश टिकैत का गुट बार–बार 'वाल्मार्टीकरण' की बात करता है। इस प्रकार वह भारतीय कृषि तथा किसानों के निगमीकरण की संभावनाओं की ओर ध्यान आकर्षित करता है। हालांकि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ–आरएसएस से जुड़े स्वदेशी जागरण मंच का भी यही विचार है जो कृषि क्षेत्र प्रत्यक्ष विदेशी निवेश–एफडीआई तथा अमेजन जैसे ई–रिटेलरों के प्रवेश के खिलाफहै। इस प्रकार संभवतः किसान आंदोलन अपने सार्वजनिक अभियानों में बहुत सतर्कता और जागरूकता बरत रहा है। किसान आंदोलन अब पुलिस सुधारों की बात भी करने लगा है। टिकैत ने एक रैली में पुलिस और सुरक्षा बल कर्मियों के लिए बेहतर वेतन और आवास की आवश्यकता बताई। ऐसे में उन पुलिसजनों के चेहरों पर आई मुस्कराहट देखने वाली थी जिनको वहां 'शांति बनाए रखने' के लिए तैनात किया गया था।

अभी हाल में राकेश टिकैत ने नौजवानों को संदेश दिया, 'अपनी जमीन पर जाएं, मिट्टी छुएं, उसे अपने माथे पर लगाएं और जमीन का अनुभव करें।' ऐसा लगता है कि इस प्रकार टिकैत समेत अन्य किसान नेता पिछले चार–पांच साल से जारी घृणा और आक्रामकता फैलाने वाले भाषणों व प्रचार के बजाय अब एक सकारात्मक व समावेशी संदेश देना चाहते हैं। उन्होंने जमीन, कृषि और अधिकारों को एकसाथ जोड़ा है और वे सरकार का प्रति–विमर्श तैयार कर रहे हैं। उनके तरीके गांधीवादी हैं और उनका राजनीतिक संगठन हर बीतते दिन के साथ और मजबूत होता जा रहा है। किसान आंदोलन के मुद्दे पर सरकार रक्षात्मक भूमिका में है तथा अनेक किसान नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। लेकिन शायद बंगाल के चुनाव परिणाम ही बताएंगे कि सरकार दीर्घकालीन रूप से किसान आंदोलन की चुनौती का सामना कैसे करेगी।

बनारस में कोरोना के 1176 मरीज मिले, एक की मौत

● एक्टिव मरीजों की संख्या पहुंची 5422, अब तक 398 लोगों ने अपनी जान गवां दी

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

वाराणसी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अनुसार शनिवार को कोरोना के 1176 पॉजिटिव मरीज मिले है। 157 स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज किए गये, 5422 एक्टिव मरीज हैं। एक की मौत है। अब तक कुल 398 की मौत हो चुकी है। शहर में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैंए स्थिति इतनी खतरनाक हो चुकी है कि अब 5422 के करीब संक्रमित लोग शहर में हो चुके हैं। जबकि सात हजार के करीब रिपोर्ट आनी शेष है। संक्रमण की स्थिति यह है कि सुरक्षा के बीच रहने वाले शीर्ष अधिकारी भी संक्रमित हो रहे हैं। वहीं कोरोना वैक्सीन की कमी होने की वजह से लोगों में चिंता भी बढ़ने लगी है। जबकि बाजार में भी संक्रमण को देखते हुए लोगों की भीड़ पर लगाम लगाने की कवायद जोर पकड़ने लगी है। शुक्रवार की शाम से लेकर शनिवार की सुबह तक 2275 लोगों के परीक्षण में 452 लोग संक्रमित सामने आए हैं। जबकि 6841 लोगों की रिपोर्ट आने का इंतजार है, 4856 लोग इस समय आधिकारिक तौर पर संक्रमित हैं और उपचाराधीन हैं। 27497 लोग अब तक जिले में कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। वहीं 22244 लोग अब तक इस बीमारी से उबर भी चुके हैं। जबकि लोग कोरोना वायरस से संक्रमण के बाद अपनी जान से हाथ धो चुके हैं। वहीं अब रात में कर्फ्यू की स्थिति को देखते हुए सख्ती भी शुरू हो गई है। वाराणसी में कोरोना वायरस से बचाव और रोकथाम के लिए शहर का कोना-कोना सैनिटाइज किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम ने अभियान तेज कर दिया है। ऐसे में 120 मशीनें और खरीदी गई हैं। इनकी मदद से नगर निगम सीमा में शामिल 86 गांवों में भी सैनिटाइजेशन का काम शुरू कर दिया गया है नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर एन0पी0 सिंह के अनुसार, हर वार्ड में दो.दो मशीनें दी गई हैं। भीड़.भाड़ वाले में क्षेत्रों व बाजारों को सैनिटाइज किया जा रहा है। गोदौलिया, सिगरा, महमूरगंज, कचहरी, लंका आदि क्षेत्रों को सैनिटाइज कराया गया। प्रशासन द्वारा रात नौ बजे के बाद दुकानों को बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। नाइट कर्फ्यू भी लगाया गया है। शाम को बाजार खाली होने के बाद नगर निगम दवा का छिड़काव कर रहा है। अब रोजाना शहरी क्षेत्र में भी दवा छिड़की जाएगी।

दो डोज लगवा चुके हेल्थ केयर वर्कर को मिला प्रमाणपत्र व दो हजार रुपये

वाराणसी। जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा के निर्देशन में कोरोना की दो डोज़ लगवा चुके हेल्थ केयर वर्कर व फ्रंट लाइन वर्कर में से विश्व स्वास्थ्य संगठन के अवसर पर लकी ड्रॉ में चयनित लाभार्थियों का पुरस्कार वितरण किया गया था। शनिवार को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन जिला महिला चिकित्सालय में किया गया। इस अवसर पर डॉ मंजू सिंह ;स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञद्ध द्वारा चार लाभार्थियों को टीकाकरण प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया गया। चारों लाभार्थियों में प्रत्येक को पुरस्कार स्वरूप 2000 रुपये की धनराशि इनके खाते में सीधे ट्रांसफर की जायेगी। पुरस्कार वितरण के इस अवसर पर डॉ मंजू सिंह ने कहा कि इस महामारी के दौर में टीका सभी लोगों को लगवाना चाहिए तथा इसके साथ ही साथ कोविड.19 प्रोटोकाल का पालन करते रहना चाहिए जिससे आप स्वस्थ और सुरक्षित रह सकेंगे। इस अवसर पर पुरस्कार विजेता तेंदुई सेवापुरी निवासी एएनएम पूनम गुप्ता ने कहा कि सभी लोगों को टीकाकरण में बढ़.चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए जिससे वह स्वस्थ और सुरक्षित रह सकेंगे और समाज का विकास होगा। पुरस्कार विजेता पशुपति नाथ सिंहए एसआईए सीआइएसएफकॉलोनीए बाबतपुर ने कहा कि पूरे समाज को कोरोना जैसे महामारी से बचाने के लिए मैं सरकार के इस अभूतपूर्व प्रयास की भूरि.भूरि प्रशंसा करता हूँ और सभी जनमानस से अपील करता हूँ कि सब लोग टीका जरूर लगवाएँ।

'चुनाव में खलल पैदा करने वाले बख्शे नहीं जाएंगे'

● बछौली व अमादपुर सहित अन्य गांवों में डीएम ने लगाई चौपाल

संवाददाता। सकलडीहा/चन्दौली

पंचायत चुनाव में खलल डालने वालों पर जिला प्रशासन की नजर है । चुनाव के दौरान उपद्रव करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा । उक्त बातें पंचायत चुनाव के मद्देनजर सकलडीहा तहसील के बछौली व अमादपुर सहित अन्य गाँवो में जन चौपाल लगाकर मतदान को स्वतंत्र निष्पक्ष व शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी संजीव सिंह व पुलिस अधीक्षक अमीत कुमार ने गांव के लोगो से अपील करते हुये मतदान के प्रति जागरूक किया।

डीएम और एसपी ने चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पूर्व प्रधानए ग्रामीणोंए निर्वतमान प्रधान एवं आगामी चुनाव में प्रतिभाग करने वाले प्रत्याशियों के साथ चर्चा कर उन्हें चुनाव आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन से अवगत कराया । डीएम ने कहा कि जिस तरह से पर्व मनाया जाता है ए वैसे ही आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ चुनाव में भी प्रतिभाग करे । चुनाव को लेकर ए सोशल मीडिया में या स्थानीय क्षेत्र में कहीं कोई समस्या आये तो तत्काल थाने को सूचित करेंए ताकि समय रहते हुये समस्या का समाधान किया जा सके। संवेदनशील व अतिसंवेदनशील गांवों में चौपाल के माध्यम से लोगों को शाति पूर्वक मतदान करने की अपील की। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी नागरिकों से अपील करते हुये कहा कि बिना किसी लालच ध् प्रलोभन में आये अपने मत का प्रयोग करें । अगर कोई धमकी या प्रलोभन देता है तो उसकी तत्काल सूचना देंए जिससे कार्यवाही की जा सके । जिलाधिकारी ने कहा कोरोना माहामारी से बचकर मतदान करें एक दुसरे से दो गज दूरी जरूर बनाये रखे । मास्क का प्रयोग करें ए सैनेटाइजर या साबुन से हाथों को समय समय पर धोते रहे । यदि किसी व्यक्ति में कोविड के लक्षण मिल रहे हो तो तत्काल नजदीकी अस्पताल में उपचार कराये । जिलाधिकारी संजीव सिह ने बताया कि पंचायत चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है और संवेदनशील व अतिसंवेदनशील गावों में चौपाल लगाकर पंचायत चुनाव कराने को लेकर प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है ।

सम्पूर्णानंद संस्कृत विवि का छात्रसंघ चुनाव होगा आज

वाराणसी। सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में छात्रसंघ का चुनाव रविवार को सुबह नौ बजे से अपराह्न 2 बजे तक छात्र मुख्य भवन में मतदान करेगें। छात्रसंघ चुनाव में कुल 16 प्रत्याशी मैदान में हैं। जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री व पुस्तकालयमंत्री के अलावा वेद-वेदांत में छह प्रत्याशी व साहित्य संस्कृति संकाय प्रतिनिधि के लिए दो प्रत्याशी सहित कुल आठ संकाय प्रतिनिधि मैदान में है। 1732 छात्र 16 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेगें आज ।मतदान के लिए चार कमरों में कुल आठ बूथ बनाए गये है। एक कमरे में दो बूथ बनाए गये हैं जिस पर सात कर्मचारी व एक बूथ प्रभारी व सह बूथ प्रभारी सहित नौ लोगों की ड्यूटी लगायी गयी है। मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो0 सुधाकर मिश्र ने बताया कि छात्रसंघ चुनाव के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। छात्रसंघ चुनाव के एक घंटे बाद मतगणना शुरू होगी जो इसी दिन परिणाम आ जायेगें। चुनाव अधिकारी प्रो0 मिश्र ने बताया कि छात्रसंघ चुनाव में प्रत्याशियों के साथ मीटिंग की और छात्रों को शांति ढंग से चुनाव कराने के लिए विवि के सारी नियम बाया गया है।

विश्वनाथ मंदिर के पक्षकार को मिली सुरक्षाः एडिशनल सीपी

वाराणसी। स्वयंभू लार्ड विश्वेश्वर के पक्षकार हरिहर पांडेय को फोन पर जान से मारने की धमकी मिलने के बाद पुलिस महकमा सतर्क हो गया है। वहीं अभी तक इस मामले में तहरीर न मिलने पर एडिशनल ब्च् मुख्यालय एवं अपराध अखिलेश कुमार ने मोबाइल की सीडीआर से अपने स्तर पर जांच की बात कही है। गुरूवार को सिविल जज फास्ट ट्रैक कोर्ट के द्वारा स्वयंभू लार्ड विश्वेश्वर.ज्ञानवापी मस्जिद मामले में सुनवाई करते हुए स्वयंभू लार्ड विश्वेश्वर के पक्षकार हरिहर पांडेय के पक्ष में फैसला सुनाते हुए ।ैप् से मस्जिद परिसर के सर्वे का आदेश पारित किया था। हरिहर पांडेय के अनुसार इस मामले में फैसले के बाद जब वो घर पहुंचे तो उन्हें धमकी भरा फोन आया और जान से मारने की धमकी दी गयी।

इस सम्बन्ध में एडिशनल कमिश्नर मुख्यालय एवं अपराध अखिलेश कुमार ने बताया कि हरिहर पांडेय जी को धमकी देने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसपर हमारे अवधेश पांडेय ने उनसे जाकर मुलाक़ात की है। उनके द्वारा जो बात बताई गयी है उसपे हम लोग मोबाइल का सीडीआर निकालकर जांच कर रहे हैं। तब तक उन्हें के सुरक्षाकर्मी उपलब्ध करा दिया गया है। एडिशनल कमिश्नर अखिलेश कुमार ने बताया कि जैसे ही हमारे पास तथ्यात्मक जानकारी आ जाएगी हम समुचित और उचित कार्रवाई करेंगे। अभी तक हमें कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। नाही उन्होंने किसी भी प्रकार की कोई रिकार्डिंग मुहैया कराई है। हम जांच कर रहे हैं और सुरक्षाकर्मी उपलब्ध करा दिया गया है। एडिशनल कमिश्नर अखिलेश कुमार ने बताया कि जैसे ही हमारे पास तथ्यात्मक जानकारी आ जाएगी हम समुचित और उचित कार्रवाई करेंगे। अभी तक हमें कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। नाही उन्होंने किसी भी प्रकार की कोई रिकार्डिंग मुहैया कराई है। हम जांच कर रहे हैं और सुरक्षाकर्मी उपलब्ध करा दिया गया है।

भाजपा कार्यकर्ता पंचातय चुनाव में अपनी भूमिका का करें निर्वहन

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी की बैठक भाजपा जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई बैठक में बतौर मुख्यअतिथि काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष दिलिप सिंह पटेल मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे व संचालन जिला महामंत्री रामसुन्दर निषाद ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि दिलिप सिंह पटेल ने कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार से अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक खुशहाली और विकास पहुंचाने के लिए पार्टी पंचायत चुनाव में अपनी पूरी शक्ति के साथ सहभागिता कर रही है भारतीय जनता पार्टी परिवारवाद वंशवाद जातिवाद से उपर उठकर राष्ट्रवाद के बारे में सोचती है पंचायत चुनाव के माध्यम से ऐसे कार्यकर्ताओं का निर्माण भी हो सकेगा जो राष्ट्र निर्माण व विकास के लिए कार्य करना चाहते है उन्होने कार्यकर्ताओं से आवाहन किया कि वे पंचातय चुनाव में अपनी भूमिका का निर्वहन करें।बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी के0के0सिंह ने कहा कि पंचायत चुनाव का बिगुल बज चुका है कोई चुनाव छोटा नही होता सभी चुनाव बड़ा होता है कार्यकर्ता पूरे मनोयोग से लगे मतदाता सूची के हर पन्ने के हिसाब से पन्ना प्रमुख बनाकर उस पन्ने पर दर्ज सभी मतदाताओं से पन्ना प्रमुख सिर्फ संपर्क मे रहे भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है कार्यकर्ताओं के बल पर ही अभी तक सभी चुनाव जीतती आयी है निश्चित रुप से पंचायत चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी पूरे जनपद में परचम लहरायेगी।बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने कहा कि जिले के सभी 31 जिला पंचायत सदस्य के चुनाव के लिए पार्टी के द्वारा अपने समर्थित प्रत्याशियों की घोषणा कर दी गई है जनता भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को जीताकर पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार करे। मुख्यअतिथी को जनपद के 31 भाजपा समर्थित प्रत्याशियों से परिचय कराते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के बल पर एक बार पुन: पंचायत चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का परचम पूरे जनपद में लहरायेगा।

कोरोना गाइड लाइन के पालन कराने को रेलवे हुई सख्त

मुग़लसराय,चन्दौली। देश मे बढ़ रहे कोरोना के मामलों देखते हुए रेलवे प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार किए हैं। अगर आप स्टेशन में बिना मास्क के आप मिल जाएंगे तो रेलवे प्रशासन जुर्माना के तौर पर आप से रु. 500 वसूल करेगा। प्रारंभिक तौर पर पूर्व मध्य रेलवे में इसे लागू किया गया है। पहले बिना मास के जुर्माना महज रु. 50 था लेकिन लोगों की लापरवाही देखते हुए रेलवे प्रशासन ने इसे बढ़ाकर रु. 500 कर दिया है। जानकारी के मुताबिक पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ललित चंद्र त्रिवेदी ने शुक्रवार को पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू मंडल सहित रेलवे के अन्य अधिकारियों संग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान इस आदेश को जारी किया। करुणा संक्रमण के बढ़ते हुए प्रकोप को देखते हुए लोगों की लापरवाही को रोकने के लिए यह आदेश लागू किया गया है। इस दौरान महाप्रबंधक ललित चन्द्र त्रिवेदी ने बताया कि करो ना के दूसरी लहर की वजह से अन्य महानगरों में नाइट कर्फ्यू और लाइक डाउन की स्थिति बन रही है ।

ट्रेनों में सीटों की उपलब्धता का नहीं है कोई संकट: जीएम रेलवे

● महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने विनय कुमार त्रिपाठी कोविड 19 संबंधी व्यवस्थाओं और ट्रेनों में सीट की उपलब्धता की दी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

प्रेसवार्ता करते जीएम रेलवे विनय त्रिपाठी

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे विनय कुमार त्रिपाठी ने कोविड 19 के प्रसार को रोकने के लिए रेलवे द्वारा की गयी व्यवस्था और ट्रेनों में सीट उपलब्धता की कमी के बारे में फैलाई जा रही अफवाहों को तुरंत रोकने के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंस से मीडिया से मुखातिब हुए।

संवाददाताओं से बातचीत में जीएम श्री त्रिपाठी ने बताया कि ट्रेनों में सीटों की उपलब्धता का कोई संकट नहीं है। वर्तमान में उत्तर मध्य रेलवे में 82 जोड़ी ओरिजनेटिंग टर्मिनेटिंग ट्रेनें परिचालित हैं। जिनमें 49 आरक्षित और 33 अनारक्षित ट्रेनें शामिल हैं। इसके अलावा उत्तर मध्य रेलवे में ठहराव के साथ 272 जोड़े पासिंग ट्रेन भी इस क्षेत्र के यात्रियों के लिए उपलब्ध हैं। बताया कि मुंबई क्षेत्र को जोड़ने वाली उत्तर मध्य रेलवे पर ओरिजनेटिंग टर्मिनेटिंग ट्रेने हैं। जिसमें झांसी बांद्रा टर्मिनस त्रि साप्ताहिक प्रयागराज लोकमान्य तिलक टर्मिनस दुरंतो एक्सप्रेस प्रयागराज लोक मान्य तिलक टर्मिनस कानपुर छत्रपति शिवाजी टर्मिनस साप्ताहिक विशेष कानपुरनबांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक एक्सप्रेस आगरा कैंट लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक एक्सप्रेस हैं। इसके अतिरिक्त मुंबई क्षेत्र को जोड़ने वाली 25 जोड़ी पासिंग ट्रेनें उत्तर मध्य रेलवे परिक्षेत्र को सेवित कर रही हैं। जीएम ने बताया कि उत्तर मध्य रेलवे द्वारा कोविड 19 से संबंधित व्यवस्थाएं हैं। बताया कि सभी प्रमुख स्टेशन ऑटो स्कैनर सामाजिक दूरी आदि सभी संबंधित व्यवस्थाओं का प्रावधान किया गया है। स्टेशनों पर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित आवश्यक थर्मल जाँच आदि की जा रही है। उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख स्टेशनों पर संपर्क रहित टिकट जाँच व्यवस्था बैगेज सेनिटाइजेशन कोविड 19 किट बिक्री केंद्र कियोस्क आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। महाप्रबंधक विनय कुमार त्रिपाठी ने यात्रियों से ट्रेनों में यात्रा करते समय आवश्यक कोविड 19 प्रोटोकॉल का पालन करने और रेलवे कर्मियों को कर्तव्यों का पालन में सहयोग की अपील की है।

विवक न्यूज

तीसरे दिन 60 अग्रवाल बन्धुओं ने लगवाया वैक्सीन

वाराणसी। कोरोना के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए इससे बचाव के लिए रविवार को श्री अग्रसेन सेवा संस्थान वाराणसी द्वारा 45 वर्ष तक के अग्रवाल बंधुओं के लिए आयोजित निःशुल्क कोविड वैक्सीन शिविर के तीसरे दिन मेडविन हॉस्पिटल मैदागिन में वैक्सीनेशन के लिए लोग उमड़ पड़े। जहां 60 लोगों को वैक्सीन का पहला टीका लगाया गया। सूच्य हो कि यह शिविर 10 अप्रैल तक चलेगा इस मौके पर लोगों ने कहा कि कोरोना संक्रमण एक बार फिर बड़ी तेजी से पांव पसारने लगा है। ऐसे में श्री अग्रसेन सेवा संस्थान द्वारा आयोजित वैक्सीनेशन का यह प्रयास प्रसंशनीय है। जहां लोगों को सुविधाजनक एवं सुरक्षित तरीके से लोग वैक्सीनेशन करा पा रहे है। इस अभियान के संयोजक अनिल कुमार जैनए श्री अग्रसेन सेवा संस्थान के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल कर्णघंटा, प्रधानमंत्री हरेकृष्ण रस्तोगी और उनके सहयोगी बधाई के पात्र है जो निरन्तर लोगों को वैक्सीन लगवाकर कोरोना संक्रमण से सुरक्षित होने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है। शिविर के संयोजक अनिल कुमार जैन ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में बहुत तेजी से लोग कोरोना संक्रमित होने लगे है।

आग लगने से गृहस्थी का सामान जलकर राख

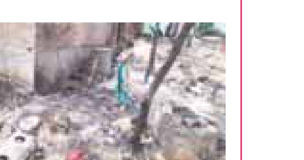

चहनियां/चन्दौली । बलुआ थाना क्षेत्र के मारूफपुर चौकी अन्तर्गत ग्राम पंचायत शेरपुर सरैया के भूसौला गांव में बीते शुक्रवार की देर रात जीयन यादव व ओमप्रकाश यादव पुत्रगण लालता यादव के रिहाइशी छप्पर में अज्ञात कारणों से लगी आग से जीवनोपयोगी घर गृहस्थी के सभी सामान जलकर राख हो गए तथा दो भैंसे व एक गाय भी बुरी तरह झुलस गयी। जिससे पीड़ित परिवार के लोग खुले आसमान के नीचे जीवन जीने को विवश है। भूसौला निवासी जीयन यादव व ओमप्रकाश यादव गांव में ही छप्पर नुमा मकान बनाकर परिजनों के साथ जीवन व्यतीत करते है।उनके आमदनी का मुख्य स्रोत कृषि व पशुपालन है।शुक्रवार की देर रात करीब 12रू30 बजे उनके रिहायशी छप्पर में से आग की लपटें निकलने लगी। छप्पर में ही सो रहे परिवार के लोग लपटे देखकर शोर मचाते हुए बाहर भागे।शोर सुनकर गांव के लोग कड़ी मेहनत करके आग बुझाई तब तक छप्पर में रखी घर गृहस्थी के सामान सहित कपड़े अनाज सब जलकर खाक हो गए तथा दो भैंसे और एक गाय भी बुरी तरह झुलस गयी।

नामांकन में जुलूस लेकर आने वालों पर होगी कार्रवाईः चुनाव अधिकारी

सकलडीहा/चन्दौली। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और नामांकन को लेकर तैयारी जोर शोर से शुरू है। इस क्रम में जहां विभागीय अधिकारियों का प्रशिक्षण शुरू है। वही दूसरी ओर नामांकन को लेकर शुक्रवार को चुनाव अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा ने कोरोना गाइड लाइन और चुनाव आचार संहिता का सख्ती से पालन कराने का निर्देश जारी किया है। आगामी 13 और 15 अप्रैल को सुबह 8 बजे से 5 बजे तक नामांकन होगा। विकास खंड में कुल 104 गांव के तेरह न्याय पंचायत है। न्याय पंचायत स्तर पर नामांकन की प्रक्रिया उम्मीदवारों द्वारा कराया जायेगा। नामांकन के दिन मास्क पहनकर प्रत्याशी और एक प्रस्तावक को अंदर प्रवेश दिया जायेगा। नामांकन स्थल से 200 मीटर की परिधि में चुनाव और कोरोना गाइड लाइन का सख्ती से पालन कराया जायेगा। जुलूस लेकर आने वाले उम्मीदवारों की वीडियों रिकार्डिंग कराकर कोरोना गाइड लाइन और चुनाव आचार संहिता के तहत मुकदमा दर्ज कराया जायेगा।

सकलडीहा ब्लॉक में 200 उम्मीदवारों ने खरीदा पर्चा

सकलडीहा/चन्दौली। सकलडीहा ब्लॉक में शनिवार को सातवें दिन कुल 200 उम्मीदवारों ने नामांकन पर्चा खरीदा। इस दौरान नोड्यूज और नामांकन फार्म लेने के लिये उम्मीदवारों की भीड़ लगा रहा। इस दौरान सभी एआरओ को नामांकन को लेकर प्रशिक्षण चुनाव अधिकारी द्वारा दिया गया। सकलडीहा ब्लॉक में शनिवार को प्रधान पद के आरक्षित वर्ग के 20 और अनारक्षित वर्ग के 1 उम्मीदवारों ने नामांकन खरीदा। वही क्षेत्र पंचायत सदस्य के लिये आरक्षित वर्ग के 10 और 02 अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवारों ने पर्चा खरीदा। ग्राम पंचायत सदस्य के लिये आरक्षित वर्ग के 149 और अनारक्षित वर्ग के 18 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र खरीदा। इस प्रकार कुल 200 उम्मीदवारों ने नामांकन खरीदा। इस बाबत चुनाव अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा ने बताया कि कुल 200 नामांकन पत्र विक्रय किया गया। इस मौके पर सहायक चुनाव अधिकारी राजेश कुमार सिंह, अभिषेक सिंह, पवन दूबे, राम सिंह, दुर्गेश सिंह, रणजीत सिंह, संजय यादव, सुभाष चन्द्र भारती सहित अन्य मौजूद रहे।

शांतिभंग के आरोप में तीन का चालान

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय पुलिस ने शांतिभंग करने के आरोप में ग्राम सभा बीजपुर के टोला राय कालोनी निवासी दो पक्षों के कुल तीन आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार करने के उपरांत अग्रीम कार्रवाई हेतु उन सभी को सम्बंधित न्यायालय में पेश किया।चालान किए गए आरोपियों में प्रथम पक्ष की उषा पत्नी रूपम व द्वितीय पक्ष के सपना पत्नी रमेश भारती व विनय पुत्र रमेश भारती के नाम शामिल हैं। तीनो आरोपियों के बीच किसी बात को लेकर आपस में कहासुनी व गाली गलौज हुआ था।

ट्रिपलआईटी में तीन दिवसीय अपरोक्ष तकनीकी उत्सव शुरू

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद का तीन दिवसीय तकनीकी उत्सव अपरोक्ष शुक्रवार से ऑनलाइन मोड में शुरू हुआ। जिसमें देश के विभिन्न तकनीकी संस्थान के प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं।पहले दिन कैलिफोर्निया स्थित गेंडा प्रौद्योगिकी कंपनी टेकियन कॉर्प के संस्थापक और सीईओ जय विजयन ने टेस्ला इंक के लिए मुख्य सूचना अधिकारी सीआईओ के रूप में प्राप्त अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने टेस्ला के दौरान किये गए सूचना प्रणाली और बुनियादी ढाँचे के विकास कार्यान्वयन और परिवर्तन के नेतृत्व की बराकियों को समझाया। स्टॉक ट्रेडिंग डिकोड मिस्टर गोगलर हम्बलफूल टॉपकोडर और आईपीएल बिडिंग सहित कई ऑनलाइन कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। अभिषेक उपमन्यु द्वारा स्टैंडअप का प्रदर्शन किया गया। जबकि विनोद खोसला ने अपने अनुभव को साझा किया। अनु जैन ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्सव के दुसरे दिन शनिवार को लोकप्रिय कार्यक्रम वेबक्रिटी प्रो.अरुडिनो ऑल डे टॉपबॉट नोवा प्रोगफेस्ट वैलोरेंट सी प्रेश हैकरअर्थ और इलेक्ट्रोबुज मुख्य आकर्षण होंगे। जबकि जीडी बख्शी मुख्य वक्ता संबोधित करेंगे।उत्सव के अंतिम दिन रविवार को प्रमुख प्रतियोगिता जैसे सर्किट डिबगिंग गीथरो जीथूब कोडरेड कोडफोर्स ग्रेहाउंड फाइनल लैंग चैलेंज मिनिमलमेनिया और सबमिशन संपन होगी। उसी दिन शाम को तकनीकी विशेषज्ञ विराज घेलानी अपने पेशेवर अनुभव साझा करेंगे। पीआरओ पंकज मिश्र ने बताया कि आकाश गुप्ता स्टैंडअप प्रस्तुत करेंगे। रात में प्रतिभागियों के लिए दो प्रमुख ऑनलाइन इवेंट्स प्रोगफेस्ट वलोरंट और अल्ग्वारिज्म का आयोजन किया जाएगा।

साहित्यिक संस्था सोन संगम का स्थापना दिवस मना

संवाददाता। बीजपुर/सोनभद्र

साहित्यिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था सोन संगम ने कोविड-19 के कारण सामाजिक दूरियों का पालन करते हुए शुक्रवार की सायं अपना स्थापना दिवस समारोह मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम के शुरुआती दौर में संस्था के सचिव डॉ0 माणिक चंद पाण्डेय ने अपने संबोधन में संस्था का परिचय तथा उपलब्धियों के बारे बताते हुए कहा कि यह संस्था साहित्यिक उन्नयन प्रतिभा सम्मान सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण तथा सामाजिक सारोकार के प्रति सजग है। नर सेवा नारायण सेवा की भावना तब और भी जवाबदेही की मुखपेक्षी हो जाती है जब स्वयं सेवी संस्थाएं अपनी जिम्मेदारियों को भूल कर रोजगार एवं जीविकोपार्जन का साधन बन जाती है। अपने अल्प समय में सोन संगम के द्वारा जितने भी कार्य किए जा चुके हैं वे संतोषप्रद है।

संस्था की इन उपलब्धियों के मूल में हमारी संस्था से जुड़े सदस्यों की भूमिका विशेष महत्वपूर्ण है। नैतिक समर्थन ही सोन संगम की आत्मा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विनय कुमार अवस्थी अपर महाप्रबंधक तकनीकी सेवाएं एनटीपीसी शक्तिनगर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि सोन संगम के द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के प्रति मैं अपना पारितोषिक व्यक्त करता हूं। इस समूह से जुड़े लोगों का सहयोग त्याग इच्छा शक्ति एवं उत्साह की उन्होंने हार्दिक प्रशंसा की। इसी क्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए राजेंद्र नारायण दुबे ने कहा कि आज के युग में भी यदि सच्चे मन से सेवा की इच्छा हो तो कुछ भी असंभव नहीं है बशर्ते इच्छाशक्ति बलवती होनी चाहिए। उनका कहना था कि आज भी मानवता को बचाने की आवश्यकता है।इस अवसर पर संस्था की ओर से बलराम बेलवंशी राजेंद्र नारायण दुबे एवं बाहर बनारसी को प्रशस्ति पत्र उत्तरीय एवं नारियल देकर सम्मानित किया गया। तथा इन लोगों के द्वारा संस्था के प्रति किए गए कार्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। उपस्थित कवि माहिर मिर्जापुरी शोभनाथ यादव रोहित त्रिपाठी बहर बनारसी बलराम बेलवंशी द्वारा काव्य पाठ किया गया जिस का संचालन डॉ योगेंद्र मिश्र ने किया ।कार्यक्रम में प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय शक्तिनगर रविंद्र राम राजीव कुमार सुरेंद्र द्विवेदी, डॉ अनिल कुमार दुबे डॉ छोटेलाल राकेश दीक्षित मुकेश कुमार मनीष जायसवाल मनोज गौतम अच्छेलाल हाजी वकील अहमद अंसारी बिना सौम्या रीता शिवकुमारी गुड़िया आदि के साथ साथ अन्य लोग उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष उमेश चंद जायसवाल के द्वारा किया गया।

सफारी में शराब लादकर ले जा रहा था बिहार, पुलिस ने किया गिरफ्तार

चंदौली। सैयदराजा थाने की पुलिस ने शुक्रवार की शाम क्षेत्र के बगहीं कुंभापुर गांव के समीप 20 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा। वह शराब की खेप टाटा सफारी गाड़ी में लादकर बिहार ले जा रहा था। इसी बीच वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ गया। उसके विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया गया। बता दे कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पुलिस तस्करों पर लगाम लगाने के लिए अभियान चला रही है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षण लक्ष्मण पर्वत की अगुआई में सैयदराजा थाने की पुलिस बगहीं कुंभापुर के समीप हाईवे पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। थोड़ी देर में एक व्यक्ति टाटा सफारी गाड़ी आती दिखी। पुलिस ने संदेह के आधार पर रोक कर तलाशी ली तो 20 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई। इस पर वाहन में सवार बिहार प्रांत के पटना जिले के सैदपुर थाना के गौरीचक के रहने वाले पुष्पेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया।

पूर्व सांसद श्यामाचरण गुप्ता के निधन पर भाजपाइयों ने जताया शोक

● सांसद रीता जोशी, भाजपा महानगर अध्यक्ष ने जताया शोक

प्रयागराज। पूर्व सांसद श्यामाचरण गुप्त के निधन पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की है। डा मुरली मनोहर जोशी ने उनके निधन पर गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि श्री गुप्त एक अत्यंत सरल और मधुर स्वभाव के व्यक्ति थे। जिन्होंने व्यावसायिक और राजनीति में समन्वय स्थापित करते हुए सुचिता पूर्ण जीवन जिया। पूर्व राज्यपाल केशरी नाथ त्रिपाठी ने गुप्त के निधन को अपूरणीय क्षति बताया। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में सांसद विनोद सोनकर, नीलम करवरिया, हर्षवर्धन बाजपेई, डॉ. यज्ञदत्त शर्मा, अनामिका चौधरी, अभिलाषा गुप्ता, प्रभाशंकर पाण्डे ,संतोष पटेल, नरेंद्र देव पाण्डे, राघवेंद्र मिश्र, रामरक्षा द्विवेदी, देवेन्द्र नाथ मिश्र, निर्मला पासवान, कमलेश कुमार रणजीत सिंह, संतोष जैन, सतीश अग्रवाल, राजेंद्र मिश्र, शशि वार्ष्णेय मुरारी लाल, अग्रवाल, लल्लू लाल कुशवाहा, डॉ. एलएस ओझा, कृतिका अग्रवाल, आशुतोष पाण्डे, जयवर्धन त्रिपाठी, श्यामप्रकाश पाण्डेय अनुपम मिश्र, आलोक चतुर्वेदी आदि रहे। पूर्व सांसद एवं पूर्व नगर प्रमुख श्यामाचरण गुप्ता का बीती रात नई दिल्ली स्थित मैक्स अस्पताल में निधन हो गया। इलाहाबाद सांसद प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। कोरोना से संक्रमित श्यामाचरण को बेतहर इलाज के लिए नई दिल्ली ले जाया गया था। वहां भी उनकी हालत लगातार चिंताजनक बनी हुई थी। शुक्रवार शाम स्थिति गंभीर होने पर उनको वेंटीलेटर पर रखा गया था। रात 12 बजे उनका निधन हो गया। श्याम ग्रुप के संस्थापक श्यामाचरण गुप्ता 2004 में समाजवादी पार्टी और 2014 में इलाहाबाद लोकसभा सीट से भाजपा के सांसद बने थे। सांसद बनने से पहले श्यामाचरण गुप्ता शहर के नगर प्रमुख भी रहे। श्यामाचरण गुप्ता के साथ उनकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य भी कोरोना से संक्रमित हुए हैं। उनकी पत्नी और बेटा भी नई दिल्ली में इलाज करा रहे हैं। अंतिम संस्कार कोरोना की गाइडलाइन के तहत नई दिल्ली में होगा। उनके निधन पर सांसद जोशी के आवास पर शोक सभा आयोजित किया गया। जिसमें लोगों ने उनको श्रद्धांजलि अर्पित किया। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में संत प्रसाद पांडेय, पदुम जायसवाल, शैलेन्द्र द्विवेदी अभिषेक शुक्ला, विजय पुरस्वानी, प्रमोद मोदी शामिल थे।

एक वर्ष बाद भारत में स्थिति और विकट

● कोविड-19 मामलों में तेज बढ़ोतरी, वायरस के नए स्वरूप आए सामने

भाषा। नई दिल्ली

पिछले वर्ष जब लाखों भारतीयों ने कोविड योद्धाओं के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए अपने घरों के बिजली के बल्ब बंद कर दिए थे और मोमबत्ती एवं मिट्टी के दीए जलाए थे तब कई ने संभवत: यह सोचा होगा कि लड़ाई जल्द ही खत्म हो जाएगी, लेकिन तब से एक साल बीत गया है किंतु स्थिति और विकट हो गई है।

पिछले साल 10 अप्रैल को लाखों लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में देश के सामूहिक संकल्प और एकजुटता दिखाने की अपील पर प्रतिक्रिया जताई थी। तब संक्रमितों के कुल मामले 6,761 थे जबकि मृतक संख्या 206 थी। वर्तमान समय की बात करें तो भारत में शनिवार को कोविड-19 के1,45,384 नए मामले सामने आए जिससे देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,32,05,926 हो गई, जबकि मृतक संख्या बढ़कर 1,68,436 हो गई है।

अकेले दिल्ली में शुक्रवार को कोविड-19 के 8,500 नए मामले सामने आए थे जबकि महाराष्ट्र में 58,000 से अधिक नए मामले आए। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 10 राज्यों - महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान- में वर्तमान में प्रतिदिन सामने आने वाले कोविड-19 के मामलों में तेजी देखी जा रही है। मंत्रालय ने कहा कि शनिवार को सामने आए नए मामलों में से 82.82 प्रतिशत मामले इन राज्यों से थे।

उपचाराधीन मरीजों की संख्या साढ़े छह महीने के बाद एक बार फिर 10 लाख से अधिक हो गई है। देश में एक दिन में 794 और मरीजों की मौत हुई, जो पिछले साल 18 अक्टूबर के बाद से सबसे अधिक है। भारत में पिछले साल 19 दिसंबर को कोविड-19 संक्रमण के मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। संक्रमण के प्रसार में थोड़े समय के लिए कमी आई और जनवरी 2021 में स्थिति में सुधार हुआ। गत 2 फरवरी को देश में एक दिन में सबसे कम सिर्फ 8,635 मामले सामने आए थे। हालांकि, यह प्रवृत्ति लंबे समय तक नहीं चली और मार्च 2021 में संक्रमण के मामले फिर से बढ़ने लगे। बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मी भी वायरस से संक्रमित हुए हैं, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने टीके की दोनों खुराकें ले ली हैं। देश में अभी तक 9.78 करोड़ से अधिक कोविड-19 टीके की खुराक स्वास्थ्य सेवा और अग्रिम मोर्चे पर लगे कर्मियों और 45 से अधिक आयु के लोगों को दी गई है। भारत रात के समय कर्फ्यू जैसी पाबंदियां लगाकर और रोजाना 20 लाख से ज्यादा लोगों को टीके लगाकर कोरोना वायरस की दूसरी लहर को रोकने के प्रयास कर रहा है। कोरोना वायरस के कई और प्रकार सामने आए हैं और कई विशेषज्ञों का मानना है कि हो सकता है कि ए देश में मामलों में हो रही वृद्धि के लिए जिम्मेदार हों। कोविड-19 के तीन नए प्रकारों की पहचान की गई है जिसमें ब्रिटेन में सामने आया कोविड-19 का स्वरूप, ब्राजील में सामने आया प्रकार और दक्षिण अफ्रीका में सामने आया कोविड-19 का नया स्वरूप शामिल है। भारत में महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे राज्यों में एक नए डबल म्यूटेंट कोविड-19 प्रकार का भी पता चला है, जहां कोरोना वायरस मामलों में वृद्धि देखी जा रही है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के दौरान कूच बिहार जिले में एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डालने के लिए कतार में खड़े मतदाता

ममता ने निर्वाचन आयोग को दिया जवाब, नियम उल्लंघन की बात नकारी

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय बलों पर टिप्पणी

केंद्रीय सशस्त्र बलों को लेकर की गई अपनी टिप्पणी का बचाव करते हुए ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग को शनिवार को बताया कि वह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) का काफी सम्मान करती हैं लेकिन बलों पर मतदाताओं को डराने और एक खास दल के पक्ष में मतदान के लिए मतदाताओं को प्रभावित करने के गंभीर आरोप हैं।

आयोग ने बृहस्पतिवार को नोटिस जारी कर ममता से राज्य में चुनावी ड्यूटी पर तैनात केंद्रीय बलों के खिलाफ उनके द्वारा दिए गए प्रथम दृष्टया पूरी तरह गलत, भड़काऊ और असंयमित बयानों पर स्पष्टीकरण मांगा था। इस नोटिस के जवाब में तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने आरोपों का खंडन किया था। बनर्जी ने चुनावी निगरानीकर्ता से अपना नोटिस रद्द करने का अनुरोध करते हुए दावा किया कि उन्होंने आदर्श आचार संहिता या भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने दावा किया कि एक लड़की के साथ कथित तौर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक कर्मी द्वारा तारकेश्वर पुलिस थाना क्षेत्र के रामनगर में छह अप्रैल को छेड़छाड़ की गई थी और पुलिस से मामले की शिकायत की गई जिसके बाद एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस ने इस बारे में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की थी। उन्होंने कहा कि अब तक कोई मूर्त कार्वाई नहीं हुई न ही निर्वाचन आयोग द्वारा केंद्रीय बलों को इस संदर्भ में कोई परामर्श या निर्देश जारी किया गया।

भारत 10 करोड़ कोविड-19 रोधी टीके लगाने के मामले में विश्व में सबसे आगे

भाषा। नई दिल्ली

देश में कोविड-19 रोधी खुराकों की संख्या 10 करोड़ से अधिक होने के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारत ने 85 दिन में 10 करोड़ टीके लगाए हैं और वह दुनिया का सबसे तेज टीकाकरण अभियान चलाने वाला देश बन गया है। मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका को टीके की 10 करोड़ खुराक देने में 89 दिन लगे जबकि चीन को इस कार्य में 102 दिन लग गए। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर दी जा रही टीके की खुराक के मामले में भारत शीर्ष पर बना हुआ है। देश में रोजाना टीके की औसतन 38,93,288 खुराक दी जा रही हैं। मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका ने 85 दिन में नौ करोड़ 20 लाख से अधिक टीके लगाए जबकि चीन एवं ब्रिटेन ने इसी अवधि में क्रमश: छह करोड़ 10 लाख से अधिक और दो करोड़ 10 लाख से अधिक टीके लगाए। प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी भारत में सबसे तेज टीकाकरण को दर्शाने वाला एक चार्ट ट्वीट किया और इसे स्वस्थ एवं कोविड मुक्त भारत के लिए मजबूत प्रयास करार दिया। मंत्रालय के मुताबिक, देश में अब तक किए गए टीकाकरण का 60.62 फीसदी आठ राज्यों में हुआ है जिनमें महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और केरल शामिल हैं।

देश भर में 16 जनवरी को टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई थी। सबसे पहले स्वास्थ्यकर्मियों को जबकि दो फरवरी से एवं अग्रिम मोर्चे के कर्मचारियों को कोविड-19 टीके की खुराक दी गई। इसके बाद एक मार्च से शुरू हुए अगले चरण में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों और 45 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के ऐसे लोगों का टीकाकरण किया गया जोकि पहले ही अन्य बीमारियों से ग्रस्त हैं। अब देश में एक अप्रैल से 45 वर्ष से अधिक उम्र वाले सभी लोगों को टीके की खुराक दी जा रही है।

आज से टीका उत्सव , अधिकतम योग्य लाभार्थियों के टीकाकरण का उद्देश्य

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर देश में 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक टीका उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य अधिकतम योग्य लाभार्थियों का टीकाकरण करना है। टीका उत्सव के दौरान उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे कई राज्य योग्य लोगों से टीका लगवाने की अपील कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी लोगों से अपील की है कि टीका उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में वे टीका लगवाएं। कोविड-19 की स्थिति और टीकाकरण अभियान की बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री के साथ समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे अपील की थी कि उन सभी लोगों का टीकाकरण कराने पर ध्यान केंद्रित करें जो 45 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। उन्होंने कहा था, कभी-कभी इससे माहौल बदलने में मदद मिलती है। ज्योतिबा फुले की जयंती 11 अप्रैल को है और 14 अप्रैल को बाबा साहेब की जयंती है। क्या हम टीका उत्सव का आयोजन कर सकते हैं और टीका उत्सव का माहौल बना सकते हैं? मोदी ने कहा था, हमें विशेष अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक योग्य लाभार्थियों का टीकाकरण करना चाहिए और इसकी बर्बादी बिल्कुल नहीं हो इस पर विचार करना चाहिए। टीका उत्सव के दौरान अगर चार दिनों में बर्बादी नहीं होगी तो इससे हमारे टीकाकरण की क्षमता बढ़ेगी। कुछ राज्यों ने जहां टीके की आपूर्ति में कमी का मुद्दा उठाया वहीं केंद्र ने कहा है कि सभी राज्यों को पर्याप्त संख्या में टीके आवंटित किए गए हैं।

भगवान हनुमान का जन्मस्थान बताने वाली पुस्तक का विमोचन करेगा तिरुमला तिरुपति देवस्थानम

तिरुपति। भगवान हनुमान का जन्म तिरुमला की सात पवित्र पहाड़ियों में से एक पर होने संबंधी दावे के साथ एक साक्ष्य आधारित पुस्तक का विमोचन 13 अप्रैल को किया जाएगा तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। हालांकि राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन के पूर्व निदेशक प्रो. वी वेंकटरमण रेड्डी ने कहा कि देवताओं के जन्मस्थल पर इस तरह की खोज उचित नहीं है जबकि तिरुमला में स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी एवी रमना दीक्षितुलु ने इस संबंध में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अधिकारी ने बताया कि खगोलीय, पुरालेखीय, वैज्ञानिक और पौराणिक प्रमाण वाली पुस्तक, जो यह साबित करेगी कि तिरुमला पहाड़ियों पर भगवान हनुमान का जन्म हुआ था, का विमोचन तेलुगू नववर्ष के दिन उगादि पर किया जाएगा। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी केएस जवाहर रेड्डी ने गत दिसम्बर में विद्वानों की एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था। इस समिति का गठन अध्ययन करने और सात पहाड़ियों में से एक अंजनाद्रि में प्रमाण एकत्रित करने के लिए किया गया था। तेलुगू देशम पार्टी के प्रवक्ता एन बी सुधाकर रेड्डी, ने कहा कि यह विश्वास करने की पूरी संभावनाएं हैं कि भगवान हनुमान का जन्म तिरुमला पहाड़ियों पर हुआ था। हनुमान को दक्षिण भारत में श्री अंजनीस्वामी के नाम से जाना जाता है।

ऐसे मिली मस्जिद को बचाते हुए पांच आतंकवादियों को ढेर करने में सफलता

भाषा। श्रीनगर

शोपियां मुठभेड़

जम्मू कश्मीर में शोपियां की एक मस्जिद में आतंकवादी घुस गए और उसके बाहर सुरक्षा बल और चिंतित स्थानीय लोग जमा हो गए। कश्मीर के शोपियां शहर की स्थिति विस्फोटक थी और चुनौती यह थी कि धार्मिक स्थल को बचाते हुए आतंकवादियों को ढेर किया जाए और इस मिशन को अंजाम दिया गया। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि दक्षिण कश्मीर के इस अशांत शहर में 20 साल से अधिक समय में पहली बार पांच आतंकवादियों को मार गिराया गया। इस बीच दहशतगर्दों के माता-पिता और इलाके के प्रतिष्ठित नागरिकों ने करीब 17 बार उनसे आत्मसमर्पण की अपील की।

उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार की रात और शुक्रवार की दोपहर को माहौल तनावपूर्ण हो गया और लाउडस्पीकर से जामा मस्जिद के अंदर घुसे आतंकवादियों से उनके माता पिता, नागरिक और सेना के कर्मी लगातार अपील कर रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि दहशतगर्दों से बातचीत करने के लिए कुछ लोगों को मस्जिद में भेजा गया ताकि वे शांतिपूर्ण तरीके से बाहर आ जाएं। जब इसमें कामयाबी नहीं मिली तो आखिरकार, शुक्रवार दोपहर को, प्रतिबंधित संगठन अंसार गज़्वतुल हिंद के पांच में से अंतिम आतंकी को मार गिराया गया और मस्जिद को न्यूनतम नुकसान हुआ। अंसार गज़्वतुल हिंद, जैश-ए-मोहम्मद का मुखौटा संगठन है। घटना के बारे में अधिकारियों ने कहा कि आतंकवादियों के आत्मसमर्पण से इनकार करने पर 44 राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के बल अडिग रहे और मस्जिद के पास तक पहुंच गए। दक्षिण और मध्य कश्मीर में आतंकवाद से निपटने वाली विक्टर फोर्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल रश्मि बाली ने कहा, हमारी मुख्य चिंता आतंकवादियों को ढेर करते हुए मस्जिद की पवित्रता को बनाए रखने की थी। इससे भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों से निपटने के दौरान हमारे सैनिकों को काफी खतरा था। उन्होंने कहा कि संदेश दृढ़ था कि राज्य के खिलाफ हथियार उठाना कोई विकल्प नहीं है और इस पर वाजिब प्रतिक्रिया दी जाएगी।

उच्चतम न्यायालय से समान नागरिक संहिता पर याचिका के हस्तांतरण का अनुरोध

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय में याचिका दाखिल कर समान नागरिक संहिता के विषय पर दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित एक याचिका को शीर्ष अदालत में हस्तांतरित करने का अनुरोध किया गया है। वकील और भाजपा नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका में कहा गया कि उच्चतम न्यायालय में विवाह की न्यूनतम आयु, तलाक के आधार, गुजारा-भत्ता, गोद या संरक्षण तथा विरासत एवं उत्तराधिकार से संबंधित पांच जनहित याचिकाएं उच्चतम न्यायालय में लंबित हैं। इसमें कहा गया कि भारतीय दंड संहिता की तर्ज पर सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने से देश के लोगों को सैकड़ों जटिल एवं पुरातनपंथी कानूनों से मुक्ति मिलेगी।

याचिका में मांग की गई कि केंद्र को यह निर्देश दिया जाए कि वह अंतरराष्ट्रीय संकल्पों और विकसित राष्ट्रों के सभी पर्सनल लॉ और दीवानी कानूनों में से सर्वश्रेष्ठ को ध्यान में रखते हुए तीन महीने के भीतर समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने के लिए न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति का गठन करे। याचिका में कहा गया, लैंगिक रूप से निष्पक्ष एवं धर्म निरपेक्ष कानून वसीयत, दान, धर्म-विज्ञान, संरक्षणता, संरक्षण की साझेदारी आदि के मामले में सभी नागरिकों पर लागू होगा चाहे वे हिंदू हों या मुस्लिम, पारसी हों या ईसाई। इससे धर्म, जाति और संप्रदायों के भीतर लैंगिक भेदभाव समाप्त हो जाएगा। इसमें कहा गया कि इस कानून से न केवल भाईचारा बढ़ेगा बल्कि राष्ट्रीय एकता की भावना बढ़ेगी, लैंगिक न्याय एवं महिलाओं के सम्मान की रक्षा हो सकेगी।

पंजाब के आढ़तियों ने हड़ताल वापस ली, गेहूं की खरीद शुरू

भाषा। लुधियाना, चंडीगढ़

केन्द्र द्वारा किसानों को उनकी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सीधे उनके बैंक खातों में अंतरण करने संबंधी निर्देश पंजाब सरकार को दिए जाने के खिलाफ शनिवार को राज्य में आढ़तियों ने राज्यव्यापी हड़ताल पर जाने के कुछ घंटे बाद ही इसे वापस ले लिया। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह द्वारा उन्हें आश्वासन दिया गया कि वे खरीद प्रणाली का एक अभिन्न हिस्सा बने रहेंगे। इसके बाद आढ़तियों (कमीशन एजेंटों) ने अपनी हड़ताल वापस ले ली।

इससे पूर्व दिन में राज्यभर के लगभग 40 हजार आढ़तिए किसानों को पैसे सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित करने के खिलाफ हड़ताल पर चले गए थे। आढ़तियों के नेता विजय कालरा ने पंजाब के खाद्य मंत्री भारत भूषण आशु के साथ लुधियाना में एक बैठक की और इसके बाद आढ़तियों ने हड़ताल वापस लेने का फैसला किया। आढ़तियों के हड़ताल वापस लेने की घोषणा करने के बाद उन्होंने कहा कि राज्य में गेहूं की खरीद शुरू होगी। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार ने एक ट्वीट में कहा, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पंजाब के आढ़तिया संघ द्वारा अपनी हड़ताल वापस लेने के बाद राज्य में औपचारिक रूप से गेहूं खरीद शुरू की। मुख्यमंत्री ने संघ के सदस्यों को आश्वासन दिया कि आढ़तिए हमेशा राज्य की खरीद प्रणाली का एक अभिन्न हिस्सा बने रहेंगे। इस बीच चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने प्रक्रिया में आढ़तियों को शामिल किया जाना सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जाने के आदेश दिए हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि राज्य खाद्य विभाग ने खरीद सॉफ्टवेयर में संशोधन किया है, ताकि किसानों को भुगतान जारी करने की प्रक्रिया में आढ़तियों का शामिल होना जारी रहे। खाद्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आढ़तियों को पता चल जाएगा कि जो किसान उनसे जुड़े हुए हैं, उन्हें कितना भुगतान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आढ़तियों को एमएसपी भुगतानों से बाहर किए जाने संबंधी भारत सरकार के निर्देशों के बावजूद आढ़तिए हमेशा खरीद प्रक्रिया से जुड़े रहेंगे।

पेज 1 का शेष

चुनावी हिंसा...

घोष के काफिले पर बम, ईंट और पत्थरों से हमला किया गया था। इस हमले से घंटेभर पहले ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यहां सभा को संबोधित करते हुए मतदाताओं विशेषकर महिलाओं से अपील की थी कि केंद्रीय बलों का घेराव कर अपने मतदान के अधिकार का इस्तेमाल करें। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने पर्यवेक्षकों प्रताप एम और शरद लक्ष्मण द्वारा दायर रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि केंद्रीय बलों की त्वरित प्रतिक्रिया टीम 50-60 मतदाताओं के उस समूह को बचा रही थी, जिसे कथित तौर पर टीएमसी समर्थकों ने मतदान करने से रोक दिया था। बूथ पर सशस्त्र भीड़ का पीछा करते हुए हाथापाई में एक बच्चा नीचे गिर गया और उसे कुछ चोटें आईं। जैसे ही सीआईएसएफ द्वारा फायरिंग की अफवाह फैली, 300-400 लोगों की भीड़ ने बूथ पर धावा बोल दिया। भीड़ में महिलाएं भी थीं। स्थानीय एसपी ने कहा कि केंद्रीय बलों पर बम फेंके गए। इस पर भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सीआईएसएफ ने हवाई फायरिंग की। जब भीड़ नहीं मानी तो, फायरिंग की गई, जिसमें चार लोगों की जान चली गई। जब यह हिंसा हो रही थी तो उसी समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिलीगुड़ी में रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिंसा की घटना से वह बहुत आहत हैं। उन्होंने कहा कि वह चुनाव आयोग से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने इस घटना के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि जब उनके कार्यकर्ता यह पूछताछ करने गए कि लोगों को वोट क्यों नहीं डालने दिया जा रहा तो भाजपा समर्थकों ने उन पर हमला बोल दिया। इसके बाद केंद्रीय बलों ने फायरिंग कर चार तृणमूल कार्यकर्ताओं की जान ले ली। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना के लिए सीधे तौर पर गृह मंत्री अमित शाह को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके इस्तीफे की मांग की और पार्टी के लोगों से राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वह रविवार को घटना स्थल का दौरा करेंगी। मुख्यमंत्री ने मामले की सीआईडी ??जांच के आदेश दिए हैं। माकपा पोलित ब्यूरो के सदस्य ने गोलीबारी में मौतों की निंदा करते हुए पूरे मामले की न्यायिक जांच की मांग की है। कई अन्य जगहों से भी हिंसा की खबरें हैं। इनमें दक्षिणी कोलकाता में भाजपा नेता बाबुल सुप्रियो के साथ झड़प हुई। हुगली के चिनसुराह में भाजपा सांसद और उम्मीदवार लॉकेट चटर्जी के साथ धक्का-मुक्की की गई और उनकी गाड़ी को नुकसान पहुंचाया गया।

कोविड नियमों...

गुरुवार को चुनाव प्रचार करने के दौरान मास्क के उपयोग पर आयोग और केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। असम में तीन चरणों में और तमिलनाडु, केरल तथा पुडुचेरी में एक चरण में मतदान की प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है, वहीं पश्चिम बंगाल में आठ चरणों के मतदान की प्रक्रिया का चौथा चरण शनिवार को संपन्न हुआ। आयोग ने कहा कि नियमों के पालन में बरती जा रही ढिलाई को उसने गंभीरता से लिया है जिनमें खासकर मंच पर नेताओं द्वारा मास्क नहीं पहनना तथा सामाजिक दूरी कायम नहीं रखना शामिल है। आयोग ने सभी दलों से दिशा-निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन करने को कहा। दो पन्नों के पत्र में कहा गया कि यह सलाह दी जाती है कि राजनीतिक नेता एवं उम्मीदवार जिनका कर्तव्य कोविड-19 को फैलने से रोकना है, वे मिसाल पेश करें।

तृणमूल के...

के खिलाफ लहर है, ध्रुवीकरण वास्तविकता है, अनुसूचित जाति का वोट भाजपा के पक्ष में है, ऐसा ममता बनर्जी के रणनीतिकार ने अपनी खुली बातचीत में कहा है। उन्होंने लिखा है, क्लब हाउस पर सार्वजनिक चैट के दौरान ममता बनर्जी के चुनावी रणनीतिकार ने माना कि तृणमूल के आंतरिक सर्वेक्षण के हिसाब से भी भाजपा जीत रही है। वोट मोदी के लिए है, ध्रुवीकरण सच्चाई है, अनुसूचित जाति (बंगाल की आबादी का 27 फीसद हिस्सा), मतुआ सभी भाजपा के लिए वोट डाल रहे हैं। भाजपा का काडर जमीनी स्तर पर मौजूद है। किशोर ने भाजपा का मजाक बनाते हुए कहा कि भगवा पार्टी अपने नेताओं की बातों की जगह उनकी बातें ज्यादा गंभीरता से ले रही है। किशोर ने ट्वीट किया, मुझे खुशी है कि भाजपा मेरी बातों को अपने नेताओं के मुकाबले ज्यादा गंभीरता से ले रही है। उन्हें हिम्मत दिखानी चाहिए और पूरा चैट साझा करना चाहिए, सिर्फ कुछ हिस्से का इस्तेमाल कर उत्साहित नहीं होना चाहिए। किशोर ने कहा, मैंने यह पहले भी कहा है और फिर कह रहा हूं.... भाजपा बंगाल में 100 का आंकड़ा पार नहीं करेगी।

बिहार के...

सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान फिरोज आलम, अबुजर आलम और सहीनुर खातून के रूप में हुई है। पश्चिम बंगाल में उत्तर दिनाजपुर और बिहार में किशनगंज सीमा साझा करते हैं। इस्लामपुर में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस अधिकारी का पार्थिव शरीर दिन में किशनगंज पुलिस लाइन लाया गया। कुमार को किशनगंज पुलिस लाइन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। हालांकि कुमार के परिवार ने साजिश का आरोप लगाते हुए शव लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने टीम के अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका पर सवाल उठाया, जब कुमार को भीड़ द्वारा पीटा जा रहा था। परिवार ने यह भी जानना चाहा कि पश्चिम बंगाल पुलिस को छापेमारी के बारे में पूर्व सूचना क्यों नहीं दी गई। पुलिस ने बताया कि शव को लेकर हंगामा एक घंटे तक चला, इसके बाद किशनगंज के जिलाधिकारी आदित्य प्रकाश और पूर्णिया रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुरेश कुमार चौधरी सहित अन्य शीर्ष अधिकारियों ने कुमार के परिवार के साथ बैठक की और उन्हें घटना की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद वे शव को पूर्णिया के जानकी नगर में कुमार के पैतृक स्थान पर ले गए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक पी नीरजनयन ने बिहार के पुलिस महानिदेशक एसके सिंघल से बात की और उन्हें मामले पर पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया। एक बयान में, बिहार पुलिस ने कहा कि वह कुमार के परिजनों को नौकरी प्रदान करने पर विचार कर रही है। अधिकारियों ने बताया कुमार, पूर्णिया जिले के जानकी नगर थाना क्षेत्र के निवासी और 1994 बैच के निरीक्षक थे। वह एक वर्ष पूर्व किशनगंज नगर थाना में पदस्थापित हुए थे।

यूपी में...

70, गाजीपुर में 140, बस्ती में 117, चंदौली में 45, गोंडा में 85, सोनभद्र में 95, सुल्तानपुर में 106, सीतापुर में 80, उन्नाव में 69, फर्रुखाबाद में 26, बिजनौर में 49, हापुड़ में 37, अमरोहा में 44, बहराइच में 68, फिरोजाबाद में 28, बदायूं में 44, बांदा में 81, सिद्धार्थनगर में 42, पीलीभीत में 13, जालौन में 53, ललितपुर में 90, फतेहपुर में 26, मैनपुरी में 17, शामली में 38, मिर्जापुर में 101, अमेठी में 22, औरया में 64, संत कबीर नगर में 29, कन्नौ में 21, संभल में 64, मऊ में 45, एटा में 36, बलरामपुर में 52, भदोही में 56, चित्रकूट में 60, बागपत में 8, कौशाम्बी में 25, कानपुर देहात में 21, अंबेडकरनगर में 35, कासगंज में 11, हमीरपुर में 24, महोबा में 43, श्रावस्ती में 11 और हाथरस में कोरोना के तीन मरीज मिले हैं।

इटावा में...

प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। इटावा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि जिले के बढ़पुरा थाना क्षेत्र के उदी चकरनगर मार्ग पर शनिवार शाम चार बजे कसउवा मोड़ के निकट यह दुर्घटना हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गढ़ा पचौली थाना बाह, आगरा निवासी जनवेद (50), रामदास (70), किशन लाल (75) और हाकिम (65) की, तथा गण आन का पुरा बाह, आगरा निवासी महेश (50) राजेंद्र (50), मनीष (35), लालू (42),बनवारी (50) के अलावा एक अन्य व्यक्ति की दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, अस्पताल में इलाज के दौरान आगरा के ही पिनाहट क्षेत्र के ढकिया निवासी गुलाब सिंह (45) और गढ़ा पिचौली निवासी बैजनाथ की 75 वर्षीय पत्नी की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि गंभीर रूप से घायल 13 मरीजों को उपचार के लिए सैफई भेजा गया है, जबकि 32 घायलों को जिला चिकित्सालय में उपचार के लिए भर्ती किया गया है। एसएसपी के मुताबिक पिनाहट बाह, आगरा से महिलाओं एवं बच्चों समेत करीब 60 लोग इटावा जिला के कस्बा लखना स्थित कालिका देवी मंदिर नेजा (झंडा) चढ़ाने जा रहे थे, तभी कसउवा मोड़ पर ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया और सड़क किनारे 30 फुट गहरे गड्ढे में जा गिरा।

शहीदों के...

गया है। 60 फीट के प्रवेश गेट वाले इस आयोजन स्थल पर 500 से ज्यादा पुजारी यज्ञ कराएंगे। इस अस्थायी ढांचे के शीर्ष पर तिरंगा भी फहरा रहा है। यज्ञ शुरू होने से पहले पूरे शहीद नगर में शहीदों के चित्र भी लगाएं जाएंगे। इसमें स्वतंत्रता सेनानियों की तस्वीरें भी शामिल होगी। दास ने बताया कि यज्ञ के लिए आने वाले परिवारों के यात्रा का भी खर्च वे देते हैं।

स्पेन की बाडोसा ने बार्टी को बाहर किया

चार्ल्सटन (अमेरिका)। स्पेन की पाउला बाडोसा ने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एशलीग बार्टी को सीधे सेटों में हराकर वोल्वो कार टेनिस ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बाडोसा ने यह मैच 6-4, 6-3 से जीता। उन्होंने पांच बार बार्टी की सर्विस तोड़ी। यह पिछली चार प्रतियोगिताओं में दूसरा अवसर है जबकि बाडोसा अंतिम चार में पहुंची है। उनका सामना अब रूस की 15वीं वरीय वेरोनिका कुदेरमेतोवा से होगा। कुदेरमेतोवा ने पूर्व यूएस ओपन चैंपियन सलोनी स्टीफन्स को 6-3, 6-4 से पराजित किया। मोंटेग्रो की दांका कोविनिच ने कजाखस्तान की यूलिया पुतिनसेवा के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद 6-7 (2), 7-5, 6-1 से जीत दर्ज की। वह नवंबर 2019 के बाद पहली बार किसी डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है जहां उन्हें ट्यूनिशिया की ओंस जाबेर का सामना करना है। जाबेर ने अमेरिका की कोको गॉ को हराया। सेमीफाइनल में पहुंची चारों खिलाड़ी अपने पहले डब्ल्यूटीए खिताब की तलाश में है।

फीफा अंडर–17 महिला की निदेशक रोमा खन्ना ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। रोमा खन्ना शनिवार को निजी कारणों का हवाला देते हुए भारत में होने वाले फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप और एएफसी महिला एशिया कप के टूर्नामेंट निदेशक पद से हट गईं। रोमा ने 2019 में अंडर-17 विश्व कप की बोली लगाने की प्रक्रिया की अगुआई की थी और बाद मे उन्हे स्थानीय आयोजन समिति का टूर्नामेंट निदेशक नियुक्त किया गया था। उन्होंने अगले साल जनवरी मे होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप की बोली लगाने की प्रक्रिया मे भी सफल अगुआई की थी।

आस्ट्रेलिया ने लगातार 24वीं जीत से क्लीन स्वीप किया

माउंट मोनगानुई (न्यूजीलैंड)। आस्ट्रेलिया की महिला टीम ने बारिश से प्रभावित तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शनिवार को यहां न्यूजीलैंड को 21 से हराकर इस प्रारूप मे लगातार 24वी जीत के साथ तीन मैचों की श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया। बारिश के कारण यह मैच 25-25 ओवरों का कर दिया गया। आस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर सात विकेट पर 149 रन बनाए। उसकी तरफ से एलिसा हीली ने 46 और बेथ मूनी ने 28 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की तरफ से लीग कास्पेरेक ने तीन और ली ताहुहु ने दो विकेट लिए।

भारतीय फुटबॉल शैली दिखाएंगे गोवा के खिलाड़ी

नई दिल्ली। एफसी गोवा के खिलाड़ियों ने एएफसी चैम्पियंस लीग के ग्रुप चरण में टीम के पदार्पण को बड़ा मौका करार देते हुए कहा कि इससे उन्हें दुनिया को भारतीय फुटबॉल की शैली को दिखाने का मौका मिलेगा। एफसी गोवा इस 14 अप्रैल को महाद्वीपीय क्लब प्रतियोगिता में खेलने वाला देश का पहला क्लब बन जाएगा। एफसी चैम्पियंस लीग (एसीएल) के ग्रुप चरण में पहले मैच में उनका सामना कतर के अल-रयान से होगा।

गुरू धोनी से शिष्य पंत ने मारी बाजी

चेन्नई हारा दिल्ली कैपिटल्स 7 विकेट से जीता

भाषा। मुंबई

धवन ने 85 रन बनाए

उस्ताद और शागिर्द के मुकाबले में बाजी शागिर्द ने मारी जब ऋषभ पंत की दिल्ली कैपिटल्स ने शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के अपने पहले मैच में महेंद्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराकर जीत के साथ आगाज किया।

श्रेयस अय्यर के चोटिल होने के कारण कप्तानी कर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज पंत को भारतीय क्रिकेट में धोनी के वारिस के रूप में देखा जाता है। पंत ने शारदुल ठाकुर को चौका जड़कर टीम को जीत तक पहुंचाया और विकेट के पीछे धोनी खड़े थे। इससे पहले आईपीएल में वापसी कर रहे सुरेश रैना के 36 गेंद में 54 रन और आखिरी ओवरों में सैम कुरेन की आक्रामक बल्लेबाजी की मदद से चेन्नई सुपर किंग्स ने सात विकेट पर 188 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने तीन विकेट खोकर आठ गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। पिछले सत्र में 618 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे शिखर धवन और विजय हजारे ट्रॉफी में 827 रन बनाकर फॉर्म में लौटे पृथ्वी साव ने दिल्ली को शानदार शुरूआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 138 रन जोड़े और धोनी का कोई गेंदबाज उनके सामने कामयाब नहीं हो सका। साव 38 गेंद में नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 72 रन बनाकर 14वें ओवर में आउट हुए। उन्हें ड्वेन ब्रावो ने मोईन अली के हाथों लपकवाया। वहीं धवन शतक की ओर बढ़ते दिख रहे थे लेकिन शारदुल ठाकुर ने उन्हें पगबाधा आउट कर दिया। धवन ने 54 गेंद में 85 रन बनाए जिसमें दस चौके और दो छक्के शामिल थे। पंत (नाबाद 15) और मार्कस स्टोइनिस (14) ने इसके बाद आसानी से टीम को जीत तक पहुंचा दिया। इससे पहले चेन्नई के लिए सैम कुरेन ने आखिरी ओवरों में सिर्फ 15 गेंद में 34 रन बनाए जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल थे। आखिरी पांच ओवरों में चेन्नई ने 52 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान पंत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पिछले सत्र की उपविजेता दिल्ली को पहली सफलता के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा और आवेश खान ने दूसरे ही ओवर में फाफ डु प्लेसी को पगबाधा आउट कर दिया। आवेश ने चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट लिए। तीसरे ओवर की पहली गेंद पर क्रिस वोक्स ने रूतुराज गायकवाड़ को स्लिप में लपकवाया। चेन्नई के दो विकेट सात रन पर गिर गए थे। इसके बाद रैना क्रीज पर आए जो निजी कारणों से आईपीएल के पिछले सत्र से बाहर रहे थे। रैना और मोईन अली ने मिलकर चेन्नई की पारी को संभाला। मोईन ने 24 गेंद में चार चौकों और दो छक्कों के साथ 36 रन बनाकर रैना का बखूबी साथ दिया। अनुभवी आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने मोईन को पवेलियन भेजा जो रिवर्स स्वीप लगाने के चक्कर में शिखर धवन को कैच दे बैठे। अंबाती रायुड ने आते ही आक्रामक खेल दिखाया और 16 गेंद में 23 रन बनाए। उन्हें टॉम कुरेन ने आउट किया।

स्कोरबोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स : गायकवाड़ का धवन बो वोक्स 05, फाफ डु प्लेसिस पगबाधा बो आवेश खान 00,अली का धवन बो अश्विन 36, रैना रन आउट 54, रायुडू का धवन बो कुरेन 23,जडेजा नाबाद 26,धोनी बो आवेश खान 00, कुरेन बो वोक्स 34,**अतिरिक्त :** 10,**कुल योग :** 20 ओवर में सात विकेट पर 188 रन, **विकेट पतन :**1-7, 2-7, 3-60, 4-123, 5-137, 6-137, 7-188,**गेंदबाजी :** वोक्स 3-0-18-2,आवेश 4-0-23-2, अश्विन 4-0-47-1,कुरेन 4-0-40-1,मिश्रा 3-0-27-0, स्टोइनिस 2-0-26-0

दिल्ली कैपिटल्स पारी : पृथ्वी ब अली इ ब्रावो 72,धवन पगबाधा बो ठाकुर 85, पंत नाबाद 15,स्टोइनिस का कुरेन बो ठाकुर 14, हेटमाएर नाबाद 0, **अतिरिक्त :** चार रन **कुल योग :** 18 . 4 ओवर में तीन विकेट पर 190 रन, **विकेट पतन :**1- 138, 2- 167, 3 - 186, **गेंदबाजी :** चाहर 4- 0- 36- 0, कुरेन 2- 0- 24- 0, ठाकुर 3.4- 0- 53 - 2, जडेजा 2- 0- 16- 0, अली 3- 0- 33- 0, ब्रावो 4- 0- 28- 1

पहला मैच नहीं, चैंपियनशिप जीतना महत्वपूर्ण : रोहित

चेन्नई। मुंबई इंडियन्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को यहां नौवीं बार अपना पहला मैच जीतने में असफल रही लेकिन कप्तान रोहित शर्मा इससे निराश नहीं हैं क्योंकि उनके अनुसार पांच बार की चैंपियन के लिए पहला मैच नहीं चैंपियनशिप जीतना महत्वपूर्ण है। मुंबई इंडियन्स को आईपीएल–14 के उद्घाटन मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के हाथों दो विकेट से करीबी हार का सामना करना पड़ा। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद नौ विकेट पर 159 रन बनाए। आरसीबी ने आखिरी गेंद पर लक्ष्य हासिल किया। रोहित ने मैच के बाद कहा, चैंपियनशिप जीतना महत्वपूर्ण है, पहला मैच नहीं। बहुत अच्छा मुकाबला रहा। हमने उन्हें आसानी से नहीं जीतना दिया। हालांकि हम अपने स्कोर से खुश नहीं थे। हमने 20 रन कम

आरसीबी से जुड़ने के बाद से ही मुझे अपनी भूमिका पता थी : हर्षल

चेन्नई। हर्षल पटेल को काफी पहले बता दिया गया था कि उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की तरफ से डेथ ओवरों में मुख्य गेंदबाज की भूमिका निभानी होगी और मुंबई इंडियन्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उद्घाटन मैच में वह इस पर पूरी तरह से खरे उतरे। हर्षल ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 27 रन देकर पांच विकेट लिए। इसके अलावा एबी डिविलियर्स ने शानदार पारी खेली जिससे आरसीबी ने दो विकेट से जीत हासिल की। हरियाणा के इस तेज गेंदबाज मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, जब मुझे आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स से लिया तो मुझे बता दिया गया था कि फ्रेंचाइजी की तरफ से मेरी क्या भूमिका होगी।

हमें छठे गेंदबाज की कमी खली : लिन

चेन्नई। मुंबई इंडियन्स के सलामी बल्लेबाज क्रिस लिन को लगता है कि छठे गेंदबाज का विकल्प मौजूद नहीं होने के कारण उनकी टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के उद्घाटन मैच में हार झेलनी पड़ी। यह मैच बेहद रोमांचक रहा और आरसीबी ने आखिरी गेंद पर 160 रन का लक्ष्य हासिल किया। मुंबई ने पांच गेंदबाजों का उपयोग किया और हार्दिक पंड्या से गेंदबाजी नहीं करवाई। मुंबई की पारी में 35 गेंदों पर 49 रन बनाने वाले लिन ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमें छठे गेंदबाज की कमी खली। जब उनसे पूछा गया कि हार्दिक पंड्या ने गेंदबाजी नहीं की तो लिन ने संकेत दिया कि इस आलराउंडर के कंधे में दिक्कत है और इसके अलावा यह कार्यभार प्रबंधन का हिस्सा है। मैं स्पष्ट तौर पर नहीं जानता। शायद उनके कंधे में दर्द है। निश्चित तौर पर जब वह गेंदबाजी करता है तो हमारी टीम में अलग तरह का संतुलन पैदा होता है लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा ऐहतियात के तौर पर किया गया।

एफसी गोवा ने ब्रेंडन फर्नांडिज के साथ करार को तीन और वर्षों के लिए बढ़ाया

पणजी। देश की शीर्ष फुटबॉल प्रतियोगिता इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की फ्रेंचाइजी एफसी गोवा ने ब्रेंडन फर्नांडिज के साथ तीन साल का नया करार किया है जिससे वह 2024 तक इस टीम से जुड़े रहेंगे। यहां जारी मीडिया विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी गई। इस 26 साल के खिलाड़ी को 2017 के आईएसएल ड्राफ्ट से टीम में शामिल किया था।उनके नाम इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक गोल में मदद करने का रिकार्ड है। फर्नांडिज ने कहा, मैं चार साल पहले यहां आया था और एफसी गोवा के लिए खेलना हमेशा से खास रहा है। मुझे यहां घर जैसा लगता है। हमने एक साथ कई सफलता हासिल की है और मैं इसे आगे भी जारी रखना चाहूंगा। एफसी गोवा के फुटबॉल निदेशक रवि पुस्कुर ने कहा, टीम से पहली बार 2017 में जुड़ने के बाद उनके खेल में काफी सुधार हुआ है और वह देश के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक है। पिछले चार साल से वह हमारी सफलता के अहम साझेदार हैं।

टीम संतुलन तैयार करने उतरेगा केकेआर

दमदार सनराइजर्स से आज है मुकाबला

भाषा। चेन्नई

पूर्व चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) रविवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में टीम के अंदर उचित संतुलन तैयार करके अपने अभियान का सफल आगाज करने की कोशिश करेगा।

केकेआर की अगुवाई इस बार सीमित ओवरों के सबसे सफल कप्तानों में से एक इयोन मोर्गन कर रहे है। उन्होंने पिछले सत्र में यूएई में दिनेश कार्तिक से टूर्नामेंट के बीच में कप्तानी संभाली थी। पिछले सत्र में केकेआर के सनराइजर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के समान अंक थे। केकेआर हालांकि रन रेट में पिछड़ गया और लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाया था। मोर्गन पहली बार पूर्णकालिक कप्तान की जिम्मेदारी संभाल रहे और ऐसे में सभी की निगाहें इंग्लैंड के वनडे विश्व कप विजेता कप्तान पर होंगी जो कि दो बार के आईपीएल चैंपियन को खोई प्रतिष्ठा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध लगते हैं। केकेआर के पास शुभमन गिल के रूप में शीर्ष क्रम में शानदार बल्लेबाज है जो कि तेजी से रन बनाने में सक्षम हैं जबकि राहुल त्रिपाठी, नितीश राणा और अनुभवी कार्तिक के रूप में उसके पास अच्छे भारतीय बल्लेबाज हैं। इसके अलावा कप्तान मोर्गन हैं जो कि किसी भी तरह की आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकते हैं जबकि आंद्रे रसेल आक्रामक बल्लेबाजी के पर्याय हैं और किसी भी गेंदबाजी के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। रसेल पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। उन्होंने नौ पारियों में 13 की औसत से रन बनाए थे। वह किसी भी मैच में मैच विजेता प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और जमैका के इस खिलाड़ी पर अत्याधिक निर्भरता केकेआर को महंगी पड़ी थी। वेस्टइंडीज का एक अन्य खिलाड़ी सुनील नारायण भी यूएई में नहीं चल पाया था। केकेआर के पास अब उनके स्थान पर शाकिब अल हसन के रूप में अच्छा विकल्प है। चेपक की धीमी पिच पर निगाहें 40 साल के हरभजन सिंह पर भी टिकी रहेगी जो अपने संभवत: आखिरी आईपीएल में अधिक से अधिक प्रभाव छोड़ना चाहेंगे। केकेआर के पास वरुण चक्रवर्ती के रूप में रहस्यमई स्पिनर भी है। आईपीएल में जिन टीमों के प्रदर्शन में निरंतरता रही है उनमें सनराइजर्स हैदराबाद भी शामिल है।

अंशू और सोनम तोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई

साक्षी की उम्मीदें खत्म

भाषा। अलमाटी (कजाखस्तान)

भारत की युवा पहलवान अंशू मलिक और सोनम मलिक ने यहां एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर्स में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए शनिवार को तोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई किया। जूनियर से सीनियर वर्ग में पहुंची 19 वर्षीय अंशू और 18 वर्षीय सोनम से पहले अनुभवी विनेश फोगाट (53 किग्रा) ने ओलंपिक में जगह बनाई थी। इस तरह से कुश्ती में भारत की तीन महिला खिलाड़ी तोक्यो खेलों में अपना दावा पेश करेंगी। विनेश ने 2019 में विश्व चैंपियनशिप से क्वालीफाई किया था। भारत के कुल मिलाकर सात पहलवान ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। पुरुषों में बजरंग पूनिया (65 किग्रा), रवि दहिया (57 किग्रा) और दीपक पूनिया (86 किग्रा) ने फ्रीस्टाइल वर्ग में क्वालीफाई किया है। अंशू ने 57 किग्रा में पूरा दबदबा दिखाया जबकि सोनम भी 62 किग्रा में पीछे नहीं रही। सोनम ने कोटा हासिल करके रियो ओलंपिक की पदक विजेता साक्षी मलिक के लिए रास्ता भी बंद कर दिया। सोनम ने हाल में ट्रायल्स में साक्षी को हराया था। अंशू के दबदबे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने फाइनल तक पहुंचने में केवल दो अंक गंवाए। उन्होंने अपने तीनों मुकाबले तकनीकी दक्षता से जीते। उन्होंने कोरिया की जियुन उम को हराकर शुरूआत की तथा फिर कजाखस्तान की इम्मा टिसिना और सेमीफाइनल में शोखिदा अखमेदोवा को हराया।

नौवहन अधिकारों के उपयोग का अमेरिका ने बचाव किया

भाषा। वाशिंगटन

पेंटागन ने कहा है कि भारत की मंजूरी के बिना उसके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के दायरे में अमेरिकी नौसेना पोत द्वारा नौवहन अधिकारों का उपयोग करना अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी नौसेना के पोत जॉन पॉल जोन्स के भारत के ईईजेड से गुजरने के संबंध में भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया था।

असाधारण कदम उठाते हुए अमेरिकी नौसेना ने भारत की पूर्वानुमति के बिना इस सप्ताह लक्षद्वीप द्वीपसमूह के निकट भारतीय जलक्षेत्र में नौपरिवहन स्वतंत्रता अभियान शुरू करने की घोषणा की थी जिसके बाद नई दिल्ली ने शुक्रवार को अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि उसने राजनयिक माध्यमों से वाशिंगटन को अपनी चिंताओं से अवगत करा दिया है।विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के सात अप्रैल के इस बयान पर भी विरोध दर्ज कराया कि अमेरिकी जहाज जॉन पॉल जोन्स द्वारा नौपरिवहन स्वतंत्रता अभियान में अंतरराष्ट्रीय कानून में निर्धारित समुद्र क्षेत्र के कानूनन इस्तेमाल, अधिकार और स्वतंत्रता को कायम रखा गया।अमेरिकी नौसेना के कदम पर भारत की प्रतिक्रिया से संबंधित सवाल पर पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, मैं कह सकता हूं कि नौसेना के विध्वंसक पोत यूएसएस जॉन पॉल जोन्स ने मालदीव गणतंत्र के नजदीक समुद्री क्षेत्र में सामान्य परिचालन के तहत अहानिकारक तरीके से गुजरते हुए अपने नौवहन अधिकारों एवं स्वतंत्रता का उपयोग किया और ऐसे में उसने बिना पूर्वानुमति के उसके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में परिचालन किया। अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के कमांडर की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मिसाइल

भारत के ईईजेड यानी विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के भीतर अपने पोत भेजने के मामले में दी सफाई

विध्वंसक पोत यूएसएस जॉन पॉल जोन्स के जरिए सात अप्रैल को यह अभियान शुरू किया गया।बयान में कहा गया, सात अप्रैल, 2021 को यूएसएस जॉन पॉल जोन्स (डीडीजी 53) ने भारत की अनुमति के बिना, अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र लक्षद्वीप द्वीपसमूह के पश्चिम से लगभग 130 समुद्री मील दूर नौपरिवहन अधिकार एवं स्वतंत्रता अभियान शुरू किया।

किर्बी ने पेंटागन में संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा, यह अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है। हम अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक उड़ान भरने, समुद्री परिचालन करने तथा परिचालन के अपने अधिकार तथा जिम्मेदारी को बनाए रखेंगे। किर्बी ने कहा कि नौवहन स्वतंत्रता को कायम रखना, अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत समुद्र के कानूनी उपयोग, आजादी एवं अधिकारों को बनाए रखना अमेरिका की जिम्मेदारी है। विदेश मंत्रालय ने कहा, समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र के समझौते (यूएनसीएलओएस) पर भारत का स्पष्ट रुख है कि इसके तहत दूसरे देशों को किसी तटीय देश की अनुमति के बिना उसके विशेष आर्थिक क्षेत्रों (ईईजेड) में और महाद्वीपीय भाग में सैन्य अभ्यास करने का और खासतौर पर हथियारों और विस्फोटकों का इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं है।

ब्रिटेन के राजकुमार फिलिप को लंदन के बकिंघम पैलेस के बाहर पुष्पांजलि अर्पित करने खड़े लोग। फिलिप का 99 वर्ष की आयु में निधन हो गया

अमेरिका में तीन साल के भाई ने आठ माह के शिशु पर चलाई गोली, बच्चे की मौत

ह्यूस्टन। अमेरिका के ह्यूस्टन में शुक्रवार को आठ माह के बच्चे की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस का मानना है कि बच्चे के तीन साल के बड़े भाई के हाथ में घर में रखी बंदूक लग गई और उसी ने ही गोली चलाई।ह्यूस्टन पुलिस विभाग के सहायक प्रमुख वेंडी बैमब्रिज ने बताया कि बच्चे को शुक्रवार सुबह पेट में गोली लगी। परिवार के सदस्य घायल बच्चे को अस्पताल लेकर गए, जहां उसकी मौत हो गई। बैमब्रिज ने कहा, मैं सभी अभिभावकों से अपील करना चाहता हूं कि वे अपने हथियारों को घर में किसी की भी पहुंच से दूर रखें। आप हथियारों को सुरक्षित रखने के लिए कई चीजें कर सकते हैं। कृपया इस परिवार के लिए दुआ कीजिए। यह बहुत त्रासद घटना है। जांचकर्ताओं को शुरुआत में घटना में इस्तेमाल बंदूक नहीं मिली।

बांग्लादेश में मस्जिद के अंदर हमला, 12 लोग घायल

ढाका। उत्तरी बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी समूह के कार्यकर्ताओं ने एक मस्जिद में इबादत करने आए लोगों पर हमला कर दिया, जिसमें कम से कम 12 लोग घायल हो गए। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार घटना शुक्रवार को गाइबांधा जिले की एक मस्जिद में हुई जब स्वयंभू हिफाजत–ए–इस्लाम के कार्यकर्ताओं ने इमाम का माइक छीन लिया और अपने संगठन के बारे में बोलने लगे।मस्जिद के इमाम मतलूब उद्दीन ने कहा कि जब नमाजियों ने दखल देने की कोशिश की तो उन्होंने उनपर हमला कर दिया।

वियना में अगले सप्ताह शुरू होगी ईरान के साथ वार्ता: अमेरिकी अधिकारी

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ईरान के साथ अमेरिका की परोक्ष वार्ता वियना में अगले सप्ताह पुन: आरंभ होगी और यूरोपीय संघ, चीन और रूस के जरिए इस सप्ताह हुई बैठक में कुछ प्रगति हुई है। अधिकारी ने इस सप्ताह वार्ता समाप्त होने के बाद संवाददाताओं से कहा, पक्षकारों के बीच अगले सप्ताह वियना में फिर से बैठक होगी। हमें उम्मीद है कि अमेरिकी दल वापस आएगा और यह स्पष्ट करना जारी रखा जाएगा कि दोनों पक्षों को आपसी सहमति बनाने के लिए क्या कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने इस सप्ताह हुई बैठक को संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) में संभावित वापसी के पहले चरण का पहला कदम बताया। हमें उम्मीद है कि ईरान इस बात के अपेक्षाकृत अधिक संकेत देगा कि वह क्या करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यह सवाल अब भी बरकरार है कि अमेरिका ने सहमति बनाने की जो इच्छा प्रकट की है, ईरान भी वैसा ही करेगा या नहीं। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल को ईरान से कुछ सकारात्मक संकेत मिले हैं, लेकिन ए निश्चित ही पर्याप्त नहीं हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन का रुख है कि वह ईरान पर लगाए गए उन प्रतिबंधों को हटाने के लिए तैयार हैं, जो जेसीपीओए के अनुरूप नहीं है और जो उन लाभों के अनुरूप नहीं है, जिनकी अपेक्षा ईरान जेसीपीओए से करता है।

अमेरिका ने पूर्वी यूक्रेन में आक्रामक कार्रवाई करने पर रूस को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी

वाशिंगटन(भाषा)। अमेरिका ने पूर्वी यूक्रेन में आक्रामक कार्वाई करने पर रूस को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है और बाइडन प्रशासन इस संबंध में रूस के खिलाफ अपनी नीति की समीक्षा कर रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने दैनिक ब्रीफिंग के दौरान कहा कि अमेरिका रूसी सैनिकों के यूक्रेन की सीमाओं की ओर बढ़ने के मामले पर क्षेत्र के अपने साझेदारों और सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श और काम कर रहा है।साकी ने शुक्रवार को कहा, इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इनमें से कुछ प्रत्यक्ष तो कुछ अप्रत्यक्ष होंगे। जल्द ही इस बारे में और अधिक जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा, जैसा कि हम जानते हैं कि यह पूर्वी यूक्रेन में रूस की आक्रामक कार्वाई के आसार से संबंधित मामला है। रूस के सैनिक यूक्रेन की सीमाओ ओर बढ़ रहे है। हालात का जायजा लेने और आगे की कार्वाई के लिए हम क्षेत्र में अपने साझेदारों और सहयोगियों से सलाह मशविरा करके उनके साथ काम कर रहे हैं। यूक्रेन ने पिछले सप्ताह रूस पर हजारों सैन्य कर्मियों को अपनी उत्तरी तथा पूर्वी सीमाओं और क्रीमिया प्रायद्वीप की ओर भेजने का आरोप लगाया था।

चीन पर धैर्य के साथ आगे बढ़ रहा है अमेरिका : व्हाइट हाउस

भाषा। वाशिंगटन

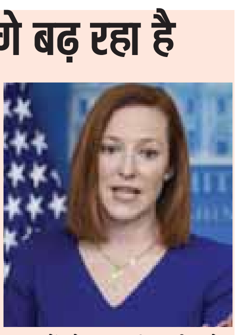

व्हाइट हाउस ने कहा कि जो बाइडन प्रशासन चीन के साथ धैर्य के साथ आगे बढ़ रहा है और उसे कोई जल्दबाजी नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि चीन के साथ संबंध कड़ी प्रतिस्पर्धा पर आधारित हैं।उन्होंने कहा, हमने निजी और सार्वजनिक तौर पर ताइवान में चीन की आक्रामकता को लेकर अपनी बढ़ती चिंताएं व्यक्त की हैं। ताइवान में लोकतंत्र को खत्म करने के लिए चीन तेजी से बलपूर्वक कार्वाई कर रहा है। हमने ताइवान की खाड़ी में पीआरसी सेना की चिंताजनक गतिविधि बढ़ती देखी है, हम मानते हैं कि वह संभवत: अस्थिरता पैदा करने के लिए है। साकी ने कहा, हम धैर्य के साथ इस तरफ आगे बढ़ रहे हैं, हम जल्दबाजी में नहीं हैं। हम अपने देश में स्थितियों को मजबूत करने, अपने कार्यबल को बेहतर सहयोग देने और यह सुनिश्चित करने पर काम कर रहे हैं कि हम ताकत के साथ संबंधों को आगे बढ़ाएं। अमेरिका ताइवान के समीप चीन की सैन्य कार्वाई पर करीबी नजर रख रहा है। पेंटागन ने कहा कि वह दक्षिण चीन सागर में चीन की सैन्य गतिविधियों को लेकर चिंतित है। पेंटागन प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा, हम दक्षिण चीन सागर के यूनियन बैंक क्षेत्र में चीन के नौसैन्य वाहनों के जुटने से चिंतित हैं। साथ ही हम सहयोगी फिलीपीन के कानूनी अधिकारों को बाधित करने के चीन के प्रयासों से भी चिंतित हैं।

पायनियर
रविवार, 11 अप्रैल, 2021

एजेण्डा

केवल असली युवा निर्भीक होते हैं, उनमें अकल्पनीय जोखिम लेने की आशा व रूमानियत होती है
- ओलीविया वाइल्ड

मानव पूंजी के महत्व को उजागर करने के लिए डिजिटल तकनीक से अपनी कार्यशक्ति को संपन्न किया जाए। मौजूदा परिवेश में सुदूर कर्मचारियों के सफल प्रबंधन के सूत्र बताती अंकुर धींगरा की रिपोर्ट

नए युग का मानव रीमोट

दुनिया भर में वर्तमान कोविड-19 प्रोटोकॉल के साथ और अधिकांश संगठन घर से कार्य या 'दूरस्थ' 'कार्यालय ढांचों का चुनाव कर रहे हैं - कार्यस्थल की गतिशास्त्र बदल गया है। सौ फीसदी कार्यालय से सौ फीसदी रिमोट व्यवस्था होने और हर संभव संयोजन के भीतर, लंबवत स्तर पर संगठन न केवल उत्पादक बने रहने, बल्कि वर्तमान क्रमपरिवर्तन या संयोजन में मानव पूंजी के मूल्य को मुक्त करने के तरीकों की भी तलाश कर रहे हैं जिन्हें संगठन ने अपने कार्यबल के लिए उल्लिखित किया है।

'सोशल डिस्टेंसिंग' और 'सरकार द्वारा घोषित तालाबंदी' से बंधी, कंपनियों के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वे संबंधित रुझानों को जल्द पहचानने के लिए कर्मचारियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और उन्हें सही तरीके से व्यवसाय संचालन में शामिल करने में सक्षम हों।

हालांकि निगरानी और मूल्यांकन उपकरण मुख्य रूप से गतिविधि ट्रैकिंग और फसल परिणाम पर ध्यान केंद्रित करते हैं, मगर एक प्रभावी उद्यम संचालन प्रबंधन मंच संगठनों को मानव पूंजी के वास्तविक मूल्य को उजागर करने में मदद कर सकता है। ऑनलाइन और ऑफलाइन डेटा संग्रह, एकत्रीकरण और विश्लेषण से लेकर रिपोर्टिंग तक सब कुछ के लिए, संस्थान विभिन्न उपकरणों का उपयोग करते हैं। हालांकि यह विधि काम करती है और छोटे संगठनों में प्रभावी है, फिर भी , विभिन्न स्थानों पर अनेक परियोजनाओं को चलाने पर यह बोझिल हो सकता है। नए दूरस्थ कार्यबल को प्रबंधित करने के लिए मंच का चुनाव करते समय यहां अनिवार्य खूबियों की त्वरित जांच सूची इस प्रकार है :

काम का समय

सुदूर से काम करने वाले कर्मचारियों के साथ, एक वितरित कार्यबल के प्रबंधन ने कई संगठनों को गैरजानकार पाया है। कर्मचारी समय- दक्षता सुनिश्चित करने और कार्य-जीवन के संतुलन को बनाए रखते हुए उत्पादकता के स्तर पर उम्मीदों, सुधार या प्रबंधन हेतु जीने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं।

● वो उपकरण, जिसका एक कंपनी उपयोग करती है, उसे टीमों, प्रक्रियाओं और स्थानों पर संपूर्ण कार्य शैली विश्लेषण प्रदान करना चाहिए। यह न केवल परिचालन में पारदर्शिता लाएगा, बल्कि अंतराल को पहचानने और उन्हें पाटने में व्यापार मालिकों की मदद करेगा।

● सिस्टम से परे चल रही गतिविधियों पर ध्यान दें। यह न केवल आपको समय के रिसावों और अंतरालों को अलग करने में मदद करेगा बल्कि आपको अपने कर्मचारियों को सर्वोत्तम प्रशिक्षण प्रदान करने व उन्हें किसी भी चुनौती या मुद्दों का सामना करने की क्षमता प्रदान करने का अवसर देगा।

● पता नहीं, कौन किस प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है? शीर्ष आकार व नकदी की घंटी बजने पर परियोजनाओं को बनाए रखने के लिए इष्टतम संसाधन उपयोग महत्वपूर्ण है। प्रभावी संचालन प्रबंधन उपकरण बेहतर संसाधन समतलन व नियोजन सुनिश्चित करने के लिए संसाधन उपयोग के रुझानों की गहरी तह में जाने के लिए उपयोगी हैं।

● इसी तरह, कर्मचारी उत्पादकता, दिनचर्या अनुपालन, अवकाश दिनचर्या आदि में गुप्त बुलंदी हासिल करने के लिए सुविधाओं और कार्यक्षमता की तलाश करें।

कार्य परिणाम

● चौबीसों घंटे ऑनलाइन होने से उत्पादकता की गारंटी नहीं होती है। उत्पादक परिणामों को हासिल करने के लिए आपके पास एक तंत्र होना चाहिए।

● कर्मचारी प्रयास बनाम परिणाम का व्यापक विश्लेषण के लिए कहें।

● प्रक्रिया समाधान व प्रदर्शन अंतराल को पहचानने, समझने और हल करने के लिए सहजज्ञान-युक्त डैशबोर्ड एक शानदार तरीका है।

● कर्मचारी प्रयास पर व्यापक विश्लेषण द्वारा संचालित समय और गति अध्ययन।

● एक मॉड्यूल जो विभिन्न टीमों और कई स्थानों पर कर्मचारियों की आवश्यकताओं के अनुसार आसानी से वर्गीकृत कर सके। किसी भी अन्य तृतीय-पक्ष कार्य प्रवाह प्रबंधन सॉफ्टवेयर / सर्विस डेस्क / हेल्प डेस्क / सीआरएम या किसी भी प्रकार के उपकरण के साथ सहज एकीकरण, जिसमें लेन-देन का भंडार है।

कार्य प्रवाह प्रबंधन

जब टीमें दूर से काम कर रही होती हैं, तो ए से जेड तक के पाठ्यक्रम को निर्देशित करते हुए किसी परियोजना के काम-प्रवाह को सुव्यवस्थित करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। एक मजबूत कार्य प्रवाह प्रबंधन उपकरण विभिन्न परियोजना कार्यों की बाढ़ को प्रवाह क्षमता व एएचटी या औसत निपटान समय के दौरान अलग-अलग समय-सीमा व आवश्यकताओं में सुधार करते हुए मार्गदर्शन कर सकता है।

● स्थापित कार्यप्रवाह आपका बहुत ज्यादा समय लेने वाला है?

● एक संचालन प्रबंधन उपकरण को लाने में परियोजना की आवश्यकताओं के अनुसार कार्य प्रवाह स्थापित करने और निहित अनुकूलकों का उपयोग कर कार्यों को आवंटित करने की आवश्यक क्षमताएं होनी चाहिए।

● कार्य को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना सुदूर कामकाज की एक और चुनौती है। इस प्रकार, प्रबंधकों को प्रत्येक कार्य पर की जाने वाली तात्कालिक गतिविधि पर काबिज होने में सक्षम बनाना महत्वपूर्ण है, इससे किसी भी अड़चन को दूर करने में मदद मिलती है।

● पता लगाएं कि डेस्कटॉप स्वचालन और प्रक्रिया में सुधार हेतु निहित अवसरों की पहचान करते हुए उपकरण पूर्वनिर्धारित नियमों के आधार पर लेनदेन रिकॉर्ड कर सकते हैं या नहीं।

● एक प्रबंधन उपकरण के लिए पूछें जो आपको बेहतर नियोजन और कार्यभार के पूर्वानुमान के माध्यम से सशक्त बनाता है।

उन्नत विश्लेषिकी

किसी भी संगठन के लिए, विश्लेषिकी व्यावसायिक प्रदर्शन का संचालन करते समय कार्यबल उत्पादकता का प्रबंधन करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। डेटा एनालिटिक्स से प्राप्त अंतर्दृष्टि के साथ, महत्वपूर्ण संबंध व शैलियां खराब कर्मचारी उत्पादकता, उच्च रख रखाव लागत व खराब ग्राहक सेवा के कारण होने वाली हानि का पता लगाने के लिए स्थापित किए जा सकते हैं।

● उपकरण वास्तविक व प्रभावी संगठनात्मक मानदंड और लक्ष्य स्थापित करने हेतु वास्तविक समय प्रदर्शन डेटा प्रदान करने में सक्षम होना चाहिए।

● संगठन के भीतर आकस्मिक, मूल्य वृद्धि और गैर-मूल्य वृद्धि गतिविधियों का वर्गीकरण एक और कार्यभार है जिसे उद्यम संचालन प्रबंधन सॉफ्टवेयर को करने में सक्षम होना चाहिए।

● उन विशेषताओं का पता लगाएं जो संचालन को कारगर बनाने के लिए संसाधनों, ऑपरेटिंग सिस्टम और बुनियादी सुविधाओं के उपयोग का ट्रैक रखने में मदद करती हैं।

> जब टीमें दूर से काम कर रही होती हैं, तो ए से जेड तक के पाठ्यक्रम को निर्देशित करते हुए किसी परियोजना के काम-प्रवाह को सुव्यवस्थित करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। एक मजबूत कार्य प्रवाह प्रबंधन उपकरण विभिन्न परियोजना कार्यों की बाढ़ को प्रवाह क्षमता व एएचटी या औसत निपटान समय के दौरान अलग-अलग समय-सीमा व आवश्यकताओं में सुधार करते हुए मार्गदर्शन कर सकता है।

ये वो दौर है जो मानव पूंजी और डिजिटल निवेशों की वास्तविक क्षमता के दोहन का आह्वान करता है।

हालांकि कर्मचारियों के व्यवहार को समझना मुश्किल हो जाता है जब वे सुदूर रहकर काम करते हैं तो उन्हें सही तरीके से निवेश करना, और सही दिशा चुनौतियों को स्पष्ट करने में मदद कर सकती है। कुछ बिंदुओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए :

● **आत्म-सुधार को बढ़ावा दें :** कर्मचारियों की व्यक्तिगत वृद्धि संगठनात्मक विकास को गति देती है। कर्मचारियों को आत्म-सुधार डैशबोर्ड प्रदान करना समग्र विकास करने का एक शानदार तरीका हो सकता है। जब कर्मचारी अपनी कमजोरियों और खूबियों का आत्म-विश्लेषण करते हैं, उन्हें सही ढंग से काम कराना व सही मार्गदर्शन करना चुनौतियों से निपटने में सहायता कर सकता है। इससे कर्मचारियों को एक बेहतर व गहरी समझ मिलती है कि उनमें कहाँ कमी है। आत्म-विश्लेषण आत्म-विकास की कुंजी है। कुछ बिन्दुओं को जिन्हें दिमाग में रखा जाना चाहिए, वे इस प्रकार हैं:

● **कार्य समय पर ध्यान देना :** कार्य अंतराल का विश्लेषण करना, उत्पादकता स्तर और बेंचमार्क का उपयोग करने का तंत्र स्थापित करना कर्मचारी की क्षमता को सही दिशा में ले जाता है। कर्मचारी उत्पादकता बढ़ाने के लिए, संस्थान अनुसूची अनुपालन को माप सकते हैं, काम के अंतराल और समय के बर्बादी की पहचान कर सकते हैं। उद्यम ग्रेड संचालन प्रबंधन उपकरण तैनात करना जो कर्मचारियों के ओवरटाईम का अनुकूलन करता है, पारदर्शिता लाता है।

● **केंद्र कार्य-आउटपुट:** कार्य परिणाम का मूल्यांकन करने हेतु प्रभावी तंत्र की स्थापना से संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। कार्य निवेश और कार्य परिणाम के गहन विश्लेषण से उत्पादकता में सुधार होता है। एक संगठन प्रक्रिया और प्रदर्शन अंतराल के सटीक विश्लेषण के साथ लाभप्राप्ति में सुधार कर सकता है। कर्मचारी उत्पादकता स्तरों का आरंभिक व अंतिम विश्लेषण प्रदान करने वाले सॉफ्टवेयर से संगठन को उनके प्रदर्शन का व्यापक दृष्टिकोण प्राप्त करने में मदद मिलती है।

● **वास्तविक समय दृश्यता:** सहज ज्ञान युक्त उपकरणों का उपयोग संगठन में परिचालन पारदर्शिता प्रदान करता है जो कार्य प्रवाह का प्रबंधन कर सकता है। कर्मचारियों के कार्य प्रदर्शन को प्रबंधित करने हेतु वास्तविक समय की दृश्यता तक पहुँचने से उनके उत्पादकता स्तर में तेजी आती है। प्रबंधकों को एक कुशल सॉफ्टवेयर की मदद से उनकी क्षमताओं से मेल खाने वाले कार्य लक्ष्यों के साथ कार्यबल को कतारबद्ध करना होता है। वास्तविक समय की दृश्यता प्रबंधकों को चुनौतियों का सामना करने व तदनुसार तैयार करने में सक्षम बनाती है।

● **अनावश्यक कार्यभारों की समाप्ति :** उन्नत विश्लेषिकी के साथ, एक संगठन कमजोर पहलकदमियां और परिसंपत्ति अनुकूलन पर काम कर सकता है। ग्राहक सेवा, कर्मचारी उत्पादकता और अपेक्षित व्यावसायिक लागत में खामियों की पहचान करने के लिए सॉफ्टवेयर का उपयोग कार्य प्रक्रिया की समीक्षा करने में मदद कर सकता है। कार्य-गतिविधियों की नियमित समीक्षा संसाधनों को सुव्यवस्थित करने और गैर-आकस्मिक गतिविधियों को सफाया करने के लिए आवश्यक है।

● **परिचालन लागत कम करें :** सॉफ्टवेयर के जरिए संपत्ति अनुकूलन पर ठोस समझदारी तक पहुँचने से संगठन को पूंजी व परिचालन लागत कम करने में मदद मिलती है। परिसंपत्ति के उत्तम उपयोग पैमाने से, संगठन कंपनी परिसंपत्तियों के सटीक उपयोग का विश्लेषण करने में सक्षम है। संगठन में संचालन प्रबंधन मंच से, अनुत्पादक और अतिरिक्त प्रणालियों की छंटाई आसान हो जाती है। यह अतिरिक्त परिचालन लागत को कम करता है और उत्पादक अनुप्रयोगों के लिए जगह बनाता है।

● **व्यापक रिपोर्टिंग को बढ़ावा दें :** कार्यबल प्रबंधकों को प्रदान की गई जानकारी की छानबीन कर सकता है। किसी भी कार्य में देरी या अपूर्ण जानकारी प्रसारित करने से बचने के लिए, संगठन को कर्मचारी उत्पादकता के प्रति सक्रिय उत्तरदायी होना चाहिए। सॉफ्टवेयर की मदद से स्क्रीन रिकॉर्डिंग या स्क्रीन कैप्चर करने से प्रबंधकों को वास्तविक समय का दृश्य प्राप्त करने में मदद मिलती है कि क्या किया जा रहा है। यह संगठन में पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और प्रबंधकों को पहले तो कर्मचारियों की क्षमताओं को समझने का अवसर देता है। जहां कर्मचारी का अभाव है, वहां गहराई से विश्लेषण करना, प्रबंधकों को तदनुसार उनकी प्रशिक्षण प्रक्रिया को बदलने में मदद करता है।

● **कार्यभार विश्लेषण के प्रति चौकस रहें :** प्रबंधकों को यह समझना चाहिए कि कर्मचारी पर कार्यबोझ बढ़ाने से उनके काम का प्रदर्शन बिगड़ सकता है। स्वचालित सॉफ्टवेयर की मदद से, प्रबंधक वर्चुअल वर्कलोड वितरण आंकलन प्राप्त कर सकता है। ऑपरेशन प्रबंधन मंच संगठन को कर्मचारियों के उपयोग के स्तर को समझने व तदनुसार उन्हें कार्यभार सौंपने में सक्षम बनाता है।

● **विभिन्न विशेषताओं के आधार पर कर्मचारी उत्पादन को वर्गीकृत करें :** संगठन अपने सभी कर्मचारियों से समान परिणाम की उम्मीद नहीं कर सकता है। सॉफ्टवेयर्स की मदद से, संगठन को स्थान, कार्य अवधि, स्थिति और अपेक्षाओं के स्तर जैसी विशेषताओं के आधार पर कर्मचारी परिणाम को वर्गीकृत करने की आवश्यकता होती है। कार्यकारी स्तर पर एक कर्मचारी वरिष्ठ प्रबंधक के समान योगदान नहीं कर सकता है। इसे समझने से प्रबंधकों के संतुष्टि स्तर में सुधार हो सकता है।

● **समतुल्य भार संतुलन:** यह महत्वपूर्ण है कि सुदूर काम करने का अर्थ यह नहीं होता है टीमों केकुछ ऐसे खेमे हैं जो कम काम में आते हैं और कुछ ऐसे हैं जिन पर काम का भारी बोझ होता है। कार्यभार को उचित रूप से संतुलित करना और दृश्यता के साथ काम का समान वितरण सुनिश्चित करना उद्यमों का एक प्रमुख कार्य क्षेत्र है क्योंकि वे एक पोस्ट कोविड-19 ऑपरेशन मॉडल के बारे में सोचते हैं। यह जरूरी है कि एक वास्तविक कार्य समीक्षा हो कि टीमें किस तरह भागीदार हैं ओर विभिन्न टीमों के बीच कार्यबोझ की समझदारी विकसित हो सके

एक मजबूत मापन मंच , जो उद्यम के सभी स्तरों पर अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, का वितरित कार्यस्थल में होना भावी सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

-लेखक , प्रोहेंस नामक उद्यम संचालन प्रबंधन मंच के सीईओ है जो संस्थानों को मानव पूंजी की महत्ता को उजागर करने में मदद करता है।

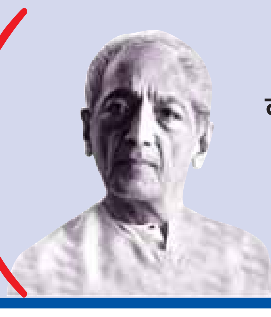

व्यक्ति अज्ञात से कभी नहीं डरता है। व्यक्ति ज्ञात के समाप्त होने से डरता है
- जिद्दू कृष्णमूर्ति

भारतीय प्रतीकवाद का रहस्योद्घाटन

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

परिप्रेक्ष्यगत ध्यान पर एक चर्चा के जवाब में, कई पाठकों ने दो सवाल उठाए। सबसे पहले, उन्होंने भारतीय प्रतीकों के शिक्षाप्रद लाभ पर विस्तार से पूछा। दूसरा, ''वेदांत एक निराकार और गुण-प्रधान भगवान की पैरवी करता है। फिर किस तरह भगवान के रूप की अवधारणा प्रचलन में आई? क्या आपको नहीं लगता कि वे विरोधाभासी हैं? ''

उत्तर के लिए, मेरी पुस्तक का अंश: ''ईश्वर या ईश्वर नहीं, जागरूकता जीवन को समृद्ध करती है'' अनिवार्य हो जाता है। प्रतीकात्मक छवि परिप्रेक्ष्यगत ध्यान में कार्यकारी उपकरण है। इसलिए, उनके शिक्षाप्रद आयात की व्याख्या किए बिना, ध्यान पर सबक अधूरा होगा। लेकिन, वेदांत ने एक विलक्षण निराकार और गुण-प्रधान कम-स्रोत का सृजन किया, जहां सृजन श्रृंखला ने उड़ान भरी। अधिकांश लोग विश्वास से प्रेरित होते हैं, हालांकि, मंदिरों का दौरा करते रहते हैं, गर्भगृह में विभिन्न देवता (रूप-देव) रहते हैं, अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए वरदान मांगते हैं। वे इतने अधिक श्रद्धेय हैं कि विशेष स्मरण के लिए एक विशिष्ट तिथि को उन सभी को कुंडलाकार कैलेंडर में समर्पित किया जाता है।

दोनों अवधारणाएं एक साथ जमीन कैसे पकड़ सकती हैं? प्रत्यक्षतया, यह सामंजस्य बैठाना मुश्किल है। हालांकि, दो अवधारणाओं पर गहन चिंतन यह प्रकट करेगा कि वे दो अलग-अलग उद्देश्यों की सेवा करते हैं। वेदांत से तात्पर्य उस शाश्वत वास्तविकता से है, जिसमें संपूर्ण प्रकट जगत निहित है। दूसरी ओर,ईश्वर-रूप अवधारणा की एक उद्देश्यपूर्ण परिप्रेक्ष्यगत प्रासंगिकता है। प्रत्येक प्रतीकात्मक चित्रण क्रमिक मानव व्यवहार के लिए महत्वपूर्ण शिक्षाएं प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, देवी सरस्वती की कल्पना सीखने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का सबक प्रदान करती है ताकि ज्ञान प्राप्त किया जा सके। भगवान गणपति की छवि दुनियावी होने की शर्तों को निर्धारित करती है। देवी दुर्गा हमें संचालनकारी ऊर्जाओं में दोहरी प्रवृत्ति को दूर करने के लिए सबक देती हैं। याद रखें, ऊर्जा एक दुधारी तलवार की तरह है, जो उत्पादक अनुप्रयोगों के लिए विवेकपूर्ण रूप से नियोजित होने या विनाशकारी नतीजों के प्रति गलत तरीके से काम करने की समान क्षमता रखती है।

ध्यान में रखें : प्राचीन भारत के विद्वान उत्कृष्ट संप्रेषक थे। वे समस्त भाषाई और बौद्धिक बाधाओं को पार करते हुए, सरलीकृत शब्दों में अपने साथ जुड़ी छवियों और कहानियों के माध्यम से महान चर्चा कर सकते हैं। और उनके पास व्यावहारिक प्रासंगिकता वाले इन विचारों की सहज कल्पना करने के प्रगाढ़ कलात्मक अर्थ भी रहे

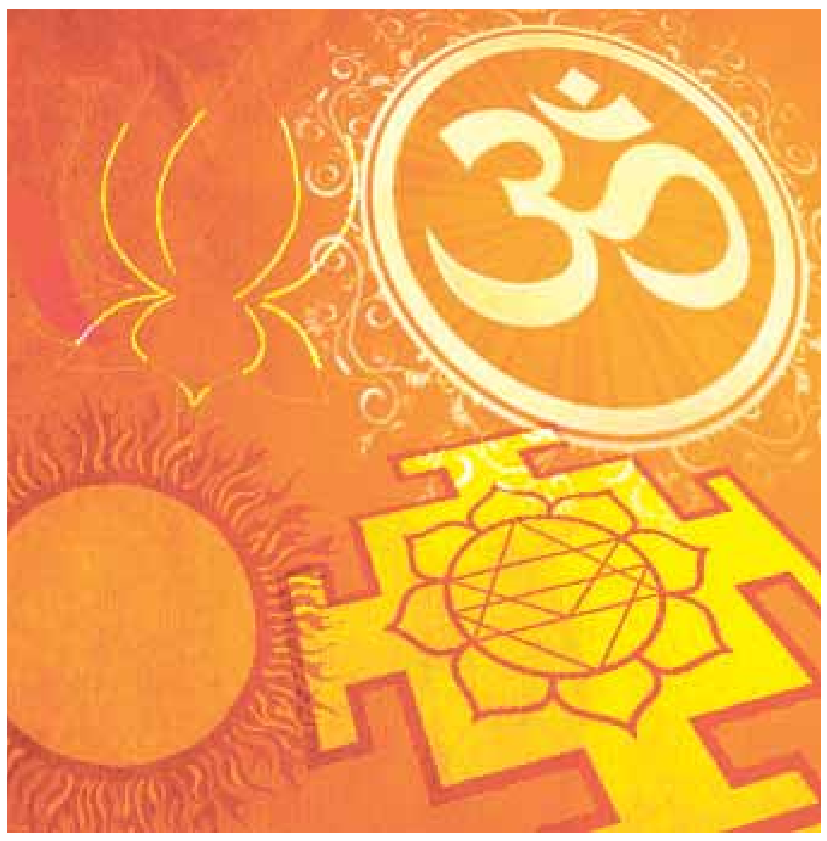

होंगे। उस क्रम में इन छवियों को अतीत के भावुक लोगों की तत्काल संवेदना प्राप्त हुई होती तो ऋषियों ने उन्हें देवता - रूपी-ईश्वर का दर्जा दे दिया होगा। कल्पना में जोड़ा गया दिव्य तत्व प्रार्थना अवस्था में उन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहता । प्रार्थना अवस्था में, व्यक्ति अपने हृदय को प्रस्तुत करने के लिएश और उसके जरिए उसका समग्र एकाग्र छवि के साथ तत्काल जुड़ने के लिए इच्छुक होगा। फिर, आपको शब्दों में किसी विवरण की आवश्यकता नहीं होती है।

ऐसी सदियों पुरानी अवधारणा के इतिहास का पता लगाना मुश्किल है। लेकिन फिर, यह पचा पाना मुश्किल है कि विद्वान गुरू, वैदिक धारणा के साथ पूरी तरह से संवादरत, मान्यता प्रेरित पद्धति में ईश्वर रूपों की अवधारणा को आँख बंद करके स्वीकार करेंगे। वेदांत - उपनिषदों - भारतीय दर्शन के संस्थापक शिला में ईश्वर रूपों का कोई संदर्भ नहीं है। फिर भी, अगर उन्होंने इसे हमारी सामाजिक / धार्मिक व्यवस्था में पेश किया है, तो इसका उद्देश्य जीवन के सामान्य आचरण नियमों पर मनुष्यों को शिक्षित करना होगा। ऐसा प्रतीत होता है कि समय के साथ-साथ, ईश्वर की अवधारणा ने विश्वास-चालित आयाम प्राप्त कर लिया, जिसे एक बड़े बहुमत ने सत्य के रूप में स्वीकार किया।

प्राचीन भारत के ज्ञानी गुरूजन प्रत्येक व्यक्ति के अद्वितीय चरित्र के बारे में अत्यंत जागरूक थे, जो कि अनिवार्यतया शेष के साथ बिलकुल भिन्न है। इस प्रक्रिया में, ऐसे व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, दुनिया अपनी समूची विविधता, विविधता और जटिलता के साथ हितों के टकराव का एक प्राकृतिक प्रजनन-आधार बन जाती है। इसको इसके हाल पर छोड़ दें तो, दुनिया हमेशा अराजकता से भरी होगी। इस मानवी सीमा को पार करने के लिए, पुरखों को समस्त विविधतापूर्ण लोगों में नागरिकता और पवित्रता की भावना उत्पन्न करने की आवश्यकता महसूस हुई होगी। तदनुसार, उन्होंने जीवन के सामान्य आचरण नियमों में सबक देने की आवश्यकता महसूस की होगी, ताकि सचेतन स्तर पर सामाजिक व्यवस्था के क्रम को सुनिश्चित किया जा सके। और संचार के माध्यम के रूप में अच्छी तरह से तैयार की गई छवियों का उपयोग करने से बेहतर क्या है, क्योंकि यह स्वाभाविक रूप से सभी का ध्यान आकर्षित करती है, और इसलिए, तत्काल जुड़ाव हासिल कर लेती है।

उक्त छवियों पर निरंतर आत्म-चिंतन, हमारी विचार प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले निष्क्रिय शिक्षण लाभ को आसानी से आत्मसात करने में मदद कर सकता है, जो हमारे दिन-प्रतिदिन के आचरण में अनायास ही नजर आ सकता है। इस प्रकार, ध्यानरत छवि से प्राप्त शिक्षाप्रद लाभ, विशेष रूप से ध्यान प्रक्रिया के लिए, महान परिप्रेक्ष्यगत प्रासंगिकता प्राप्त करता है।

अपने मन को साधें

समृद्ध सेठ का कहना है कि यह हमारे ऊपर है कि हम किस प्रकार अपनी सकारात्मक प्रक्रियाओं को बढ़ाएं और छलांग लगाकर उसके इर्द-गिर्द काम करना आरंभ करें......

जितना अधिक हम अनुत्पादक होने से भयभीत होते हैं और उतनी ही तेजी से हम एक ही राह पर निरंतर चलते जाने से डरते हैं, हम अक्सर खुद को पसीने के पूल में पाते हैं, इस पर विचार करते हुए कि किसी संभावित ढंग से इसे मोड़ने हेतु असलियत में दूसरे किसी तरीके से काम करते हुए, हमारे नकारात्मक विचारों के क्या परिणाम हो सकते हैं। हालांकि इसके कुछ खास आंतरिक अनुकूलन पहलू हैं, मगर बाहरी वातावरण का भी इस ढंग से हमारे दिमाग की बनावट पर गहरा और लंबे समय तक प्रभाव रहता है।

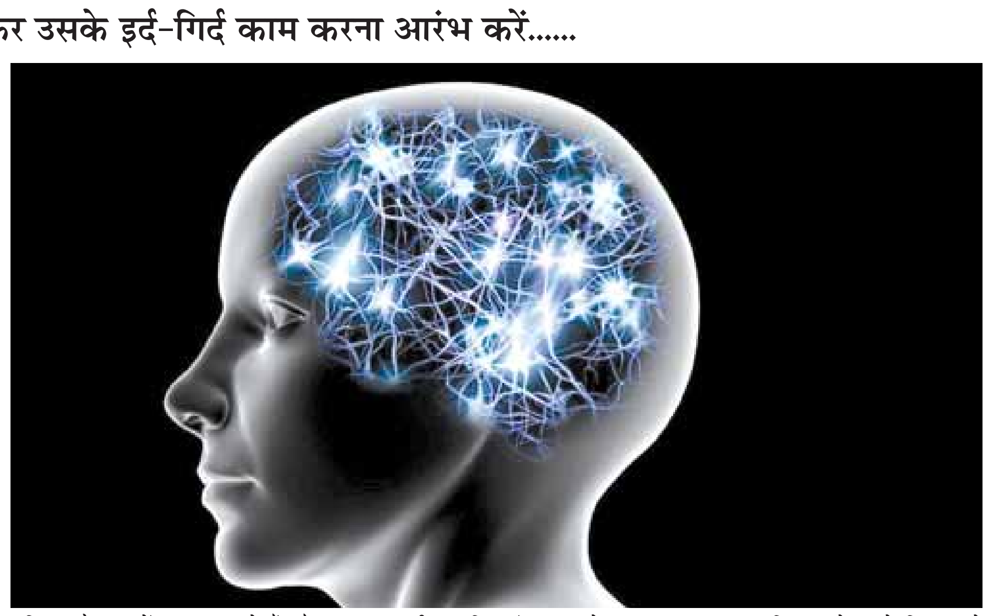

सबसे पहले, महामारी से प्रेरित अनिश्चितता ने कार्य-जीवन की संतुलन रेखाओं के धुंधला होने के साथ गंभीर निहितार्थ प्रकट किए हैं। अप्रत्याशित भविष्य, संभावित बेरोजगारी, वायरस के कारण संभावित बीमारी, आर्थिक संकट और व्यक्तिगत रूप से हम पर इसका प्रभाव, महामारी के बीच पकड़े जाने के दौरान कई अन्य विचार हमारे दिमाग पर छाए रहे।

हालांकि बाहरी प्रभाव यानी महामारी ने हमारे दिमाग को रचनात्मक रूप से सोचने से रोक दिया है, मगर सहज रूप से, शिथिलता एक सदियों पुरानी नमी है जो समय पर अपने लक्ष्यों तक पहुंचने की हमारी क्षमता को बाधित करती है। जैसा कि विफलताओं के बाहरी और आंतरिक दोनों विचार अंकुरित होते रहते हैं, ऐसे में जब असफलताओं की संभावनाओं के साथ एक गहरी सोच की तुलना में अधिक लक्ष्योन्मुख रहने के लिए अपने दिमाग को साधित करने की बात आती है, हम निश्चित रूप से अपने हाथों में लगाम ले सकते हैं।

हम संभावित रूप से प्रतिक्रिया करते हैं और परिणाम का अनुमान करते हैं जिसके आधार पर हम एक संभावित परिणाम के रूप में कल्पना करते हैं और यहीं पर हम किसी भी भ्रामक विचार को सबसे पहले अपने दिमाग में पनपने से रोक सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि विफलताओं को परे रखने के लिए, परिवार, कार्यस्थल, बाहरी समाज और सबसे महत्वपूर्ण स्वयं अपने साथ समर्पित महसूस करने के लिए व्यक्ति बुद्धिमान दृश्य परिकल्पना तकनीकों में लिप्त हो सकता है। लक्ष्य-उन्मुख बने रहने का मतलब किसी निश्चित समय सीमा में चीजों को प्राप्त करना नहीं है, बल्कि समय-सीमा के भीतर लक्ष्य को कुशलता से प्राप्त करने के अनेक तरीकों का पता लगाना है। यह हमें रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करता है, विभिन्न मार्गों को देखते हुए कि कैसे उत्कृष्टता प्राप्त करें, चाहे वह घर पर एक दैनिक काम हो या कार्यस्थल का कार्य जिसमें आप आज तक परेशान का सामना कर रहे थे।

अपनी स्मृति संरचना को पुन: संगठित करने की कुंजी परिणाम के विचार को त्याग रही है। वर्तमान में रहें, आप जो गतिविधि कर रहे हैं उसके लिए सबसे अच्छा करें और कार्रवाई को परिणाम प्रस्तुत करने दें। यह शालीनता के लिए कोई जगह नहीं छोड़ता। यदि कोई इस बात की चिंता करता है कि जो चीजें वे कर रहे हैं, उसके साथ क्या होगा, तो वे कभी भी संभावित रूप से उस अधिकतम क्षमता तक नहीं पहुंच पाएंगे जो वे संभवत: पा सकते थे।

दूसरा, एक कल्पना महल बनाने पर ध्यान देने की आवश्यकता है। यह एक यादगार इमारत है। यह उनके घर या विषय से जुड़ी इमारत हो सकती है। इस स्थान पर प्रत्येक कमरे या क्षेत्र की कल्पना करें, जिस पर वे काम कर रहे हैं। अपने विचारों को एक विशेष तरीके से अलग अलग विभागों में करने से हमें स्पष्ट सोच के माध्यम से ठोस समाधान तक पहुंचने में मदद मिलती है, न कि अनावश्यक विचार जो हमारे दिमाग को अनावश्यक रूप से संशयग्रस्त बनाते हैं। यह धीरे-धीरे भीतर से किसी भी भावनात्मक और मानसिक थकान को कम कर देता है और हमें यह सोचने के बजाय हल्का और अधिक समस्या-समाधान करने का एहसास कराता है कि हमारा जीवन कितना गड़बड़ है।

अनिश्चितता हमारी पिछली असफलताओं से उपजी है। विफलताएं हर समय होती रहती हैं लेकिन हमेशा विफलताओं के बीच सफलता की एक लकीर भी रहती है। वास्तविक अर्थों में, विफलताएँ हमेशा छिपी हुई एक सीख हैं। यह केवल हम पर निर्भर है कि हम अपनी सकारात्मक विचार प्रक्रियाओं को कैसे निर्धारित करें और संभावित विफलताओं के बारे में विचार करने के बजाए खुद को डुबो कर उसी के आसपास काम करना शुरू करें। यही है जीने का तरीका!

- लेखक पास्ट ड्वेलर्स नामक किताब के लेखक हैं

कर्तव्य व आश्वासन

अजित कुमार बिश्नोई का कहना है कि यदि हम अपनी इच्छाओं की पूर्ति की इच्छा रखते हैं, तो हमें अपने सभी कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभाना चाहिए......

मनुष्य के रूप में, हमसे हमेशा कर्तव्यनिष्ठ होने की अपेक्षा की जाती है। इसकी शुरूआत बहुत पहले से होती है। बच्चों के कर्तव्य क्या हैं? ये मुख्यत: पाँच हैं। उन्हें उचित भोजन, पर्याप्त व्यायाम / शारीरिक गतिविधियाँ, पर्याप्त नींद और सही मनोरंजन / शौक द्वारा अपने स्वास्थ्य को बनाए रखना चाहिए। उन्हें अच्छे संस्कारों को विकसित करना चाहिए। आखिरकार, हम सबसे उन्नत प्रजाति हैं। निश्चित रूप से, परिवार के बुजुर्गों को उनका आचरण करना चाहिए - उनके लिए एक कर्तव्य। बच्चों को अपनी प्राकृतिक योग्यताओं के साथ साथ अपनी पढ़ाई में अपनी क्षमता हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। और उन्हें घर की देखभाल करना सीखना चाहिए, जिसे महामारी ने सभी के लिए आवश्यक बना दिया है। बहुत अच्छा लगता है लेकिन आप बच्चों को ये सब करने के लिए कैसे प्रेरित करते हैं। आप उन्हें क्या आश्वासन दे सकते हैं कि ऐसा करना उनके लिए सबसे अच्छा होगा?

इसका उत्तर उनकी इच्छाओं को इन कर्तव्यों से जोड़ना है। यदि वे अपनी इच्छाओं की पूर्ति की इच्छा रखते हैं, तो उन्हें ये सभी कर्तव्य करने होंगे। यह इसी तरह से काम करता है। हमें उनकी इच्छाओं को पहचानने में उनकी मदद करनी होगी, जिसे तकनीकी शब्दों में गहन इच्छा कहा जाता है। ऐसी इच्छाओं और निर्णयों के परिणाम हमारे हैं, जो अच्छा और बुरा है।

वयस्कता में, कर्तव्यकम या ज्यादा अच्छी तरह से परिभाषित होते हैं। व्यक्ति को स्वास्थ्य बेहतर तरीके से बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए। भगवान कृष्ण ने भगवद गीता के श्लोक 6.17 पद में मार्गदर्शन किया है। इंसान को खुद को सर्वोत्तम ढंग से बनाए रखने में सक्षम होना चाहिए। भगवान कृष्ण ने गीता में विशेष रूप से रख रखाव के बारे में बात की है, क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण है, जैसा कि हम जानते ही हैं। इसक बाद आती है जीवन की सही दिशा। जब तक इंसान सही रास्ते पर नहीं है, तब तक किसी के सही जगह पर सिमट जाने की संभावना नहीं है। यह ज्ञान भगवान से आता है, क्योंकि केवल वही हम सभी के बारे में व्यापक तौर पर जानता है। चौथा कर्तव्य है कि जो भी मिले उसमें शांतिपूर्ण होना। इससे खुशी और सुरक्षा बढ़ेगी। यहाँ पुन:, ईश्वर से उदार सहायता की आवश्यकता है। जैसे हम बच्चों को उनकी इच्छाओं की पूर्ति के बारे में आश्वस्त कर सकते हैं, वैसे ही हम वयस्कों के लिए भी कर सकते हैं।

बुजुर्गों के अत्यंत परिभाषित कर्तव्य होते हैं। पहला कर्तव्य स्वास्थ्य संबंधी भी है, और वृद्धावस्था में तो और अधिक, क्योंकि मानव शरीर की उम्र कम होती है और इसमें उतना लचीलापन या सहिष्णुता नहीं होती है जितना कि कम उम्र में। समझदार व्यक्ति ज्यादातर अच्छाई के मोड में गतिविधियों को मोड़ लेते हैं, खासकर खाने और मनोरंजन के मामलों में। यदि स्वास्थ्य ठीक नहीं है, तो वृद्धावस्था काफी दर्दनाक हो जाती है, सचमुच। दूसरा कर्तव्य जीवन की दिशा को पुन:जांचना है। अब तक यह स्पष्ट हो चुका होगा कि दिशा उचित है या नहीं। यदि ऐसा नहीं है, तो इसे गंभीरता से पुनर्गठित करने का समय आ गया है। भगवान मदद कर सकता है, इसलिए, जितनी जल्दी, उतना बेहतर है कि भगवान के साथ एक अच्छा संबंध स्थापित किया जाए। अपने आध्यात्मिक स्वभाव के अनुसार अधिकतम आध्यात्मिक गतिविधियाँ करें, और धीरे-धीरे उन्हें बढ़ाते जाएं। वृद्धावस्था में बहुत मदद की जरूरत होती है, जिसमें

भगवान की मुख्य भूमिका होती है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, शांति, खुशी और सुरक्षा ईश्वर से ही मिल सकती है। रखरखाव, यदि पहले से सुरक्षित नहीं है, तो इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए। ऐसा करने में कोई रोक नहीं है, यदि यह एक आवश्यकता है। यदि परमेश्वर के साथ संबंध अच्छी तरह से स्थापित है, तो वह कर्तव्यों के बारे में समस्त आवश्यक मार्गदर्शन देगा, क्योंकि वह जानता है कि हमारे लिए क्या अच्छा है। यदि कोई उपरोक्त सबकुछ कर सकता है, तो वह न केवल जीवन के लिए आश्वस्त है, बल्कि एक उत्कृष्ट भावी जन्म के लिए भी तत्पर है।

अंत में, मैं सुरक्षित ढंग से बता सकता हूं कि सृष्टि विधान सही है। यदि कोई इसके नियमों का पालन करता है, अर्थात् वह उन समस्त संबंधित इच्छाओं का पालन करता है, जो कि ''धर्म '' के अनुसार होनी चाहिए, तो, इस बात का विश्वास दिलाया जा सकता है कि व्यक्ति बहुत फलदायी जीवन जीएगा। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए, क्योंकि भगवान ने इसे सुनिश्चित किया है। आखिरकार, यह उसकी रचना है।

इस सप्ताह आपका भविष्य

मधु कोटिया

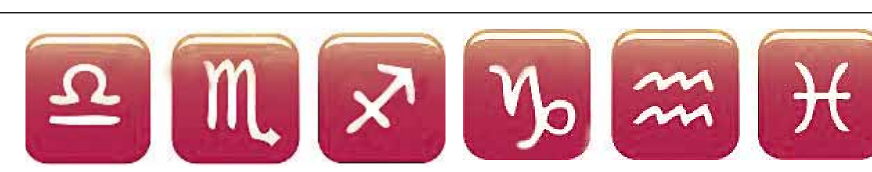

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

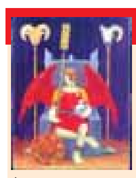

फिटनेस शौकीनों को उचित व्यायाम दिनचर्या का पालन करना चाहिए। आंतरिक व बाह्य निराशा समाप्त हो रही है। आपकी प्रत्युत्पन्नमति व ज्ञान अद्वितीय है। आप शारीरिक- मानसिक दोनों रूप से मजबूत महसूस करते हैं। पेशेवर रूप से, आप कड़ी मेहनत कर रहे होंगे, लेकिन परिणाम प्रतीक्षित हैं। आपको अच्छी तरह से किए गए काम हेतु प्रशंसा मिलना मुश्किल है। आर्थिक मोर्चे पर सावधान रहें।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** गुरूवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

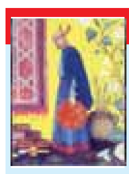

आपको अपना स्वास्थ्य सुधारने के बारे में सोचना चाहिए। आपका स्वास्थ्य व कल्याण की भावना प्राथमिकता होनी चाहिए। यह कुछ समय निकालने और बेहतर जीवनशैली, पोषण और अपने काम को संतुलित करने का अति शुभ समय है। तन, मन और आत्मा में संतुलन की आवश्यकता है। अधिक परिणाम और उत्पादक परिणाम पाने के लिए रणनीति बनाएं, लेकिन इसे गोपनीय रखें।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** शनिवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

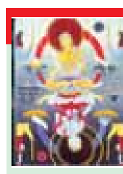

इस सप्ताह आप आसानी से चुनौतियों व आशीर्वादों का प्रबंधन करेंगे। यह आपके स्वास्थ्य में सुधार करेगा व बहुत आशा लाएगा। इस सप्ताह आप जीवन से भरपूर रहेंगे। अतीत की निराशा समाप्त हो गयी है। अब आप आशान्वित और मस्त हैं। चिकित्सा परीक्षणों पर पैसा खर्च करना, बेहतर जीवन जीने के आसार हैं। करियर के मोर्चे पर, आपके मन में कुछ योजनाएँ हैं।

शुभ अंक 3 **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ दिन:** रविवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

इस सप्ताह आप काम की अधिकता के कारण खुद को परास्त महसूस करेंगे। इस बिंदु पर अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा करना उचित नहीं है। शारीरिक और मानसिक रूप से सतर्क रहें। अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। इसे पोषण दें, इसकी देखभाल करें और इसे प्राकृतिक भोजन के साथ पोषित करें। जंक और तैलीय भोजन से बचें। आपको सभी बुरी आदतों को छोड़ना होगा। रोकथाम इलाज से बेहतर है।

शुभ अंक : 12 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** मंगलवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

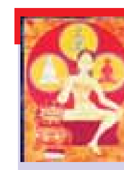

इस सप्ताह आपको सख्त होने और कुछ मामलों में सीमारेखा खींचने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य मोर्चे पर कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। जीवन में संतुलन लाने के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आध्यात्मिक प्रभाव की आवश्यकता होती है। स्वास्थ्य के प्रति आपके लापरवाह रवैये के परिणामस्वरूप मौसमी बीमारियाँ हो सकती हैं। सर्दी, खांसी, कब्ज और वजन संबंधी समस्याओं से सावधान रहें।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** बुधवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

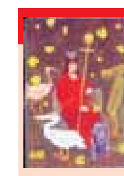

अपने स्वास्थ्य को महत्व दें और इसे प्राथमिकता दें। प्राप्त नेमतों के प्रति कृतज्ञ हों। हो सकता है कि आपका स्वास्थ्य आपके मन के मुताबिक उतना अच्छा न हो लेकिन यह कई अन्य लोगों की तुलना में बेहतर है। आपके पास जो कुछ भी है उसके लिए आभारी रहें। करियर के लिहाज से आपको खुद पर प्रतिबंध नहीं लगाना चाहिए। अपने संवाद में सावधानी बरतें। बहस व विवाद से बचें।

शुभ अंक: 6 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** शुक्रवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

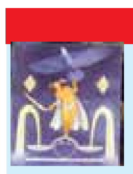

इस हफ्ते आपको अवकाश की जरूरत है। अपने नीरस दिनचर्या से समय निकालें। परीक्षा परिणाम की प्रतीक्षा करने वालों को अनुकूल समाचार मिलने की संभावना है। आप आध्यात्मिकता को तनाव मुक्ति के रूप में ले सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। यह योग, प्राणायाम और ध्यान में लिप्त होने का सही समय है। करियर के मोर्चे पर इस सप्ताह अच्छी खबर मिलने की संभावना है।

शुभ अंक: 15 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** गुरूवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

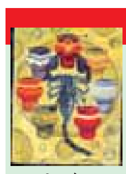

इस सप्ताह आप ऊर्जा व जोश से भरे रहेंगे। आपका तन, मन और आत्मा पूर्ण सामंजस्य में हैं। आप एकाग्र हैं और जानते हैं कि जीवन से क्या पाना है। आप पेशेवर व व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं के बीच संतुलन लाने में पर्याप्त स्मार्ट हैं। काम के मोर्चे पर, काम पर कुछ भी अधूरा नहीं छोड़ना आपके पक्ष में काम करेगा। यदि हाल में एक नया व्यवसाय या नौकरी शुरू की है, तो थोड़ी चिंता का कारण हो सकता है।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** मंगल वार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

स्वास्थ्य के लिहाज से आपको व्यावहारिक होने की जरूरत है। तन को सुनें, न कि मन की। आपको अपनी खानपान आदतों या मीठे भोजन के लिए चाह को बदलना होगा। आपको अपना स्वास्थ्य बेहतर बनाने के लिए कुछ प्रयास करने होंगे। यदि आप समय के साथ चलते हैं तो काम पर, सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध तरीके से कुछ बेहतर साकार करने की संभावना है। शांत मन से चुनौतियों का सामना करें।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** शुक्रवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

स्वास्थ्य के संदर्भ में अच्छा समाचार मिलने के आसार हैं। जो लोग परीक्षा परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे हैं, वे जान लें कि कुछ भी गंभीर होने के संकेत नहीं है। जिस स्वास्थ्य समस्या से आप पीड़ित हैं, उससे खुद को मुक्त करने के लिए आपको छोटे से इलाज की आवश्यकता है। अपने आहार में तरल पदार्थों, जूस और रेशेदार भोजन का सेवन बढ़ाएँ। कार्य के मोर्चे पर, नए अवसर भविष्य के प्रतिं आपको आशान्वित करने वाले होंगे।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** कत्थई **शुभ दिन:** शनिवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

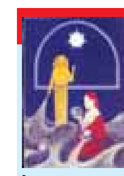

इस सप्ताह आप उत्साही व साहसी महसूस करेंगे, ताकि उन चुनौतियों का सामना कर सकें जो जीवन आपके सामने पेश करता है। आप स्वास्थ्य मोर्चे पर सही रास्ते पर हैं। आपकी स्वास्थ्य चिंता अब आपको समृद्ध लाभांश दे रही है। आप बहुत ही जीवंत, ऊर्जावान और जीवन से भरपूर महसूस करते हैं। आपकी सकारात्मक मानसिकता और हंसमुखता आपके व्यक्तित्व में आकर्षण बढ़ाएगी।

शुभ अंक : 14 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** गुरूवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

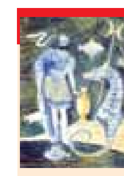

जीवन के सभी क्षेत्रों में इस सप्ताह संतुलन की आवश्यकता है। आपको पता होना चाहिए कि अपनी पेशेवर और स्वास्थ्य प्रतिबद्धताओं को कैसे संभालना है। अपने आहार, व्यायाम और विश्राम के समय का ध्यान रखें। व्यस्त घंटों के बीच झपकी आपको शांतचित्त और चुनौतियों का सामना करने के लिए तरोताजा करने में मदद करेगी। कैरियर के मोर्चे पर, वित्तीय पक्ष पर इस सप्ताह अच्छा ध्यान रखा जाता है।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** मटमैला **शुभ दिन:** रविवार

मित्रता परमशुद्ध प्रेम है। यह प्रेम का उच्चतम रूप है जहां कुछ नहीं पूछा जाता है, कोई शर्त नहीं होती है। जहां व्यक्ति त्याग का आनंद लेता है
- ओशो

तह में क्या है

हिंगोरी लिखते हैं कि सृष्टि को 14 लोकों से युक्त कहा जाता है, जहां प्रत्येक लोक चेतना की एक विशेष श्रेणी का प्रतिनिधित्व करता है, इसे कथित वास्तविकता कहते हैं......

आकाश गंगा की 14 मंजिला इमारत को लोकास भी कहा जा सकता है। प्रत्येक लोक चेतना की एक विशेष श्रेणी का प्रतिनिधित्व करता है या प्रतिबिंबित करता है, इसे कथित वास्तविकता कहते हैं।

7 ऊपरी लोक प्रकाश के क्षेत्र हैं जो रीढ़ से सिर के मुकुट तक फैले हुए हैं, फिर पृथ्वी से सूर्य, सूर्य से उत्तर सितारा या ध्रुव तारा और वहां से परे हैं। निचले लोकों को तल कहा जाता है - सीमित प्रकाश या आंशिक अंधकार के क्षेत्र।

गुरुदेव ने एक बार मुझे, ध्यान की अवस्था के दौरान, मेरी नाभि में और उसके आस-पास एक जलती हुई आग, जो यज्ञ के सदृश है, को दिखाया था। मैंने जो अग्नि देखी, वह संभवत: प्रकाश की सूक्ष्म आभा से मेरी रीढ़ से सिर तक रोशन हो सकती है।

पुराणों में इन लोकों का वर्णन दोनों शीर्षकों से शुरू होने वाले जोड़े के साथ-साथ सूक्ष्म जगत में शरीर के केंद्र, चेतना की सूक्ष्मता द्वारा विभेदित किया गया है।

प्रत्येक लोक गुणों या खूबियों के एक विशिष्ट समूह का प्रतिनिधित्व करता है, चेतना की स्थिति को दर्शाता है। हालांकि, व्यक्ति उन गुणों को भिन्न लोक में स्थानांतरित करने के लिए बदल सकता है।

आइए हम इस ब्रह्मांड की 14 मंजिला इमारत की सातवीं मंजिल से नीचे उतरें और देखें कि निचले इलाके या तल को क्या प्रस्तुत करना है।

इस 14 मंजिला इमारत की छठी मंजिल, 'अतल' - सृष्टि या ब्रह्मांड, पृथ्वी के ठीक नीचे स्थित है। हमारी तुलना में कम योग्यता की दुनिया, यह व्यक्ति को भ्रम और अज्ञान में गहरे ले जाती है। भय और वासना भावनाओं को नियंत्रित कर रहे हैं। यह सभी निचले विमानों की तरह एक सुधारात्मक दुनिया है और केवल वे ही जो आत्म-विश्वास, आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण विकसित करने के लिए इन हीन भावनाओं को काबू पाते हैं, उन्हीं का पृथ्वी पर पुनर्जन्म हो सकता है। यहां औसत गुणमिश्रण में राजों की प्रधानता है।

जिनके पास बड़प्पन और शैली के गुण हैं, वे अतल के आदर्श वासी हैं। स्वार्थी दृष्टिकोण वाले बुद्धिजीवी, वरिष्ठ ' मैं, मेरा और मैं खुद ' वाले कॉर्पोरेट अधिकारी, चतुर व्यवसायी, चतुर लोग, लेकिन बुद्धिमान नहीं, मरीज पर अनावश्यक खर्चों का बोझ डालकर कमीशन खाने वाले भ्रष्ट डॉक्टर। विवाहेत्तर संबंधों वाले लोग, जो यौन कल्पनाओं में डूबे रहते हैं, यहाँ एक अच्छी जगह बनाते हैं, जो तामसिक और सात्विक लोगों की उचित मात्रा के साथ मिलकर उनके राजसिक गुणों की तीव्रता पर भी निर्भर करता है।

वितललोक 5 वीं मंजिल और निचले लोकों का दूसरा स्तर है। गुण मिश्रण, मैं अनुमान लगाता हूं, लगभग 20 प्रतिशत सत्व, 40प्रतिशत रजस और 40 प्रतिशत तामस है। अज्ञानता का स्तर अधिक है। योद्धा, सम्मानित नौसैनिक, सभी नकारात्मक महत्वाकांक्षाओं व गुणों वाले वैज्ञानिक, बेईमान व्यापारी, राजनीतिक रूप से प्रेरित दिमाग वाले कॉर्पोरेट अधिकारी, आत्म-केंद्रित लोग, शारीरिक और मानसिक दोनों रूप में हिंसक लोग, संक्षेप में, कम आत्म-राय रखने वाले लोग इस लोक से संबंधित हैं।

गुण-मिश्रण के आधार पर, इसमें धरती पर धनवान लोग, महान सामाजिक प्रतिष्ठा, हार्वर्ड या स्टैनफोर्ड से डिग्री प्राप्त सुशिक्षित लोग शामिल हो सकते हैं। वे लोग जो सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए दान करते हैं, भ्रष्ट पुजारी हैं, सरकारी अधिकारी जो रिश्वत पर जोर देते हैं, उन्हें इन निचले लोकों के लिए आसानी से वीजा मिल जाता है।

ये लोक बदसूरत जगह नहीं हैं, लेकिन सिर्फ प्रकाश में, अवधारणा में और चेतना में अंधकारग्रस्त हैं।

रसातल और पाताल, क्रमश: दूसरा एवं पहला तल, अस्तित्व के सबसे निचले लोक हैं। नकारात्मक किस्म का तमस प्रभावी गुण है। चरम विभ्रम एवं अज्ञानता वाला, आत्मचिंतन इस लोक की अवधारणा नहीं है। असंतुष्टि और चौतरफा दुख। लोग मानते हैं कि स्वीकार करने के लिए चौतरफा वंचित जीवन ही है। मुक्ति दूर की कौड़ी है।

सुतला या वितला जैसे लोक में भी ऐसे निवासी होते हैं जो धर्मपरायण व कट्टर हो सकते हैं जिनमें संकीर्ण धार्मिक नेता, योगी, धर्मगुरु, पुजारी, खिलाड़ी और महिला हस्तियों सहित, कम आत्म-विचार और कथित नकारात्मक संस्कार वाले राष्ट्रपति और प्रमुख शामिल हो सकते हैं - अपराधी!

सुतला के स्तर पर लोग अज्ञानतावश यद्यपि अधिक समझदार हैं, लेकिन अधिक तामसिक लोगों में अभी भी लाड़ प्यार करने और आत्म-सुधार की दिशा में काम करने की इच्छा है। वे राक्षसी और कम सकारात्मक होने पर आत्म-चिंतन करते हैं। उनका मानना है कि अपने वंश को उलटने के लिए उनके पास बहुत कुछ है।

तलातल चौथी मंजिल या महातल 3 मंजिल अनिवार्यत: असुविधाजनक नहीं है, लेकिन अंधकार अधिक से अधिक माप में रहता है। छद्म अज्ञेय, स्वयंभू पापी, आतंकवादी, टिंकर, दर्जी, सिपाही, नाविक सभी वाचन शैली में योग्य हो सकते हैं।

अपने गुणों में आत्मसुधारों एवं सुधार के बाद उन्हें सुधारात्मक अवसर के रूप में कष्टमय, बीमार, वित्तीय समस्याओं, लगभग मैं ही क्यों के भाव में सामाजिक असंतुष्टि वाला जीवन जीने के लिए धरती पर पुनर्जन्म लेने का अवसर मिल सकता है ताकि उनके कर्मों का बोझ कट सके। उच्च लोकों की सीढ़ी चलने के लिए अनके जन्मों वाली यह एक धामी प्रगति है।

रसातल और पाताल, क्रमश: दूसरा एवं पहला तल, अस्तित्व के सबसे निचले लोक हैं। नकारात्मक किस्म का तमस प्रभावी गुण है। चरम विभ्रम एवं अज्ञानता वाला, आत्मचिंतन इस लोक की अवधारणा नहीं है। असंतुष्टि और चौतरफा दुख। लोग मानते हैं कि स्वीकार करने के लिए चौतरफा वंचित जीवन ही है।

मुक्ति दूर की कौड़ी है और आचरण एवं सोच दोनों पशुवादी हैं। परिष्कार के गुण बिरले ही दिखते हैं। गडढों में रहना प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि वास्तविक है। यह अंधकार की परछाइयों में रहने जैसा है। घृणा, ईर्ष्या, परम अपराधबोध, जलन, दुख, परमसतही भावनाएं, बदतर दृष्टिकोण और राक्षसी स्वभाव इसकी खूबियां हैं। हिटलर, नेपोलियन जैसे महान विजेता, आतंकवादी जो खुलेआम हत्या करते हैं, पेशेवर हत्यारे इस दायरों के लिए आवंटित हैं।

विचारयोग्य दो बिन्दु हैं :

क्या यहां दुख परम है ?

व्यक्ति यहां से बेहतर स्थानों की ओर कैसे जाता है?

यह माना जाता है कि यह केवल तभी जब आपने पर्याप्त कष्ट भोग लिया है और बदलाव करने का फैसला कर लिया है, तब आपको धरती या भूलोक पर पुनर्जन्म का अवसर मिलता है। यह अधिकांश लोकों तथा एक लोक से दूसरे लोक की यात्रा, उन्नति या अवनति दोनों, के लिए सत्य माना जाता है।

इसीलिए अस्तित्व के इस विमान के लोग विभिन्न अन्य लोकों के गुणों पर विचार करते हैं। शर्तें व गुण उनकी सोच के रूझानों को दिखाते हैं और गढ़ते हैं। हालांकि, जैसा कि यह कर्मलोक है, अपने स्वभाव के विपरीत जाने और बेहतर के योग्य बनने का अवसर होता है। उच्च लोकों के दिव्य जन, अपने निम्न जनों की सेवा के लिए जन्म लेते हैं। वे उदाहरण स्थापित करते हुए, प्रेरित करते हुए, उन्हें परामर्श देते हुए व अपने ज्ञान को साझा करते हुए उनके गुणों में बदलाव लाते हैं। अपने अगले आलेख में, हम चर्चा करेंगे कि ऊपर क्या मौजूद है।

- लेखक आध्यात्मिक पुस्तकों की हिंगोरी सूत्र श्रृंखला के लेखक हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

एक भला आंदोलन

अखबारों की कहानियां इन दिनों निराशाजनक हैं। उन्हें पढ़ते हुए, हम महसूस करते हैं कि लोग अभी भी वही हैं जहाँ वे पाषाण काल में थे। मनोवैज्ञानिक सही निष्कर्ष निकालते हैं कि आप मनुष्य को पाषाण युग से निकाल सकते हैं लेकिन आप पाषाण युग को मनुष्य से बाहर नहीं निकाल सकते। जैसा कि रॉबर्ट ब्राउनिंग ने कहा था कि प्रगति जीवन का नियम बनती प्रतीत नहीं होती है। आदमी को आदमी बनने में कितना समय लगेगा? हम इंसान क्यों अभी भी मनुष्यों में नहीं बदल रहे हैं। हालांकि वर्तमान समय की बर्बरता, आक्रामकता और हिंसा की कहानियां अतीत की तरह ही परेशान करने वाली हैं, लेकिन सभ्य समाज होने के हमारे दावे खोखले प्रतीत होते हैं। हमें यह सोचने की जरूरत है कि ज्ञान और शिक्षा के बावजूद, शैतानी प्रकृति के प्रस्ताव अभी भी आकर्षक लगते हैं। आदमी में बैठा जानवर बदलने में विफल होता है।

जो सबक हमें सिखाए गए थे, उन कुछ हजार वर्षों में उन्होंने शायद ही कोई प्रभाव डाला है। हमने उनसे कुछ नहीं सीखा है। नैतिकता और नैतिकता पर पाठ सिर्फ निबंध लेखन का एक विषय बने हुए हैं क्योंकि लोगों का मानना है कि ईमानदारी उत्तम नीति नहीं है। झूठ बोलना पाप है, लालच सभी बुराइयों का मूल कारण है और घमंड पतन से पहले आता है ये सब कहने की बातें हैं जो कोई मायने नहीं रखती हैं। हर दिन लोग लोगों को मरते हुए देखते हैं फिर भी वे अनंत काल तक जीना चाहते हैं। और यह इच्छा सबसे अधिक समस्याओं की जड़ है क्योंकि लोग अनुचित सुरक्षा प्राप्त करने के लिए सभी प्रकार के कर्मों -दुष्कर्मों में लिप्त हैं। सुरक्षा जो उन्हें बचाएगी, भले ही पूरी दुनिया नष्ट हो जाए। कोई यह नहीं मानना चाहता है कि इस क्षणिक दुनिया में स्थायित्व एक भ्रामक लक्ष्य है। वास्तव में इस प्रश्न से महाभारत के वन पर्व में प्रसिद्ध यक्ष-युधिष्ठिर संवाद में बहुत ही सटीक ढंग से निपटा गया था, जब पांडव निर्वासन में थे।

जब यक्ष के रूप में धर्मराज ने युधिष्ठिर से पूछा कि सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है, तो वरिष्ठ पांडव जो उत्तर देते हैं, वह मानव जीवन की सबसे बड़ी विडंबना को व्यक्त करता है। युधिष्ठिर कहते हैं कि इस दुनिया में सबसे बड़ा आश्चर्य यह है कि यद्यपि लोग नश्वर है और लोगों को रोज मरते हुए देखते हैं लेकिन उन्हें लगता है कि वे नहीं मरेंगे। यही इच्छा इस दुनिया में बुराई को चिरायु बनाती है। इस इच्छा का मुख्य कारण वह अहंकार है जो इंसान को हर तरह की झूठी शान देता है। यह एक करोड़पति को अरबपति बनने और अरबपति को खरबपति बनने की आकांक्षा जगाती है। अपने सपनों को पूरा करने के लिए हर तरह की गंदी चालों को अपनाते हुए लोग आखिरकार अपनी गुलामी में जकड़ जाते हैं क्योंकि लालच किसी को नहीं बख्शता। यहां तक कि कोरोना महामारी उन लोगों की आत्माओं को पिघलाने में विफल रही जो यह महसूस करने में विफल रहते हैं कि अंतिम यात्रा को सभी बाधाओं से मुक्त किया जाना है क्योंकि जीवन एक शून्य शेष खाता है। यह आलेख एक डरावनी तस्वीर को चित्रित करने के लिए नहीं है, बल्कि यह महसूस करने के लिए है कि अंत में यह अच्छाई ही है जो कायम रहती है। एक ऐसे दृष्टिकोण का पता लगाने की आवश्यकता है जो इस दुनिया को सभी के लिए एक बेहतर जगह बनाने में मदद कर सके। एक नए तरह के आंदोलन का निर्माण करना ताकि मानव जाति को उस रूप में बदला जाए जो उसे बनना नियत है, यानी - प्रकृति की समस्त कृतियों में सबसे शानदार। यानी वैसा आदमी बनना, जिसे भगवान ने अपनी छवि में बनाया। आत्मा को जागृत करना भलाई के आंदोलन का निहित विचार होना चाहिए। और इसे उन्हीं उपकरणों को लागू करके किया जा सकता है जिसे दुकानदार उपभोक्ता आंदोलन खड़ा करने के लिए उपयोग करते हैं। मनुष्य अनिवार्यतया अच्छा होना चाहता है लेकिन उसे समझना चाहिए कि अच्छा होने में क्या अच्छा है। यही वो बात है जिसकी आवश्यकता है।

नैतिक रूप से बनें अच्छे

हममें से ज्यादातर लोगों ने जब समस्या या किसी स्थिति से सामना किया तो स्वाभाविक तौर पर उसके प्रति भौतिक, मानसिक, जबानी, मनोवैज्ञानिक , भावनात्मक या आध्यात्मिक प्रतिक्रिया व्यक्त की। यह स्वाभाविक है क्योंकि प्रत्येक भावनात्मक स्थिति एक उत्तेजना के रूप में काम करती है और एक जीवित व्यक्ति से किसी प्रकार की प्रतिक्रिया मांगती है। समस्या की प्रतिक्रिया राजनीतिक, आर्थिक, कानूनी, सामाजिक, सैन्यवादी, राजनयिक, तकनीकी या कोई अन्य हो सकती है। उदाहरण के लिए, एक कठिन परिस्थिति, देश के एक खास हिस्से में, लोगों के एक बड़े समूह द्वारा बनाई गई, जो किसी तरह की स्वायत्तता की मांग करते हैं, क्योंकि लंबे समय तक वे सत्तारूढ़ सरकार द्वारा उपेक्षित रहे हैं, जो कि अन्य क्षेत्रों पर अधिक ध्यान देती आई है। अब, इस तरह की स्थितियों में, सरकार या तो राजनीतिक प्रतिक्रिया कर सकती है और संसद में एक अधिनियम पारित करके उन्हें कोई समाधान दे सकती है या वह यह आश्वासन देकर आर्थिक प्रतिक्रिया दे सकती है कि वे अब उनके भावी विकास हेतु एक बड़ी राशि खर्च करेंगे। इसी तरह, जब दो देशों के बीच संघर्ष होता है, तो वे स्वयं राजनीतिक, कूटनीतिक या सैन्य रूप से समस्या का समाधान कर सकते हैं।

राजयोगी ब्रम्हकुमार निकुंज जी का कहना है कि सारी समस्याएं नैतिक या आध्यात्मिक मूल्यों को परखने की हमारी विफलता के कारण पैदा होती हैं

इनके अलावा, कुछ ऐसा है जिसे 'आध्यात्मिक प्रतिक्रिया' कहा जाता है, जो वैचारिक, गुणात्मक और अनुभवात्मक रूप से इन सभी प्रकार की प्रतिक्रिया से बहुत अलग है। इस संदर्भ में, 'आध्यात्मिक' का तात्पर्य 'धार्मिक' नहीं है। यह इस समझ पर आधारित है कि हमारे शरीर में एक आत्मा बसती है यानी एक प्राणी, जो अपने मूल स्वभाव से, भौतिक, क्षणभंगुर, अल्पकालिक, अभूतपूर्व या विनाशकारी से पूर्णतया अलग है। यह प्रकाश बिंदु के रूप में है, जो अपने स्वभाव में भौतिक या सांसारिक नहीं है बल्कि दिव्य है। इस प्रकाश की एक अनिवार्य विशेषता यह है कि यह इस अर्थ में सचेत है कि यह सोचने, समझने, न्याय करने, महसूस करने, याद रखने, सीखने और नैतिक रूप से अच्छा या बुरा होने में सक्षम है। इसीलिए आध्यात्मिक प्रतिक्रिया, ऐसी प्रतिक्रिया दर्शाती है जो नैतिक अच्छाई, प्रेम, शांति और उद्देश्यों, विचारों और कार्यों की पवित्रता पर आधारित है।

इसे एक आध्यात्मिक दृष्टिकोण से लिया गया है। यह मनुष्य के भाईचारे व भगवान के पितृत्व में विश्वास पर आधारित है। यह प्रतिक्रिया इस दृढ़ विश्वास पर टिकी है कि हमें अच्छा करना चाहिए और कभी भी बुरा नहीं करना चाहिए, क्योंकि कर्म का सिद्धांत अपरिहार्य है और हम अपने बुरे कार्यों के परिणामस्वरूप कष्ट भोगेंगे। इस प्रकार, आध्यात्मिक प्रतिक्रिया जागरूकता पर आधारित नैतिक प्रतिक्रिया है कि हम आत्माएं और भाई हैं। यह प्रतिक्रिया इस समझ पर आधारित है कि सभी समस्याएं नैतिक या आध्यात्मिक मूल्यों का पालन करने में हमारी विफ्लता के कारण उत्पन्न होती हैं और इसलिए, शब्द का सही अर्थों में - उन मूल्यों का अवलोकन करके हल किया जा सकता है।

आध्यात्मिक प्रतिक्रिया हमेशा या आमतौर पर किसी स्थिति की प्रतिक्रिया नहीं होती है। दूसरी ओर, यह एक क्रिया है। आध्यात्मिक प्रतिक्रिया करने वाला व्यक्ति 'दांत के लिए दांत और आंख के लिए आंख' नीति का पालन नहीं करता है। एक गुस्सैल व्यक्ति के प्रति उसका रवैया क्रोध या घृणा के कारण नहीं बनता है, बल्कि, वह शांति और प्रेम के अपने मूल, आध्यात्मिक स्वभाव में बसता है। इस तरह की प्रतिक्रिया, इसीलिए, शांति से, स्वभाव से, सौहार्दपूर्वक, निष्पक्ष रूप से और मानवीय रूप से दिव्य मदद की संभावना के साथ समस्याओं को हल करने की एक बड़ी क्षमता है। मूल्यों को अपनाने की आवश्यकता के बारे में अब प्रेस व विभिन्न मंचों से लगातार उल्लेख किया जाता है। लेकिन यह महसूस नहीं किया जाता है कि आध्यात्मिकता के बिना मूल्यों में एक बहुत ही आवश्यक घटक की अभाव होता है और वे अधिक ताकत और दिव्यता के बगैर होते हैं। केवल उन नैतिक मूल्यों को याद रखें, जो सभी प्राणियों की आध्यात्मिक प्रकृति की जागरूकता से उत्पन्न होते हैं और जिनके पास सभी समस्याओं के अंतिम समाधान की ओर ले जाने वाली वो आध्यात्मिक सामग्री होती है।

दुनिया में आज भी ऐसे लाखों लोग हैं जो मानते हैं कि शरीर भौतिक है जबकि आत्मा अभौतिक, यानी आध्यात्मिक। लेकिन शायद ही कोई धार्मिक व्यक्ति इस मान्यता को जीता है। हम अक्सर यह देखते हैं कि व्यावहारिक जीवन में लिंग, नस्ल, राष्ट्रीयता, जातीयता, भाषा, आयु आदि के आधार पर लगभग हर व्यक्ति, एक -दूसरे के बीच भेदभाव करता है। जाहिर है, ये कारक शरीर-चेतना या सामग्री संबंधीं जागरूकता पर आधारित हैं। ये सत्य की दृढ़ जागरूकता पर आधारित नहीं हैं कि सभी प्राणी आत्माएं हैं। इस प्रकार, उनके विश्वास और व्यवहार के बीच भारी अंतर होता है। इसलिए, 'आध्यात्मिक प्रतिक्रिया' के संदर्भ में, यह समझा जाना चाहिए कि यह इस जागरूकता के आधार पर हमारी व्यावहारिक प्रतिक्रिया को संदर्भित करता है कि हम सभी आत्माएं और भाई हैं। आज, यह पहचान या जिसे 'पहचान-संकट' कहा जाता है, 'नैतिक संकट' या 'मूल्यों का संकट' सहित अनेक प्रकार के संकटों की जड़ में है।

` 'व्यवहार में आत्मा-चेतना' की पूरी अवधारणा सामान्य लग सकती है। लेकिन अगर हम इसकी गहराई, इसके पहुंच और नतीजों की जांच करें, तो हम पाएंगे कि यह एक क्रांतिकारी अवधारणा और एक उल्लेखनीय अभ्यास है जो व्यक्ति में दृष्टिकोण में मानक बदलाव लाएंगे। इसमें सभी प्रकार के भेदभाव और घृणा को समाप्त करने और भाईचारे वाला प्रेम और आपसी सहयोग की भावना विकसित करने की बहुत अधिक क्षमता है। इस पर आधारित आध्यात्मिक प्रतिक्रिया हमारी सोच में एक महान गुणात्मक अंतर लाएगी और इससे हमारी समस्याओं को समाप्त करने और नए, मूल्य आधारित समाज की शुरुआत होगी।

महारानी में रानी भारती का किरदार निभाने में आनंद आया। वह किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में शुरू होता है जिसे हम सभी जानते हैं और उससे संबंधित हैं लेकिन वह जो बन जाता है, वह है हममें से कुछ लोग जो चाहते हैं।
-हुमा कुरेशी

उम्मीद की किरण

फिल्म निर्माता और 'एज ऑफनेचर' सीरीज़ के प्रोड्यूसर वेरिटी वाइट, प्रकृति के साथ हमारे संबंधों, इसपर हमारा प्रभाव, ये कैसे काम करती है और हम किस प्रकार से पृथ्वी पर जीवन में संतुलन को पुनर्स्थापित कर सकते हैं, जैसे बिंदुओं पर एक नए ढंग से दृष्टि डाल रही हैं। टीम पायनियर की प्रस्तुति–

विश्व में निरंतर परिवर्तन हो रहे हैं। और स्पष्ट है कि पृथ्वी के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर तीन बातें सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं: जागरूकता, समझ विकसित करना और परिवर्तन के प्रति सक्रिय भागीदारी। इस संदर्भ में प्रकृति तथा उसमें अपने स्थान के प्रति गहन समझ विकसित करने में सहायता करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सोनी बीबीसी अर्थ चैनल एक नई सीरीज़ 'एज ऑफनेचर' लेकर आ रहा है। ये नया शो प्रकृति के प्रति हमारे संबधों पर नए ढंग से दृष्टिपात करता है और बताता है कि किस प्रकार हम पृथ्वी पर संतुलन को दुबारा से स्थापित कर सकते हैं। प्रस्तुत हैं उनसे बातचीत के अंश–

● नया शो 'एज ऑफनेचर' दर्शकों को क्या संदेश देने का प्रयास करता है?

हम चाहते थे कि दर्शक प्रकृति के बारे में कुछ मूलभूत बातें समझ लें। एक तो ये कि हम इसपर बुरी तरह से निर्भर हैं, फिर चाहे आप गांव में फॉर्महाउस में रह रहे हों या फिर नगरों में। आप जल पीते हैं, वायु की श्वांस लेते हैं। इस प्रकार हम किसी न किसी प्रकार से प्रकृति पर निर्भर तो रहते ही हैं। अब हमारी प्रकृति ही थोड़ी कठिनाई में प्रतीत होती है। ये बात किसी के लिए नई नहीं है। हम एक ऐसे बिंदु पर आ पहुंचं हैं जिसमें यदि हम प्रकृति के स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान नहीं देते, तो हम भी किसी न किसी कठिनाई में रहने वाले हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि प्रकृति को अपने स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करना कोई इतना कठिन काम भी नहीं है। इसकी शक्ति और सामर्थ्य असाधारण है। बस हमें इसे थोड़ा स्थान देना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि इसे वो सब उपलब्ध हो जिसके बल पर ये अपनी स्थिति में सुधार करने की दिशा में उद्यत हो सके।

● वे कौन से प्रयास हैं जिनके माध्यम से हम अपने ग्रह को पुनर्जीवित कर सकते हैं?

मेरा मानना है कि यदि हम प्रकृति को थोड़ा समय और अवसर उपलब्ध करा दें तो ये स्वयं ही अपने को ठीक कर लेगी। प्रकृति में हर क्षण परिवर्तन होते रहते हैं और ये अच्छी बात है। लेकिन हमें बस इसे कुछ समय तक उसके हाल पर छोड़ देना चाहिये और ये स्वयं को पुनर्जीवित कर लेगी। यदि आप इसे खाली मैदान उपलब्ध करा दें तो ये अत्यंत शीघ्रता से पौधों और परागण के माध्यम से बीजारोपण कर लेगी और चिड़ियों के साथ से नई पौध कुछ ही दिन में लहलहाने लगेगी। हमें इसे बस कुछ रिक्त समय और स्थान उपलब्ध भर कराना है, रसायनों से दूर रखना, तथा अपनी सघन खेती करने की आदत, निर्माण की निरंतरताविहीन तकनीकों को इससे दूर रखना होगा और आप देखेंगे कि कुछ ही दिनों में पूरा परिदृश्य ही बदल जाएगा।

● इस शो में जागरूकता, समझदारी तथा परिवर्तन की व्याख्या किस प्रकार से की गई है?

हम फिल्म निर्माताओं को अतीत में जाकर देखना होगा कि हम वर्तमान स्थिति में किन किन कारकों के कारण पहुंचे हैं। प्रकृति के स्वास्थ्य मे आये वर्तमान क्षरण का मूल इतना पुराना भी नहीं है कि इसकी पहचान न की जा सके। हम मनुष्य इस धरा पर कुछ ही सौ साल पहले इतनी सघनता से इसका दोहन कर रहे हैं। अत: आपको पता है कि क्या और कैसे हुआ है। वे कौन से कारण थे जिनके चलते हम वर्तमान स्थिति में पहुंचे हैं। लेकिन ये भी सही है कि हम प्रकृति के प्रति सहानुभूति रखने लगे हैं और आज से 50 वर्ष पहले से ही हम इस दिशा में अधिक जागरूक भी हुए हैं। इसका कारण ये है कि प्रकृति के प्रति हमारी समझ आज श्रेष्ठ और गुणवत्तापूर्ण है। आप इस बिंदु के बारे में इसके दूसरे एपिसोड में देख सकेंगे। आज का विज्ञान भी इस दिशा मे उन्नत हो चुका है। आज हमें पता है कि समुद्री धारा किस प्रकार से काम करती है, वातावरण किस प्रकार से धरती की रक्षा करता है। जैव विविधता किस प्रकार से काम करती है। आप देखेंगे कि धरती के बारे में सबकुछ आपस में जुड़ा है। आज से 50 साल पूर्व हमें ये जानकारियां नहीं थीं लेकिन आज हम इस बारे में पर्याप्त ज्ञान रखते हैं। इसका एक अर्थ ये भी है कि आज हमें पता है कि हम धरती का किस प्रकार से अधिक अच्छे ढंग से ध्यान रख सकते हैं। जलवायु परिवर्तन की दिशा में हम भविष्य में किस दिशा में चलेंगे, हम सभी मनुष्यों के लिए ये अब तक का सबसे बड़ी चुनौती होगी और इस चुनौती से पार पाने में प्रकृति ही हमारी सहायक भी होने वाली है क्योंकि ये कार्बन का पृथक करने की क्षमता रखती है और वातावरण से कार्बन कम करने का ये सबसे सस्ता और सरल ढंग है और हमें ये शीघ्रता से करना होगा।

● क्या आप प्रकृति के संतुलन के महत्व की व्याख्या करेंगी और हम मनुष्य इसे किस प्रकार से प्रभावित करते हैं?

प्रकृति का संतुलन एक अत्यंत रोचक शब्द है। मेरा मानना है कि प्रकृति संतुलन से परे है। ये वाइल्ड है, गतिशील है और हर समय चलायमान और परिवर्तनशील है। वनों में आग लगना और बाढ़ आना प्राकृतिक अवधारणाएं हैं। प्रकृति धरती पर होने वाले हर परिवर्तन के प्रति शीघ्रता से सामंजस्य स्थापित कर लेती है। यदि आप वृहद स्तर पर देखें तो भी ये संतुलन स्थापित कर ही लेती है। लेकिन हम प्रकृति से स्थिर और शांत रहने की अपेक्षा नहीं कर सकते। प्रकृति को हमें इतना सक्षम बनाए रखना है कि वो इस प्रकार के परिवर्तन कर सके क्योंकि यही इसका काम है और यही ये करती आई है। इसी कारण से इसे अधिक अवसर दिये जाने चाहिये। मेरे अनुसार यदि हम प्राकृतिक संतुलन को सही रखना चाहते हैं तो हमें प्रकृति को अधिक समय और स्थान तथा अवसर उपलब्ध कराने होंगे।

● इस शो के बनने के दौरान प्रकृति के बारे में वे कौन सी बातें थीं जो आपने सीखीं?

मैंने कुछ तकनीकी शब्द सीखे। मेरे लिए सबसे बड़ा रहस्योद्घाटन था शब्द 'प्रकृति की कार्बनवनों के संचय करने की क्षमता'। ये कार्बन को अपनी जैविक विविधता की शक्ति के बल पर संचित करता है। अत: केवल पौधारोपण के माध्यम से ही हम कार्बन को कम नहीं कर सकते। बल्कि ये संचय मिट्टी में होना चाहिये। ये सागरों के तल में पानी के नीचे होना चाहिये। ये तभी संभव है जब हमारी पारिस्थितिकी प्रणाली स्वस्थ हो और हमारी जैव विविधता सशक्त। जब हम प्रकृति को नष्ट करते हैं और जब हम मछली पकड़ने के लिए बड़े फिशिंग टॉलरों का प्रयोग करते हैं, जब हम जंगलों को जलाते हैं, जब हम गुड़ाई करते हैं, हम उतना कार्बन धरती में डाल देते हैं जितना फॉसिल फ्यूल जलाने से होता है। ये बातें मुझे पहले नहीं पता थीं। इसके अलावा एक और सर्वाधिक रोचक शूट उत्तरी अमेरिका में येलोस्टोन पार्क में भेड़ियों के आवास का था जहां लोगों ने भेड़ियों के साथ रहना सीख लिया है। अब लोग शिकारी पशुओं के साथ पारिस्थितिकी में रहना सीख चुके हैं और हमें उनके अनुभवों को यूरोप और दूसरे स्थानों पर भी क्रियान्वित कर सकते हैं।

● आपका वन्यजीव फिल्म निर्माण के व्यवसाय में आना किस प्रेरणा के चलते संभव हुआ?

मैं बचपन से ही प्रकृति के सानिध्य में रहना पसंद करती थी। मैं चीजों को ध्यान से देखने, कीड़ों को पकड़ने, उन्हें घर लाने जैसे काम करती रहती थी जिससे मेरी मां बहुत डरती थीं। ये मुझमें वंशानुगत होगा क्योंकि मैं निरंतर इसी दिशा में सोचा करती थी। इसके अलावा मैं कहानी कहने में रुचि रखती हूं जबकि फिल्म निर्माण की तकनीक आदि से मैं दूर ही रहती आई हूं। ऐसे में दोनों बातों को पूरा करने के लिए ही मैं वन्यजीवन पर आधारित फिल्में बनाने के क्षेत्र में आयी। और मेरा मानना है कि आप वन्यजीवन पर अच्छी फिल्मों का निर्माण तब तक नहीं कर सकते जब तक आप इसे एक अच्छी कहानी का रूप नहीं देते और इस बात को रेखांकित नहीं करते कि हमारी प्रकृति संकट के दौर से गुजर रही है। हमें आज इसकी ओर अधिक ध्यान देना होगा।

● क्या आप भारतीय दर्शकों को किसी प्रकार का संदेश देना चाहती हैं?

मुझे लगता है कि भारत से हम और देशों की अपेक्षा अधिक आशा रख सकते हैं। जलवायु परिवर्तन की स्थिति भयावह स्थिति में है। लेकिन प्रकृति में संभावना है और सभी लोग अपनी अपनी भूमिका का निर्वाह कर सकते हैं। हम गांवों, नगरों और खेती के दौरान इन बातों का ध्यान रख सकते हैं। हमारी प्रकृति हर बात के लिए आपकी कृतज्ञ होगी, फिर चाहे आप सबसे सूक्ष्म योगदान ही क्यों न करें। आपके प्रयासों से आपको और हम सभी को रहने के लिए एक न एक दिन एक स्वस्थ ग्रह अवश्य उपलब्ध हो सकेगा।

(शो 12 अप्रैल को सोनी बीबीसी अर्थ चैनल पर रात 9 बजे प्रीमियर होगा)

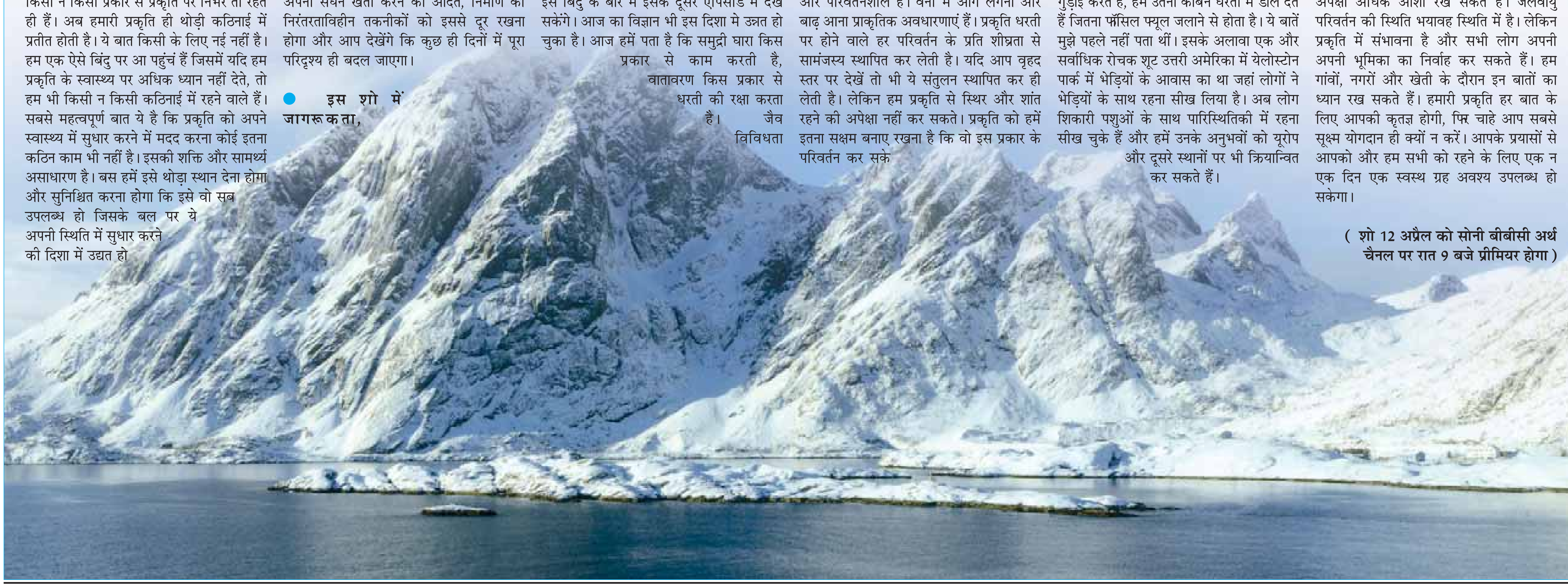

रोहित शर्मा ने गैंडों के संरक्षण की अपील की

चेन्नई। मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित शर्मा ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उदघाटन मैच में एक सींग वाले गैंडों के तस्वीरों वाले जूते पहनकर दुनिया से विलुप्ति होती इस प्रजाति के संरक्षण की अपील की। रोहित ने इस आईपीएल में एक सींग वाले गैंडों या भारतीय गैंडों के संरक्षण के लिए आईपीएल के दौरान यह विशेष तरीका अपनाया है। इस सलामी बल्लेबाज ने विशेष तरह के जूते पहने हुए थे जिसमें इस संकटग्रस्त प्रजाति की तस्वीरें बनी हुई थी। मौजूदा चैंपियन मुंबई एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मैच में दो विकेट से हार गया था। रोहित ने ट्वीट किया , कल जब मैं मैदान पर उतरा तो मेरे लिए यह एक मैच से अधिक था। क्रिकेट खेलना मेरा सपना था और दुनिया को बेहतर बनाने की दिशा में हम सभी को मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा , यह विषय मेरे दिल के काफी करीब है और इसलिए यह मेरे लिए खास पल था। हर कदम मायने रखता है। भारतीय गैंडे शिकार, पर्यावास के अभाव , आंतरिक प्रजनन और बीमारियों जैसे खतरों से जूझ रहे हैं।

99 सॉन्स को रिलीज करने पर रहमान ने कहा, डर है पर फिल्म की कामयाबी सिने जगत की सफलता होगी

मुंबई। जाने-माने संगीतकार ए आर रहमान ने कहा है कि महामारी के दौरान जब लोग अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं, ऐसे में वह अपने प्रोड्क्शन की पहली फिल्म 99 सॉन्स रिलीज कर रहे हैं और इस पर उन्हें गर्व है। उन्होंने कहा कि फिल्म की कामयाबी से सिने जगत को प्रोत्साहन मिलेगा।

रहमान ने यह भी कहा कि इस समय लोगों को फिल्म बड़े पर्दे पर देखनी चाहिए और फिल्मकारों तथा निर्माताओं को प्रोत्साहित करना चाहिए, क्योंकि एक फिल्म की कामयाबी पूरे सिने जगत की सफलता है। संगीत ड्रामा 16 अप्रैल को तीन भाषाओं- हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। यह महाराष्ट्र को छोड़कर समूचे भारत में रिलीज की जाएगी। दरअसल, कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर महाराष्ट्र सरकार ने सप्ताहांत पर लॉकडाउन लगा दिया है।

इस समय लोगों को फिल्म बड़े पर्दे पर देखनी चाहिए और फिल्मकारों तथा निर्माताओं को प्रोत्साहित करना चाहिए, क्योंकि एक फिल्म की कामयाबी पूरे सिने जगत की सफलता है। संगीत ड्रामा 16 अप्रैल को तीन भाषाओं- हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी।

रहमान ने चेन्नई से जूम के माध्यम से पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, डर है... हर कोई हैरत कर रहा है कि वह कैसे अभी फिल्म रिलीज कर रहे हैं, क्या वह मूर्ख हैं? लेकिन मेरे ख्याल से, फिल्म रिलीज करनी है और लोगों को इसे बड़े पर्दे पर देखने की जरूरत है। रहमान (54) ने महाराष्ट्र में लॉकडाउन की घोषणा होने से एक हफ्ता पहले साक्षात्कार दिया था।

संगीतकार का मानना है कि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कामयाबी का असर मनोरंजन क्षेत्र पर होगा जो महामारी के कारण बुरी तरह से प्रभावित है। उन्होंने कहा, इस वक्त लोगों को फिल्मकारों और निर्माताओं को प्रोत्साहित करना चाहिए क्योंकि एक फिल्म की कामयाबी पूरे सिने जगत की सफलता है। कई लोग उम्मीद खो रहे हैं, परेशान हैं और भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। रहमान ने कहा, हमें इसे रिलीज करने का साहस जुटाने पर गर्व है और उम्मीद है कि लोग मास्क लगाकर आएंगे तथा सुरक्षित रहेंगे और फिल्म का आनंद लेंगे। 99 सॉन्स का निर्देशन विश्वेश कृष्णमूर्ति कर रहे हैं और फिल्म के सह-लेखक एवं निर्माता रहमान हैं। उन्होंने फिल्म में संगीत भी दिया है। इस फिल्म से इहान भट और एडिलेसी वर्गस अभिनय करियर की शुरुआत कर रहे हैं।

महाभारत में इंद्र का किरदार अदा करने वाले सतीश कौल नहीं रहे

लुधियाना। महाभारत धारावाहिक समेत कई फिल्मों एवं शो में नजर आ चुके पंजाब के अभिनेता सतीश कौल का कोविड-19 संबंधित स्वास्थ्य जटिलताओं के चलते शनिवार को यहां निधन हो गया। वह 74 साल के थे। कौल की बहन सत्या देवी के अनुसार छह दिन पहले बुखार होने पर उन्हें यहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सत्या देवी ने पीटीआई-भाषा से कहा, अस्पताल में कोविड-19 संक्रमण के चलते आज सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें बुखार था और वह ठीक नहीं थे। हमने उन्हें बृहस्पतिवार को अस्पताल में भर्ती कराया था और उनकी जांच करवाई थी, जिसमें सामने आया था कि वह कोविड-19 से संक्रमित हैं।

कौल के परिवार में उनकी बहन हैं। वह बी आर चोपड़ा के महाभारत में देवराज इंद्र की भूमिका के लिए लोकप्रिय हुए थे। उन्होंने प्यार तो होना ही था , आंटी नंबर वन समेत 300 से अधिक पंजाबी एवं हिंदी फिल्मों में काम किया था। उन्होंने टीवी शो विक्रम और बेताल में भी काम किया था। कौल 2011 में मुम्बई से पंजाब आ गए और उन्होंने अभिनय का एक स्कूल खोला लेकिन उनकी यह कोशिश सफल नहीं रही।

2015 में उनकी कमर की हड्डी टूट गई थी और वह करीब ढाई साल तक बिस्तर पर पड़े रहे। बाद में वह एक वृद्धाश्रम चले गए और वहां 2019 तक रहे। फिर वह एक किराए के मकान में आकर रहने लगे।

पिछल साल मई में उन्होंने कहा था कि वह लॉकडाउन के दौरान दवाइयों, किराना के सामान एवं मूलभूत जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उन्होंने फिल्मोद्योग से मदद की अपील की थी।

6 | अभिमत
कॉरपोरेट प्रशासन में सुधार की आवश्यकता

7 | न्यूज-व्यूज
टीकाकरण उत्सव में सरकार लेगी धर्म गुरुओं की मदद

12 | विदेश
चीन पर धैर्य के साथ आगे बढ़ रहा है अमेरिका

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 169
लखनऊ, रविवार, 11 अप्रैल, 2021
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

नए युग का मानव रीमोट
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

स्थानीय लोगों के हमले के बाद केंद्रीय बलों ने चलाईं गोलियां, चार की मौत

पश्चिम बंगाल चुनाव के चौथे चरण में हिंसा

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में चौथे चरण के चुनाव में हुई हिंसा में घायल एक व्यक्ति को अस्पताल ले जाते लोग

भाषा। सीतलकूची

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में शनिवार को स्थानीय लोगों द्वारा हमला किए जाने के बाद सीआईएसएफ ने कथित तौर पर गोलीबारी की जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। ऐसा आरोप है कि स्थानीय लोगों ने सीआईएसएफ जवानों की राइफलें छीनने की कोशिश की। इससे पहले सुबह सीतलकूची निर्वाचन क्षेत्र में ही एक मतदान केंद्र के बाहर अज्ञात लोगों ने पहली बार वोट डालने आए एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। भाजपा के कूचबिहार से सांसद निशीथ प्रमाणिक ने टीएसमी समर्थकों पर बूथ पर हमला करने का आरोप लगाया। प्रमाणिक दिनहाटा निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव भी लड़ रहे हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय बलों से झड़प की घटना सीतलकूची इलाके में तब हुई जब मतदान चल रहा था।

उन्होंने बताया, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक गांव में अपने ऊपर हुए हमले के बाद सीआईएसएफ जवानों ने गोलीबारी की जिसमें चार लोग मारे गए। वहां झड़प हुई और स्थानीय लोगों ने उनका घेराव कर दिया और उनकी राइफलें छीनने की कोशिश की जिसके बाद केंद्रीय बलों ने गोलियां चलाईं। विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। टीएमसी ने दावा किया कि मारे गए चार लोग उसके समर्थक थे।

यह पूछे जाने पर कि क्या सीआईएसएफ जवानों के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई है, इस पर अधिकारी ने कहा, इसका फैसला निर्वाचन आयोग करेगा। हमारी रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने आत्म रक्षा में गोलियां चलाई। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह घटना माथाभंगा मतदान केंद्र पर सुबह करीब नौ बजकर 40 मिनट पर हुई। एक सूत्र ने बताया, लोगों के एक समूह ने मतदाताओं को वोट डालने से रोकने के लिए पथराव शुरू कर दिया और उनकी हमारे बलों तथा वहां तैनात स्थानीय पुलिस के साथ झड़प हुई।

हार सुनिश्चित देख हिंसा पर उतर आईं ममताः मोदी

भाषा। कृष्णानगर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पर हिंसा के पुराने खेल पर उतर आने का आरोप लगाया और कहा कि लोकतंत्र के उत्सव में भी वह माताओं-बहनों के आंसूओं की वजह बन रही हैं। यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि ममता बनर्जी ने जिस अल्पसंख्यक समाज को बहलाया-फुसलाया वही आज भ्रष्टाचार और बेकारी से परेशान है और औरतों के साथ अपराध होते रहे, लेकिन वह तीन तलाक का विरोध करती रहीं। उन्होंने दावा किया कि राज्य की जनता ममता सरकार से त्रस्त हो चुकी है और विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने जा रहा है। उन्होंने कहा, आज दीदी चुनाव आयोग को गाली दे रही हैं, आज दीदी केंद्रीय वाहिनी को गाली दे रही हैं, आज दीदी ईवीएम को गाली दे रही हैं। हालत तो यह है दीदी आज अपनी पार्टी के पोलिंग एजेंट को भी गाली दे रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दीदी के साथी अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को गाली दे रहे हैं। दीदी इतनी हताश हो चुकी हैं कि बंगाल के मतदाताओं को ही बदनाम कर रही हैं। उन्होंने कहा, चुनाव में हार निश्चित देख दीदी अपने पुराने खेल पर उतर आई हैं। बंगाल में दीदी और टीएमसी द्वारा हिंसा की कोशिश की जा रही है।

ममता ने शाह से मांगा इस्तीफा

भाषा। बादुड़िया, हिंगलगंज

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कूच बिहार के सीतलकूची में केंद्रीय सुरक्षा बलों की गोलीबारी में शनिवार को चार लोगों के मारे जाने की घटना के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस्तीफा मांगा। ममता कहा कि उनकी सरकार इस घटना की सीआईडी जांच कराएगी। बनर्जी ने उत्तर 24 परगना के बादुड़िया में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह रैलियां करने के बाद कूच बिहार रवाना होंगी और उस स्थल का दौरा करेंगी, जहां विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान के दौरान केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने मतदान के दौरान गोलीबारी की। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो बनर्जी ने कहा, शाह को इस नीच, नृशंस एवं अप्रत्याशित घटना की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए।

तृणमूल के आंतरिक सर्वेक्षण में भी जीत रही भाजपा!

● ममता के प्रमुख रणनीतिकार प्रशांत किशोर का ऑडियो क्लिप हुआ सार्वजनिक

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में 44 विधानसभा सीटों के लिए चल रहे मतदान के बीच भाजपा द्वारा एक ऑडियो क्लिप जारी किए जाने के बाद शनिवार को नया विवाद पैदा हो गया है। इस ऑडियो क्लिप में तृणमूल कांग्रेस के रणनीतिकार प्रशांत किशोर को कथित रूप से यह कहते हुए सुना जा सकता है कि राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जितने ही लोकप्रिय हैं। वह यह भी कहते सुनाई पड़ रहे हैं कि तृणमूल के आंतरिक सर्वेक्षण के हिसाब से भी भाजपा जीत रही है। कुछ पत्रकारों के साथ किशोर की बातचीत का अंश साझा करते हुए भाजपा के सूचना एवं प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस ने अपना चुनाव गंवा दिया है। हालांकि किशोर ने भाजपा को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म क्लबहाउस पर पूरा चैट जारी करने की चुनौती दी है और दावा किया है कि वर्तमान विधानसभा चुनाव में भगवा पार्टी को 100 से ज्यादा सीटें नहीं मिलेंगी। पीटीआई-भाषा इस कथित ऑडियो क्लिप का स्वतंत्र रूप से सत्यापन नहीं कर पाया है। इस क्लिप में किशोर को कहते हुए सुना जा सकता है कि मोदी बंगाल में बहुत लोकप्रिय हैं और इसमें कोई संदेह नहीं है। वह ममता बनर्जी जितने लोकप्रिय हैं। ऑडियो क्लिप जारी करने के बाद मालवीय ने ट्वीट किया, मोदी बंगाल में बहुत लोकप्रिय हैं और इसमें कोई संदेह नहीं है। देश भर में उनके प्रशंसक हैं। तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ लहर है, ध्रुवीकरण वास्तविकता है, अनुसूचित जाति का वोट भाजपा के पक्ष में है, ऐसा ममता बनर्जी के रणनीतिकार ने अपनी खुली बातचीत में कहा है। उन्होंने लिखा है, क्लबहाउस पर सार्वजनिक चैट के दौरान ममता बनर्जी के चुनावी रणनीतिकार ने माना कि तृणमूल के आंतरिक सर्वेक्षण के हिसाब से भी भाजपा जीत रही है। वोट मोदी के लिए है, ध्रुवीकरण सच्चाई है, अनुसूचित जाति (बंगाल की आबादी का 27 फीसद हिस्सा), मतुआ सभी भाजपा के लिए वोट डाल रहे हैं। भाजपा का कैडर जमीनी स्तर पर मौजूद है।

बिहार के पुलिस अधिकारी को पश्चिम बंगाल में भीड़ ने मार डाला

भाषा। किशनगंज, इस्लामपुर

पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में शनिवार तड़के छापेमारी के दौरान भीड़ द्वारा कथित तौर पर पीटे जाने से बिहार के एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना गोवालपोखर थाना क्षेत्र के पंथापाड़ा गांव में उस समय हुई जब बिहार के किशनगंज जिले के नगर थाना प्रभारी अश्विनी कुमार मोटरसाइकिल लूट के मामले में एक छापेमारी का नेतृत्व कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि मामले में आरोपियों को पकड़ने के लिए एक पुलिस टीम के साथ कुमार गांव में गए थे। यह मामला किशनगंज पुलिस थाने में दर्ज है। उन्होंने बताया कि भीड़ ने उन्हें घेर लिया और कथित तौर पर उन पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि इसके बाद पंजिपारा चौकी से पुलिसकर्मियों की एक टीम ने उन्हें भीड़ से छुड़ाया और इस्लामपुर सदर अस्पताल ले गई जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पश्चिम बंगाल पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान फिरोज आलम, अबुजर आलम और सहीनुर खातून के रूप में हुई है। पश्चिम बंगाल में उत्तर दिनाजपुर और बिहार में किशनगंज सीमा साझा करते हैं। इस्लामपुर में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस अधिकारी का पार्थिव शरीर दिन में किशनगंज पुलिस लाइन लाया गया। कुमार को किशनगंज पुलिस लाइन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। हालांकि कुमार के परिवार ने साजिश का आरोप लगाते हुए शव लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने टीम के अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका पर सवाल उठाया, जब कुमार को भीड़ द्वारा पीटा जा रहा था। परिवार ने यह भी जानना चाहा कि पश्चिम बंगाल पुलिस को छापेमारी के बारे में पूर्व सूचना क्यों नहीं दी गई। पुलिस ने बताया कि शव को लेकर हंगामा एक घंटे तक चला, इसके बाद किशनगंज के जिलाधिकारी आदित्य प्रकाश और पूर्णिया रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुरेश कुमार चौधरी सहित अन्य शीर्ष अधिकारियों ने कुमार के परिवार के साथ बैठक की और उन्हें घटना की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने का आश्वासन दिया।

अस्पतालों में न हो बेड की कमीः योगी

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

● कोविड-19 पर नियंत्रण के लिए सीएम ने की मंडलीय समीक्षा

सीएम योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया है कि मण्डल के सभी जनपदों में एल-2 एवं एल-3 अस्पतालों में पर्याप्त बेड की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए वहां मैनपावर की व्यवस्था के साथ ही कर्मियों को प्रशिक्षण अवश्य दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अस्पतालों में उपलब्ध 108 एम्बुलेंस की संख्या में से आधी कोविड हेतु लगाई जाएं और उनका प्रयोग अन्यत्र न किया जाये। उन्होंने कहा कि कोविड से बचाव हेतु सर्तकता, सावधानी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने बाबा राघवदास मेडिकल कालेज में कोविड-19 पर नियंत्रण के लिए किये जा रहे उपायों की मण्डलीय समीक्षा बैठक करते हुए ये निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सभी सरकारी अस्पतालों में एंटीजन एवं आरटीपीसीआर की जांच निःशुल्क होती है। इसमें अगर कही भी कोई शिकायत मिलती है तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाये। उन्होंने यह भी कहा कि प्राइवेट अस्पतालों में टेस्टिंग रेट निर्धारित किये जाये और यदि निर्धारित रेट से अधिक किसी प्राइवेट अस्पताल में धनराशि ली जाती है तो संबंधित अस्पताल के विरुद्ध प्रभावी/कड़ी कार्रवाई की जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, मध्य प्रदेश, केरल, कर्नाटक आदि प्रान्तों में कोरोना संक्रमण की स्थिति ज्यादा है। वहां से आने वालों का रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट पर कोविड टेस्टिंग अवश्य कराया जाये। इसके अतिरिक्त हर ग्राम पंचायत, वार्डो, नगर निकायों, आदि में निगरानी समितियां गठित कर उसे क्रियाशील किया जाये और वे इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सिस्टम से जुड़े होने चाहिए।

11 से 14 तक विशेष टीका उत्सव

योगी ने बताया कि 11 से 14 अप्रैल तक विशेष टीका उत्सव मनाया जायेगा। इसकी समुचित व्यवस्था के साथ ही यह सुनिश्चित हो की ज्यादा भीड़ न होने पाये। उन्होंने कहा कि वैक्सिन वेस्टेज हर हाल में रोका जाये और अधिक से अधिक लोंगों का वैक्सिनेशन किया जाये। हर सरकारी/प्राइवेट कार्यालयों, औद्योगिक संस्थानों आदि मे कोविड हेल्प डेस्क अवश्य बनाया जाये और वहा सेनेटाइजर आक्सीमीटर आदि उपलब्ध रखा जाये। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के नियंत्रण हेतु किये जा रहे प्रयासों के साथ ही जेई/ एईएस के नियंत्रण हेतु भी तैयारी सुनिश्चित की जाये।

यूपी में टूटे सभी रिकार्ड, 12787 नए मरीज, 48 मरे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● लखनऊ बना हॉट स्पाट, 23 की गई जान, 4059 लोग मिले पॉजिटिव

उत्तर प्रदेश में कोरोना ने अपने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। बीते चौबीस घंटे के बीमारी के कहर से 48 लोगों की मौत हुई जबकि नए मरीजों का आंकड़ा अप्रत्याशित रूप से बढ़कर 12787 तक पहुंच गया। प्रदेश में वर्तमान में एक्टिव मरीजों की संख्या अब 58801 हो गई है। बीते 24 घंटे में हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने वालों की संख्या सिर्फ 2207 ही है। राजधानी लखनऊ तो पूरी तरह से कोरोना का हॉट स्पाट बना हुआ है।

लखनऊ में 24 घंटे में 4059 नए केस मिले हैं जबकि 23 लोगों ने दम तोड़ दिया। लखनऊ में अब 16690 एक्टिव केस हैं। लखनऊ के बाद प्रयागराज में 1460 नए केस आए हैं यहां दो लोगों की मौत हो गई है। यहां पर 6902 एक्टिव केस हैं। वाराणसी में 983 और कानपुर नगर में 706 नए केस आए हैं। कानपुर में छह लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बीते चौबीस घंटों के दौरान गाजियाबाद में 159, गौतमबुद्ध नगर में 221, मेरठ में 236, गोरखपुर में 422, बरेली में 144, मुरादाबाद में 81, झांसी में 235, अलीगढ़ में 44, आगरा में 104, सहारनपुर में 50, मुजफ्फरनगर में 161, बलिया में 188, अयोध्या में 91, बाराबंकी में 139, लखीमपुर खीरी में 60, मथुरा में 123, जौनपुर में 186, शाहजहांपुर में 40, देवरिया में 88, आजमगढ़ में 83, बुलंदशहर में 45, रायबरेली में 127, हरदोई में 49, इटावा में 98, महाराजगंज में 27, कुशीनगर में 86, रामपुर में 98, प्रतापगढ़ में 70, गाजीपुर में 140, बस्ती में 117, चंदौली में 45, गोंडा में 85, सोनभद्र में 95, सुलतानपुर में 106, सीतापुर में 80, उन्नाव में 69, फर्रुखाबाद में 26, बिजनौर में 49, हापुड़ में 37, अमरोहा में 44, बहराइच में 68, फिरोजाबाद में 28, बदायूं में 44, बांदा में 81, सिद्धार्थनगर में 42, पीलीभीत में 13, जालौन में 53, ललितपुर में 90, फतेहपुर में 26, मैनपुरी में 17, शामली में 38, मिर्जापुर में 101, अमेठी में 22, औरया में 64, संत कबीर नगर में 29, कन्नौ में 21, संभल में 64, मऊ में 45, एटा में 36, बलरामपुर में 52, भदोही में 56, चित्रकूट में 60, बागपत में 8, कौशाम्बी में 25, कानपुर देहात में 21, अंबेडकरनगर में 35, कासगंज में 11, हमीरपुर में 24, महोबा में 43, श्रावस्ती में 11 और हाथरस में कोरोना के तीन मरीज मिले हैं।

देश में 1.45 लाख से अधिक नए मामले, 794 मौतें

नई दिल्ली। देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के रिकॉर्ड 1,45,384 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद अब तक संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,32,05,926 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, उपचाराधीन लोगों की संख्या करीब साढ़े छह महीने बाद फिर से 10 लाख से अधिक हो गई। मंत्रालय ने बताया कि कोरोना वायरस के कारण 794 और लोगों की मौत हो गई, जो पिछले साल 18 अक्टूबर के बाद से किसी एक दिन की सर्वाधिक संख्या है। इस संक्रमण से अब तक मारे गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,68,436 हो गई है।

बाजार

सेंसेक्स	49,591	
निफ्टी	14,834	
सोना	46,257	/10g
चांदी	66,253	/kg

क्विक न्यूज

अवैध हथियारों को बनाने वाली इकाई का पर्दाफाश

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर पुलिस ने शनिवार को उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड के सीमावर्ती गांव में अवैध हथियारों का निर्माण करने वाली एक इकाई का पता लगाया और इसके संचालन में कथित रूप से शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। भोपा पुलिस थाने के थाना प्रभारी दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि पुलिस ने 23 देसी पिस्तौल, पांच बंदूक और हथियार बनाने का सामान और उपकरण जब्त किए। थाना प्रभारी ने हिरासत में लिए गए आरोपी का नाम मुकर्म बताया है। उन्होंने बताया कि वह दो राज्यों की सीमा पर स्थित हाजीपुर गांव के समीप एक जंगल में यह अवैध इकाई चलाता था। थाना प्रभारी ने बताया कि राज्य में आगामी पंचायत चुनाव से पहले आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को हथियारों की आपूर्ति करने के लिए यहां हथियार बनाया जा रहा था।

इटावा में ट्रक पलटने से 12 श्रद्धालुओं की मौत, करीब 45 अन्य घायल

भाषा। इटावा

दुर्घटना स्थल पर राहत और बचाव कार्य करती करती पुलिस

प्रदेश के इटावा जिले में नेजा (झंडा) चढ़ाने कालिका देवी मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं से भरे एक ट्रक के शनिवार शाम पलट जाने से 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि महिलाओं और बच्चों सहित करीब 45 अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य पूरी तेजी से करने और दुर्घटना में घायल लोगों के उपचार की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु होने पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। इटावा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि जिले के बढ़पुरा थाना क्षेत्र के उदी चकरनगर मार्ग पर शनिवार शाम चार बजे कसउवा मोड़ के निकट यह दुर्घटना हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गढ़ा पचौली थाना बाह, आगरा निवासी जनवेद (50), रामदास (70), किशन लाल (75) और हाकिम (65) की, तथा गण आन का पुरा बाह, आगरा निवासी महेश (50) राजेंद्र (50), मनीष (35), लालू (42),बनवारी (50) के अलावा एक अन्य व्यक्ति की दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, अस्पताल में इलाज के दौरान आगरा के ही पिनाहट क्षेत्र के ढकिया निवासी गुलाब सिंह (45) और गढ़ा पिचौली निवासी बैजनाथ की 75 वर्षीय पत्नी की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि गंभीर रूप से घायल 13 मरीजों को उपचार के लिए सैफई भेजा गया है, जबकि 32 घायलों को जिला चिकित्सालय में उपचार के लिए भर्ती किया गया है। एसएसपी के मुताबिक पिनाहट बाह, आगरा से महिलाओं एवं बच्चों समेत करीब 60 लोग इटावा जिला के कस्बा लखना स्थित कालिका देवी मंदिर नेजा (झंडा) चढ़ाने जा रहे थे, तभी कसउवा मोड़ पर ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया और सड़क किनारे 30 फुट गहरे गड्ढे में जा गिरा।

वायरस के बदलते स्वरूप और लापरवाही से बढ़े मामले

● कोरोना की दूसरी लहर को लेकर बोले वैज्ञानिक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में एक केंद्र पर कोरोना जांच को पहुंचे लोग

भारत में कोविड-19 के मामलों में बेहद तेज बढ़ोतरी क्यों हो रही है, इसका कोई सीधा जवाब नहीं है। हालांकि, शीर्ष वैज्ञानिकों का कहना है कि कोरोना वायरस के बदलते स्वरूप, चुनाव एवं अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों के चलते बड़ी आबादी का संक्रमण के खतरे की जद में आना और सावधानी बरतने में लापरवाही मामलों में तेज वृद्धि के लिए खासतौर पर जिम्मेदार है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि संक्रमण के 1,45,384 नए मामले सामने आने के बाद देश में अब तक संक्रमण की चपेट में आए लोगों की संख्या बढ़कर 1,32,05,926 तक पहुंच गई। इस बीच, कुछ लोगों का कहना है कि यह संक्रमण की दूसरी लहर है जोकि पहली लहर के मुकाबले अधिक तेजी से बढ़ रही है। विषाणु वैज्ञानिक शाहिद जमील और टी जैकब जॉन का मानना है कि कोविड-19 संबंधी प्रोटोकॉल का पालन नहीं करना और सुस्त टीकाकरण अभियान तेजी से बढ़ते मामलों के लिए प्रमुख रूप से जिम्मेदार है। साथ ही लोगों को यह बताया जाना भी बेहद जरूरी है कि टीकाकरण के बावजूद उन्हें कोविड-19 बचाव संबंधी नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए।

जमील का कहना है कि अगले कुछ महीनों में वायरस के स्वरूप और टीके की परस्पर क्रिया भारत और विश्व में कोविड का भविष्य तय करेगी। हरियाणा में अशोका विश्वविद्यालय के त्रिवेदी जीव विज्ञान संस्थान के निदेशक जमील ने पीटीआई-भाषा से कहा, मामलों में बढ़ोतरी की तीव्रता इस बात को दर्शाती है कि पहली लहर के बाद बड़ी संख्या में ऐसे लोग थे जिनके संक्रमण की चपेट में आने का जोखिम अधिक था। जमील ने कहा, तथ्य यह है कि संक्रमण की पहली लहर के समाप्त होने के बाद लोगों ने सावधानी बरतना कम कर दिया और कोविड प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जोकि निश्चित तौर पर मामलों में उछाल का एक कारण है। तमिलनाडु के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में विषाणु विज्ञान के प्रोफेसर टी जैकब जॉन ने कहा कि कोविड-19 बचाव नियमों का पालन नहीं किया जाना संक्रमण की नई लहर की एक प्रमुख वजह में शुमार है। जॉन ने पीटीआई-भाषा से कहा, बचाव नियमों में कमी की शुरुआत केंद्र सरकार ने की, जिसका सभी राजनीतिक दलों, सभी धार्मिक समूहों और बड़े स्तर पर आम जनता ने अनुसरण किया।

बनारस में कोरोना के 1176 मरीज मिले, एक की मौत

● एक्टिव मरीजों की संख्या पहुंची 5422, अब तक 398 लोगों ने अपनी जान गवां दी

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

वाराणसी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अनुसार शनिवार को कोरोना के 1176 पॉजिटिव मरीज मिले है। 157 स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज किए गये, 5422 एक्टिव मरीज हैं। एक की मौत है। अब तक कुल 398 की मौत हो चुकी है। शहर में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैंए स्थिति इतनी खतरनाक हो चुकी है कि अब 5422 के करीब संक्रमित लोग शहर में हो चुके हैं। जबकि सात हजार के करीब रिपोर्ट आनी शेष है। संक्रमण की स्थिति यह है कि सुरक्षा के बीच रहने वाले शीर्ष अधिकारी भी संक्रमित हो रहे हैं। वहीं कोरोना वैक्सीन की कमी होने की वजह से लोगों में चिंता भी बढ़ने लगी है। जबकि बाजार में भी संक्रमण को देखते हुए लोगों की भीड़ पर लगाम लगाने की कवायद जोर पकड़ने लगी है। शुक्रवार की शाम से लेकर शनिवार की सुबह तक 2275 लोगों के परीक्षण में 452 लोग संक्रमित सामने आए हैं। जबकि 6841 लोगों की रिपोर्ट आने का इंतजार है, 4856 लोग इस समय आधिकारिक तौर पर संक्रमित हैं और उपचाराधीन हैं। 27497 लोग अब तक जिले में कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। वहीं 22244 लोग अब तक इस बीमारी से उबर भी चुके हैं। जबकि लोग कोरोना वायरस से संक्रमण के बाद अपनी जान से हाथ धो चुके हैं। वहीं अब रात में कर्फ्यू की स्थिति को देखते हुए सख्ती भी शुरू हो गई है।

वाराणसी में कोरोना वायरस से बचाव और रोकथाम के लिए शहर का कोना-कोना सैनिटाइज किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम ने अभियान तेज कर दिया है। ऐसे में 120 मशीनें और खरीदी गई हैं। इनकी मदद से नगर निगम सीमा में शामिल 86 गांवों में भी सैनिटाइजेशन का काम शुरू कर दिया गया है।नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर एन0पी0 सिंह के अनुसार, हर वार्ड में दो.दो मशीनें दी गई हैं। भीड़.भाड़ वाले में क्षेत्रों व बाजारों को सैनिटाइज किया जा रहा है। गौदोलिया, सिगरा, महमूरगंज, कचहरी, लंका आदि क्षेत्रों को सैनिटाइज कराया गया। प्रशासन द्वारा रात नौ बजे के बाद दुकानों को बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। नाइट कर्फ्यू भी लगाया गया है। शाम को बाजार खाली होने के बाद नगर निगम दवा का छिड़काव कर रहा है। अब रोजाना शहरी क्षेत्र में भी दवा छिड़की जाएगी।।

दो डोज लगवा चुके हेल्थ केयर वर्कर को मिला प्रमाणपत्र व दो हजार रूपये

वाराणसी। जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा के निर्देशन में कोरोना की दो डोज़ लगवा चुके हेल्थ केयर वर्कर एवं फ्रंट लाइन वर्कर में से विश्व स्वास्थ्य संगठन के अवसर पर लकी ड्रॉ में चयनित लाभार्थियों का पुरस्कार वितरण किया गया था । शनिवार को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन जिला महिला चिकित्सालय में किया गया । इस अवसर पर डॉ मंजू सिंह ;स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञद्ध द्वारा चार लाभार्थियों को टीकाकरण प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया गया। चारों लाभार्थियों में प्रत्येक को पुरस्कार स्वरूप 2000 रुपये की धनराशि इनके खाते में सीधे ट्रांसफ़र की जायेगी। पुरस्कार वितरण के इस अवसर पर डॉ मंजू सिंह ने कहा कि इस महामारी के दौर में टीका सभी लोगों को लगवाना चाहिए तथा इसके साथ ही साथ कोविड.19 प्रोटोकाल का पालन करते रहना चाहिएए जिससे आप स्वस्थ और सुरक्षित रह सकेंगे। इस अवसर पर पुरस्कार विजेता तेंदुई सेवापुरी निवासी एएनएम पूनम गुप्ता ने कहा कि सभी लोगों को टीकाकरण में बढ़.चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए जिससे वह स्वस्थ और सुरक्षित रह सकेंगे और समाज का विकास होगा। पुरस्कार विजेता पशुपति नाथ सिंहए एसआईए सीआइएसएफ कॉलोनीए बाबतपुर ने कहा कि पूरे समाज को कोरोना जैसे महामारी से बचाने के लिए मैं सरकार के इस अभूतपूर्व प्रयास की भूरि.भूरि प्रशंसा करता हूँ और सभी जनमानस से अपील करता हूँ कि सब लोग टीका जरूर लगवाएँ।

क्विक न्यूज

तीसरे दिन 60 अग्रवाल बन्धुओं ने लगवाया वैक्सीन

वाराणसी। कोरोना के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए इससे बचाव के लिए रविवार को श्री अग्रसेन सेवा संस्थानए वाराणसी द्वारा 45 वर्ष तक के अग्रवाल बंधुओं के लिए आयोजित निःशुल्क कोविड वैक्सीन शिविर के तीसरे दिन मेडविन हॉस्पिटल मैदागिन में वैक्सीनेशन के लिए लोग उमड़ पड़े। जहां 60 लोगों को वैक्सीन का पहला टीका लगाया गया। सूच्य हो कि यह शिविर 10 अप्रैल तक चलेगा।इस मौके पर लोगों ने कहा कि कोरोना संक्रमण एक बार फिर बड़ी तेजी से पांव पसारने लगा है। ऐसे में श्री अग्रसेन सेवा संस्थान द्वारा आयोजित वैक्सीनेशन का यह प्रयास प्रसंशनीय है। जहां लोगों को सुविधाजनक एवं सुरक्षित तरीके से लोग वैक्सीनेशन करा पा रहे है। इस अभियान के संयोजक अनिल कुमार जैनए श्री अग्रसेन सेवा संस्थान के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल कर्णघंटा, प्रधानमंत्री हरेकृष्ण रस्तोगी और उनके सहयोगी बधाई के पात्र है जो निरन्तर लोगों को वैक्सीन लगवाकर कोरोना संक्रमण से सुरक्षित होने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है। शिविर के संयोजक अनिल कुमार जैन ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में बहुत तेजी से लोग कोरोना संक्रमित होने लगे है।

आग लगने से गृहस्थी का सामान जलकर राख

चहनियां/चन्दौली । बलुआ थाना क्षेत्र के मारूफपुर चौकी अन्तर्गत ग्राम पंचायत शेरपुर सरैया के भूसौला गांव में बीते शुक्रवार की देर रात जीयन यादव व ओमप्रकाश यादव पुत्रगण लालता यादव के रिहाइशी छप्पर में अज्ञात कारणों से लगी आग से जीवनोपयोगी घर गृहस्थी के सभी सामान जलकर राख हो गए तथा दो भैंसे व एक गाय भी बुरी तरह झुलस गयी। जिससे पीड़ित परिवार के लोग खुले आसमान के नीचे जीवन जीने को विवश है। भूसौला निवासी जीयन यादव व ओमप्रकाश यादव गांव में ही छप्पर नुमा मकान बनाकर परिजनों के साथ जीवन व्यतीत करते है।उनके आमदनी का मुख्य स्रोत कृषि व पशुपालन है।शुक्रवार की देर रात करीब 12रू30 बजे उनके रिहायशी छप्पर में से आग की लपटें निकलने लगी। छप्पर में ही सो रहे परिवार के लोग लपटे देखकर शोर मचाते हुए बाहर भागे।शोर सुनकर गांव के लोग कड़ी मेहनत करके आग बुझाई तब तक छप्पर में रखी घर गृहस्थी के सामान सहित कपड़े अनाज सब जलकर खाक हो गए तथा दो भैंसे और एक गाय भी बुरी तरह झुलस गयी।

नामांकन में जुलूस लेकर आने वालों पर होगी कार्रवाई: चुनाव अधिकारी

सकलडीहा/चन्दौली। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और नामांकन को लेकर तैयारी जोर शोर से शुरू है। इस क्रम में जहां विभागीय अधिकारियों का प्रशिक्षण शुरू है। वही दूसरी ओर नामांकन को लेकर शुक्रवार को चुनाव अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा ने कोरोना गाइड लाइन और चुनाव आचार संहिता का सख्ती से पालन कराने का निर्देश जारी किया है। आगामी 13 और 15 अप्रैल को सुबह 8 बजे से 5 बजे तक नामांकन होगा। विकास खंड में कुल 104 गांव के तेरह न्याय पंचायत है। न्याय पंचायत स्तर पर नामांकन की प्रक्रिया उम्मीदवारों द्वारा कराया जायेगा। नामांकन के दिन मास्क पहनकर प्रत्याशी और एक प्रस्तावक को अंदर प्रवेश दिया जायेगा। नामांकन स्थल से 200 मीटर की परिधि में चुनाव और कोरोना गाइड लाइन का सख्ती से पालन कराया जायेगा। जुलूस लेकर आने वाले उम्मीदवारों की वीडियों रिकार्डिंग कराकर कोरोना गाइड लाइन और चुनाव आचार संहिता के तहत मुकदमा दर्ज कराया जायेगा।

सकलडीहा ब्लॉक में 200 उम्मीदवारों ने खरीदा पर्चा

सकलडीहा/चन्दौली। सकलडीहा ब्लॉक में शनिवार को सातवें दिन कुल 200 उम्मीदवारों ने नामांकन पर्चा खरीदा। इस दौरान नोड्यूज और नामांकन फार्म लेने के लिये उम्मीदवारों की भीड़ लगा रहा। इस दौरान सभी एआरओ को नामांकन को लेकर प्रशिक्षण चुनाव अधिकारी द्वारा दिया गया। सकलडीहा ब्लॉक में शनिवार को प्रधान पद के आरक्षित वर्ग के 20 और अनारक्षित वर्ग के 1 उम्मीदवारों ने नामांकन खरीदा। वही क्षेत्र पंचायत सदस्य के लिये आरक्षित वर्ग के 10 और 02 अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवारों ने पर्चा खरीदा। ग्राम पंचायत सदस्य के लिये आरक्षित वर्ग के 149 और अनारक्षित वर्ग के 18 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र खरीदा। इस प्रकार कुल 200 उम्मीदवारों ने नामांकन खरीदा। इस बाबत चुनाव अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा ने बताया कि कुल 200 नामांकन पत्र विक्रय किया गया। इस मौके पर सहायक चुनाव अधिकारी राजेश कुमार सिंह, अभिषेक सिंह, पवन दूबे, राम सिंह, दुर्गेश सिंह, रणजीत सिंह, संजय यादव, सुभाष चन्द्र भारती सहित अन्य मौजूद रहे।

शांतिभंग के आरोप में तीन का चालान

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय पुलिस ने शांतिभंग करने के आरोप में ग्राम सभा बीजपुर के टोला राय कालोनी निवासी दो पक्षों के कुल तीन आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार करने के उपरांत अग्रीम कार्रवाई हेतु उन सभी को सम्बंधित न्यायालय में पेश किया।चालान किए गए आरोपियों में प्रथम पक्ष की उषा पत्नी रूपम व द्वितीय पक्ष के सपना पत्नी रमेश भारती व विनय पुत्र रमेश भारती के नाम शामिल हैं। तीनो आरोपियों के बीच किसी बात को लेकर आपस में कहासुनी व गाली गलौज हुआ था।

ट्रिपलआईटी में तीन दिवसीय अपरोक्ष तकनीकी उत्सव शुरू

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद का तीन दिवसीय तकनीकी उत्सव अपरोक्ष शुक्रवार से ऑनलाइन मोड में शुरू हुआ। जिसमें देश के विभिन्न तकनीकी संस्थान के प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं।पहले दिन कैलिफोर्निया स्थित गेंडा प्रौद्योगिकी कंपनी टेकियन कॉर्प के संस्थापक और सीईओ जय विजयन ने टेस्ला इंक के लिए मुख्य सूचना अधिकारी सीआईओ के रूप में प्राप्त अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने टेस्ला के दौरान किये गए सूचना प्रणाली और बुनियादी ढाँचे के विकास कार्यान्वयन और परिवर्तन के नेतृत्व की बराकियों को समझाया। स्टॉक ट्रेडिंग डिकोड मिस्टर गोगलर हम्बलफूल टॉपकोडर और आईपीएल बिडिंग सहित कई ऑनलाइन कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। अभिषेक उपमन्यु द्वारा स्टैंडअप का प्रदर्शन किया गया। जबकि विनोद खोसला ने अपने अनुभव को साझा किया। अनु जैन ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्सव के दुसरे दिन शनिवार को लोकप्रिय कार्यक्रम वेबक्रिटी प्रो.अरुडिनो ऑल डे टॉपबॉट नोवा प्रोगफेस्ट वैलोरेंट सी प्रेश हैकरअर्थ और इलेक्ट्रोबुज मुख्य आकर्षण होंगे। जबकि जीडी बख्शी मुख्य वक्ता संबोधित करेंगे।उत्सव के अंतिम दिन रविवार को प्रमुख प्रतियोगिता जैसे सर्किट डिबगिंग गीथरो जीथूब कोडरेड कोडफोर्स ग्रेहाउंड फाइनल लैंग चैलेंज मिनिमलमेनिया और सबमिशन संपन होगी। उसी दिन शाम को तकनीकी विशेषज्ञ विराज घेलानी अपने पेशेवर अनुभव साझा करेंगे। पीआरओ पंकज मिश्र ने बताया कि आकाश गुप्ता स्टैंडअप प्रस्तुत करेंगे। रात में प्रतिभागियों के लिए दो प्रमुख ऑनलाइन इवेंट्स प्रोगफेस्ट वलोरंट और अल्ग्वारिज्म का आयोजन किया जाएगा।

'चुनाव में खलल पैदा करने वाले बख्शे नहीं जाएंगे'

● बछौली व अमादपुर सहित अन्य गांवों में डीएम ने लगाई चौपाल

संवाददाता। सकलडीहा/चन्दौली

पंचायत चुनाव में खलल डालने वालों पर जिला प्रशासन की नजर है । चुनाव के दौरान उपद्रव करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा । उक्त बातें पंचायत चुनाव के मद्देनजर सकलडीहा तहसील के बछौली व अमादपुर सहित अन्य गाँवो में जन चौपाल लगाकर मतदान को स्वतंत्र निष्पक्ष व शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी संजीव सिंह व पुलिस अधीक्षक अमीत कुमार ने गांव के लोगो से अपील करते हुये मतदान के प्रति जागरूक किया।

डीएम और एसपी ने चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पूर्व प्रधानए ग्रामीणोंए निर्वतमान प्रधान एवं आगामी चुनाव में प्रतिभाग करने वाले प्रत्याशियों के साथ चर्चा कर उन्हें चुनाव आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन से अवगत कराया । डीएम ने कहा कि जिस तरह से पर्व मनाया जाता है ए वैसे ही आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ चुनाव में भी प्रतिभाग करे । चुनाव को लेकर ए सोशल मीडिया में या स्थानीय क्षेत्र में कहीं कोई समस्या आये तो तत्काल थाने को सूचित करेंए ताकि समय रहते हुये समस्या का समाधान किया जा सके। संवेदनशील व अतिसंवेदनशील गांवों में चौपाल के माध्यम से लोगों को शाति पूर्वक मतदान करने की अपील की। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी नागरिकों से अपील करते हुये कहा कि बिना किसी लालच ध् प्रलोभन में आये अपने मत का प्रयोग करें । अगर कोई धमकी या प्रलोभन देता है तो उसकी तत्काल सूचना देंए जिससे कार्यवाही की जा सके । जिलाधिकारी ने कहा कोरोना माहामारी से बचकर मतदान करें एक दुसरे से दो गज दूरी जरूर बनाये रखे । मास्क का प्रयोग करें ए सैनेटाइजर या साबुन से हाथों को समय समय पर धोते रहे । यदि किसी व्यक्ति में कोविड के लक्षण मिल रहे हो तो तत्काल नजदीकी अस्पताल में उपचार कराये । जिलाधिकारी संजीव सिह ने बताया कि पंचायत चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है और संवेदनशील व अतिसंवेदनशील गावों में चौपाल लगाकर पंचायत चुनाव कराने को लेकर प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है ।

विश्वनाथ मंदिर के पक्षकार को मिली सुरक्षा: एडिशनल सीपी

वाराणसी। स्वयंभू लार्ड विश्वेश्वर के पक्षकार हरिहर पांडेय को फोन पर जान से मारने की धमकी मिलने के बाद पुलिस महकमा सतर्क हो गया है। वहीं अभी तक इस मामले में तहरीर न मिलने पर एडिशनल ब्च् मुख्यालय एवं अपराध अखिलेश कुमार ने मोबाइल की सीडीआर से अपने स्तर पर जांच की बात कही है। गुरूवार को सिविल जज फास्ट ट्रैक कोर्ट के द्वारा स्वयंभू लार्ड विश्वेश्वर.ज्ञानवापी मस्जिद मामले में सुनवाई करते हुए स्वयंभू लार्ड विश्वेश्वर के पक्षकार हरिहर पांडेय के पक्ष में फैसला सुनाते हुए ंप् से मस्जिद परिसर के सर्वे का आदेश पारित किया था। हरिहर पांडेय के अनुसार इस मामले में फैसले के बाद जब वो घर पहुंचे तो उन्हें धमकी भरा फोन आया और जान से मारने की धमकी दी गयी।

इस सम्बन्ध में एडिशनल कमिश्नर मुख्यालय एवं अपराध अखिलेश कुमार ने बताया कि हरिहर पांडेय जी को धमकी देने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसपर हमारे अवधेश पांडेय ने उनसे जाकर मुलाक़ात की है। उनके द्वारा जो बात बताई गयी है उसपे हम लोग मोबाइल का सीडीआर निकालकर जांच कर रहे हैं। तब तक उन्हें के सुरक्षाकर्मी उपलब्ध करा दिया गया है। एडिशनल कमिश्नर अखिलेश कुमार ने बताया कि जैसे ही हमारे पास तथ्यात्मक जानकारी आ जाएगी हम समुचित और उचित कार्रवाई करेंगे। अभी तक हमें कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। नाही उन्होंने किसी भी प्रकार की कोई रिकार्डिंग मुहैया कराई है। हम जांच कर रहे हैं और सुरक्षाकर्मी उपलब्ध करा दिया गया है। एडिशनल कमिश्नर अखिलेश कुमार ने बताया कि जैसे ही हमारे पास तथ्यात्मक जानकारी आ जाएगी हम समुचित और उचित कार्रवाई करेंगे। अभी तक हमें कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। नाही उन्होंने किसी भी प्रकार की कोई रिकार्डिंग मुहैया कराई है। हम जांच कर रहे हैं और सुरक्षाकर्मी उपलब्ध करा दिया गया है।

भाजपा कार्यकर्ता पंचातय चुनाव में अपनी भूमिका का करें निर्वहन

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी की बैठक भाजपा जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई बैठक में बतौर मुख्यअतिथि काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष दिलिप सिंह पटेल मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे व संचालन जिला महामंत्री रामसुन्दर निषाद ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि दिलिप सिंह पटेल ने कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार से अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक खुशहाली और विकास पहुंचाने के लिए पार्टी पंचायत चुनाव में अपनी पूरी शक्ति के साथ सहभागिता कर रही है भारतीय जनता पार्टी परिवारवाद वंशवाद जातिवाद से उपर उठकर राष्ट्रवाद के बारे में सोचती है पंचायत चुनाव के माध्यम से ऐसे कार्यकर्ताओं का निर्माण भी हो सकेगा जो राष्ट्र निर्माण व विकास के लिए कार्य करना चाहते है उन्होने कार्यकर्ताओं से आवाहन किया कि वे पंचातय चुनाव में अपनी भूमिका का निर्वहन करें।बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी के0के0सिंह ने कहा कि पंचायत चुनाव का बिगुल बज चुका है कोई चुनाव छोटा नही होता सभी चुनाव बड़ा होता है कार्यकर्ता पूरे मनोयोग से लगे मतदाता सूची के हर पन्ने के हिसाब से पन्ना प्रमुख बनाकर उस पन्ने पर दर्ज सभी मतदाताओं से पन्ना प्रमुख सिर्फ संपर्क मे रहे भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है कार्यकर्ताओं के बल पर ही अभी तक सभी चुनाव जीतती आयी है निश्चित रुप से पंचायत चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी पूरे जनपद में परचम लहरायेगी।बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने कहा कि जिले के सभी 31 जिला पंचायत सदस्य के चुनाव के लिए पार्टी के द्वारा अपने समर्थित प्रत्याशियों की घोषणा कर दी गई है जनता भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को जीताकर पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार करे। मुख्यअतिथी को जनपद के 31 भाजपा समर्थित प्रत्याशियों से परिचय कराते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के बल पर एक बार पुन: पंचायत चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का परचम पूरे जनपद में लहरायेगा।

ट्रेनों में सीटों की उपलब्धता का नहीं है कोई संकट: जीएम रेलवे

● महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने विनय कुमार त्रिपाठी कोविड 19 संबंधी व्यवस्थाओं और ट्रेनों में सीट की उपलब्धता की दी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

प्रेसवार्ता करते जीएम रेलवे विनय कुमार त्रिपाठी

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे विनय कुमार त्रिपाठी ने कोविड 19 के प्रसार को रोकने के लिए रेलवे द्वारा की गयी व्यवस्था और ट्रेनों में सीट उपलब्धता की कमी के बारे में फैलाई जा रही अफ्वाहों को तुरंत रोकने के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंस से मीडिया से मुखातिब हुए।

संवाददाताओं से बातचीत में जीएम श्री त्रिपाठी ने बताया कि ट्रेनों में सीटों की उपलब्धता का कोई संकट नहीं है। वर्तमान में उत्तर मध्य रेलवे में 82 जोड़ी ओरिजनेटिंग टर्मिनेटिंग ट्रेनें परिचालित हैं। जिनमें 49 आरक्षित और 33 अनारक्षित ट्रेनें शामिल हैं। इसके अलावा उत्तर मध्य रेलवे में ठहराव के साथ 272 जोड़े पासिंग ट्रेन भी इस क्षेत्र के यात्रियों के लिए उपलब्ध हैं। बताया कि मुंबई क्षेत्र को जोड़ने वाली उत्तर मध्य रेलवे पर ओरिजनेटिंग टर्मिनेटिंग ट्रेने हैं। जिसमें झांसी बांद्रा टर्मिनस त्रि साप्ताहिक प्रयागराज लोकमान्य तिलक टर्मिनस दुरंतो एक्सप्रेस प्रयागराज लोक मान्य तिलक टर्मिनस कानपुर छत्रपति शिवाजी टर्मिनस साप्ताहिक विशेष कानपुरनबांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक एक्सप्रेस आगरा कैंट लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक एक्सप्रेस हैं। इसके अतिरिक्त मुंबई क्षेत्र को जोड़ने वाली 25 जोड़ी पासिंग ट्रेनें उत्तर मध्य रेलवे परिक्षेत्र को सेवित कर रही हैं। जीएम ने बताया कि उत्तर मध्य रेलवे द्वारा कोविड 19 से संबंधित व्यवस्थाएं हैं। बताया कि सभी प्रमुख स्टेशन ऑटो स्कैनर सामाजिक दूरी आदि सभी संबंधित व्यवस्थाओं का प्रावधान किया गया है। स्टेशनों पर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित आवश्यक थर्मल जाँच आदि की जा रही है। उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख स्टेशनों पर संपर्क रहित टिकट जाँच व्यवस्था बैगेज सेनिटाइजेशन कोविड 19 किट बिक्री केंद्र कियोस्क आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। महाप्रबंधक विनय कुमार त्रिपाठी ने यात्रियों से ट्रेनों में यात्रा करते समय आवश्यक कोविड 19 प्रोटोकॉल का पालन करने और रेलवे कर्मियों को कर्तव्यों का पालन में सहयोग की अपील की है।

साहित्यिक संस्था सोन संगम का स्थापना दिवस मना

संवाददाता। बीजपुर/सोनभद्र

साहित्यिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था सोन संगम ने कोविड-19 के कारण सामाजिक दूरियों का पालन करते हुए शुक्रवार की सायं अपना स्थापना दिवस समारोह मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कार्यक्रम के शुरुआती दौर में संस्था के सचिव डॉ0 माणिक चंद पाण्डेय ने अपने संबोधन में संस्था का परिचय तथा उपलब्धियों के बारे बताते हुए कहा कि यह संस्था साहित्यिक उन्नयन प्रतिभा सम्मान सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण तथा सामाजिक सारोकार के प्रति सजग है। नर सेवा नारायण सेवा की भावना तब और भी जवाबदेही की मुखपेक्षी हो जाती है जब स्वयं सेवी संस्थाएं अपनी जिम्मेदारियों को भूल कर रोजगार एवं जीविकोपार्जन का साधन बन जाती है। अपने अल्प समय में सोन संगम के द्वारा जितने भी कार्य किए जा चुके हैं वे संतोषप्रद है। संस्था की इन उपलब्धियों के मूल में हमारी संस्था से जुड़े सदस्यों की भूमिका विशेष महत्वपूर्ण है। नैतिक समर्थन ही सोन संगम की आत्मा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विनय कुमार अवस्थी अपर महाप्रबंधक तकनीकी सेवाएं एनटीपीसी शक्तिनगर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि सोन संगम के द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के प्रति मैं अपना पारितोषिक व्यक्त करता हूं। इस समूह से जुड़े लोगों का सहयोग त्याग इच्छा शक्ति एवं उत्साह की उन्होंने हार्दिक प्रशंसा की। इसी क्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए राजेंद्र नारायण दुबे ने कहा कि आज के युग में भी यदि सच्चे मन से सेवा की इच्छा हो तो कुछ भी असंभव नहीं है बशर्ते इच्छाशक्ति बलवती होनी चाहिए। उनका कहना था कि आज भी मानवता को बचाने की आवश्यकता है।इस अवसर पर संस्था की ओर से बलराम बेलवंशी राजेंद्र नारायण दुबे एवं बाहर बनारसी को प्रशस्ति पत्र उत्तरीय एवं नारियल देकर सम्मानित किया गया। तथा इन लोगों के द्वारा संस्था के प्रति किए गए कार्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। उपस्थित कवि माहिर मिर्जापुरी शोभनाथ यादव रोहित त्रिपाठी बहर बनारसी बलराम बेलवंशी द्वारा काव्य पाठ किया गया जिस का संचालन डॉ योगेंद्र मिश्र ने किया।कार्यक्रम में प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय शक्तिनगर रविंद्र राम राजीव कुमार सुरेंद्र द्विवेदी, डॉ अनिल कुमार दुबे डॉ छोटेलाल राकेश दीक्षित मुकेश कुमार मनीष जायसवाल मनोज गौतम अच्छेलाल हाजी वकील अहमद अंसारी बिना सौम्या रीता शिवकुमारी गुड़िया आदि के साथ साथ अन्य लोग उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष उमेश चंद जायसवाल के द्वारा किया गया।

पूर्व सांसद श्यामाचरण गुप्ता के निधन पर भाजपाइयों ने जताया शोक

● सांसद रीता जोशी भाजपा महानगर अध्यक्ष आदि ने जताया शोक

प्रयागराज। पूर्व सांसद श्यामाचरण गुप्त के निधन पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की है। डा मुरली मनोहर जोशी ने उनके निधन पर गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि श्री गुप्त एक अत्यंत सरल और मधुर स्वभाव के व्यक्ति थे। जिन्होंने व्यावसायिक और राजनीति में समन्वय स्थापित करते हुए सुचिता पूर्ण जीवन जिया। पूर्व राज्यपाल केशरी नाथ त्रिपाठी ने गुप्त के निधन को अपूरणीय क्षति बताया।

शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में सांसद विनोद सोनकर नीलम करवरिया हर्षवर्धन बाजपेई डा यज्ञदत्त शर्मा अनामिका चौधरी अभिलाषा गुप्ता प्रभाशंकर पाण्डे संतोष पटेल नरेंद्र देव पाण्डे राघवेंद्र मिश्र रामरक्षा द्विवेदी देवेन्द्र नाथ मिश्र निर्मला पासवान कमलेश कुमार रणजीत सिंह संतोष जैन सतीश अग्रवाल राजेंद्र मिश्र शशि वार्ष्णेय मुरारी लाल अग्रवाल लल्लू लाल कुशवाहा डा एलएस ओझा कृतिका अग्रवाल आशुतोष पाण्डे जयवर्धन त्रिपाठी श्यामप्रकाश पाण्डेय अनुपम मिश्र आलोक चतुर्वेदी आदि रहे। पूर्व सांसद एवं पूर्व नगर प्रमुख श्यामाचरण गुप्ता का बीती रात नई दिल्ली स्थित मैक्स अस्पताल में निधन हो गया। इलाहाबाद सांसद प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। कोरोना से संक्रमित श्यामाचरण को बेहतर इलाज के लिए नई दिल्ली ले जाया गया था। वहां भी उनकी हालत लगातार चिंताजनक बनी हुई थी। शुक्रवार शाम स्थिति गंभीर होने पर उनको वेंटीलेटर पर रखा गया था। रात 12 बजे उनका निधन हो गया। श्याम ग्रुप के संस्थापक श्यामाचरण गुप्ता 2004 में समाजवादी पार्टी और 2014 में इलाहाबाद लोकसभा सीट से भाजपा के सांसद बने थे। सांसद बनने से पहले श्यामाचरण गुप्ता शहर के नगर प्रमुख भी रहे।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मेरे पति ई0एक्स0एन0के0 स्व0 चिंतामणि नि0ग्रा0 रामपुर सकरवारी थाना बेवाना अकबरपुर अम्बेडकरनगर के ऑर्मी नं0 14910736एम रिकॉर्ड में मेरा नाम गलती से विमला सिंह दर्ज हो गया है जबकि सही नाम विमलेश सिंह है इसी नाम से जाना पहचाना जाय।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम Haider Mehdi था जो अब बदलकर Haider Mehdi Kazmi हो गया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। Haider Mehdi Kazmi S/o Simamat Husain Kazmi 257, Rani Mandi Allahabad.

आवश्यकता है

आवश्यकता है

स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत सत्यदेव डिग्री कालेज, गाधिपुरम् (बोरसिया) फदनपुर–गाजीपुर में स्नातक स्तर पर शिक्षा संकाय के बी0एड0 विभाग में 13 प्रवक्ताओं की एवं स्नातक स्तर पर ही कला संकाय के बी0ए0 में अतिरिक्त विषय संस्कृत, उर्दू, समाजशास्त्र, संगीत (गायन) व स्नातकोत्तर स्तर पर वाणिज्य संकाय में (एम0कॉम) में प्रवक्ताओं की।

योग्यता एवं वेतनमान NCTE/UGC/ विश्वविद्यालय परिनियमावली एवं उ0प्र0 शासन के मानकानुसार/योग्य अभ्यर्थी 21 दिनों के भीतर आवेदन करें।

प्रबन्धक
7704905302

आवश्यकता है

आवश्यकता है

स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत डॉ0 राम मनोहर लोहिया डिग्री कालेज, अध्यात्मपुरम्, ढोटारी–गाजीपुर में स्नातक स्तर पर शिक्षा संकाय के बी0एड0 विभाग में प्रवक्ताओं की एवं कला संकाय के अन्तर्गत एक प्राचार्य एवं हिन्दी, संस्कृत, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, गृहविज्ञान, शिक्षाशास्त्र एवं स्नातकोत्तर स्तर पर हिन्दी, गृहविज्ञान, शिक्षाशास्त्र, भूगोल, समाजशास्त्र विषयों में प्रवक्ताओं की। योग्यता एवं वेतनमान एन0सी0टी0ई0/विश्व. विद्यालय परिनियमावली/यू0जी0सी0 एवं उ0प्र0 शासन के मानकानुसार/योग्य अभ्यर्थी 21 दिनों के भीतर आवेदन करें।

नोट : दिनांक 02, 03 व 04 अप्रैल 2020 के विज्ञापन के क्रम में जिन्होंने आवे. दन कर दिया है, उन्हें पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

प्रबन्धक
मो0– 7704905302

WANTED

SKV EDUCATIONS
Bansura, Rampur Mathura, Sitapur
VACANCY FOR B.A. & B.Sc. Course
Assistant Professor for B.Sc. (Botany/Chemistry/ Maths/ Physics/Zoology) : 01 Post for each subject
Assistant Professor for B.A. (History/Education/Hindi/ Geography/Home Science/ Political Science/Sociology): 01 Post for each subject
Qualification, Experience & Percentage as per state govt. & lucknow university norms. Applicants must apply within 15 days to Manager, SKV Educations, 35 Patel Nagar-A, Near Sec.-9, Indira Nagar, Lucknow. Contact : 8528175859 E-mail: skveducations@gmail.com.

आवश्यकता है

आवश्यकता है

राम लखन महाविद्यालय, जामडीह, मऊ सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में स्ववित्त पोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय के अतिरिक्त विषय उर्दू 01 पद, अंग्रेजी 01 पद, शिक्षाशास्त्र 01 पद, ललितकला 01 पद व स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के हिन्दी 02 पद, संस्कृत 02 पद, समाज शास्त्र 02 पद, राजनीतिशास्त्र 02 पद, भूगोल 03 पद, गृह विज्ञान 03 पद एवं स्नातकोत्तर स्तर पर विज्ञान संकाय के गणित 02 पद, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान 03-03 प्रवक्ताओं की आवश्यकता है। योग्यता व वेतनमान यूजीसी रेगुलेशन/ उ.प्र. सरकार/ विश्वविद्यालय परिनियमावलीनुसार। उपरोक्त विषयों में इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति, आधार कार्ड तथा नवीनतम पासपोर्ट साइज के दो फोटो के साथ विज्ञापन तिथि से 21 दिनों के अन्दर महाविद्यालय के पते पर प्रबन्धक के पदनाम से आवेदन करें।
प्रबन्धक, मो. 9628155351, 9450624529

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

प्रधान पद के उम्मीदवार निकले कोरोना पॉजिटिव

● ट्रैवल हिस्ट्री खंगालने में जुटी पुलिस

● पंचायत चुनावों की गहमागहमी के बीच लोगों की लापरवाही पर कोरोना पड़ रहा भारी

संवाददाता। सिरौलीगौसपुर बाराबंकी

विना मास्क प्रचार करते सपा उम्मीदवार व जांच करती मेडिकल टीम — पायनियर

पंचायत चुनावों की गहमागहमी के बीच लोगों की लापरवाही पर कोरोना भारी पड़ने लगा है।आम आदमी के साथ ही पंचायत चुनाव लड़ने वाले लोग भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। इस माह विकासखंड सिरौलीगौसपुर क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक लोग अब तक कोरोना की चपेट में आ चुके हैं।वहीं कुछ लोग इस बीमारी की चपेट में आकर काफी गंभीर रूप से बीमार है। जिनका उपचार अस्पतालों में चल रहा है। शुक्रवार को जिले से आयी कोरोना रिपोर्ट में ग्राम पंचायत मैलारायगज में प्रधान पद के उम्मीदवार नादिर हाशमी कोरोना पॉजीटिव पाए गए हैं इनका लखनऊ के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है।इनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद गांव में हड़कंप मच गया । स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शनिवार को गांव पहुंच कर कोरोना प्रोटोकॉल के तहत आवश्यक कार्यवाही करते हुए इनकी ट्रैवल हिस्ट्री खंगालने में लगी हुई है। नादिर हाशमी बीते कई दिनों से बीमार थे 2 दिन पूर्व इनकी अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजनों इन्हें लखनऊ के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया । जहां इनकी कोरोना जांच कराई गई जिसमें इनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा इनके परिवार के लोगों की जांच की गई।बताते चलें पंचायत चुनाव में उम्मीदवारों द्वारा बरती जा रही लापरवाही उम्मीदवारों के साथ ही आम लोगों को भी भारी पड़ सकती है।उम्मीदवार बिना किसी कोरोना प्रोटोकॉल के ही दर्जनों लोगों के साथ एक गांव से दूसरे गांव डोर टू डोर वोट मांग रहे हैं।

अलग-अलग स्थानों पर आग लगने से हजारों का नुकसान

संवाददाता। जगदीशपुर, अमेठी

अलग-अलग जगहों पर अज्ञात कारण से लगी आग से हजारों का माल जलकर राख हो गया वही ग्रामीणों की कड़ी मेहनत से आग पर काबू पाया गया। जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के सरेसर ग्राम सभा मे अज्ञात कारण से लगी आग से रामसुख एसुखदेवएरामरूप आदि की खड़ी गेहू की पांच बीघा फसल जल कर राख हो गई सूचना पर पहुची फायर बिग्रेड की टीम व ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया वही दूसरी घटना थाना कमरौली के मदुपुर में दोपहर लगभग बारह बजे अज्ञात कारण से लगी आग से इंसाद आदि की मशीन से कटने के बाद बची नरई लगभग चार बीघे की जल राख हो गई बगल स्थित सुखलाल की बॉस गोठी व ननकाऊ, प्रताप, पितंबर, राम प्रकाश आदि का खाद गड्डा भी जलकर राख हो गया सूचना पर पहुची फायर बिग्रेड व ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

मरीज की मौत के बाद रात में चार घंटे तक चला स्वास्थ्य केंद्र पर हाई वोल्टेज ड्रामा

संवाददाता। मिल्कीपुर, अयोध्या

हैरिंग्टनगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर बीती रात एक मरीज की मौत पर कई घंटों तक हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। काफी पुलिस फोर्स और गणमान्य लोगों के समझाने.बुझाने के बाद मामला शांत हुआ। पीड़ित पक्ष किसी भी मायने में अस्पताल परिसर से मृतक का शव ले जाने के पक्ष में नहीं था। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में घंटों मरीज तड़पता रहा और स्वास्थ्य केंद्र पर कोई भी डॉक्टर मौजूद नहीं था। यहां तक कि अस्पताल के कर्मी भी घंटों अनुनय विनय के बाद अपने कमरे से निकलकर स्वास्थ्य केंद्र पर नहीं पहुंचे। बताया गया कि शुक्रवार की रात ग्राम पाराताजपुर मजरे पूरे शादी का पुरवा निवासी कृष्णानंद राय ;55द्ध की अचानक तबीयत खराब हो गई। परिजन उनको लेकर इलाज के लिए रात करीब 9रू00 बजे पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैरिंग्टनगंज पर पहुंचे। जहां पर कोई भी चिकित्सक मौजूद नहीं था। परिजन इधर.उधर दौड़ते रहे। लेकिन कोई स्वास्थ्य कर्मचारी मरीज के पास तक आने को तैयार नहीं हुआ। परिजनों ने जब हंगामा मचाना शुरू किया तो अस्पताल परिसर में मौजूद स्वास्थ्य कर्मी स्वास्थ्य केंद्र पर आए। लेकिन तब तक मरीज की हालत काफी सीरियस हो चुकी थी। आनन.फानन में एंबुलेंस के लिए कॉल की गई। वह भी घंटो बीत जाने के बाद नहीं पहुंची। हंगामा बढ़ता देख स्वास्थ्य कर्मियों ने पुलिस को फोन किया। हालांकि पुलिस आधे घंटे के अंदर मौके पर पहुंच गई। इसी दरमियान समय से इलाज ना मिल पाने के कारण मरीज कृष्णानंद राय की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस परिजनों को समझाने बुझाने का प्रयास करने लगी। लेकिन परिजन काफी गुस्से में थे। वह कुछ भी मानने को तैयार नहीं थे। फिर थाने से भी अतिरिक्त पुलिस की व्यवस्था की गई। रात साढ़े 11 बजे जिले से प्रभारी चिकित्साधिकारी डाण् डीएन द्विवेदी को भी आना पड़ा। अधिकारियोंध् कर्मचारियों के घंटों मान मनौव्वल के बाद करीब 4 घंटे चले हंगामे को रात करीब 1रू00 बजे विराम लग सका। परिजनों का आरोप है कि हैरिंग्टनगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर एक बड़ी आबादी वाले क्षेत्र की स्वास्थ्य सुरक्षा का दायित्व है। लेकिन इसके बावजूद रात में कोई भी डॉक्टर यहां मौजूद नहीं रहता है। यही नहीं लोगों का यह भी आरोप है कि सारे डॉक्टर निजी क्लीनिक पर बैठते हैं। स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले मरीजों से भी वह प्राइवेट में दिखाने के लिए दबाव बनाते रहते हैं। इस बारे में हैरिंग्टनगंज के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर डीएन द्विवेदी से उनकी राय जानने के लिए कई बार फोन किया गया।

आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : एसडीएम

शिवगढ़,रायबरेली। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्वक एवं निष्पक्ष तरीके से सकुशल सम्पन्न कराने एवं प्रत्याशियों से आदर्श आचार संहिता का आक्षरसरू अनुपालन कराने को लेकर महराजगंज एसडीएम सविता यादव,क्षेत्राधिकारी रामकिशोर सिंह व शिवगढ़ थानाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार यादव ने थाना क्षेत्र के राजापुर सीवन व पुरासी में प्रत्याशियों के साथ बैठक की। बैठक की अध्यक्षता कर रही एसडीएम सविता यादव ने बैठक में उपस्थित ग्राम पंचायत सदस्य पद के उम्मीदवारों, क्षेत्र पंचायत सदस्य पद के उम्मीदवारों, ग्राम प्रधान पद के उम्मीदवारों व जिला पंचायत सदस्य पद के उम्मीदवारों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी प्रत्याशियों को आदर्श आचार संहिता का अनुपालन करना है। आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विदित हो कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत आदर्श आचार संहिता का सभी से अक्षरसरू अनुपालन कराने को लेकर महराजगंज एसडीएम सविता यादव, महराजगंज क्षेत्राधिकारी रामकिशोर सिंह,शिवगढ़ थानाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार यादव अभियान चलाकर गांव-गांव प्रत्याशियों के साथ बैठक कर रहे हैं। ताकि शांतिपूर्वक, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष व सुव्यवस्थित ढंग से मतदान सम्पन्न कराया जा सके। बैठक में उपस्थित सभी प्रत्याशियों को निर्देशित करते हुए एसडीएम सविता यादव ने कहा कि आदर्श आचार संहिता का पालन सभी के लिए अनिवार्य है किसी भी दशा में इसका उल्लंघन नहीं होना चाहिए अन्यथा सुसंगत धाराओं में कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कोई भी प्रत्याशी बगैर अनुमति के न ही किसी प्रचार वाहन का प्रयोग करेगा और न ही बगैर अनुमति के लाउडस्पीकर का प्रयोग करेगा। थानाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार यादव ने क्षेत्र के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि किसी के बहकावे अथवा लालच में बिल्कुल न आए सोच समझकर अपने बहुमूल्य मताधिकार का प्रयोग करें। इस मौके पर गुमावां पुलिस चौकी इंचार्ज कृष्ण चंद्र आदि लोग मौजूद रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष व प्रतिनिधि ने लगवाई वैक्सीन

● जनता से की अपील वैक्सीनेशन में बढ़ चढ़कर भाग लें

संवाददाता। रायबरेली

> **हमने** और नगर पालिका प्रतिनिधि ने आज कोरोनावायरस की वैक्सीन लगवाई है। हमारी आम जनता से यही अपील है मास्क का प्रयोग करें सामाजिक दूरी बनाकर रखें बेहद ही सतर्क रहें आपकी सतर्कता ही आपका बचाव है।
>
> **पूर्णिमा श्रीवास्तव, नगर पालिका अध्यक्ष रायबरेली**

नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा श्रीवास्तव व प्रतिनिधि मुकेश श्रीवास्तव ने कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लगवाई। उन्होंने लोगों से अपील की है कि बढ़-चढ़कर वैक्सीनेशन में भाग लीजिए मन में किसी भी तरह की भ्रांति ना पाले। वैक्सीन की डोज लेना बेहद ही जरूरी है। जिस तरह से कोविड-19 संक्रमण फैल रहा है उसमें बेहद ही सतर्कता के साथ रहे मास्क का प्रयोग करें सामाजिक दूरी का पालन करें। स्थिति को भाया वाह होने से हम आप ही बता सकते हैं। उन्होंने कहा नगर पालिका क्षेत्र में साफ-सफाई को भी लेकर काम तेजी से किया जा रहा है संक्रमण की योग को खत्म करने के प्रयास भी लगातार किए जा रहे हैं लेकिन सामाजिक दूरी और मास्क का प्रयोग जनता के हाथ में है। नगर पालिका अध्यक्ष एवं प्रतिनिधि ने कहा सरकार व्यापक रूप से प्रयास कर रही है कि जरूरतमंद लोगों को जल्द से जल्द वैक्सीनेशन हो। इसके लिए जन सहभागिता बेहद जरूरी है अस्पतालों में सावधानी पूर्वक वैक्सीनेशन कराएं अपने तय समय पर अगला वैक्सीन भी ले। उन्होंने जिला अस्पताल रायबरेली में वैक्सीनेशन करवाया और भविष्य के लिए उन्होंने उम्मीद की है कि जल्द से जल्द कोविड-19 संक्रमण कम हो और लोग उन्नति और तरक्की कर सकें।

क्विक न्यूज

पूर्व मंत्री की बेटी मां के लिए मांग रही हैं वोट

बसखारी, अम्बेडकरनगर। बहुजन समाज पार्टी ने जलालपुर उत्तरी पूर्वी से जिला पंचायत सदस्य पद अबकी बार पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व0 राम लखन वर्मा की पत्नी श्रीमती फूलादेवी को उम्मीदवार बनाया है। उनके समर्थन में उनकी बड़ी बेटी श्रीमती कुसुम कांति चौधरी गांव गांव में जाकर अपनी मां के लिए वोट मांग रही है और जितवाने की अपील के यह भी वादा कर रही हैं कि पहली बार राजनीति में कार्यकर्ता के रूप में आयी हूं और अब जनता के बीच में ही रहकर उनके सुख दुख भागीदार बनकर उनकी सेवा में लगी रहूंगी। आज उन्होंने नगपुर, अरई, मंगुराडिला आदि गांवों में जनसंपर्क किया। उनके साथ में सौरभ वर्मा, विवेक यादव, रितेश दुबे आदि लोग मौजूद रहे।

कोरोना संक्रमित दो लोगों की जान गई

लालगंज रायबरेली। कोरोना बीमारी से संक्रमित एक महिला समेत व्यक्ति कोरोना संक्रमित होने पर उसे एलटू हास्पिटल ले जाया गया था जहां दो लोगों की मौत हो गई। घर बनाकर पूरे मौहारी मजरे आलमपुर में रहता था। मूल रूप से पूरे चौन मजरे कुम्हड़ौरा गांव निवासी चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी रास्ते में ही मौत हो गई थी इसी प्रकार सलोन निवासी महिला को इलाज के लिए एलटू हास्पिटल लाया गया था जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दो दो मौतों से अस्पताल में भर्ती अन्य मरीजों में भय व्याप्त है। उल्लेखनीय है कि चार दिनों में आधा दर्जन कोरोना संक्रमितों की मौत हो चुकी है।

वृद्ध की बुखार और उल्टी होने पर मौत

ऊंचाहार। ऊंचाहार कोतवाली के गांव पूरे लोधन निवासी वृद्ध रामनाथ की बुखार आने के बाद उल्टीदस्त से पीड़ित होने पर परिजनो के द्वारा प्राथमिक उपचार हेतु प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां पर उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई है। जिनके मौत पर परिजनो में रो रोकर बुरा हाल है।

गाय चोरी करने गये छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। घास चर रही गाय को चोरी करके पकड़ ले जाते चोरों ने हल्ला गोहार मचाने पर गाय छोड़कर भाग गए। अलीगंज पुलिस ने तीन नामजद व तीन अज्ञात के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत किया है। वादनी श्रीमती गंगा देवी पत्नी छोटेलाल निवासी मोहल्ला काजीपुरा थाना अलीगंज ने बताया कि रोज की तरह वह अपनी गाय को तलवापार नाले के पास चरा रही थी कि साँय लगभग चार बजे में दरगाह गेट के पास पानी पीने चली गयी लौटी तो गाय वहाँ नही थी। इधर उधर देखा तो मेरी गाय को फरीद उर्फ बाबू पुत्र दोस्त मो0 निवासी तलवापार, बड़का,नेवरा पुत्र अज्ञात व तीन अज्ञात पकड़ कर ले जा रहे थे। शोर मचाने पर छोड़ कर भागे। अलीगंज पुलिस ने धारा 379,411 आई पी सी का मुकदमा पंजीकृत किया है। इस संदर्भ में अलीगंज थानाध्यक्ष यशवंत यादव ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

सब्जी व्यवसायी पर जानलेवा हमला

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। टाण्डा सब्जी मंडी से सब्जी बेच कर घर जा रहे व्यवसायी की आधा दर्जन लोगों ने जमकर पिटाई कर घायल कर दिया और उसकी जेब से गिरा मोबाइल भी लेकर चले गए। ग्रामीणों ने एक हमलावर को पकड़ भी लिया था जिसे बाद में छोड़ दिया। घटना कर्म के अनुसार बीते शुक्रवार को नितिन गुप्ता पुत्र गंगा राम निवासी ग्राम आलमपुर धनोरा टाण्डा से सब्जी बेच कर घर जा रहा था कि रास्ते मे हाइवे के पास ग्राम पुन्थर में विपक्षी रमेश वर्मा पुत्र त्रिभुवन निवासी ग्राम रसूलपुर मुबारकपुर व विपिन गुप्ता पुत्र दिनेश निवासी ग्राम चिंतौरा व अपने अन्य चार साथियों के साथ खड़े थे रोक कर गाली देने लगे मना करने पर मारे पीटे जिससे सर में चोट के अतिरिक्त हाथ की अंगुली टूट गयी । मारपीट के दौरान मोबाइल गिरने पर विपिन लेकर भाग गया। हल्ला गोहर पर गांव के लोग दौड़े और एक हमलावर रमेश को पकड़ लिया और बाद में छोड़ दिया। टाण्डा कोतवाली पुलिस ने सुस्संगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। इस संदर्भ में टाण्डा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि मामले में मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही हैं।

सड़क हादसे में मासूम की मौत

अम्बेडकरनगर। सड़क हादसे में मासूम की मौत मामले में आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग जाम कर दिया जिससे राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ी,सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझाने बुझाने का प्रयास किया बाद में मौके पर पहुंचे एसडीएम धीरेंद्र श्रीवास्तव तथा क्षेत्राधिकारी जगदीश लाल ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम खत्म कराया। लगभग 1 घंटे तक मुख्य मार्ग जाम रहने से वाहनों की कतार लग गई।मामला जिले के जहांगीरगंज थाना अंतर्गत मंसूरगंज गांव का है।जहां शुक्रवार की भोर में अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से गांव निवासी मासूम गोलू पुत्र मनोज मांझी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी ग्रामीणों का आरोप था कि सूचना के बाद डायल 112 पुलिस काफी विलंब से पहुंची जिससे ट्रक चालक भागने में सफल रहा। शनिवार की सुबह पोस्टमार्टम के उपरांत आक्रोशित ग्रामीणों ने नरियांव-बिड़हर मुख्य मार्ग जाम कर दिया जाम लगने से वाहनों की कतार लगी हुई थी।सूचना पर थानाध्यक्ष नागेंद्र सरोज मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने बुझाने का प्रयास किया।बाद में एसडीएम धीरेंद्र श्रीवास्तव क्षेत्राधिकारी जगदीश लाल मौके पर पहुंचकर जाम खत्म कराया।

दो स्थानों पर लगी आग से एक दर्जन घरों की गृहस्थी राख

संवाददाता। बाराबंकी

जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रो मे शनिवार को आग लगने से जहा एक दर्जन घरो की गृहस्थी जलकर खाक हो गयी वही 8 बीघे गेहूं की फसल भी जलकर नष्ट हो गयी जिससे किसान दाने दाने के लिये मोहताज हो गया है । हमारे सिद्धौर प्रतिनिधि के अनुसार असंद्रा थाना क्षेत्र में शनिवार को आग लगने से करीब 8 बीघे गेहूं की फसल जलकर राख हो गई स ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद बढ़ती आग पर काबू पा लिया सआगजनी की यह घटना थाना क्षेत्र के हाजीपुर गांव की है स बताया जाता है कि शनिवार को दोपहर के समय गेहूं के खेत में अचानक आग लग गई जब तक ग्रामीणों को इसकी जानकारी होती आग ने विकराल रूप धारण करते हुए आसपास के खेतों को भी अपनी आगोश में ले लिया स सैकड़ों की संख्या में किसानों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया हाजीपुर पुर निवासी फूलचंद यादव के खेत में खड़ा गेहूं करीब पांच बीघा जलकर राख हो गया वहीं दूसरी घटना थाना क्षेत्र के रानीबाग में शिवबरन व फुल्लर दिवेदी के यहां पर आग की चपेट से करीब तीन बीघा गेहूं जलकर खाक हो गया क्षेत्र में दो जगह अलग अलग आग लगने से किसानों के खेतों में खड़ी करीब 8 बीघे गेहूं की फसल जलकर राख हो गई स सूचना मिलने पर पहुंची पी आर वी पुलिस राजकुमार व राजेश कुमार ने भी इस आग को बुझाने ने काफी उपाय की पीड़ित द्वारा इसकी सूचना राजस्व विभाग को भी दी गई लेकिन खबर लिखने तक मौके पर कोई भी राजस्व प्रशासन नहीं पहुंचा था वहीं मौके पर पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के ब्लाक महामंत्री व बनीकोडर चतुर्थ जिला पंचायत सदस्य प्रत्यासी संजय कुमार पाण्डेय ने उच्च अधिकारियों से बात करते हुए किसान का हुआ नुकसान का मदद करने की अपील की और नुकसान का मुआवजा प्रशासन से दिलाने की बात कही। आग की दूसरी घटना थाना दरियाबाद क्षेत्र के पहरूपुर मजरा किटौली गांव में हुई । अज्ञात कारणों से लगी आग की वजह से 12 घर जलकर खाक हो गए और लाखों की संपत्ति भी जल कर राख हो गई आग लगते ही ग्रामीणों ने आग को बुझाने का काफी प्रयास किया लेकिन काबू नहीं पाया जा सका तब आग की सूचना फायर बिग्रेड विभाग को दी गयी जिस पर फायर बिग्रेड पहुंचने पर ग्रामीण व फायर बिग्रेड कर्मियों की मदद से आग पर काबू पाया गया बता दें कि दरियाबाद थाना क्षेत्र के पहरूपुर मजरा किटौली गांव में लोग अपने अपने घर में बैठे थे की अचानक एक घर में आग लग गई देखते देखते आग ने विकराल रूप ले लिया लोगों ने आग को बुझाने का भी प्रयास किया पर सफलता ना मिल सकी जब तक काफी नुकसान हो चुका था फायर ब्रिगेड व ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया तब तक 12 घरों की संपत्ति जलकर राख हो गई व एक युवती घायल हो गई थी जिसे बनीकोंडर सीएससी उपचार के लिए भेजा गया व एक पशु के जलने की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे दरियाबाद चिकित्सक ने पशु का उपचार किया क्षेत्रीय लेखपाल ने ग्रामीणों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण

गौरीगंज, अमेठी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की बिगुल बजट ही चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ लगातार कार्य कर रहा है। विकास खण्ड शाहगढ़ में होने वाले चुनाव के तैयारियों के मद्देनजर संयुक्त मजिस्ट्रेट संजीव कुमार मौर्य के आदेश पर तहसीलदार घनश्याम भारती के निर्देश पर नायब तहसीलदार आशुतोष पाण्डेय विकास खण्ड मुख्यालय पहुँच कर स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एडीओ पँचायत रामदीन से कोविड 19 के प्रकोप को देखते हुये सोशल डिस्टेंशिंगए मास्कए सेनेटाइजर आदि का अक्षरशः पालन करने पर जोर दिया। काउन्टर पर मौजूद प्रत्याशियों को प्रपत्र काउन्टर पर लाइन में एक एक मीटर की दूरी खड़े होकर प्रपत्र खरीदने तथा कोविड के नियमो का पालन करने के लिये निर्देशित किया। उन्होंने ग्राम प्रधानए बी डी सी व वार्ड सदस्यों से कहा कि अपनी ग्राम सभा मे हर तरह के गैर कानूनी कार्य से दूर रहे। किसी प्रकार की शिकायत पर कंट्रोल रूम को सूचित करें। उसकी पहचान गुप्त रखी जायेगी। किसी भी प्रत्याशी द्वारा ग्राम सभा मे जहरीली शराबए लोभ प्रलोभन की शिकायत मिलने पर किसी को बख्शा नही जायेगा। इस मौके पर कानूनगो लालमणि पाण्डेयए इन्दु कुमार सिंहए सचिव दान बहादुरए टी बी पाण्डेयए दिनेश श्रीवास्तवए प्रदीप सिंहए टी बी शुक्लाए मिथिलेश यादवए सन्दीप जायसवाल आदि मौजूद रहे।

सपा ने फिर दिया परिवारवाद को बढ़ावा, जारी की जिला पंचायत सदस्यों की पहली सूची

संवाददाता। बाराबंकी

शनिवार को सपा जिला अध्यक्ष हाफ़िज़ अयाज ने सपा के 34 जिला पंचायत सदस्य के प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जिसमे पूर्व सांसद राम सागर रावत भी इस बार जिला पंचायत सदस्य के प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में कूद गए हैं सपा ने उन्हें सिद्धौर चतुर्थ से अपनी पार्टी का प्रत्याशी बनाया है वहीं पूर्व सांसद कमला प्रसाद रावत के बेटे वेद प्रकाश रावत को भी सपा ने निन्दूरा पंचम से उम्मीदवार बनाया है इसी के साथ पूर्व विधायक रामगोपाल रावत के पुत्र इंजीनियर कृष्ण कुमार रावत को सपा ने मसौली द्वितीय सीट से अपने प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतार दिया है।वहीं सदर विधायक धर्मराज उर्फ सुरेश यादव की पुत्र बधु धर्मेंद्र यादव की पत्नी श्रीमती राजवंती यादव ने बंकी द्वितीय से सपा प्रत्याशी के रूप में ताल ठोक दी है इसी के साथ वेदप्रकाश रावत की पत्नी श्रीमती लवली रावत को भी पार्टी ने बनी कोडर तृतीय से चुनाव मैदान में उतारा है वहीं इसी के साथ पूर्व विधायक स्वर्गीय हरदेव सिंह रावत की पत्नी कुसुमलता सिंह रावत को निन्दूरा चतुर्थ प्रत्याशी बनाकर चुनाव मैदान में उतारा है इसी के साथ सिरौलीगौसपुर प्रथम से पूर्व विधायक स्वर्गीय राधेश्याम वर्मा के पुत्र सन्तोष वर्मा को चुनाव मैदान में उतार कर प्रत्याशी बनाया है वहीं सिरौलीगौसपुर की है द्वितीय सीट से मोहम्मद अहमद शहंशाह इरम स्कूल व सिरौलीगौसपुर चतुर्थ से विनोद कुमार यादव तथा सिद्धौर द्वतीय से अमित चौधरी को प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा है।इसी के साथ सपा ने दर्जनों अन्य लोगों को पार्टी के बैनर तले चुनाव लडने की इजाजत दी है।

रोल मॉडल बनाकर संगठन के लिए करें काम: मिथिलेश

● अटल भवन में मण्डल अध्यक्षों के साथ की बैठक

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

राजनैतिक दल के कार्यकर्ता को समाज में रोल मॉडल बनकर संगठन के निर्देशानुसार कार्य करते हुए जनता की सेवा करना चाहिए। भाजपा महा मानव पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के महान दर्शन एकात्म मानववाद को आधार बनाकर समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान और समृद्धि के लिए कार्य कर रही है। भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार भी समाज के अन्तिम व्यक्ति तक सभी प्रकार की सुविधाओं को पहुंचाने का कार्य कर उनका विकास कर रही है। उक्त विचार भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी ने भाजपा जिला कार्यालय अटल भवन में जिला पदाधिकारियों एवम मण्डल अध्यक्ष गण के साथ आयोजित प्रथम बैठक को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किया। डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता शीघ्र ही घोषित होने वाले भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में पूरे जोश खरोश से जुट कर जीत सुनिश्चित करने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा घोषित प्रत्याशी और भाजपा के दिशा निर्देश के अतिरिक्त किए जाने वाले कार्य को किसी भी तरह से संरक्षण नहीं दिया सकता है। भाजपा सकारात्मक सोच के साथ समाज हित में कार्य करने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव जनपद के लिए परीक्षा से कम नहीं है। जिसमें शत प्रतिशत सफलता प्राप्त करने को चुनौती के रूप में लिया जाना चाहिए। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर जी की जयंती 14 अप्रैल को पार्टी इस बार धूम धाम से मनायेगी। बाबा साहब की जयंती के पूर्व संध्या पर 13 अप्रैल को भाजपा कार्यकर्ता प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार बाबा साहब की प्रतिमा को दीपक से सजा कर दीपावली मनाया जाएगा। बाबा साहब के जयंती कार्यक्रम का जिला संयोजक भाजपा जिला मंत्री चंद्रिका प्रसाद और सह संयोजक शिव पूजन राजभर को बनाया गया है। जिला कार्यालय अटल भवन में आयोजित जिला पदाधिकारी एवम् मण्डल अध्यक्ष गण के साथ जिले की प्रथम बैठक का संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष विमलेंद्र प्रताप सिंह मोनू ने किया। जिला कार्यालय अटल भवन में आयोजित बैठक में प्रमुख रूप से भाजपा जिला महामंत्री अमरेंद्र कांत सिंह,बाबा राम शब्द यादव सुरेश कन्नौजिया, जिला उपाध्यक्ष मनोज मिश्र, रमेश चंद्र गुप्त, दशरथ यादव, सुमन पाण्डेय, रफत एजाज, जिला मंत्री दीपक तिवारी,दिलीप पटेल देव, विकास तिवारी,जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय,जिला कोषाध्यक्ष रितु बहल,जिला आईटी संयोजक मनीष मिश्र, कार्यालय सह प्रभारी अरविन्द सिंह डिंपू, मण्डल अध्यक्ष दिलीप तिवारी, आनंद श्रीवास्तव, सुनील गुप्ता,रणंजय सिंह, हरि दर्शन राजभर, अमरजीत मौर्य, राजाराम मौर्य, मनोज मौर्य, गौरव श्रीवास्तव, सदा राम वर्मा, दान बहादुर यादव उपस्थित रहे।

पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त, बने नए रिकॉर्ड, एक की मौत

● जिले में कोरोना के सर्वाधिक मिले 80 नए पॉजिटिव केस

संवाददाता। सीतापुर

कोरोना की दूसरी लहर में इतनी खतरनाक है, कि सीतापुर में पहली और दूसरी लहर के सारे रिकॉर्डों का ध्वस्त कर नए रिकॉर्ड बनते जा रहे हैं। शनिवार को आई जांच रिपोर्ट में दूसरी लहर में अब तक सर्वाधिक 80 नए पॉजिटिव केस मिले हैं, मछरेहटा की ग्राम पंचायत बीहड़ बीरम में 12 कोरोना मरीज तथा डालमिया चीनी मिल्स रामगढ़ में पांच पॉजिटिव केस आए हैं। संक्रमित मरीजों के मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। उधर, स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने चिंहित एड्रेस पर जाकर मरीजों को होम आइसोलेट करा दिया है। इससे पूर्व पहली और दूसरी लहर में अब तक 90 लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को आई कोरोना जांच रिपोर्ट में सीतापुर शहर में 15, मछरेहटा में 14, बिसवां में 13, गोंदलामऊ में 8, महोली और कसमंडा में 5, सिधौली में 4, रेउसा में 3, मिश्रिख, रामपुर मथुरा, एलिया में 2-2, खैराबाद, लहरपुर, परसेंडी में एक-एक तथा अन्य चार पॉजिटिव मरीज मिले हैं। ऐसे में अब तक पॉजिटिव मरीजों की संख्या 5 हजार 245 पहुंच गई है। 3243 संक्रमित मरीज होम आइसोलेट किए जा चुके हैं, हालांकि एक हजार 582 मरीज डिस्चार्ज हो चुके हैं। शेष 1455 लोगों की जांच रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। कोरोना की दूसरी लहर घातक होने के बावजूद न तो खुद लोग जागरूक हैं और न ही जिम्मेदारों कोविड गाइड लाइन का पालन करा पा रहे हैं। ऐसे में सार्वजनिक स्थलों पर कोविड की धज्जियां उड़ रही हैं।

सब्जी विक्रेता की कोविड से चली गई जान

कोरोना की दूसरी लहर अब जानलेवा साबित हो रही है। महमूदाबाद के कोरोना संक्रमित सब्जी विक्रेता ने लखनऊ इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। एक सप्ताह पहले वह महमूदाबाद से लखनऊ को गया था, वहां पर सब्जी बेचने का काम करता था। संक्रमण से सब्जी विक्रेता की मौत होने से महमूदाबाद में दहशत का माहौल है। ऐसे में अब तक दूसरी लहर में पांच मौतें हो चुकी है। महमूदाबाद नगर के कटरा निवासी जुबेर (35) पुत्र स्व. तुफैल लखनऊ में कुर्सी मार्ग स्थित इंट्रीगल मेडिकल कॉलेज के पास सब्जी की दुकान लगाता था। जुबेर एक सप्ताह पूर्व महमूदाबाद आया था और यहां परिवार के साथ रहकर लखनऊ वापस चला गया था। लखनऊ पहुंचने के बाद उसकी तवियत खराब हो गई और उसे इलाज के लिए इंट्रीगल मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। जुबेर की कोविड-19 जांच में कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। इलाज के दौरान जुबैर की शनिवार की सबह मौत हो गई। जुबैर के शव को कोरोना गाइड लाइन के मुताबिक महमूदाबाद लाकर मोतीपुर मार्ग पर स्थित कब्रिस्तान में दफ्न कर दिया गया।

होम आइसोलेटेड मरीज कब कौन सी दवा का सेवन करें

सीएमओ द्वारा जारी निदेर्शों के अनुसार दिन में तीन बार बुखार आने पर 500 एमजी की क्रोसिन टैबलेट, दिन में दो बार सात दिन तक 100 एमजी का डॉक्सिसलीन कैप्सूल, दिन में एक बार तीन दिन तक 12 एमजी की आइबरमेक्टिन टैबलेट, दिन में एक बार 10 दिन तक 500 एमजी की विटामिन सी टैबलेट, दिन में एक बार 10 दिन तक बीकॉम्पलेक्स टैबलेट, दिन में एक बार 10 दिन तक कैल्षियम की टैबलेट के अलावा गिलोय, अदरक, तुलसी, कालीमिर्च का काढ़ा उपलब्धता के अनुसार दिन में दो बार प्रयोग करें। समस्त औशधियां खाना खाने के उपरांत ही खाई जाने की सलाह सीएमओ ने दी है। इसके बाद भी किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होने पर कोविड कमांड कंट्रोल रूम सीतापुर से संपर्क जरूर करें। एक बार फिर बता दें कि यह सारी जानकारी कोरोना के होम आइसोलेटेड मरीजों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य विभाग ने गाइड लाइन जारी की है कि उन्हें क्या करना है और कौन सी दवाएं लेनी हैं।

रामकिंकर पांडेय के भाजपा में जाने पर बोले पूर्व विधायक

जो हमारे नहीं हुए वह भाजपा के क्या होंगे: अनूप गुप्ता

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर में कोरोना की सनसनी के बीच भाजपा की तोड़फोड़ राजनीति में राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। खासकर स्व. ओमप्रकाश गुप्ता के परिवार में भाजपा ने समाजवादी पार्टी के घर में घुसकर तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी है। स्व. ओमप्रकाश गुप्ता के परिवारिक सदस्य लम्बे समय से मिश्रिख और पिसावां से सपा व निर्दलीय रूप में ब्लाक प्रमुख होते आए रामकिंकर पांडेय ने ब्लाक प्रमुख चुनाव आने से पहले भाजपा का दामन थाम कर महोली से सपा के पूर्व विधायक अनूप गुप्ता को झटका दिया है। इस पाला बदल को लेकर महोली से पूर्व सपा विधायक अनूप गुप्ता से कई सवाल किए। पूर्व विधायक अनूप गुप्ता ने कहा कि मैं नहीं परिवार के कुछ लोग भाजपा में जा सकते है, परिवार में टूट का कष्ट जरूर होता है लेकिन हम सह लेगें। पार्टी और साथियों का विरोध लेकर रामकिंकर को प्रमुख बनाया, जब हमारे नहीं रहे तो बीजेपी के क्या रहेगें। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी में गए पूर्व प्रमुखों को भाजपा टिकट न दें फिर देख लें।

अनूप गुप्ता

विरोधी को फंसाने के लिए खुद को मरवाई गोली

● गोलीकांड का सनसनीखेज खुलासा करने की तैयारी

संवाददाता। सीतापुर

विरोधी को फंसाने के फेरे में पहले अपने ही चालक से खुद को गोली मरवाई, बाद में उसने जानलेवा हमले का दोष अपने विरोधी पर मढ़ दिया। उसका कसूर बस इतना था, कि वो उसका कारोबारी मसले को लेनदेन चलता था। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की पड़ताल कर चालक से पूछताछ की, तो मामले में कई झोल सामने आ गए। ऐसे में अब पुलिस घटना का सनसनीखेज खुलासा करने की तैयारी में है। महोली कोतवाली के अढ़ावल के संतोष कुमार और आशीष बाजपेयी के बीच मौरंग-सीमेंट कारोबार को लेकर लेनदेन चलता था। शनिवार को सरेराह संतोष कुमार संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से जख्मी हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल संतोष कुमार को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां पर उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस घटना की तहकीकात शुरू कर दी, घायल संतोष कुमार ने अपने विरोधी आशीष बाजपेयी पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया। आरोप है कि उधारी मांगने पर आशीष ने उसे गोली मार दी। घटना की तह में जाने के लिए पुलिस ने घायल संतोष कुमार के चालक मोती लाल से पूछताछ की, तो प्रथमदृष्टया उसने जो बताया, उससे पुलिस के खोंगटे खड़े हो गए। पुलिस की जानकारी में आया कि घायल संतोष ने ही अपने विरोधी आशीष को फंसाने के लिए अपने ही चालक मोती लाल से खुद को हाथ में गोली मरवाई है। अब पुलिस इस घटना का सनसनीखेज खुलासा करने की तैयारी में जुट गई है।

घायल का हाल जानता पुलिसकर्मी

क्विक न्यूज

होली मिलन समारोह का आयोजन

सीतापुर। ब्राह्मण समाज द्वारा शहर के नवीन चौक स्थित सभागार मे होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में नैमिष व्यास पीठाधीश्वर महंत जगदाचार्य व स्वामी देवेन्द्रानन्द सरस्वती उपस्थित रहे। भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्पार्चन दीप प्रज्जवलन व आरती व फूलो की होली के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। जिला अध्यक्ष विश्वम्भर तिवारी ने सभी अतिथियो का माल्यार्पण व अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर अनिल द्विवेदी, अखिल भारतीय ब्राहमण महासभा के जिला अध्यक्ष धीरज पाण्डेय, सनातन ब्राह्मण समाज के नगर अध्यक्ष दिनेश मिश्रा, मंडल अध्यक्ष रामदत्त मिश्रा, संयोजक शिव कुमार शास्त्री, मंडल उपाध्यक्ष आकाश राय, कोषाध्यक्ष सचिन त्रिपाठी, जिला अध्यक्ष महिला शशिकान्ति तिवारी, मधू पाण्डेय , कविता पाण्डेय, सुरेश दीक्षित, पंकज पाण्डेय राष्ट्रवादी ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम प्रसाद अवस्थी, आकाश मिश्रा, शिव शंकर दयाल तिवारी, प्रकाश अवस्थी, आयूशी पाण्डेय, लक्ष्मीकांत बाजपेयी, हरीश गौड़, आशीष शास्त्री, राजेश शुक्ला मौजूद थे।

नारदानन्द की संचालक शिक्षा सुधार समिति का त्रिवार्सिक चुनाव सम्पन्न

नैमिषारण्य सीतापुर। नैमिषारण्य के सुप्रसिद्ध आश्रम स्वामी नारदानन्द की संचालक शिक्षा सुधार समिति की त्रिवार्षिक चुनाव प्रक्रिया शनिवार को आश्रम स्थित समिति के प्रधान कार्यालय में सम्पन्न हुई। जिसमें निर्विरोध रूप से समिति की कार्यकारिणी का अध्यक्ष बाबा हरदेव सिंह को, ठाकुर शिवराज सिंह समेत एस.आर.सिंह को उपाध्यक्ष, राम दास पाठक को मंत्री, शांतिदेव त्रिपाठी को उपमंत्री, रमेश नारायण त्रिपाठी को कोषाध्यक्ष, अरविन्द मोहन मिश्र एडवोकेट, मुनीन्द्र अवस्थी, प्रशान्त अग्निहोत्री एडवोकेट, डॉ. अनुभव पाण्डेय एवं वेद प्रकाश शुक्ल को सदस्य चयनित किया गया। समिति के उपमंत्री शान्ति देव त्रिपाठी ने बताया कि आम सभा के सदस्यों द्वारा चुनावी प्रक्रिया के तहत निर्विरोध रुप से कार्यकारिणी के सदस्यों का चयन किया गया। जिसके बाद सभी ने पीठाधीश्वर जगदाचार्य स्वामी देवेन्द्रानन्द सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त किया। जिसके उपरान्त नव निर्वाचित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों द्वारा समिति के प्रधान संरक्षक के रूप में रूद्रपुर उत्तराखण्ड आश्रम के संचालक और पूर्व पीठाधीश्वर ब्रह्मलीन स्वामी विवेकानन्द सरस्वती के शिष्य स्वामी नारायण चौतन्य को मनोनीत किया गया वहीं दो संरक्षकों के रूप में क्रमशः भृगु चैतन्य और उमेश चैतन्य का मनोनयन किया गया।

लपटों में धू-धूकर जल गई 17 बीघा गेहूं की फसल

सीतापुर। बेकाबू आग की लपटों ने तीन काश्तकारों की 17 बीघा गेहूं फसल धू-धूकर जल गई। ग्रामीणों की मदद से दमकल विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। क्षेत्रीय लेखपाल ने भी मौके पर पहुंचकर घटना में हुए नुकसान का आंकलन किया। यह हादसा रामपुर मथुरा की ग्राम पंचायत केवड़ा में हुआ, शनिवार की दोपहर को केवड़ा गांव में काश्तकार अपने घरों में सुस्ता रहे थे, कि अचानक खेतों में आग लगने की खबर आने से हड़कंप मच गया। शोर शराबा सुनकर आनन फानन ग्रामीण मौके की ओर दौड़े और आग बुझाने में जुट गए। इस अग्निकांड में ढपालीपुरवा के सुरेश पुत्र श्रीपति का 12 बीघा गेहूं, बच्चूपुरवा के कुनऊ पुत्र हरिश्चनद्र 3 बीघा एवं तुलसीपुरवा के गोकुल का 2 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीण विकास अवस्थी, प्रदीप, अंकित, अजीत, अनिल आदि ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया, दमकल की गाड़ी भी पहुंच गई थी। मौके पर क्षेत्रीय लेखपाल संतोष कुमार पहुंच कर नुकसान का जायजा लिया।

पंचायत चुनाव में अवैध असलहों का जखीरा बरामद

● अंतर्जनपदीय तस्कर को भी दबोचा

संवाददाता। सीतापुर

पंचायत चुनाव में बड़े पैमाने पर अवैध असलहों की बड़ी खेप प्रयोग में लाई जा रही है। चुनाव से पहले अवैध असलहे तैयार कर उन्हें अंतर्जनपदीय में पहुंचाया जाता है। ऐन वक्त पर लहरपुर पुलिस को अवैध असलहों का जखीरा तैयार होने की भनक लग गई, वरना यह असलहे शातिरों के हाथों के लग जाते तो बेडा गर्क हो जाता है। पुलिस ने अंतर्जनपदीय असलहा तस्कर को निर्मित एवं अर्द्ध निर्घ्मित एक दर्जन से असलहे व कारतूस के साथ धर दबो बरामद किए हैं। शातिर अभियुक्त पर कई अपराधिक मामले दर्ज हैं।

एसपी आरपी सिंह के निर्देश पर लहरपुर के उप निरीक्षक पवन कुमार मिश्रा, नरेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल निसार अहमद, श्यामदेव राम व आरक्षी कासिम ने क्षेत्र के नेवादा के पास से तालगांव थाना कंजा शरीफ्पुर के मयाराम पुत्र श्रीपाल को गिरफ्तार किया। उसके पास से बारह बोर के चार तमंचा, 315 बोर के तीन, बारह बोर की तीन बंदूक एवं एक बारह बोर की अद्धी, 315 बोर की एक रायफ्ल तथा कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

लहरपुर क्षेत्र का मामला

नहर में डूबा बालक, तलाश जारी

संवाददाता। लहरपुर सीतापुर

कोतवाली इलाके लहरपुर के अंतर्गत नगर से सटे ग्राम गौरिया प्रहलादपुर निवासी 16 वर्षीय बालक अज्ञात कारणों के चलते नहर में डूबा बालक की तलाश व जांच में जुटी पुलिस। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गौरिया प्रहलादपुर निवासी शफीक पुत्र वकील अहमद उम्र 16 पास की ही शारदा सहायक नहर में कुछ लड़कों के साथ नहाने गया था पानी का बहाव तेज होने के कारण वह नहर में डूब गया सूचना मिलते ही परिजनों सहित देखते ही देखते सैकड़ों की संख्या में लोग इकट्ठा हो गए घटना की सूचना जब कोतवाली प्रभारी राय साहब द्विवेदी को हुई तो वह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर स्थानीय गोताखोरों के माध्यम से बालक की तलाश में जुट गए बताते चलें परिजनों के अनुसार दोपहर 12:00 बजे साइकिल पर सवार होकर घर से निकला था नहर पर बने पुल के दूसरी तरफ उसने अपने कपड़े निकाल कर नहर में छलांग लगा दी इसके पश्चात वह पुल के नीचे से होते हुए पुल के दूसरी ओर निकल गया जहां पानी का बहाव तेज होने के कारण वह गहरे पानी में चला गया जिससे वह डूब गया सात के लड़कों द्वारा शोर मचाने के बाद काफी भीड़ इकट्ठा हो गई के चलते बालक का काफी प्रयासों के बाद भी अब तक किसी प्रकार का सुराग नहीं मिल सका है।

नहर में डूबने से लापता बालक की तलाश करती पुलिस

पंचायत चुनाव में पकड़ीं 16 शराब की भट्ठियां

● 1045 लीटर शराब के साथ 32 अभियुक्त हुए गिरफ्तार

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर जिले की पुलिस ने पंचायत चुनाव में अवैध शराब निर्माण व बिक्री के खिलाफ मुहिम छेड़ रखी है। शनिवार को चलाए गए अभियान में तेरह थाना-कोतवाली पुलिस ने सोलह अवैध शराब की भट्ठियां पकड़ी हैं। साथ ही 1 हजार 45 लीटर शराब के साथ 32 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। एसपी आरपी सिंह के निर्देश पर थाना नैमिषारण्य पुलिस ने दो अवैध शराब की भट्ठियां पकड़ी हैं तथा तीन अभियुक्तों को दबोचा है। इनके पास से 230 लीटर कच्ची शराब व 484 ग्राम यूरिया बरामद की है। थाना रामकोट पुलिस ने एक अभियुक्त को अवैध शराब भट्ठी के संग गिरफ्तार किया है। कब्जे से 150 लीटर कच्ची शराब बरामद की है। रामपुर मथुरा पुलिस ने तीन अभ्भियुक्तों को दो अवैध शराब भट्ठी के साथ दबोचा है। कब्जे से100 लीटर कच्ची शराब बरामद की है। हरगांव पुलिस ने एक अभियुक्त को 100 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। तालगांव पुलिस ने चार अवैध शराब की भट्ठी पकड़ी हैं। सात अभियुक्तों के साथ100 लीटर कच्ची शराब व 34 पव्वा भी बरामद किए हैं। मिश्रिख पुलिस ने पांच अभियुक्तों को एक शराब भट्ठी व 75 लीटर कच्ची शराब के साथ दबोचा है। थाना रामपुर कलां पुलिस ने दो अभियुक्तों को 60 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। सकरन पुलिस ने तीन अभियुक्तों को एक अवैध शराब भट्ठी व 60 लीटर कच्ची शराब के साथ दबोचा है। इमलिया सुल्तानपुर पुलिस ने एक अभियुक्त को एक शराब भट्ठी व 50 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार बिसवां पुलिस ने एक अभियुक्त को एक शराब भट्ठी व 40 लीटर कच्ची शराब के साथ दबोचा है। मछरेहटा पुलिस ने दो अभियुक्तों को एक अवैध शराब भट्ठी व 40 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। कमलापुर पुलिस ने एक अवैध शराब भट्ठी व 30 लीटर कच्ची शराब के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा महोली पुलिस ने दो अभियुक्तों को एक अवैध शराब भट्ठी व 10 ली0 कच्ची शराब के साथ दबोचा है।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

एक आदमी 100 लाख जिंदगियों को बदलने के मिशन पर

...तो कुछ कर गुजरने का है जज्बा

संवाददाता। सीतापुर

यह कहानी बहुत खास है, यह एक साधारण व्यक्ति प्रमोद सोनी की कहानी है जिसमें एक असाधारण सपने हैं, लाखों जीवन में योगदान देने का सपना लेकिन उसका जीवन अपार समस्याओं और चुनौतियों से भरा था जो अपने सपने के बारे में धैर्य और विश्वास की परीक्षा ले रहा था। वो बेहद विनम्र और गरीब पृष्ठभूमि से आया था और 2003 में उसे स्कूल से बाहर निकलना पड़ा क्योंकि उसके पिता फीस नहीं दे पाए। जब उसके पिता ने कबूल कर लिया कि वह अब बेबस है और उसे स्कूल भेजना बर्दाश्त नहीं कर सकता । उनके पास 13 साल की उम्र में काम शुरू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था, अपने परिवार को सहारा देने के लिए। अचानक उसकी पूरी दुनिया बदल गई, एक दिन पहले वह अपने दोस्तों और परिवार के साथ अपने जीवन का आनंद ले रहा था । दूसरे दिन उसे काम करना शुरू करना पड़ा वह भी दिन में 15 घंटे। उन्होंने इस घटना को प्रेरणा के रूप में लिया और उन लोगों की मदद करने की दृष्टि थी जिन्हें एक ही दर्द से गुजरना पड़ा, लेकिन यात्रा इतनी आसान नहीं थी।यदि आपका सपना बड़ा है, और पूरी दुनिया आपके खिलाफ है और आपको लगता है कि आप कुछ नहीं कर सकते, जब समस्याएं इतनी ऊँची हो रही हैं, जब आपके आसपास हर कोई सोचता है कि आप यह नहीं कर सकते, जब समस्याएं इतनी ऊँची हो रही हैं, जब आपके आसपास हर कोई सोचता है कि आप यह नहीं कर सकते, या जब कोई विश्वास नहीं करता है आपका सपना और सभी आपको साधारण जीवन जीने के लिए धक्का देना चाहते हैं, दिनों में गुजरना मुश्किल है। लेकिन अगर अभी भी आप अपने आप और अपने सपनों पर विश्वास करते हैं तो कोई भी इतिहास रचने से नहीं रोक सकता। आज वह अंतर्राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ विक्रेता, सामाजिक उद्यमी और परिवर्तन कोच हैं और पिछले 18 वर्षों में उन्होंने हजारों लोगों को उनके सपनों को साकार करने और समाज में योगदान देकर सार्थक जीवन जीने में मदद की है। अब उनका मिशन 2040. तक 100 करोड़ जिंदगियों में बदलाव लाना है। उनके जीवन का सिद्धांत बहुत सरल है लेकिन पालन करना बहुत मुश्किल है।

प्रमोद सोनी

दो साइबर ठग गिरफ्तार

संवाददाता। संतकबीरनगर

पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि 75 लाख से अधिक की धोखाधड़ी करने वाले साइबर अपराध से जुड़े दो ठग को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एरेस्ट किया है। उनके विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय भेजा गया। उक्त सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ शनिवार को प्रेसवार्ता कर मीडिया को बताया कि थाना कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र अन्तर्गत खालसा टेलीकाम, वाइस इंडिया मोबाइल तथा अलहिंद मोबाइल बरदहिया बाजार खलीलाबाद द्वारा सूचना दिया गया कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा पेटीएम से पैसा पेमेंट कर मोबाइल लिया गया परंतु पैसे का मैसेज मोबाइल में नहीं आने पर तकनीकी समस्या समझकर उन्हें मोबाइल लेकर जाने दिया गया काफी समय बाद जब बैंक खाते को चेक किया गया तो पता चला कि पैसा नहीं आया है व पैसे को फर्जी तरीके से भुगतान कर दिया गया। जिसके संबन्ध में थाना कोतवाली खलीलाबाद पर मु0अ0स0 195/2021 धारा 420/406 भादवि व 66 आईटी एक्ट बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था। उन्होने थाना कोतवाली खलीलाबाद, एसओजी, स्वाट/साइबर की संयुक्त टीम गठित कर सफल अनावरण हेतु निर्देशित किया गया था। पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ के मार्गदर्शन, अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अंशुमान मिश्र के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी स्वाट उ0नि0 दीपक दूबे व साइबर टीम /सर्विलांस टीम की मदद से गत 09, अप्रैल, 2021 को मेहदावल बाइपास से घटना में प्रयुक्त होण्डा एक्टिवा स्कूटी के साथ 02 अंतर्राज्यीय साइबर अपराधी अवनीश तिवारी पुत्र प्रदीप तिवारी निवासी अधिवक्तानगर थाना गोपालगंज जनपद गोपालगंज बिहार, प्रभाशुं जायसवाल पुत्र अशोक जायसवाल निवासी ग्रीन सिटी कालोनी थाना गोरखनाथ जनपद गोरखपुर को 05 अदद एंड्रायड मोबाइल पेटीएम स्फूम द्वारा फर्जी तरीके से खरीदी हुई) के साथ गिरफ्तार किया गया। उपरोक्त प्रकरणों की घटना के अनावरण हेतु अलग-अलग जनपद बस्ती, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, आदि जनपदों की पुलिस टीमों द्वारा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उक्त अभियुक्तगणों की तलाश की जा रही थी।

● 75 लाख से अधिक की कर चुके है धोखाधड़ी

● अभियुक्त बिहार व गोरखपुर जनपद का है निवासी

संबंधित जनपदों से पत्राचार कर घटना के संबंध में जानकारी एकत्र कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी। अभियुक्तो द्वारा किये जा रहे अपराध के विषय में मोबाइल मे एक फर्जी पेमेंट ऐप पेटीएम को डाउनलोड किया है, इसी के माध्यम से हम लोग मिलकर दुकानदारों को धोखा देकर मोबाइल ले लेते है। स्फूम पेटीएम नाम के फर्जी पेटीएम एप्लीकेशन से क्यूआर कोड को स्कैन करके पैसा भुगतान करते हैं जिसका पैसा दुकानदार के खाते में नहीं जाता है और ऐप में भुगतान सफल दिखा देता है। इस तरह से हम लोग आसपास के जनपद देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज, गोरखपुर, बस्ती आदि जनपदों के अलावा अन्य जैसे दिल्ली, बिहार से भी इसी तरह फर्जी पेटीएम स्फूम के माध्यम से भुगतान कर मोबाइल को खरीदकर बेंच देते थे।

आयुक्त-आईजी ने पोलिंग पार्टी रवानानगी स्थल व स्ट्रांगरूम रूम का लिया जायजा

श्रावस्ती। देवीपाटन मण्डल आयुक्त एसवीएस रंगाराव एवं पुलिस महानिरीक्षक डा0 राकेश सिंह ने शुक्रवार को ही बैठक के उपरान्त विकास खण्ड हरिहरपुररानी क्षेत्र के ग्राम पंचायतों में मतदान कराये जाने हेतु पूरेअधारी बनघुसरा मोड़ पर स्थित जयराम वर्माए उप्र वर्मा इण्टर कालेज में बनाये गये पोलिंग पार्टी रवाना स्थल व स्ट्रांग रूम का आकस्मिक निरीक्षण कर जायजा लिया तथा सभी तैयारियों को अन्तिम रूप देने का निर्देश दिया।

इस दौरान आयुक्त और आईजी ने वहाँ पर बनाये गये स्ट्रांग रूम का भी मुआयना किया जहां पर मतदान के उपरान्त बैलेट बाक्स रखे जायेंगे। उन्होने राज्य निर्वाचन आयोग के मंशानुरूप स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिये। इस दौरान आयुक्त ने ये भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी मतदान में लगे अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देश पूर्व से ही दे दिये जाएं कि पार्टी रवानगी स्थल से लेकर मतदान केन्द्र व स्ट्रांग रूम में बैलेट बाक्स जमा करने तक किसी भी बाहरी व्यक्ति से संपर्क नही करेंगे तथा किसी का भी आतिथ्य स्वीकार नही करेंगें। पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि पोलिंग पार्टियों के साथ सुरक्षा में लगे पुलिस कर्मी पोलिंग पार्टी के साथ ही वाहन में बैठकर मतदान बूथों के लिये जायेंगेए तथा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों का अक्षरशः पालन कराकर शान्तिपूर्ण वातावरण में मतदान को सम्पन्न करायेंगे। निर्वाचन मतदान दिवस के दिन उम्मीदवार व निर्वाचन अभिकर्ता निर्वाचन कार्य में लगे हुए अधिकारियों के साथ शान्तिपूर्णए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तथा सुव्यवस्थित ढंग से मतदान करने हेतु सहयोग करेंगे। काई भी प्रत्याशी मतदाताओं को मतदान केन्द्र तक लाने व वापस ले जाने के लिए वाहन नही उपलब्ध करायेंगे। वोट डालने के लिए कोई भी मतदाता स्वयं व अपने परिवार के सदस्यों के लिए अपने निजी वाहन को मतदान केन्द्र के 100 मी0 रेडियस तक ही ले जा सकेंगे।

सिर्फ जिपं सदस्य उम्मीदवारों को एक वाहन की अनुमति

● प्रधान, ग्रापं व क्षेपं के सदस्य उम्मीदवार को वाहन की अनुमति नहीं

● दिव्यांग प्रत्याशियों को मिलेगी एक वाहन की अनुमति

लखीमपुर-खीरी। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2021 में उम्मीदवारों द्वारा वाहन परिचालन के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) जिला मजिस्ट्रेट शैलेंद्र कुमार सिंह ने माण् राज्य निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देशों के क्रम में बताया कि प्रधान.ग्राम पंचायतए सदस्य.ग्राम पंचायत व सदस्य.क्षेत्र पंचायत का निर्वाचन क्षेत्र बड़ा न होने के कारण प्रधान.ग्राम पंचायतए सदस्य.ग्राम पंचायत व सदस्य.क्षेत्र पंचायत के उम्मीदवारों को किसी भी वाहन के परिचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि सदस्य.जिला पंचायत का निर्वाचन क्षेत्र बड़ा होता है। अत: सदस्य.जिला पंचायत के उम्मीदवारों को मतदान दिवस के पूर्व प्रचार के लिए व मतदान दिवस पर मतदान स्थलों पर भ्रमण के लिए एक वाहन की अनुमति दी जा सकती है। सदस्य.जिला पंचायत के उम्मीदवार के निर्वाचन अभिकर्ता आवंटित वाहन को प्रचार हेतु उपयोग कर सकेंगे व अपने नियुक्ति पत्र पर प्रमाणित फोटो भी चस्पा करेंगे। जिससे उम्मीदवार के वाहन पर चेकिंग के समय उसका सत्यापन हो सके। उम्मीदवार के वाहन पर आगे के शीशे पर उम्मीदवार का नामए वार्ड संख्या का नाम कि मोटे अक्षरों में प्रिंटेड स्लिप चिपकानी आवश्यक होगी। उन्होंने बताया कि दिव्यांग प्रत्याशियों को मतदान दिवस के पूर्व प्रचार के लिए व मतदान दिवस पर मतदान स्थल के भ्रमण के लिए एक वाहन की अनुमति दी जा सकती है। इस संबंध में उम्मीदवार अपने तहसील क्षेत्र के उप जिला मजिस्ट्रेट से वाहन के परिचालन की अनुमति प्राप्त कर सकते हैं।

दुर्घटना में रिटायर्ड फौजी की मौत

बरेली। साइकिल पर जा रहे एक रिटायर्ड फौजी को पीछे से आ रहे किसी वाहन ने टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां बीती रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कैंट थाने की प्रकाश कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय दीनानाथ पुत्र प्यारेलाल की बीती रात एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। उसे कल दोपहर घायल अवस्था में भर्ती कराया गया था। पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के घर वालों ने बताया कि टीकाराम रिटायर्ड फौजी था और साइकिल से कल दोपहर में सामान खरीदने के लिए पटेल चौक के पास एक दुकान पर आया था। जहां से साइकिल पर ही वापस लौटते समय जब वो रास्ते में प्रभा टॉकीज के सामने पहुंचा। तभी पीछे से आए किसी वाहन ने उसकी साइकिल को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए और टक्कर मारने वाला वाहन फरार हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे इलाज के लिए पास के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया और उसके मोबाइल फोन से घर वालों को दुर्घटना की सूचना दी।

पंचायत चुनाव में बलवा करने के मामले में छह लोग गिरफ्तार

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। थाना कोतवाली गोला पुलिस ने पंचायत चुनाव में प्रधान पद के प्रत्याशियों के बीच हुई मारपीट के मामले में 6 नामजदगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। जबकि दूसरे पक्ष की तहरीर को पुलिस ने रद्दी की टोकरी में फेंका।

जानकारी के अनुसार कोतवाली गोला के ग्राम पचतौर में प्रधान पद के दो प्रत्याशियों के बीच बृहस्पतिवार को मारपीट, की घटना हुई थी। इसमें ताकतवर तथा दबंग प्रधान अनुभवदास व दूसरे प्रधान पद के प्रत्याशी के समर्थक जीत सिंह ने तहरीर दी थी। जिसमें पुलिस ने पक्षपात करते हुए अनुभव दास का मुकदमा दर्ज कर लिया है पर जीत सिंह की तहरीर को रद्दी टोकरी में फेंककर नामजदगों को जेल भेजा है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार पांडे के अनुसार पंचायत चुनाव में बलवा करके अशांति फैलाने के मामले में 6 नामजदगों को जेल भेजा गया है। इसमें प्यारे लाल, ललन वर्मा, नंद लाल, असलम, गुरदेव व अमरीक सिंह शामिल है।

महिला प्रधान पद की दावेदार को निर्वतमान प्रधान ने दी धमकी

बस्ती। पंचायत चुनाव के दावेदारों को धमकी देने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दुबौलिया क्षेत्र के नरहरपुर में एक आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति द्वारा ग्राम प्रधान पद के दावेदार को धमकी देने, परसरामपुर क्षेत्र से क्षेत्र पंचायत सदस्य पद के एक दावेदार को पूर्व ब्लाक प्रमुख द्वारा चुनाव न लड़ने की धमकी देने का मामला सुर्खियों में था कि मुण्डेरवा क्षेत्र के ग्राम पंचायत हथिरजा से प्रधान पद की दावेदार पर निर्वतमान प्रधान और उसके समर्थकों द्वारा धमकी देने का मामला सामने आ गया।

ग्राम प्रधान पद की महिला दावेदार का आरोप है कि उसके चुनाव न लड़ने का दबाव बनाया जा रहा है। उनकी बात न मानने पर उसके पति को गाली देते हुए जान से मारने, और कृषि यंत्रों को तोड़ने, जलाने की धमकी दी गई। असलहा दिखाकर डराया धमकाया गया। बम से उड़ाने तक की बात कही जारही। इस मामले की शिकायत प्रधान पद की दावेदार ने एसपी से की है। उनसे अपने और परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाया है। हथिरजा गांव निवासी सलमा खातून का कहना है कि ग्राम पंचायत की सीट महिला आरक्षित होने के कारण वह इस बार के चुनाव में भावी उम्मीदवार है। आरोप लगाया है कि उसके चुनाव लड़ने की बात बहलोरवा गांव निवासी निर्वतमान प्रधान को नागवार गुजर रहा है। वह और उनके समर्थक कोतवाली क्षेत्र के पोखरभिटवा, कोपिया और बहलोरवा निवासी लगभग एक दर्जन लोगों ने उसके पति अब्दुल समद खान को घेर कर कालर पकड़कर गाली दिया, चुनाव लड़ने पर जान से मारने और उसकी कम्बाइन, भूसा मषीन को तोड़ने, जलाकर क्षतिग्रस्त करने की धमकी दी। असलहा दिखाकर डराया धमकाया। एसपी को दिए गए षिकायती पत्र में सलमा खातून ने कहा है कि आरोपियों द्वारा धमकी देने की घटना को मोबाइल में भी रिकार्ड किया गया है। इस घटना से उसका पूरा परिवार डरा सहमा है।

कोरोना के 11 पॉजिटिव मरीज मिलने से हड़कंप

गोंडा। कोरोना की दूसरे खेप में करनैलगंज नगर एक बार फिर हॉटस्पॉट बनता जा रहा है। शनिवार को जांच के दौरान 11 पॉजिटिव मरीज पाए गए। जिसमें करनैलगंज नगर के मोहल्ला गांधी नगर व गाड़ी बाजार के लोग शामिल हैं। करनैलगंज नगर में कोरोना के संक्रमित लोगों की संख्या करीब तीन दर्जन के आसपास हो गई है। इसमें अधिकांश करनैलगंज कस्बे के विभिन्न मोहल्लों के हैं। शनिवार को करनैलगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जांच के दौरान 11 लोग कोरोना के शिकार पाए गए। जिसमें 5 नगर के मोहल्ला गाड़ी बाजार व तीन लोग गांधीनगर एवं एक नई बाजार तथा दो ग्रामीण क्षेत्र के मरीज मिले। जिन्हें जांच के बाद होम आइसोलेशन में रहने की सलाह देकर दवाएं उपलब्ध कराई गई और उन्हें घर में ही आइसोलेट कर दिया गया। नगर में अब तक करीब 30 कोरोना पॉजिटिव मरीज पाए जा चुके हैं। शनिवार को सीएचसी अधीक्षक डॉ सुरेश चंद्रा ने मरीजों की सूची उप जिलाधिकारी को भेजी है।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन 172 कार्मिक रहे अनुपस्थित

● डीएम ने दिये एफआईआर के आदेश

गोंडा। जिला निर्वाचन अधिकारी मार्कण्डेय शाही ने पंचायत चुनाव के दृष्टिगत मतदान कार्मिकों के दूसरे दिन प्रशिक्षण से गैर हाजिर 172 कर्मियों के विरूद्ध नामजद एफआईआर दर्ज कराने तथा निलम्बन के साथ-साथ विभागीय कार्यवाही के आदेश दिए हैं। शनिवार को त्रिस्तरीय पंचायत निवार्चन 2021 के दृष्टिगत में मतदान कार्मिकों के प्रशिक्षण के दूसरे दिनएलबीएस पीजी कालेज में डेढ़ हजार तथा टॉमसन कोलज में एक हजार कार्मिकों का प्रति पाली प्रशिक्षण सहित दोनों पालियों को मिलाकर कुल पांच हजार कार्मिकों का प्रतिदिन प्रशिक्षण होना था जिसमें प्रशिक्षण के दूसरे दिन एलबीएस कालेज में प्रथम पाली में 49 तथा द्वितीय पाली 63 सहित 112 व टॉमसन इन्टर कालेज में प्रथम पाली 28 व द्वितीय पाली में 32 सहित 60 कार्मिक सहित कुल 172 मतदान कार्मिक प्रशिक्षण से गैर हाजिर मिले। प्रभारी अधिकारी कार्मिक/सीडीओ शशांक त्रिपाठी ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी मार्कण्डेय शाही के आदेश पर अनुपस्थित सभी कार्मिकों के विरूद्ध कोतवाली नगर में नामजद एफआईआर दर्ज कराने की कार्यवाही की जा रही है इसके साथ ही विभागीय कार्यवाही प्रारम्भ करने के आदेश सम्बन्धित विभागाध्यक्षों को दिए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शाही ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि निर्वाचन प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहने वाले किसी भी कार्मिक को कतई बख्शा नहीं जाएगा।

महिला शिक्षामित्र की दो स्थानों पर लगी ड्यूटी

भँभुआ (गोंडा)। एक महिला शिक्षामित्र की एक ही दिन दो स्थानों पर चुनाव डियूटी लगाई गई है। जिससे परेशान होकर महिला कर्मी ने खण्ड शिक्षा अधिकारी को पत्र दिया है। मामला शिक्षा क्षेत्र करनैलगंज के प्राथमिक विद्यालय भँभुआ द्वितीय में तैनात शिक्षा मित्र वंदना सिंह का है। उन्होंने खंड शिक्षधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया है। जिसमे कहा गया है कि आगामी 19 अप्रैल को होने वाले पंचायत चुनाव में उसकी दो ब्लाकों पर डियूटी लगाई गई है। जिसमे विकास खंड रुपईडीह व मनकापुर सामिल है। महिला शिक्षामित्र ने रुपईडीह ब्लाक क्षेत्र में मतदान कराने के लिये एलबीएस कालेज में बीते 9 अप्रैल को ट्रेनिंग भी कर चुकी है। जबकि उसे दो ब्लाकों के मतदान स्थल पर चुनाव सम्पन्न कराने के लिये डियूटी लेटर दिया गया है। उसने एक ब्लॉक की डियूटी निरस्त कराने की मांग की है। खंड शिक्षाधिकारी आरपी सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है, एक ब्लॉक की डियूटी निरस्त कराने के लिये उच्चाधिकारियों को पत्र भेजा गया है। उन्होंने बताया कि शिक्षा मित्र को दो लेटर रिसीब ही नही करना चाहिये। साथ ही उसी दिन इस समस्या से हमें भी अवगत कराना चाहिये था।

जंग का मैदान बन गया पीडब्लूडी

● ठेकेदार रिंकूपाल ने मुकेश यादव के खिलाफ दर्ज कराया लूट और जान से मारने का एफआईआर

बस्ती। पीडब्लूडी के दोनों खंडों का माहौल इतना बिगड़ चुका है, कि ठेकेदार तो ठेकेदार अधिकारी भी एक दूसरे से बुरी तरह उलझ गए हैं। आराजकता का माहौल हो गया है। हर कोई अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहा है, और वहीं पर अधिकारी लड़ा भिड़ा कर अपना काम निकालने में लगे हुए हैं। हालत यह है कि ठेकेदार के साथ अधिकारी भी एक दूसरे का कब्र खोदने में लगे हुए। हाल की दो घटनाओं ने विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार की पोल खोल कर रख दी है। ठेकेदार के साथ-साथ अधिकारी भी खौफजदा है। दोनों वर्ग के लोग अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहे है। एक ओर जहां कथित ठेकेदार रिंकू पाल ने ठेकेदार मुकेश चौधरी के खिलाफ जान से मारने और लूट का मुकदमा कोतवाली में दर्ज कराया, वहीं सहायक अभियंता एनके मिश्र ने सहायक अभियंता पीसी सिंह के खिलाफजान से मारने और अपमानित करने के आरोप में कोतवाली में मुकदमा दर्ज करने की तहरीर दे रखी है। जिसकी जांच चल रही है। विभाग के कर्मचारियों और ठेकेदारों का कहना है कि आराजकता का यह माहौल तब समाप्त होगा जब टेंडर प्रक्रिया पारदर्शी होगी और माननीयों की दखलंदाजी बंद होगी। पूर्वांचल आदर्श ठेकेदार समिति के मंडल अध्यक्ष सरद कुमार सिंह कहते हैं कि आराजकता का माहौल शासन स्तर पर बनाया जा रहा हैं, पूर्व के पत्रों पर शासन द्वारा कोई संज्ञान न लेने के कारण माहौल दिन प्रति दिन खराब होता जा रहा हैं। इन घटनाओं को लेकर चीफ इंजीनियर से लेकर अधिशासी अभियंता तक परेशान हैं। कामकाज का माहौल बनाने और आराजकता को समाप्त करने के लिए अधिकारी स्तर पर मंथन हो रहा हैं। कड़े कदम उठाने की बात कही जा रही है। चीफ इंजीनियर रामानंद का कहना है कि आराजकता का माहौल किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बताया कि वह इस मामले में कड़ी कार्रवाई करने जा रहे हैं।

तारकोल कमीशन को लेकर कार्यालय में ही भिड़े दो जेई

पीडब्लूडी में कमीशन का यह आलम है, कि आफिस में इसे लेकर दो जेई भिड़ गए। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद है। सर्वविदित है कि दोनों खंडों में तारकोल की भयंकर चोरी हो रही है। एक डम में 15 से 20 किलो. तारकोल कम दिया जाता है। इसका बंदरबांट नीचे से लेकर उपर तक होता है, यही कारण है कि आज तक दोनों खंडों के स्टोर में तौल करने वाली मशीन नहीं लगाई गई। घटना के समय मौजूद ठेकेदारों के अनुसार कार्यालय में स्टोर जेई और साइट जेई के बीच तारकोल के कमीषन को लेकर जमकर बाताकाही हुई, हाथापाई तक की नौबत आ गई, और यह सब कुछ कैमरे में कैद है। इसकर वीडियो भी बनाया गया।

'बड़े साहब' पर एई ने लगाया प्रताड़ित करने का आरोप

जानकारी देने के बदले पत्रकार को गेट आउट कहने वाले पीडब्लूडी निर्माण खंड एक के 'बड़े साहब' षुभनरायन राव पर उनके ही सहायक अभियंता सुनील कुमार सिंह की कार्यषैली पर सवाल उठाते हुए प्रताड़ित करने का आरोप लगा चुके है। कहा कि प्रताड़ना के चलते उन्हें पैर की एक अगुंली कटवानी पड़ी। इसकी जांच भी डीएम कर चुके हैं।

ठेकेदार ने खोली भ्रष्टाचार की पोल, सीएम को लिखा पत्र

अब तो पीडब्लूडी के पुराने ठेकेदार भी व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफआवाज उठाना षुरु कर दिया, हालांकि किसी भी ठेकेदार के लिए विभाग से पंगा लेना आसान नहीं होता है। इन्हीं में से एक ठेकेदार हैं, अशोक कुमार सिंह। इन्होंने मुख्यमंत्री सहित विभाग के आला अधिकारियों को पत्र और ईमेल के जरिए कहा है कि निर्माण खंड एक में निविदा पड़ने के बाद और तकनीकी पात्रता/अपात्रता ऑनलाइन खुलने के बाद निविदा सूचना संख्या 491/ए-4 दिनांक 27 फरवरी 21 में लाट संख्या की समस्त निविदाओं को बिना कारण बताए निरस्त कर दिया गया, और पुनः उसी निविदा की सभी लाटों को दो दिन बाद निविदा आमंत्रित कर ली गई।

डीएम और एसपी ने की प्रत्याशियों के साथ मंत्रणा

श्रावस्ती। जिलाधिकारी टीके शिबु एवं पुलिस अधीक्षक अरविन्द कुमार मौर्य ने थाना क्रमशः मल्हीपुरए इकौनाए गिलौला एवं सोनवा मे ताबड़तोड़ बैठक आयोजित कर जिला पंचायत, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं ग्राम पंचायत सदस्य के रूप में चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों के साथ बैठक की। इस दौरान जिला मजिस्ट्रेट ने राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्रत्याशियों को आदर्श आचार संहिता का पाठ पढ़ाया तथा कोविड-19 से बचाव हेतु प्रोटोकाल का अनुपालन कर प्रत्याशीगणों को चुनाव प्रचार करने हेतु सजग किया। सभी प्रत्याशीगण आदर्श आचार संहिता का अक्षरशः पालन करके शान्तिपूर्ण वातावरण में मतदान को सम्पन्न कराने में सहभागिता निभायें। यदि किसी भी प्रत्याशी की आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत मिली तो निश्चित ही उनके विरूद्ध जांच कराकर कार्यवाही की जायेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी उम्मीदवार किसी भी उम्मीदवार की आलोचना उनकी नीतियों, कार्यक्रमों पूर्व के इतिहास व कार्य सम्बन्ध में ही की जा सकती है। किसी उम्मीदवार के व्यक्तिगत जीवन से सम्बन्धित पहलुओं पर आलोचना नही की जायेगी। मत प्राप्त करने के लिए जातीय, साम्प्रदायिक और धार्मिक भावना का परोक्ष या अपरोक्ष रूप से सहारा नहीं लिया जायेगा। पूजा स्थलों जैसे मन्दिर, मस्जिद, गिरजाघर व गुरूद्वारा आदि का उपयोग निर्वाचन में प्रचार हेतु नही किया जायेगा। पुलिस अधीक्षक अरविन्द कुमार मौर्य ने कहा कि सभी लोग जिले में चल रही शान्तिपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया में अपनी सहभागिता निभावें, यदि किसी प्रत्याशी या उनके समर्थक द्वारा किसी भी मतदाता को डरा-धमका कर अपने पक्ष में मत देने के लिए बाध्य करने की शिकायत मिली तो निश्चित ही उनके विरूद्ध विधिक कार्यवाही होगी।

क्विक न्यूज़

दो अध्यापक निकले कोरोना पॉजिटिव

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। शहर में कोरोना महामारी के बढ़ते कहर की चपेट में कृषक समाज इंटर कालेज गोला के दो अध्यापक कोरोना पाजिटिव पाए जाने से विद्यालय में सनसनी फैल गई है। जानकारी अनुसार कृषक समाज इंटर कॉलेज के अध्यापक देवेंद्र सिंह एवं श्यामसूर्ति शुक्ला को बुखार आने की शिकायत होने पर लखीमपुर चिकित्सालय में जांच करवाई गई। अध्यापकों की हुई जांच में दोनों अध्यापक कोरोनावायरस रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर विद्यालय में खलबली मच गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. एलआर वर्मा द्वारा दोनों अध्यापकों को घर पर भेज दिया गया। तथा दूसरी ओर लखनऊ से चलकर हॉस्पिटल में इलाज करा रहे कुछ परिवारी जन मोहल्ला पश्चिमी दीक्षितान वार्ड नंबर 16 निकट विकास चौराहा लौटे हैं। मोहल्ले वासियों को शक है कि वह सभी के सभी कोरोना वायरस से ग्रसित हैं पर अब तक कोई भी कार्यवाही नहीं हुई है। पुलिस को मोहल्ले वासियों ने सूचना देकर अवगत कराया है मगर कोई परीक्षण अब तक नहीं कराया जा सका है। जिसका खौफ मोहल्ले वासियों के अंदर बैठा हुआ है।

मतदान कार्मिकों को आवंटित ब्लाकों तक पहुंचाने की व्यवस्था

लखीमपुर-खीरी। जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत एवं डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जिन मतदान कार्मिकों की त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2021 में ड्यूटी हेतु आवंटित विकास खंडों में रिपोर्ट करना है। उनके पास आने जाने का कोई साधन नहीं है। उन्होंने बताया कि ऐसे सभी मतदान कार्मिकों की सुविधा के दृष्टिगत 18 अप्रैल 2021 को प्रातः 7:00 बजे राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में आवंटित विकास खंडों तक भेजने हेतु बसों की व्यवस्था की गई। ऐसे सभी मतदान कार्मिक जिन्हें आवंटित विकास खंडों में पहुंचने हेतु किसी वाहन की व्यवस्था नहीं है। वह जीआईसी ग्राउंड पहुंचकर बसों के माध्यम से ब्लाकों तक पहुंच सकते हैं।

लावारिस शव की हुई शिनाख्त

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। बीते दिवस स्थानीय चीनी मिल निकट जंगल में स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास पेड़ में लटकी अज्ञात युवक की पाई गई लाश की शिनाख्त शिवम वर्मा 22 वर्ष के रूम में पिता द्वारा की गई है। मृतक शिवम वर्मा के पिता बाल गोविंद वर्मा निवासी ग्राम हरिहरपुर ने अपने पुत्र की शिनाख्त करते हुए गोला पुलिस को दी गई तहरीर में कहा गया है कि उनका पुत्र 5 सितम्बर 2021 को करीब दिन के 12 बजे अपने सभी प्रशिक्षक प्रमाण पत्र बैग में रखकर यह कहकर निकला था कि मैं किसी कार्य से शाहजहांपुर जा रहा हूं। शाम तक घर वापस आ जाऊंगा। शाम को घर वापस न आने पर शाम 7 बजे फोन लगाए जाने पर मोबाइल स्विच आफपाया गया। शाहजहांपुर जाकर तलाश करने के उपरांत रिश्तेदारों में फोन से संपर्क किया गया और इधर-उधर तलाश किया। किंतु कोई सुराग नहीं लगा। उसने लिखा है कि दिनांक 9 अप्रैल 2021 को रात्रि 8 बजे उसके साढू के लड़के के द्वारा व्हाट्सएप पर गोला में लाश बरामद होने का फोटो डाले जाने से जानकारी होने के उपरांत परिजनों ने गोला आकर शव की शिनाख्त कर उचित कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

अधिवक्ताओं के दोनों संगठनों का हुआ विलय

मितौली-खीरी। यूपी बार काउंसिल के सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन अजय कुमार शुक्ल एडवोकेट की अपील पर अधिवक्ता संघ मितौली व तहसील बार एसोसिएशन मितौली के पदाधिकारियों ने दोनों को एक में ही विलय करके एक संगठन तहसील बार एसोसिएशन मितौली के बैनर से काम करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ मितौली के अध्यक्ष सतीश मिश्रा, महामंत्री उमाकांत तिवारी, तहसील बार एसोसिएशन मितौली के अध्यक्ष ओम प्रकाश अवस्थी, महामंत्री सरोज दीक्षित एवं बार के वरिष्ठ अधिवक्ता दयाशंकर मिश्रा, राम बाबू बाजपेई, राजेंद्र सिंह तोमर, वीरेंद्र मिश्रा, पंकज बाजपेई, गिरीश अवस्थी, सत्य प्रकाश मिश्रा, दिवाकर श्रीवास्तव, रघुवंश द्विवेदी व रामअवतार मिश्रा आदि वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित थे। शुक्ल ने मितौली के अधिवक्ताओं की सदभावना हेतु उनका आभार व्यक्त किया।

खेत पर गेहूं काट रही महिला पर डिंगारा ने किया हमला

बरेली। बरेली थाना मीरगंज के गांव सिमरा खेड़ा निवासी बूंदों पति फर्जन खेत में गेहूं काट रही थी तभी अचानक उड़ कर आ रहे डिंगारा ने हमला कर दिया जिससे बूंदों बहा से भागी खेत पर काम कर रहे कुछ लोगों ने आग जलाकर बचाया परिजनों ने उसे मीरगंज के सीएचसी अस्पताल में भर्ती कराया वहां से डॉक्टरों ने बरेली के जिला अस्पताल को रेफर कर दिया । बरेली के जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है

बस में यात्रा कर रहे युवक की संदिग्ध हालात में मौत

बरेली। बस में यात्रा कर रहे एक युवक की आज सुबह तड़के संदिग्धपरिस्थितियों में बस में ही मौत हो गई। उसके साथ यात्रा कर रहे युवक ने घटना की सूचना पुलिस को दी। जिसने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी।बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मोती पुर थाने के गांव मुसंडी निवासी 26 वर्षीय मुकेश पुत्र महेंद्र राम की आज सुबह तड़के बरेली में फरीदपुर थाना क्षेत्र में एक बस में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के दोस्त गांव के ही रहने वाले अरविंद और उपेंद्र ने बताया कि वह और मुकेश साथ-साथ कल बिहार के मुजफ्फरनगर से पंजाब जाने के लिए एक बस में सवार हुए थे। उन्हें पंजाब पहुंचकर मजदूरी पर खेतों में फसल काटनी थी। लेकिन रास्ते में जब उनकी बस फरीदपुर क्षेत्र में पहुंची तभी अचानक सुबह तड़के मुकेश की हालत बिगड़ गई। अरविंद ने बस को रुकवा कर घटना की सूचना पुलिस को दी और मुकेश को अस्पताल ले जाने की कोशिश की। लेकिन मुकेश की कुछ देर में ही मौत हो गई। अरविंद ने घटना की सूचना उसके घर वालों को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मुकेश की लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू कर दी। मृतक तीन बच्चों का पिता था।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बरेली। लगभग 10 सालों से बहन के घर में रहकर प्राइवेट नौकरी करने वाले युवक ने बीती रात खुद को कमरे में बंद करके फांसी लगा ली। सुबह होने पर पुलिस ने उसकी लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी। इज्जत नगर थाना क्षेत्र की न्यू मॉडल रेलवे कॉलोनी में लगभग 10 सालों से अपने बहनोई रेलवे के इंजीनियर अनिल शर्मा के मकान में रह रहे गोंडा निवासी सूरज शर्मा ने बीती रात खुद को कमरे में बंद करके छत के गुंडे से लटक कर फांसी लगा ली। सुबह होने पर पुलिस ने उसकी लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम हाउस पर उसके घर वालों ने बताया कि सूरज शर्मा अपने बहनोई के घर में रहता था और उसने ही उसकी प्राइवेट नौकरी लगवा दी थी।लेकिन सूरज पिछले कुछ दिनों से परेशान चल रहा था। कल शाम को उसने रोजाना की तरह खाना खाया था और बिस्तर पर सो गया।लेकिन रात में किसी समय उसने खुद को कमरे में बंद कर लिया और छत से लगे गुंडे से साड़ी बांध कर फांसी लगा ली। सुबह होने पर जब वह अपने बिस्तर पर नहीं मिला। तब उसे तलाशने की कोशिश की गई। इसी दौरान दरवाजा बंद देखकर उसे खुलवाने की कोशिश की गई। जो अंदर से बंद था। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। कुछ देर बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घरवालों की मदद से किसी तरह दरवाजा खुलवाने के बाद उसकी लाश को फांसी से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी।

एसीएल के निदेशक सम्मानित

करनैलगंज (गोंडा)। कोरोना काल में कोविड नियमो का पालन करते हुए नगर में संचालित एकेडमी ऑफकंप्यूटर लर्निंग को वर्ष 2019 के लिये प्रदेश में पहला स्थान मिला है। आरजीसीएसएम स्किल्स कोटा द्वारा संचालित इस केंद्र के केंद्र निदेशक अजीत दीक्षित को शानिवार लखनऊ में एक समारोह के दौरान चेयरमैन डॉ0 केपी सिंह ने आवार्ड देकर सम्मानित किया। संस्था द्वारा यह आवार्ड प्रतिवर्ष ग्रामीण इलाकों में बेहतर कंप्यूटर शिक्षा के लिए प्रदान किया जाता है। इस दौरान तमाम सम्भ्रांत लोगो के साथ इस क्षेत्र से जुड़े लोग भी मौजूद रहे। आवार्ड प्राप्त कर वापस लौटे केंद्र निदेशक का एकेडमी परिवार व प्रशिक्षुओ ने जोरदार स्वागत किया। एकेडमी के प्रशिक्षक रमेश पाण्डेय ने इसे करनैलगंज ही नही बल्कि पूरे जिले के लिए गौरव की बात बताई। इस दौरान बीपी पांडेय, शहजादी, हिना खान, गुफरान, विष्णु, सृष्टि, प्रिंसी अरुन सहित नगर के तमाम लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

तमंचे के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक अरबिंद कुमार मौर्य द्वारा जनपद में अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे कार्यवाही के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक बीसी दूबे व क्षेत्राधिकारी भिनगा हौसला प्रसाद के कुशल नेतृत्व में कोतवाली भिनगा प्रभारी निरीक्षक बृजेश द्विवेदी ने मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त राम सिला उर्फहाइब्रिड यादव पुत्र धर्मराज यादव निवासी निबाभारी थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती को एक अदद तमंचा व एक अदद कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना कोतवाली भिनगा पर मुकदमा अपराध संख्या 118/2021 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट मे अभियोग पंजीकृत कर जेल रवाना किया गया।

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 11 अप्रैल, 2021

कारपोरेट प्रशासन में सुधार की आवश्यकता

नियामकों और नीति-निर्माताओं को भारतीय फर्मों में स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशकों को अधिक शक्तियां प्रदान करने के लिए नियम और कानून विकसित करने होंगे।

हिमा बिंदू कोटा
(लेखिका एमिटी विश्वविद्यालय में सह प्रोफेसर हैं)

हालांकि ऐसा लग रहा है, वित्तीय घोटाले दुनिया भर में कारपोरेट प्रशासन के बढ़ते महत्व को उजागर करते हैं। भविष्य के घोटालों की पृष्ठभूमि में, शासन के मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा – विशेष रूप से पारदर्शिता और प्रकटीकरण, नियंत्रण और जवाबदेही – और बोर्ड संरचना के सबसे उपयुक्त रूप पर जो इस तरह के घोटालों को रोकने में सक्षम हो सकता है। वैश्विक वित्तीय संकट ने प्रभावी जोखिम-प्रबंधन के एक अनिवार्य तत्व के रूप में एक ध्वनि कारपोरेट प्रशासन प्रणाली की प्रासंगिकता को सामने लाया है। हालांकि एकमात्र कारण नहीं है, शासन की विफलताएं महत्वपूर्ण हैं जहां बोर्ड जोखिम को समझने और प्रबंधित करने में विफल होते हैं। संकट कारपोरेट प्रशासन और जोखिम प्रबंधन के साथ-साथ वित्तीय क्षेत्र में सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व के लिए अधिक प्रभावी दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है; भूमिका जो कॉरपोरेट गवर्नेंस की हो सकती है और जिसे निभाना चाहिए वह भरोसा बहाल करने में है।

कुछ हद तक, कंपनियों को जवाबदेह नहीं रखने के लिए शेयरधारकों की आलोचना की जा सकती है, और यह सच है कि बांडधारकों ने कंपनियों को उत्तोलन के माध्यम से अल्पकालिक रिटर्न रैंप करने के लिए प्रोत्साहित किया है। हालांकि, नियामकों ने अक्सर निर्णायक रूप से इस बात पर प्रतिक्रिया नहीं दी है कि बाजार जोखिम को कम कर रहे हैं, जिससे बैंक बोर्डों को बहुत कम पूंजी, अत्यधिक लाभ, बहुत अधिक तरलता जोखिम और खराब बंधक-उधार प्रथाओं का संचालन करने की अनुमति मिलती है। एक बढ़ती हुई धारणा है कि वैश्विक वित्तीय उथल-पुथल से छूत और फैलने वाले प्रभाव किसी भी देश की आर्थिक उपलब्धियों को कमजोर कर सकते हैं। नतीजतन, कारपोरेट गवर्नेंस और वित्तीय प्रणाली की स्थिरता और सुदृढ़ता के बीच एक बढ़ी हुई सहभागिता होनी चाहिए। इसलिए, कारपोरेट गवर्नेंस प्रथाओं को मजबूत बनाने की आवश्यकता है, विशेष रूप से बोर्ड की क्षमता और जिम्मेदारी को बढ़ाकर। बोर्ड के सदस्यों को अपने कार्यों को पूरा करने के लिए वित्तीय मुद्दों और जोखिम प्रबंधन के बारे में नवीनतम जानकारी होनी चाहिए और जब आवश्यक हो तो प्रशिक्षण आयोजित किया जाना चाहिए। बोर्ड को अपने प्रदर्शन का वार्षिक मूल्यांकन करना चाहिए और शेयरधारकों को रिपोर्ट करना चाहिए। भारत जैसी तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के संदर्भ में कारपोरेट प्रशासन के आसपास के कुछ मुद्दों का पता लगाना उचित है।

बाहर के स्वतंत्र निदेशकों और दृढ़ प्रदर्शन के बीच संबंध पर अनुभवजन्य साक्ष्य मिश्रित हैं। कारपोरेट बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की प्रभावशीलता के संबंध में शोधकर्ताओं द्वारा दो परस्पर विरोधी विचार प्रस्तुत किए जाते हैं। विचारों में से एक एजेंसी सिद्धांत पर आधारित है और दूसरा प्रबंधकीय आधिपत्य है। निदेशक मंडल सुशासन प्रथाओं की धुरी है। स्टॉकहोल्डर्स और अन्य प्रमुख हितधारकों द्वारा नियुक्त, निदेशक शेयरधारकों के सहायक हैं, न कि प्रबंधन के। इसलिए, जहां प्रबंधन के उद्देश्य शेयरधारकों से भिन्न होते हैं, गैर-कार्यकारी निदेशकों को अंतिम मालिकों के हितों का प्रतिनिधित्व करना चाहिए और उनके विवादास्पद निरीक्षण कार्यों का निर्वहन करना चाहिए। यही कारण है कि स्वतंत्रता किसी भी बोर्ड की संरचना का निर्धारण करने में एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है।

कारपोरेट प्रशासन का एजेंसी परिप्रेक्ष्य उन प्रोत्साहन समस्याओं की चिंता करता है जो निगमों में प्रबंधन और स्वामित्व के अलगाव द्वारा बनाई गई हैं। इसमें प्रबंधकों को अपनी उपयोगिता बढ़ाने के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहन है, लेकिन शेयरधारकों को अधिकतम रिटर्न देने के लिए नहीं। इन समस्याओं के परिणामस्वरूप, कारपोरेट नियंत्रण तंत्र ऐसे साधनों के रूप में विकसित हुए हैं जिनके द्वारा प्रबंधकों को निवेशकों के हितों में कार्य करने के लिए अनुशासित किया जाता है। निदेशक मंडल, विशेष रूप से स्वतंत्र और गैर-कार्यकारी निदेशक, आंतरिक शासन

कारपोरेट बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की प्रभावशीलता के संबंध में शोधकर्ताओं द्वारा दो परस्पर विरोधी विचार प्रस्तुत किए जाते हैं। विचारों में से एक एजेंसी सिद्धांत पर आधारित है और दूसरा प्रबंधकीय आधिपत्य है। निदेशक मंडल सुशासन प्रथाओं की धुरी है। स्टॉकहोल्डर्स और अन्य प्रमुख हितधारकों द्वारा नियुक्त निदेशक शेयरधारकों के सहायक हैं, न कि प्रबंधन के। इसलिए, जहां प्रबंधन के उद्देश्य शेयरधारकों से भिन्न होते हैं, गैर-कार्यकारी निदेशकों को अंतिम मालिकों के हितों का प्रतिनिधित्व करना चाहिए।

प्रणाली का शीर्ष है और इसका उद्देश्य प्रबंधकों को अवसरवादी कार्य करने के लिए प्रोत्साहन प्रोत्साहन के माध्यम से एजेंसी की समस्याओं को कम करने में सहायता करना है। अकादमिक साहित्य में इस बात के स्पष्ट प्रमाण दिए गए हैं कि एजेंसी की समस्या होने पर स्वतंत्र निदेशक शेयरधारकों की रक्षा करते हैं।

गैर-कार्यकारी निदेशकों का मुद्दा यह सवाल उठाता है कि क्या यह बाहरी विशेषज्ञता निर्णयों के लिए अधिक ठोस आधार प्रदान करती है। बाहर के निदेशक (अंदर या कार्यकारी निदेशकों के विपरीत), संसाधनों और सूचनाओं को मूल्यवान पहुंच प्रदान करने के अलावा, शेयरधारकों के हितों की रक्षा भी करते हैं क्योंकि उनके रोजगार या उन्नति के अवसरों के साथ समान चिंता नहीं होती है। अध्ययन के इस क्षेत्र में प्रसिद्ध शोधकर्ताओं, जेन्सेन और मेकलिंग ने 1976 में शेयरधारकों और निदेशकों / प्रबंधकों के रिश्ते को प्रमुख और एजेंट के रूप में पहचाना। शेयरधारक चाहते हैं कि उनका धन अधिकतम हो, लेकिन प्रबंधकों के पास ऐसा करने के लिए कम प्रोत्साहन है कि वे मालिक हों। बोर्ड पर अधिक गैर-कार्यकारी निदेशक होने से, इस स्पष्ट संघर्ष को कम किया जा सकता है।

1986 में मेस और 1981 में हरमन जैसे शोधकर्ताओं का तर्क है कि बाहर के निदेशकों को सलाह दी जाती है कि वे सलाह देने की अपनी क्षमता के लिए, व्यापार और व्यक्तिगत संबंधों को मजबूत करने के लिए और एक संकेत भेजने के लिए कि कंपनी उनकी निगरानी करने की क्षमता के बजाय अच्छा कर रही है। आगे मेस का तर्क है कि बाहर के निर्देशकों का चयन करने में, उम्मीदवारों के शीर्षक और प्रतिष्ठा का मुख्य विचार है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि सीईओ निदेशक चयन प्रक्रिया पर हावी हैं और इसलिए बोर्ड को नियंत्रित करते हैं। इस दृश्य को वैंकिल और वाल्डो जैसे कुछ अन्य शोधकर्ताओं का समर्थन प्राप्त है, जो बाहरी निदेशकों के चयन में सीईओ द्वारा निभाई गई प्रमुख भूमिका के कारण फर्म के प्रदर्शन पर स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए बाहर के निदेशकों की क्षमता पर भी संदेह करते थे। गैर-कार्यकारी निदेशकों की आलोचना यह है कि वे अन्य प्रतिबद्धताओं के साथ बहुत व्यस्त हैं और केवल अंशकालिक आधार पर कंपनी के व्यवसाय के साथ जुड़े हुए हैं।

द्वैतता तब होती है जब कोई व्यक्ति निदेशक मंडल में दो सबसे शक्तिशाली पद रखता है – जैसे कि सीईओ और अध्यक्ष। सीईओ एक पूर्णकालिक पद है और कंपनी की दिन-प्रतिदिन की दौड़ के साथ-साथ कारपोरेट रणनीति को स्थापित करने और लागू करने की जिम्मेदारी है। सीईओ भी अंततः कंपनी के प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार है। इसके विपरीत, अध्यक्ष का पद सामान्य रूप से अंशकालिक होता है और मुख्य जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि बोर्ड प्रभावी ढंग से काम करे। इसलिए भूमिका में सीईओ सहित कार्यकारी निदेशकों के प्रदर्शन की निगरानी और मूल्यांकन शामिल है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में दो साल के आंकड़ों को लेकर सूचीबद्ध 130 मिडकैप कंपनियों पर किए गए एक अध्ययन में, परिणाम बताते हैं कि कुल निदेशकों के लिए गैर-कार्यकारी निदेशकों का अनुपात और स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशक की उपस्थिति लेखापरीक्षा समिति के प्रमुख का फर्म के प्रदर्शन से कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है। यह आधिपत्य सिद्धांत के अनुसार है कि निदेशक मंडल इसकी देखरेख की भूमिका को पूरा करने में असमर्थ है। यह भी पाया गया है कि भारत में मध्यम आकार की कंपनियों में फर्म के प्रदर्शन में सीईओ द्वैत संरचना सकारात्मक और महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह स्टीवर्डशिप सिद्धांत के साथ सहमति में है, कि प्रबंधक स्वाभाविक रूप से भरोसेमंद हैं और कंपनी के संसाधनों के अच्छे प्रबंधक हैं।

परिवार-नियंत्रित फर्मों में, परिवार के सदस्यों को नियंत्रित करने वाले बोर्ड में निदेशक नियुक्त किया जा सकता है, और इस प्रकार निदेशकों की स्वतंत्रता से समझौता हो सकता है। भारत में, सीईओ द्वैत और लघु बोर्ड सकारात्मक रूप से एक फर्म के प्रदर्शन में योगदान करते हैं। हालांकि, कुछ ऐसा प्रतीत होता है कि गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक अपनी निगरानी की भूमिका में विफल हो रहे हैं। नियामकों और नीति निर्माताओं को इस पर ध्यान देना होगा और स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशकों को अधिक दांत देने के लिए नियम और कानून विकसित करने होंगे।

सरकार के लिए चुनौती है किसान आंदोलन

किसान आंदोलन के मुद्दे पर सरकार रक्षात्मक भूमिका में है तथा अनेक किसान नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। लेकिन शायद बंगाल के चुनाव परिणाम ही बताएंगे कि सरकार दीर्घकालीन रूप से किसान आंदोलन की चुनौती का सामना कैसे करेगी।

इंद्रशेखर सिंह
(लेखक कृषि एवं पर्यावरण विशेषज्ञ हैं)

संयुक्त किसान मोर्चा ने भारत में 26 मार्च को सड़कें जाम कर भारत बंद का प्रयास किया। इसमें अहमदाबाद में स्थिति काबू से बाहर हो गई। भारतीय किसान यूनियन-बीकेयू के युद्धवीर सिंह को एक प्रेस सम्मेलन के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार करने वाले आईपीएस अधिकारी ने मीडिया को बताया कि 'अनुमति न लेने के कारण यह गिरफ्तारी हो रही है।' इससे यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठा कि क्या प्रेस कान्फ्रेंस करने के लिए भी सरकारी अनुमति की जरूरत है। उस समय प्रेस कान्फ्रेंस स्थल पर कोई प्रदर्शन या आयोजन नहीं हो रहा था और प्रेस सम्मेलन में बहुत कम लोग उपस्थित थे। क्या इतना छोटा कार्यक्रम सरकार को कोई नुकसान पहुंचा सकता था? हालांकि, टिकैत परिवार से संबंध रखने वाले वरिष्ठ नेता युद्धवीर की गिरफ्तारी से गुजरात सरकार ने उनको राजनीतिक लाभ ही पहुंचाया क्योंकि सामान्य प्रेस कान्फ्रेंस राष्ट्रीय खबर न बनती, जबकि अब बीकेयू के दूसरी श्रेणी का नेतृत्व भी राष्ट्रीय लोकप्रियता पा चुका है। इस प्रकार युद्धवीर को ट्विटर पर शहीद बना कर सरकार ने वास्तव में राकेश टिकैत के बीकेयू की सहायता ही की है।

हालांकि, प्रेस कान्फ्रेंस को निष्प्रभावी बनाने के लिए गिरफ्तारी की बात किसी प्रकार समझ से परे है। यह समझना कठिन है कि आखिरकार सरकार क्या सोच रही है। क्या अपने मनपसंद लोगों को आगे बढ़ा कर किसान मोर्चा तोड़ने के प्रयास हो रहे हैं? टिकैत गुट को ज्यादा वरीयता मिलने से 40 सदस्यों वाले किसान नेतृत्व समूह में तनाव पैदा हो गया है।

शायद यह सरकार की कार्यशैली के अनुरूप है। हालांकि, बाद में युद्धवीर को रिहा कर दिया गया और उन्होंने 27 मार्च को राजस्थान की किसान पंचायत में भाग लिया। युद्धवीर और राकेश टिकैत ने केन्द्र और गुजरात सरकार के इस 'उत्पीड़न' का भारी विरोध किया। उन्होंने इसे 'गुलामी का गुजरात माडल' बताते हुए कहा है कि 'गुजरात की जनता और किसान आजाद नहीं हैं।' इन बयानों का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि इनका संबंध महात्मा गांधी के राज्य में जनता को प्रेस कान्फ्रेंस करने पर गिरफ्तारी से है। ऐसा लगा जैसे युद्धवीर ने उस दिन कोई बहुत बड़ी राजनीतिक गलती कर डाली थी।

हमें एक और संभावना पर भी विचार करना चाहिए। क्या सरकार वास्तव में टिकैत की रणनीतियों और भाषणों से डरती है? 27 जनवरी की रात से राकेश टिकैत एक प्रकार से राष्ट्रीय राजनीति में पहुंच गए हैं। उनको राजस्थान और उत्तर प्रदेश की जाट पट्टी में भारी समर्थन मिला है। राकेश टिकैत के मार्च अभियान ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा जो नंदीग्राम से राजस्थान और पंजाब से तमिलनाडु तक फैला था। किसानों और खासकर नौजवान किसानों में उनका समर्थन बढ़ रहा है। एक हालिया मीडिया सर्वे ने उनको 100 शक्तिशाली भारतीयों में शामिल किया है। जल्द ही वे ऐसी शक्ति बन जाएंगे जिनसे निपटना कठिन होगा। क्या सरकार उन पर नजर रखने के लिए अनावश्यक रूप से राजनीतिक लाभ के लिए करदाताओं का पैसा खर्च कर रही है। केन्द्र सरकार की आक्रामकता बढ़ने के साथ ही किसानों का यूनियन के लिए समर्थन भी बढ़ रहा है। इस बीच टिकैत लगातार किसानों का आह्वान कर रहे हैं कि वे अनुचित कीमतों के खिलाफ विरोध करें।

हाल ही में पीपड़, मेहम, जयपुर व अन्य स्थानों पर उन्होंने जोर दिया कि किसानों को दिल्ली में प्रवेश कर संसद के बाहर अपनी फसलें बेचने के लिए तैयार रहना चाहिए। अनेक किसान यह साहसी रणनीति पसंद कर रहे हैं। उनका

क्या सरकार वास्तव में टिकैत की रणनीतियों और भाषणों से डरती है? 27 जनवरी की रात से राकेश टिकैत एक प्रकार से राष्ट्रीय राजनीति में पहुंच गए हैं। उनको राजस्थान और उत्तर प्रदेश की जाट पट्टी में भारी समर्थन मिला है। राकेश टिकैत के मार्च अभियान ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा जो नंदीग्राम से राजस्थान और पंजाब से तमिलनाडु तक फैला था। किसानों और खासकर नौजवान किसानों में उनका समर्थन बढ़ रहा है।

कहना है कि यदि सरकार कहती है कि किसान अपनी फसल कहीं भी बेच सकते हैं तो वे डीएम या एसपी के दफ्तर के बाहर ऐसा क्यों नहीं कर सकते हैं? अप्रैल मध्य मक देश के अधिकांश भागों में रबी की फसल तैयार हो जाएगी। यदि किसान आंदोलन आगे बढ़ता है तो सरकार को देशव्यापी प्रदर्शनों के लिए तैयार रहना होगा। ऐसा खासकर उस स्थिति में होगा जब कृषि उत्पादों के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य-एमएसपी के नीचे चले जांए। ऐसे में सरकार का यह आश्वासन निष्प्रभावी हो जाएगा कि 'एमएपी जारी रहेगी।'

किसान आंदोलन में शामिल राकेश टिकैत का गुट बार-बार 'वाल्मार्टीकरण' की बात करता है। इस प्रकार वह भारतीय कृषि तथा किसानों के निगमीकरण की संभावनाओं की ओर ध्यान आकर्षित करता है। हालांकि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-आरएसएस से जुड़े स्वदेशी जागरण मंच का भी यही विचार है जो कृषि क्षेत्र प्रत्यक्ष विदेशी निवेश-एफडीआई तथा अमेजन जैसे ई-रिटेलरों के प्रवेश के खिलाफहै। इस प्रकार संभवतः किसान आंदोलन अपने सार्वजनिक अभियानों में बहुत सतर्कता और जागरूकता बरत रहा है। किसान आंदोलन अब पुलिस सुधारों की बात भी करने लगा है। टिकैत ने एक रैली में पुलिस और सुरक्षा बल कर्मियों के लिए बेहतर वेतन और आवास की आवश्यकता बताई। ऐसे में उन पुलिसजनों के चेहरों पर आई मुस्कराहट देखने वाली थी जिनको वहां 'शांति बनाए रखने' के लिए तैनात किया गया था।

अभी हाल में राकेश टिकैत ने नौजवानों को संदेश दिया, 'अपनी जमीन पर जाएं, मिट्टी छुएं, उसे अपने माथे पर लगाएं और जमीन का अनुभव करें।' ऐसा लगता है कि इस प्रकार टिकैत समेत अन्य किसान नेता पिछले चार-पांच साल से जारी घृणा और आक्रामकता फैलाने वाले भाषणों व प्रचार के बजाय अब एक सकारात्मक व समावेशी संदेश देना चाहते हैं। उन्होंने जमीन, कृषि और अधिकारों को एकसाथ जोड़ा है और वे सरकार का प्रति-विमर्श तैयार कर रहे हैं। उनके तरीके गांधीवादी हैं और उनका राजनीतिक संगठन हर बीतते दिन के साथ और मजबूत होता जा रहा है। किसान आंदोलन के मुद्दे पर सरकार रक्षात्मक भूमिका में है तथा अनेक किसान नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। लेकिन शायद बंगाल के चुनाव परिणाम ही बताएंगे कि सरकार दीर्घकालीन रूप से किसान आंदोलन की चुनौती का सामना कैसे करेगी।

...देख दिनन के फेर

रहिमन चुप हो बैठिए देख दिनन के फेर वाली कहावत इस समय खाकी महकमे की प्रादेशिक सेवा से इस्तीफा देकर अलग हो चुके एक अधिकारी पर सटीक बैठ रही है। यह समय का ही फेर है कि नौकरी के शुरुआती दौर में ही अपनी जान जोखिम में डालकर एक माफिया डॉन के खतरनाक इरादों का खुलासा करने वाले अधिकारी को इनाम मिलने के बजाए न सिर्फ सरकारी प्रताड़ना झेलनी पड़ी बल्कि नौकरी छूटी, मुकदमा झेला और फिर जेल भी जाना पड़ा। लंबा समय जरूर लगा पर अब समय पूरी तरह बदल चुका है। भगवा सरकार के महाराज ने न सिर्फ इस अधिकारी पर लगाए गए झूठे मुकदमों को वापस ले लिया है बल्कि एक-एक कर माफिया डॉन के पूरे साम्राज्य को ध्वस्त करने में भी लगे हुए हैं। यही वजह है कि देड़ दशक से अधिक समय से गुमनामी के अंधेरे में जी रहे इस अधिकारी के नाम की चारों ओर धूम मची हुई है। बनारस से लेकर बाराबंकी तक लोग उसका स्वागत-सत्कार कर रहे हैं। उसकी बहादुरी व ईमानदारी की प्रशंसा हो रही है और माफिया के इशारे पर अन्याय पूर्ण कार्रवाई करने वाले प्रदेश के तत्कालीन मुखिया व साइकिल वाली पार्टी के नेता जी को लोग जमकर कोस रहे हैं। इतना ही नहीं उसके प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर एक मुहिम छेड़ दी है कि भगवा सरकार उसे दोबारा नौकरी में ले और सारे प्रमोशन भी दे। जानकारों का कहना है कि अगर कोई विशेष कानूनी अड़चन न आई तो भगवा सरकार यह करके भी दिखा सकती है।

कहां गईं मशीनें

शहर में कोरोना के बढ़ते मामलों पर नगर निगम के आला अफसरान दावे और वादे तक ही सीमित हैं। भला हो कुछ समाजसेवियों और सफाई कर्मियों का जिनके द्वारा भोजन वितरण और सफाई का कार्य देखा जा रहा है। यही हाल रहा तो पब्लिक के साथ अधिकारियों में भी कोविड का दायरा बढ़ने की आशंका हो गयी है। साहब के आदेश पर भी सैनिटाइजकरने वाले टैंकर और मशीनें सड़क पर नहीं दिखीं जिससे स्थित बिगड़ गयी। पहले कोरोना से बचाव के लिए लॉक डाउन सबसे बड़ा हथियार था लेकिन बेचारे अधिकारी चुनावों के चलते फंस गए हैं। मरता क्या न करता वाली हालत है। बड़े साहब बाहर बैरीकेटिंग का ठेका देकर भूल गए। अब यह ठेका लेने के बाद अफसर निढ़ाल हैं। कोरोना के नाम पर कुछ ठेकेदार पैसे की लूट करना चाहते हैं। इस हरकत से साहब के माथे पर पसीना आ गया है। क्षेत्रीय पार्षदों में भी इसको लेकर नाराजगी बढ़ गयी है। कुछ भी हो कोई मौके को भुनाने में चूकना नहीं चाहता है।

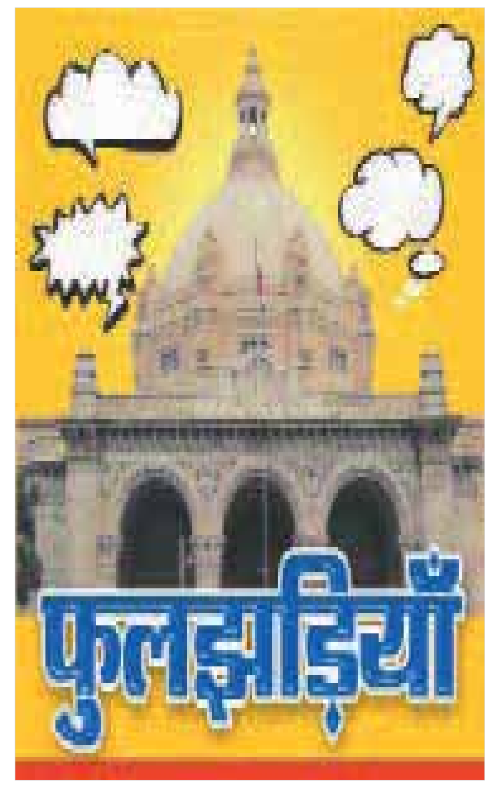

मोहे भाये पिता की गोद

पंचायत चुनाव हों, विधानसभा चुनाव हों या फिर कोरोना ही क्यों न आ जाए। मैं पिता की गोद से नहीं उतरूंगा। सब पिताजी देख लेंगे। आखिर वह शिव जो ठहरे। वह भी पालनहार। पिता की गोद में बैठकर आधा जीवन बिता दिया है। अब आगे भी ऐसे ही चल जाएगा। भले ही पिता जी ने प्रगतिशील रहने वाली पार्टी बना दी है लेकिन मैं प्रगतिशील नहीं बनूंगा। मैं स्वयं शिव का अंश हूं। जो शिव का है वह सब कुछ मेरा है। मुझे कुछ करने की जरूरत ही क्या है। इतना तो पिता ने बना ही दिया है कि पूरा जीवन आराम से कट जाएगा। अपना तो एक ही स्टाइल है। खाओ पियो मस्त रहो। जितनी प्रगति करनी थी पिताजी ने कर ली। आगे भी वही प्रगति करेंगे। जितनी पिताजी प्रगति करेंगे उतना ही मैं आगे बढ़ूंगा। आखिर सब कुछ मेरा ही तो है। मैं जो शिव का अंश आदित्य हूं। पिताजी की उंगली पकड़कर पहले भी चलता रहा हूं, आगे भी चलता रहूंगा। जो कुछ दिया है, उन्होंने दिया है। मैंने क्या किया है। मैं करूं भी क्यों। जब जरूरत ही नहीं है।

कड़का न कर दे कड़कनाथ

आए थे हरभजन को ओढ़न लगे कपास। जमाने से चली आ रही यह कहावत योगी सरकार के एक अधिकारी पर एकदम सही बैठती है। सालों साल की मेहनत और लम्बे शोध के बाद एक महिला अधिकारी ने कुछ महीने पहले कड़कनाथ मुर्गी पालन का कारोबार डाला। उम्मीद थी कि नौकरी के साथ-साथ कुछ अतिरिक्त आमदनी होगी। उनका यह सपना परवान चढ़ने से पहले ही टूट गया है और अब वह कारोबार को समेटने की सोच रही हैं। दरअसल सचिवालय सेवा की यह अधिकारी सरकार के एक ऐसे विभाग में कार्यरत हैं जो आपदा पीड़ितों के जख्मों पर मरहम लगाने का काम करता है। नौकरी के साथ-साथ इस महिला अधिकारी की शासन के अन्य विभागों में अच्छी जान-पहचान है। अनेक आईएएस आईपीएस और पीसीएस अफसरों के साथ इस महिला अधिकारी की अच्छी बनती है। कारोबार को शुरू करने से पहले इस महिला अधिकारी ने अपनी जान-पहचान वाले अफसरों से खूब चर्चा की। कारोबार शुरू होने पर यही अफसर उनके लिये मुसीबत बन गए। बताया जाता है कि कारोबार शुरू करने के बाद से लगभग हर दिन किसी न किसी अफसर की मुर्गे और अण्डे की डिमाण्ड आ जाती है लेकिन पैसा मिलता नहीं। ऐसे में उनका धंधा घाटे में चला गया है और अब वह कारोबार बंद करने की सोच रही हैं।

जनजाग्रति व सामाजिक सहभागिता से ही संभव है क्षय रोग नियंत्रण: आनंदीबेन पटेल

- राज्यपाल ने प्रशासनिक व पुलिस अफसरों के क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद लेने पर जतायी प्रसन्नता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि क्षय रोग निवारण अभियान की सफलता जनजाग्रति एवं सामाजिक सहभागिता से ही सम्भव है। अत: सभी प्रतिनिधि कैलेण्डर बनाकर प्रत्येक जिले में जागरुकता कार्यक्रम चलाये तथा अधिक से अधिक क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद लें। उन्होंने कहा कि जो बच्चे स्वस्थ हो चुके है, उनके स्थान पर दूसरे बीमार बच्चे लिये जा सकते है।

राज्यपाल शनिवार को राजभवन के गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश क्षय रोग निवारक संस्था की वार्षिक सामान्य बैठक को संबोधित कर रहीं थीं। बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त की कि जनपदों में जिलाधिकारी, सीडीओ, पुलिस अधीक्षक आदि स्तर के अधिकारी क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद ले रहे हैं।

इस कार्य में विश्वविद्यालयों, स्वयं सेवी संस्थाओं व समाज सेवियों का सहयोग मिल रहा है। हमें इसे जनांदोलन के रूप में चलाना चाहिए। राज्यपाल ने उदाहरण देते हुए कहा कि प्रदेश में लगभग 50 हजार से अधिक कालेज हैं। यदि हर कालेज एक गांव गोद ले तो यह कार्य प्रत्येक गांव तक पहुंच जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि तहसील स्तर पर ग्राम प्रधानों का सम्मेलन कराकर उन्हें भी इस अभियान से जोड़ने पर हमें आशातीत सफलता मिलेगी। राज्यपाल ने सदस्यों से अपील की कि वे क्षयरोग ग्रसित बच्चों के घर जाकर उन्हें फल मिठाई, गुड़, चना, मूंगफली, सत्तू आदि दें तथा बच्चे एवं उनके परिवार से संवाद स्थापित करें इससे आत्मीयता की भावना को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि यदि प्रबुद्ध वर्ग, समाज सेवी, चिकित्साविद्, राजनैतिज्ञ, शिक्षाविद् एवं निजी क्षेत्र सभी अपने राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व समझेंगे तो वह दिन दूर नहीं जब हमारा प्रदेश व देश क्षय रोग मुक्त हो जाएगा। इस अवसर पर राज्यपाल सहित समस्त सदस्यों ने वर्तमान कमेटी के समाप्त हुए कार्यकाल को ध्वनिमत से आगे के लिए अनुमोदित कर दिया। बैठक में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल महेश कुमार गुप्ता तथा उत्तर प्रदेश क्षय रोग निवारक संस्था के सदस्य मौजूद रहे।

राज्यपाल ने की आज से 14 अप्रैल तक टीका उत्सव मनाने की अपील

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन ने राजभवन लखनऊ से रोटरी मंडल के 37वें वार्षिक अधिवेशन में आनलाइन सहभागिता की। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में राज्यपाल ने कहा कि रोटरी समाजिक सेवा का पर्याय है। यह विश्व का सबसे बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन है, जो कि स्वास्थ्य, शिक्षा, शांति, सद्भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्यपाल ने कोविड-19 से बचाव के नियमों पर प्रकाश डालते हुए 45 साल के ऊपर आयु वालों को वैक्सीन लगवाने के लिए आह्वान किया तथा रोटरी के सदस्यों से अपेक्षा की कि प्रधानमंत्री के द्वारा की जा रही 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक टीका उत्सव मनाए जाने की अपील को जन-जन तक पहुंचाए।

वैक्सीनेशन जागरूकता का झंडा बुलंद करेंगे लाखों छात्र

- 11 से 14 के बीच चलेगा टीकाकरण अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कोविड संक्रमण से बचाव और टीकाकरण के प्रति जनता को जागरूक करने की कमान संभालने के बाद अब प्रदेश की युवा शक्ति भी आगे आ गई है। प्रदेश के इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में पढ़ने वाले तीन लाख से अधिक छात्र अब लोगों को कोविड वैक्सीन के प्रति जागरूक करेंगे और वैक्सीन के प्रति लोगों के भ्रांतियों को भी खत्म करेंगे। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय की ओर से ऐसे छात्रों को धनराशि व अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

कोविड संक्रमण बढ़ने के साथ सीएम योगी ने संक्रमण पर काबू पाने के लिए खुद इसकी कमान संभाली है। कोविड नियंत्रण को लेकर सीएम ने निगरानी समितियों का गठन किया है। इसके अलावा सीएम ने स्वयं प्रयागराज व वाराणसी में कोविड

वैक्सीनेशन प्रबंधों का जायजा लिया था। साथ ही अपने मंत्रियों को नोडल अधिकारी नियुक्त कर फील्ड में भेजा है। मुख्यमंत्री के फील्ड में उतरने के बाद अब एकेटीयू से सम्बद्ध संस्थानों के तीन लाख से अधिक छात्र भी करोनो संक्रमण की रोकथाम के लिए मैदान में आ गए है। एकेटीयू के कुलपति प्रो विनय पाठक ने बताया कि राज्यपाल व मुख्यमंत्री के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए छात्रों की मदद ली जा रही है।

वाटसअप पर फोटो अपलोड करो, पाओ सम्मान: एकेटीयू व आईईटी लखनऊ मिलकर कोविड वैक्सीन को लेकर जागरूकता अभियान शुरू करने जा रहा है। इस अभियान की शुरूआत राज्यपाल आनंदीबेल पटेल के कर कमलों से होगी। कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक बताते हैं कि इसमें सभी छात्रों से अनुरोध किया गया है कि वह अपने अभिभावकों व निवासित स्वजनों को कोविड वैक्सीन लेने के लिए प्रेरित करें। इसके बाद उनको अपने अभिभावकों की फोटो वाटसअप के जरिए विश्वविद्यालय को भेजना होगी। विश्वविद्यालय की ओर से ऐसे छात्रों को अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। एकेटीयू के साथ इस मुहिम में सीतापुर रोड स्थित आईईटी के चार हजार से अधिक छात्र भी शामिल होंगे। आईईटी के निदेशक प्रो विनीत कंसल ने बताया कि छात्रों को इस अभियान से जोड़ने से कोविड वैक्सीनेशन को बढ़ावा मिलेगा। छात्र बेहतर तरीके से वैक्सीनेशन को लेकर लोगों को भ्रांतियों को खत्म कर सकेंगे।

गांव में चलेगा जागरूकता अभियान: एकेटीयू अपने छात्रों के साथ.साथ राष्ट्रीय सेवा योजना व राष्ट्रीय कैडेट कोर इकाइयों की मदद से गांव में कोविड वैक्सीनेशन को लेकर जागरूकता अभियान चलाएगा। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों व आंगनबाड़ियों के माध्यम से ग्रामीण लोगों में वैक्सीनेशन को लेकर जो भ्रम है, उसे समाप्त करेगा।

देश प्रदेश में तमाम लोग परेशानियों से जूझ रहे हैं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि आगामी वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश का चुनाव देश का चुनाव होगा। पश्चिम बंगाल ने दिखाया है कि भाजपा किसी भी स्तर पर जाकर चुनाव लड़ती है। उसके लिए आदमी की जान से ज्यादा चुनाव जीतना जरूरी है। देश प्रदेश में तमाम लोग परेशानियों से जूझ रहे हैं। वैश्विक महामारी कोरोना ने फिर हम सबको घेर लिया है। ऐसे चक्रव्यूह में फंस गए हैं कि कैसे निकलें किसी ने ऐसे बुरे और काले दिन नहीं देखे होंगे। भाजपा इस सबसे बेखबर उत्सव और प्रचार से ही सरकार चला रही है। जनता अब आने वाले समय में बदलाव की तरफ देखेगी। वह तरक्की और खुशहाली के लिए वोट करेगी और भाजपा का सफाया हो जाएगा। अखिलेश यादव शनिवार को पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस, बसपा और भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं के बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल होने के अवसर पर पत्रकारों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि उनके आने से पार्टी को ताकत मिलेगी। पार्टी अपने साथ समाज के सभी वर्गो के लोगों को जोड़ने का काम करेगी। श्री यादव ने कहा कि आज तमाम लोग परेशानी में है। कितने लोग कोराना के संक्रमण में जान गंवा चुके हैं। इस संकट में गरीब का रोजगार छिन गया। पलायन के दौरान लोगों की जाने चली गई। जिन्हें संकट से बचाव के लिए इंतजाम करना था वे स्टार प्रचारक बनकर झूठ बोलने निकल पड़े हैं।

टीकाकरण उत्सव में सरकार लेगी धर्म गुरुओं की मदद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पीएम नरेन्द्र मोदी के आवहन पर होने जा रहे टीकाकरण उत्सव को सफल बनाने के लिये योगी सरकार विभिन्न सम्प्रदायों के धर्म गुरूओं की मदद लेगी। इस बारे में मुख्यसचिव की तरफ से आज सभी जिलों को जरूरी दिशा.निर्देश जारी करके टीकाकरण अभियान को कामयाब बनाने का रोडमैप बताया गया है। मुख्यसचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा जारी किये गये निर्देश में कहा गया है कि राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री नगरीय संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों के साथ 12 अप्रैल को वेब वार्ता का आयोजन किया जायेगा तथा दिनांक 13 अप्रैल को प्रदेश के विभिन्न धर्मगुरूओं के साथ वेब वार्ता का आयोजन किया जायेगा। इन वेब वार्ताओं के आयोजन की सम्पूर्ण जिम्मेदारी सम्बन्धित जिलाधिकारी की रहेगी।

विभिन्न धर्मगुरूओं, जिनकी संख्या 6 से 10 तक हो सकती है, को एनआईसी के माध्यम से कान्फ्रेन्स रूम में आमंत्रित किया जायेगा। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री द्वारा कुछ धर्मगुरूओं से वार्ता भी की जायेगी और सम्बोधन भी होगा। मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि कोरोना महामारी से लड़ाई हेतु प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक स्तर पर व्यापक प्रयास किये जा रहे हैं, जिनमें कि ट्रैकिंग, ट्रेसिंग एवं ट्रीटमेन्ट सम्मिलित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा देश में बनायी हुई वैक्सीन की भूमिका कोरोना की लड़ाई में निर्णायक सिद्ध हो रही है।

टीकाकरण की कार्यवाही युद्ध स्तर पर की जा रही है। देश में प्रथम चरण में स्वास्थ्य कार्मिकों को, दूसरे चरण में फ्रन्ट लाइन वर्कर्स को तथा तीसरे चरण में 45 वर्ष से अधिक सभी व्यक्तियों को टीकाकरण की कार्यवाही की जा रही है। विशेष टीका उत्सव के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों से समन्वय स्थापित करके प्रदेश के आम नागरिकों को अधिक से अधिक टीकाकरण हेतु प्रेरित करने का अभियान चलाया जायेगा। विशेष टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक है कि समाज के विभिन्न वर्गों को टीकाकरण में सम्मिलित होने हेतु प्रोत्साहित किया जाये तथा उनका सहयोग लिया जाये। इस अभियान में यह विशेष प्रयास किया जाये कि प्रदेश के सम्मानित जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरूओं तथा प्रबुद्ध नागरिकों इत्यादि को इसमें सम्मिलित किया जाये।

हमेशा से दलित विरोधी रहा है समाजवादी पार्टी का चरित्र: मनोज यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन मनोज यादव ने सपा सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अखिलेश को दलित-पिछड़ा विरोधी मानसिकता का करार देते हुए कठघरे में खड़ा किया है। पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन मनोज यादव ने कहा कि सूबे की समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव आज पूरी तरह से दलित-पिछड़ों की हकमारी के मामले में पूरी तरह से एक्स्पोज हो चुके हैं। दलित-अति पिछड़ा समाज आज उनका साथ छोड़ चुका है। भारत रत्न बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की जयंती 'दलित दिवाली' के रूप में मनाने की घोषणा करना उसी हताशा का परिणाम है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अखिलेश यादव बाबा साहब की विचारधारा को कुन्द और सीमित करना चाहते है। कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के पूर्वी जोन के चेयरमैन मनोज यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता द्वारा लगातार खारिज किए जाने से सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव विचलित होकर अवैज्ञानिक और अतार्किक निर्णय ले रहे हैं। दलित दिवाली की घोषणा करना उसी हताशा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश बाबा साहब की जयंती समता दिवस के रूप में मना रहा है। ऐसे में सपा सुप्रीमो द्वारा दलित दिवाली की घोषणा करना उनकी सियासी कमजोरी और भाजपा से अंदरखाने सांठगांठ को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी का चरित्र हमेशा से दलित विरोधी रहा है, प्रोन्नति में आरक्षण का बिल फाड़ने वाली सपा अम्बेडकर के नाम पर ढोंग और स्वांग कर रही है। अखिलेश यादव के 2012 में सत्ता पर आते ही दलित बस्तियों पर हमले तेज हो गए थे। उन्होंने कहा कि दलित दिवाली की बात करने का अधिकार उन्हें नहीं जो जीत की जश्न में दलितों की बस्तियां जलाते हैं। उन्होंने कहा कि दलितों के उत्पीड़न में सपा-बसपा और भाजपा दोनों एक समान रहे हैं।

भाजपा जनता की असली हितैशी: कौशल किशोर

संवाददाता। बख्शी का तालाब लखनऊ

त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में नामांकन के साथ ही अपने पक्ष में समर्थन के लिये मैदान में उतर पड़े हैं। शनिवार को सांसद कौशल किशोर ने वार्ड छह से जिला पंचायत सदस्य के लिये चुनाव लड़ रहे ज्ञान चंद ज्ञानी के लिये प्रचार किया। उन्होंने क्षेत्र के कठवारा और सुल्तानपुर गांव में आयोजित सभा में जनता से उन्हें जितने की अपील की हैं। उन्होंने बताया कि जनता की असली हितैसी भाजपा ही हैं। जो आमजन तक विकास का लाभ पहुचाने के लिये कार्यरत हैं। इस अवसर पर बीकेटी के पर्व ब्लाक प्रमुख शवदर्शन यादव नगर पंचायत अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे। वही विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कई वार्डो में क्षेत्रीय विधायक अविनाश त्रिवेदी ने जनसम्पर्क कार्यालय का शुभारंभ किया। वही वार्ड.2 से अनिता लोधीए वार्ड-3 से रामपाल रावतए वार्ड.4 से आरती रावतए वार्ड-5 से आशुतोष सिंह के समर्थन में कार्यालय का शुभारंभ करने के बाद जनसम्पर्क किया। जिस दौरान सभी भाजपा उम्मीदवारों को सदस्य जिला पंचायत चुनाव जिताने की अपील की है। इस अवसर पर दिनेश वर्मा राजू कश्यप सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बसपा, भाजपा व कांग्रेस के नेता सपा में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व पर आस्था जताते हुए शनिवार को बसपा, भाजपा और कांग्रेस पार्टी छोड़कर आये कई वरिष्ठ नेताओं ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी में शामिल सभी नेताओं तथा उनके साथ आए कार्यकर्ताओं का स्वागत किया तथा उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा पार्टी को इनके आने से मजबूती मिलेगी। भाजपा छोड़कर आये सियाना जिला बुलन्दशहर के पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार राकेश त्यागी, जिला पंचायत सदस्य फतेहाबाद आगरा हेमंत निषाद, बरेली के अधिवक्ता रामेन्द्र कश्यप, फिरोजाबाद अलीगढ़ के पूर्व संगठन मंत्री बृजेश कुमार गौतम, अखिल भारतीय लोधी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष उत्तम चन्द्र राकेश लोधी और कांग्रेस छोड़कर पूर्वमंत्री अनीसुर्रहमान शेरवानी के पुत्र अयाज शेरवानी, पूर्व विधायक अशरद खान पूरनपुर जिला पीलीभीत, अतरौली अलीगढ़ के पूर्व प्रत्याशी अश्वनी शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष सम्भल बिमलेश कुमारी, पूर्व प्रत्याशी शाहजहांपुर ब्रह्मस्वरूप सागर, बदायूं के साजिद अली, प्रयागराज के तारिक सईद समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। बसपा छोड़कर आये बरेली शहर के पूर्व प्रत्याशी इं. अनीस अहमद तथा रिज़वान के अतिरिक्त सेवानिवृत्त बेसिक एजूकेशन अफसर फतेहाबाद आगरा के डॉ. बच्चू सिंह निषाद ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। सदस्यता ग्रहण समारोह में कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के पदाधिकारी बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। इनमें प्रमुख हैं सैय्यद फरहान अली प्रदेश उपाध्यक्ष, जाहिद गाजी जिलाध्यक्ष बदायूं, निखिल कुमार जिलाध्यक्ष बरेली एवं जसपाल सिंह जिलाध्यक्ष पीलीभीत। इस अवसर पर सलीम शेरवानी पूर्व सांसद, नरेश उत्तम पटेल प्रदेश अध्यक्ष, अरविन्द कुमार सिंह एमएलसी, आईबी सिंह एडवोकेट की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

मत्स्य पालन से लाखों युवाओं को रोजगार देगी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मछली पालन से रोजगार सृजन और आय में वृद्धि की संभावनाओं को देखते हुए योगी सरकार ने बड़ी पहल शुरू की है। कम पूंजी से शुरू होने वाले इस व्यवसाय से लाखों युवाओं को रोजगार देने के प्रयास तेज हो गए हैं। आसानी से शुरू होने वाले इस व्यवसाय से बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर तो उपलब्ध होंगे वहीं गांव में बंजर पड़ी पंचायती जमीन पर बनाए गए तालाबों से ग्राम पंचायत की आय के साधन भी बढ़ जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि रोजगार की अपार संभावनाएं रखने वाला मछली पालन ग्रामीण विकास और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। यही कारण है कि अब मछली पालन में प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिये सुनहरे अवसर प्रदान करने जा रही है। इस दिशा में मत्स्य पालन विभाग की ओर से कई लाभकारी

योजनाएं शुरू होने जा रही हैं। जिससे बेरोजगारी तो दूर होगी और साथ में मत्स्य पालन को बढ़ावा भी मिलेगा। पिछली सरकारों ने इस दिशा में कोई महत्वपूर्ण कार्य नहीं किया जिस कारण रोजगार के बड़े अवसर प्रदान करने वाला यह क्षेत्र पिछड़ा रह गया। मत्स्य पालन विभाग की ओर से किसानों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। मत्स्य पालन का प्रशिक्षण देने के साथ ही इसके विस्तार के प्रयास सरकार की ओर से किए जा रहे हैं। अब किसान खेती के साथ.साथ मछलीपालन करके भी अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। प्रदेश गुना उत्पादन सरकार ने पिछली सरकारों की अपेक्षा मत्स्य जलाशयों की अवधि को 3 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष की है। यही कारण है कि बीते चार साल वर्षों मे प्रदेश में 26.44 लाख मीण्टन मत्स्य उत्पादन हुआ। चार वर्षों में 1191.27 करोड़ मत्स्य बीज उत्पादन हुआ और 5902 मत्स्य पालकों को किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किये गये। प्रदेश सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना लागू करके नि:शुल्क मछुआ दुर्घटना बीमा योजना का लाभ भी किसानों को दिलवाया। सरकार ने पिछले चार वर्षों में प्रदेश के 2215 मछुआ आवास आवंटित किए हैं। इसके साथ ही यूपी के मत्स्य पालकों को फिश फार्मर ऐप का संचालन कर सुविधाओं में इजाफा किया है। प्रदेश में 57 मत्स्य बीज हैचरी और 385 मत्स्य बीज रियरिंग यूनिट का निर्माण होने से सीधे तौर पर लोगों को लाभ मिल रहा है। कुछ समय पूर्व योगी सरकार के नेतृत्व में बेस्ट स्टेट ऑफ इन्लैण्ड फिशरीज़ का प्रथम पुरस्कार भी प्रदेश को हासिल हुआ है। प्रदेश सरकार की यह सबसे बड़ी उपलब्धि बना है।

छात्रों को छात्रवृत्ति देने में सरकार ने बनाया रिकार्ड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

छात्रवृत्ति वितरण में भी योगी सरकार ने रिकार्ड कायम कर दिया है। छात्रों की पढ़ाई में किसी तरह की बाधा न उत्पन्न हो इसके लिए छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति दिए जाने का काम किया गया है। चार साल में प्रदेश सरकार ने दसवी के ऊपर के अनुसूचित जाति के छात्रों को 5309 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति दी जा चुकी है। सरकार की ओर से दसवीं के ऊपर के छात्रों को 71.49 करोड़ रुपए छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा चुका है। इसके अलावा अल्पसंख्यक छात्रों को भविष्य बनाने के लिए साढ़े चार लाख छात्रों को 109 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। प्रदेश में पिछड़े, दलित, वंचित वर्ग समेत अल्पसंख्यक गरीब छात्रों का भविष्य को संवारने के लिए योगी सरकार ने चार सालों में छात्रवृत्ति वितरण में कीर्तिमान बना दिया है। सरकार की ओर अनुसूचित जाति व सामान्य वर्ग की तर्ज पर अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक व अनुसूचित जनजाति के गरीब छात्र-छात्राओं को करोड़ों रुपयों की छात्रवृत्ति को सीधे छात्र.छात्राओं के खातों में भेजा जा रहा है। विगत चार वर्षों में अनुसूचित जाति के दसवीं कक्षा से नीचे के छात्रों को 391.75 करोड़ रुपए और अनुसूचित जाति के दसवीं कक्षा से ऊपर के छात्रों को 5309 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति वितरित की है। वहीं अनुसूचित जनजाति के दसवीं कक्षा से नीचे के के छात्रों को 3 करोड़ 7 लाख रुपए और अनुसूचित जनजाति के दसवीं कक्षा से ऊपर के छात्रों को 71. 49 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति वितरित किया गया है। साथ ही अन्य पिछड़े वर्ग के दसवीं कक्षा से नीचे छात्रों को 576.4 8 करोड़ रुपए और दसवीं कक्षा से ऊपर के छात्रों को 4217.15 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। इसके अलावा अल्पसंख्यक वर्ग के 4 लाख 31 हजार 730 दसवीं कक्षा से नीचे के छात्रों को 109.6 करोड़ रुपए और दसवीं कक्षा से ऊपर के 12 57 हजार 210 छात्रों को 899.92 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति दी गई। 12 लाख 57 हजार 210 छात्र-छात्राओं को 899.92 करोड़ की छात्रवृत्ति और सामान्य वर्ग के 2 लाख 32 हजार 552 दसवीं से पूर्व छात्रों को 59.58 करोड़ रुपए एवं दसवीं से आगे के छात्र.छात्राओं को 2052.65 करोड़ छात्रवृत्ति वितरित की गई। प्रदेश के 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालय निर्माण कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में 103 पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं।

सोमवती अमावस्या पर लगा कोरोना का ग्रहण

यूपी-एमपी प्रशासन ने लगाई मेले पर रोक

संवाददाता। चित्रकूट

● डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने श्रद्धालुओं से की मेले में न आने की अपील

भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट के प्रमुख मेलो में से एक सोमवती अमावस्या पर कोरोना महामारी का ग्रहण लग गया है।मेले में देश भर से लाखों श्रद्धालुओ के धर्म नगरी आने से कोरोना का खतरा बढ़ने की आशंकाओ के चलते एलर्ट हुए यूपी- एमपी प्रशासन ने मेले पर रोक लगा दी है। चित्रकूट डीएम ने मीडिया के माध्यम से श्रद्धालुओ से मेले में न आने की अपील की है।

आपको बता दे कि दीपावली के बाद सोमवती अमावस्या ही एकमात्र ऐसा मेला है। जिसमे 10 लाख से अधिक श्रद्धालु चित्रकूट पहुंच कर पतित पावनी मंदाकिनी में आस्था की डुबकी लगाने के बाद भागवान श्री कामतानाथ के दर्शन-पूजन के बाद मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए कामदगिरि पर्वत की परिक्रमा लगाते रहे है। मेले से पूर्व पूरे देश के साथ-साथ धर्म नगरी चित्रकूट भी लगातार कोरोना संक्रमण बढ़ता जा रहा है। मेले में लाखो श्रद्धालुओ के आने से महामारी की स्थिति बेकाबू न हो ,इसके लिए यूपी -एमपी प्रशासन ने सोमवती अमावस्या पर रोक लगाने का बड़ा फैसला किया है।

शनिवार को डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल का कहना है कि कोरोना का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में लाखो श्रद्धालु यदि चित्रकूट आयेंगे तो कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ने की आशंका है।जिसके चलते दोनो प्रदेशो ने मेले पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। वहीं कामतानाथ मंदिर के प्रधान पुजारी भरत शरण दास महाराज ने भी कोरोना का संक्रमण रोकने में शासन-प्रशासन का सहयोग करने की अपील करते हुए श्रद्धालुओ से घरों में रहकर ही भगवान कामतानाथ जी की आराधना करने का अनुरोध किया है।

औदहा में चौपाल लगा सीओ ने ग्रामीणों को किया जागरूक

चित्रकूट। सीओ सिटी शीतला प्रसाद पाण्डेय ने पहाडी थाना क्षेत्र के औदहा गांव में जनचौपाल में कहा कि पंचायत चुनाव में ग्रामीण किसी प्रकार के प्रलोभन व दबाव में न आयें। निष्पक्ष व निर्भीक होकर मतदान करें। कोई दबाव डाले तो उसकी शिकायत पुलिस में करें। शनिवार को सीओ सिटी/राजापुर सीओ शीतला प्रसाद पाण्डेय की अध्यक्षता में पहाडी थाने के औदहा गांव में हुई जनचौपाल में सीओ सिटी ने कहा कि गांव में होने वाले किसी भी अवैध कार्य की सूचना पुलिस को अवश्य दें, ताकि अवैध कार्य करने वाले के खिलाफ कडी कार्रवाई हो सके। कोरोना गाइडलाइन का सभी लोग पालन करें। घरों से मास्क लगाकर ही बाहर जायें। वैक्सीनेशन अवश्य करायें, ताकि कोरोना वायरस से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि कोई भी अवैध शराब का सेवन न करे। शान्तिपूर्ण ढंग से चुनाव सम्पन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करें।

चुनाव प्रशिक्षण से अनुपस्थित कार्मिकों का वेतन रोकने के निर्देश

उन्नाव। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के दिशा निर्देशन में चुनाव प्रक्रिया से संबंधित प्रशिक्षण सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज संत पूरन दास नगर में नियुक्त कार्मिकों को दो पालियो में प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में अनपस्थित सभी 102 मतदान कार्मिकों का वेतन रोंकने के निद्रेश संबधित को भेजे गये है। जिला विकास अधिकारी/सहायक कार्मिक अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया को बहुत ही बारीकी से समझने की आवश्यकता है। सम्बन्धित कार्मिक निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किये गये दिशा निर्देशों एवं बैलेट बाक्स आदि के बारे में पूरी जानकारी अवश्य कर लें। कोई भी कार्मिक नियमों का उल्लघन नही करेगा। निर्वाचन पूरी टीम भावना के साथ सम्पन्न कराया जाना है। निर्वाचन के दौरान किसी भी प्रत्यासी का कोई भी आतिथ्य सत्कार स्वीकार नही करेगा। अनुपस्थित कार्मिकों से चुनाव प्रशिक्षण में उपस्थित न होने के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। साथ ही वेतन रोकने के निद्रेश संबधित को दिये गये है।

क्विक न्यूज

ससुराल से आये युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

फर्रुखाबाद। ससुराल गये युवक नें घर आकर कटहल के पेंड में फांसी लगाकर खुदकशी कर ली। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली मोहम्मदाबाद क्षेत्र के ग्राम संतोषपुर निवासी 27 वर्षीय कमलेश पुत्र ज्ञान सिंह बीते 8 मार्च को अपनी ससुराल महमदगंज सौरिख कन्नौज पत्नी पिंकी से मिलने महमदगंज सौरिख कन्नौज गया था। तब से घर नही लौटा। शनिवार को सुबह उसका शव नगला खान सिंह निवासी दिनेश कुमार के खेत में खड़े कटहल के पेड़ पर फांसी पर झूलता मिला। जिससे कोहराम मच गया। मृतक की माँ कुसमा देवी आदि का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। चौकी इंचार्ज दिग्विजय सिंह नें शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आर्थिक तंगी से परेशान अधेड़ ने फांसी लगाकर दी जान

कायमगंज फर्रुखाबाद। शनिवार सुबह अमरुद के पेंड में अधेड़ का शव फांसी के फंदे पर झूलता हुआ पुलिस नें शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना शमसाबाद क्षेत्र के ग्राम रजलामई निवासी 47 वर्षीय तुलाराम जाटव पुत्र शिवलाल जाटव का शव शनिवार सुबह फैजबाग पेट्रोल पंप के निकट अमरुद के बाग में फांसी पर झूलता हुआ मिला। घटना की जानकारी होनें पर मृतक का भाई अभय प्रताप मौके पर आ गया उसने शव की शिनाख्त की। मृतक की पत्नी कंठा देवी का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। चौकी प्रभारी फैजबाग दया महेश मौके पर आ गये। उन्होंने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सात लोगों में कोरोना की हुई पुष्टि

राठ (हमीरपुर)। कोरोना का पार्ट-2 और भी ज्यादा खतरनाक दिख रहा है। जनपद में कोरोना मरीजों की संख्या में एक बार फिर लगातार इजाफा हो रहा है। शनिवार को नगर पालिका राठ के अधिशाषी अधिकारी, कर अधीक्षक, प्रधान लिपिक सहित कस्बे में कुल सात लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई है। पालिका अधिकारियों के कोरोना पॉजिटिव निकलने से पालिका कर्मियों में हड़कंप की स्थिति है। शनिवार को सीएचसी में हुई जांच में नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी केके मिश्रा, प्रधान लिपिक विजय कुमार और टीएस जयकुमार सहित कस्बे के चार लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। कोरोना से बचने के लिए लोग अब मास्क और दो गज की दूरी का पालन करें।

लेन-देन को लेकर दो पक्षों में विवाद

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के गुलाब नगर मोहल्ले में रुपयों के लेन-देन को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। पीडित पक्ष ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। गुलाब नगर मल्हौवा रोड निवासी नरेंद्र राजपूत ने बताया कि उसने भटियाना मोहल्ला निवासी रमेश सोनी पुत्र बाबूलाल को 20 हजार रुपये उधार दिए थे। बीती शुक्रवार को जब उसने उससे रुपए की मांग की तो वह झगड़ा करने लगा। जिससे उसके बीच मार पीट हो गई। वहीं रमेश सोनी ने बताया कि नरेंद्र राजपूत ने अपने साथी विवेक अग्रवाल के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवक पर पीड़िता ने दर्ज कराई दुष्कर्म की रिपोर्ट

राठ(हमीरपुर)। कस्बे के एक मोहल्ले में शादी का झासा देकर लगातार दुष्कर्म कर रहे युवक के विरूद्ध पीडित किशोरी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। एक मोहल्ला निवासी पीडित किशोरी ने बताया कि मोहल्ले का शिवम पुत्र बबलू नागर शादी का झासा देकर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म करता रहा। जब उसने कहा कि यह सब शादी के बाद होना चाहिये। लेकिन युवक नहीं माना और लगातार उसके मर्जी के शारीरिक संबंध बनाता रहा। बताया कि जब उसने शादी के लिये कहा तो युवक ने नाबालिग कहकर उसे टालता रहा। जब उसने युवक को उम्र बढ़वाने के लिये आधार कार्ड दिया तो वह उसमे बालिग हो गई। फिर उसने युवक से शादी के बोला तो उसने कुछ समय मांगा। बताया कि उसे जानकारी हुई की युवक दूसरी लड़की से शादी कर रहा है। जब उसने युवक से कहा तो वह कहने लगा कि वह शादी तुमसे ही करेगा। बताया कि बीते 1 अप्रैल 2021 को रात करीब 10 बजे उसकी मां व भाई बहन सामान लेने के लिये बाजार गई थी। उसी समय युवक उसके कमरे में आया और जबरदस्ती उसके साथ दुष्कर्म किया। जब उसकी मां वापस आई और उसके चिल्लाने की आवाज सुनी तो डायल 112 पुलिस को फोन पर सूचना दी। पुलिस ने किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराया है। कोतवाल राजेशचंद्र त्रिपाठी ने बताया कि किशोरी की तहरीर पर युवक के विरूद्ध 376, 8 पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। अभियुक्त की तलाश जारी है।

अलग-अलग घटनाओं में तीन घायल

मौदहा (हमीरपुर)। क्षेत्र में हुई अलग-अलग घटनाओं में 3 लोग हुए घायल जिसमें एक की हालत गंभीर होने पर सदर अस्पताल के लिए किया गया रेफर बताते चलें कि नगर के बड़ा चौराहा निवासी कौशल 40 पुत्र परवेज शुक्रवार की रात अपने घर पर की छत पर सो रहा था जब वह सुबह लगभग 8:30 पर जगा तो अचानक संतुलन खो बैठा जिससे वह छत से नीचे आ गिरा जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया उसे सर में गंभीर चोटें आई हैं घटना की जानकारी होते ही परिजनों ने आनन-फानन में नगर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी हालत चिंताजनक होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर सदर अस्पताल हमीरपुर के लिए रेफर कर दिया वहीं दूसरी घटना में जुनेद 19 पुत्र हमीद खान बीती देर शाम बाजार से अपने घर की ओर जा रहा था तभी रास्ते में किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गया राहगीरों की मदद से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया इलाज के बाद हालत सुधार बताया गया है वहीं नगर के कांशी राम कॉलोनी निवासी महेंद्र पुत्र बाबू 35 बीती शाम कालोनी के पास टहल रहा था तभी किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गया है जिसे मौदहा के सरकारी अस्पताल में कराया भर्ती जहां इलाज के बाद हालत में सुधार है।

बहू ने सास के ऊपर किया जानलेवा हमला

मौदहा हमीरपुर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिलौली में बेटे की हत्यारिन बहू ने सास के ऊपर किया जानलेवा हमला, सास ने कोतवाली में तहरीर देते हुए न्याय की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिलौली निवासी चुनू बादी पत्नी स्व0 पिरगवा ने तहरीर देते हुए बताया कि उसकी पुत्र वधु रामकुमारी ने अपने पति देवनारायण की हत्या अपने प्रेमी श्याम के सहयोग से कुछ वर्ष पूर्व दिल्ली में कर दी थी। जिसके लिए वह जेल भी जा चुकी है जेल से छूटने के बाद वह बतौर पत्नी श्याम सिंह के साथ कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परछछ में रहती है। लेकिन कल शुक्रवार वह अचानक मेरे घर आ धमकी और घर में जबरन रहने की जिद करने लगी तब चुनूबादी ने राम कुमारी से इस बात का विरोध किया तो उसने प्रार्थिया के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया जब शोर शराबा सुन उसके घर आ गए तो वह जान से मारने की धमकी व घर में जबरन कब्जा करने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकली। और कोतवाली में मेरे बड़े पुत्र बद्री पर झूठी छेड़खानी का आरोप लगा तहरीर दे पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। प्रार्थिया ने अपने जान माल की सुरक्षा के लिए कोतवाली पुलिस से गुहार लगाई है।

पंचायत चुनाव को लेकर एसडीएम ने पोलिंग स्टेशनों का किया निरीक्षण

मौदहा, हमीरपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को शांतिपूर्वक निष्पक्ष संपन्न कराने के मकसद से उपजिलाधिकारी राजेश चौरसिया व क्षेत्राधिकारी शैलेंद्र त्रिपाठी ने मौदहा विकासखंड क्षेत्र के अति संवेदनशील ग्राम पंचायतों के पोलिंग स्टेशनों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया और वहां के लोगों के बीच बैठक कर शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न कराने की अपील की। वहीं उन्होंने चेतावनी भी दी यदि चुनावी प्रक्रिया में किसी ने बाधा डाली तो उसके ऊपर कठोरतम कार्यवाही की जाएगी और किसी भी ऐसे व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा चाहे वह कितनी भी पहुंच वाला हो।

आगामी तीसरे चरण के मतदान के लिए पूरे जिले में चुनाव की तैयारियां सरकारी स्तर पर तेजी से चल रही हैं। इसी क्रम में शनिवार को उपजिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी ने पुलिस बल के साथ यहां की बड़ी आबादी वाले अति संवेदनशील प्लस के गांव परछा व संवेदनशील ग्राम अरतरा के सभी पोलिंग स्टेशनों का निरीक्षण किया और लोगों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं जानी और उपजिलाधिकारी ने बताया कि चुनाव को शांतिपूर्वक निष्पक्षता से संपन्न कराने के मकसद से सहयोग की अपील की है इसके साथ ही चेतावनी दी गई है की चुनाव में कोई भी व्यक्ति चाहे जितना पहुंच वाला हो अगर उसने गड़बड़ी करने का प्रयास किया तो उसके ऊपर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी और उसको इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। वही लोगों के बीच अधिकारियों ने कोरोना जैसी महामारी के दोबारा पांव पसारने को लेकर चिंतित ग्रामीणों को आश्वत करते हुए शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के माध्यम से हिदायत देते हुए घर से निकलने पर मास्क व आपसी बातचीत के दौरान आपस में सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए अपना व अपने परिवार सहित सभी के बचाव की दिशा निर्देश दिए।

ुर्घटना में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत

शुक्लागंज उन्नाव। बैराज चौकी क्षेत्र अंतर्गत विगत एक अप्रैल को कानपुर बैराज की ओर से घर लौट रहे बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। आसपास लोगों की मदद से पुलिस ने उसे कानपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां शुक्रवार शाम उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के बड़े भाई ने गंगाघाट थाने में तहरीर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली गंगाघाट क्षेत्र के गोपीनाथपुरम मोहल्ले के रहने वाले जितेंद्र सिंह (34) पुत्र स्वर्गीय शिवकुमार बीती 1 अप्रैल को शाम लगभग 7 बजे बैराज मार्ग पर कानपुर की ओर से वापस आ रहे थे। अभी वह बैराज चौकी के पास पहुंचे ही थे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह बैराज मार्ग पर बाइक समेत काफी दूर तक घिसटता चला गया। गंभीर रूप से घायल युवक को राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी और उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

महिला सिपाही समेत 19 कोरोना पॉजिटिव

संवाददाता। शुक्लागंज उन्नाव

● 48 घंटों के लिए पीएचसी की ओपीडी बन्द सेनेटाइजेशन शुरू

लगातार शुक्लागंज में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। इस दौरान नगर में तीन दिनों में 47 कोरोना पॉजिटिव मिलने से नगर के लोग दहशत में जी रहे हैं। इस इस दौरान आलाधिकारियों के निर्देश पर विभाग ने जांचों की क्षमता को काफी बढ़ा दिया है। शनिवार को कोरोना पर्यवेक्षक द्वारा की गई जांच में अलग अलग मोहल्लों से एक महिला कांस्टेबल समेत 19 लोग कोरोना का शिकार हुए पाए गए हैं, जिन्हें होम आइसोलेट किया गया है।

बता दें कि शनिवार को कोरोना पर्यवेक्षक डॉक्टर प्रदीप दिवाकर द्वारा की गई जांच मे नगर के ऋषि नगर से एक महिला व एक पुरुष, आदर्श नगर से एक महिला, सीताराम कॉलोनी से एक महिला, गांधी नगर से एक महिला व एक पुरुष, आनंद नगर से एक महिला, कंचन नगर से एक महिला, गोपिनाथपुरम मोहल्ले से एक महिला व एक पुरुष, कृष्णा नगर से एक महिला, राजधनी मार्ग से एक महिला, मन्नीबिहारी पुरम से दो पुरुष, गायत्री नगर से एक महिला, आर्यनगर से एक महिला व एक पुरुष, वहीं बिंदा नगर से एक पुरुष जांच में कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। वहीं हरदोई की महिला कांस्टेबल भी कोरोना संक्रमित पाई गई है, जिसका नाम पता विभाग लगा रहा है। उधर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर आशुतोष वार्ष्णेय ने बताया कि शनिवार को अस्पताल में कुल 240 लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया। उन्होंने बताया कि अब से 48 घंटों के लिए पीएचसी की ओपीडी बंद रहेगी। सेनेटाइज का कार्य शुरू हुआ है।

संक्रमण की रोकथाम के लिए 11 से 14 तक चलेगा टीका उत्सव

उन्नाव। सीएमओ डॉ. आसुतोष कुमार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार आगामी 11 - 14 अप्रैल तक महात्मा ज्योतिबा गोविंदराव फुले एवं डॉक्टर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम हेतु टीका उत्सव के रूप में चलाया जाएगा। बताया इस उत्सव में चिन्हित आयु वर्ग के लोगों को अभियान चला कर टीकाकरण किया जाएगा। बताया कि इस दौरान लोग सोशल डिस्टेंस का पालन, मास्क का प्रयोग, साफ सफाई के प्रति विवेष ध्यान रखें। कहा कोविड स्ट्रेन पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष ज्यादा बड़े रिस्क में है। कहा सभी लोग कोविड प्रोटोकॉल का पालन करें तथा कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु 45 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोग अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर टीकाकरण करवाएं।

घाटमपुर में कोरोना का कहर जारी,13 पॉजिटिव

● मोहल्ला बसंत बिहार नया कंटेनमेंट जोन बना

संवाददाता। घाटमपुर

जिले के साथ घाटमपुर में भी कोरोना संक्रमितों का ग्राफ लगा तार ऊपर खिसक रहा है शनिवार को सीएचसी में 155 की जॉच में 13 कोरोना संक्रमित पाये गये जिससे एक बार फिर लाक डाउन की चचायें जोर पकड़ने लगी है। यदपि जिला मुख्यालय के साथ घाटमपुर में भी रात्रि का कफ्यू लागा देने के बाद भी क्षेत्र में कोरोना की गाइड लाइन हवा हवाई साबित हो रही है जबकि शासन स्तर से लगातार आदेश और निर्देशों के जरिये कोरोना की गाइड लाइन और रात्रि कफ्यू को कड़ई से पालन किये जाने का ऐलान किया जा रहा है। लेकिन निजी संस्थानों की बात छोड़िये सरकारी कार्यालयों तक में दो गज की समाजिक दूरी और मास्क का पालन नही हो रहा है। यही हाल क्षेत्र के तमाम नर्सिंग होमों और निजी प्रतिस्ठानों का है जहॉ बिना मास्क के प्रवेश बिर्जत होने का सूचना जरुर चस्पा मिलेगी पर पालन शायद होता हो। ऊधर बीते कई दिनों से घाटमपुर और भीतरगांव सीएचसी में कोरोना संक्रमित के केश लगातार निकल रहे है। शनिवार को सीएचसी घाटमपुर में 155 की जॉच में 13 लोग संक्रमित पाये गये, चिकित्साधीक्षक डा0 कैलाश चंद्रा ने बताया कि 155 की जॉच सीएचसी गेट पर हुई जिसमें 13 संक्रमित पाये गये इनमें 11 कस्बे के बसंत बिहार के तथा 2 भीतरगांव क्षेत्र के है। उधर पतारा सीएचसी में 55 लोगों की जॉच की गयी चिकित्साधीक्षक डा0 नीरज सचान ने बताया की जॉच में सभी निगेटिव पाये गये है। नगरीय क्षेत्र के मुहल्ला शास्त्री नगर में एक ही परिवार के तीन लोग कोरोना संक्रमित मिले थे जिसमें एक की मौत हो गयी। नगर पालिका ने शास्त्री नगर मुहल्ले को कंटेनमेंट जोन घोषित कर प्रभावित इलाके की बेरीकेटिग कर दी गयी थी, आज बसंत बिहार को भी कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गय। जब कि पालिका रोड पहले से ही कंटेनमेंट जान घोषित है। उधर सीएचसी में कोरोना बैक्सीन का टीका लगवाने वालों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। बीते कल कस्बे के पत्रकार शिराजी सहित करीब आधा सैकड़ा लोगों ने टीका लगवाया, इस मौके पर उप जिला मजिस्ट्रेट अरुण कुमार श्रीवास्तव भी पंहुचे और टीका करण की प्रगति जॉची।

आग से हजारों बीघा गेहूं की फसल जलकर राख

फर्रुखाबाद। जिले के अलग-अलग जगहों पर लगी आग से हजारों बीघा गेहूं जलकर राख हो गया। ग्रामीणों की मदद से दमकल टीम ने आग पर काबू पाया। वहीं, किसानों का कहना है कि फसल जलने के बाद वह अब दाने-दाने को मोहताज हो गए हैं। राजेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम अलादपुर भटौली की कटरी में खड़े गेंहू में अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गयी। जिससे आग नें देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। इसके साथ ही जनपद की सीमा से लगे शाहजहाँपुर, नौगाँव, वीरपुर व जनपद के मौलागंज गाँव का सैकड़ो बीघा गेंहू जल कर धुआं हो गया। काफ समय बाद दमकल पंहुची लेकिन वीरपुर के आगे रास्ता ना होनें के चलते निकल नही सकी लिहाज उसे वापस जाना पड़ा। वही दूसरी घटना मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रोहिला जबाहर नगर निवासी रनवीर पुत्र कामता प्रसाद के खेत में भीषण आग लगने से काफी गेंहू जल गया।

चित्रकूट में बढ़ रहा कोरोना का प्रकोप, एक दिन में 60 पॉजिटिव

● अब जिले में मरीजों की हुई 339

चित्रकूट। कोरोना की दूसरी लहर ने पूरे देश को दहला दिया है। दूसरी लहर में अब तक पॉजिटिव मरीजों की तादाद जिले में 60 के पार पहुंच गई है।

शनिवार को सीएमओ डॉ विनोद यादव ने बताया कि अभी तक 60 लोग पॉजिटिव आये हैं। रिपोर्ट लगातार आ रही हैं। अभी तक की रिपोर्ट के मुताबिक जिले में पॉजिटिव मरीजों की तादाद 339 पहुंच गई है।

पूरे देश के साथ साथ बुंदेलखंड के चित्रकूट जिले में कोरोना का कहर थमने का नाम नही ले रहा है।तेजी से फैल रहे कोरोना पर अंकुश लगाने के लिए स्वास्थ्य महकमे ने लोगों से कोरोना गाइडलाइंस का कड़ाई के साथ पालन करने की अपील की है। चित्रकूट जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विनोद कुमार यादव ने के न्यूज से विशेष बातचीत में बताया कि कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। जिले में 37 टीकाकरण केंद्र बनाए गए हैं।जिले में पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन की उपलब्धता है।कोविशील्ड की 17 हजार डोज और को वैक्सीन की 15 सौ डोज उपलब्ध है।सीएमओ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वाहन ओर 11 से 14 अप्रैल तक विशेष अभियान चला कर टीकाकरण किया जाएगा। इसके अलावा कोरोना के उपचार के लिए खोह और शिवरामपुर में दो अस्पताल बनाये गये है।बताया कि प्रतिदिन 15 से 17 सौ लोगो की कोरोना जांच कराई जा रही है । उन्होंने बताया कि दूसरी लहर में सभी लोग सावधानी से रहें। मास्क लगाकर ही घर से निकलें और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते रहें।

नवाबगंज में मीडिया कर्मियों सहित 90 ने टीका लगवाया

नवाबगंज फर्रुखाबाद। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नवाबगंज में शनिवार सुबह से एएनएम पायल सिंह ने कोरोना बैक्सीन का टीकाकरण शुरू किया। एएनएम पायल सिंह ने प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एसोशिएशन के नवाबगंज ब्लॉक अध्यक्ष अनुरुद्ध सिंह गौर, संरक्षक सुधीर दीक्षित, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप भारद्वाज व प्राथमिक विद्यालय केन्द्र नवाबगंज के प्रधानाध्यापक संजीव रंजन, शिक्षक प्रज्ञानंद शाक्य व शिक्षक नवनीत यादव सहित अन्य शिक्षकों व 45 वर्ष से ऊपर के लोगो सहित 90 लाभार्थियों को कोविड 19 बैक्सीन का टीका लगाया। कोविड 19 बैक्सीन का टीका लगाने के बाद सभी लाभार्थियों को आधा घण्टे आब्जर्बर रूम में निगरानी में बैठाया गया। किसी को कोई दिक्कत न होने पर घर जाने दिया गया।

कोरोना के 26 नए शिकार बने

फर्रुखाबाद। लापरवाही लोगों पर भारी पड़ रही है। यही कारण है कि कोरोना ने जिले में 26 नए शरीर ढूंढ लिए हैं। अब यह 26 कितनों को शिकार बनाएंगे यह तो भविष्य ही बताएगा।

शनिवार को प्राप्त रिपोट में 26 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें 19 पुरुष तथा सात महिलाएं हैं। 22 लोग तो फतेहगढ़ और फर्रुखाबाद से ही संक्रमित हैं, जिससे स्पष्ट है कि शहर में कोरोना तेजी से फैल रहा है। एक 57 वर्षीय वृद्ध कायमगंज से, एक बेहटा राजेपुर टप्पा मंडल से 28 वर्षीय पुरुष, एक करनपुर से 40 वर्षीय महिला तथा एक मेरापुर से वर्ष का किशोर संक्रमित मिला है।

लोहिया अस्पताल में कोरोना पॉजिटिव महिला की मौत इमरजेंसी वार्ड सील

फर्रुखाबाद। साँस सम्बन्धी समस्या का उपचार कराने आयी महिला की मौत के बाद उसकी जाँच पॉजिटिव आयी। जिससे हड़कंप मच गया। आनन-फानन में इमरजेंसी सील कर दी गयी। वही चिकित्सक सहित दो को क्वारंटाइन कर दिया गया। मिली जानकारी के मुताबिक शहर के नबाब नियामत खां निवासी 45 वर्षीय मीरा शर्मा पत्नी शिव कुमार साँस की समस्या के चलते लोहिया अस्पताल के आपात कालीन वार्ड (इमरजेंसी कक्ष) में पंहुची। जिस पर मौके मौजूद चिकित्सक डॉ0 इमरान अली नें उसे कोविड की जाँच पहले करानें की सलाह दी। महिला नें जाँच करायी और उसे इमरजेंसी में रिपोर्ट आनें से पूर्व ही भर्ती कर लिया गया। लेंकिन कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गयी। उसकी मौत के बाद मृतका मीरा शर्मा की कोबिड जाँच की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी। रिपोर्ट देखते ही स्वास्थ्य कर्मियों के पैरों तले जमीन खिसक गयी। आनन-फानन में इमरजेंसी को सील कर दिया गया।

सांसद ने किया कंप्यूटर इंस्टीट्यूट का शुभारंभ

फर्रुखाबाद। विश्वनाथ सामाजिक सेवा संस्थान द्वारा संचालित एशियन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट का शुभारंभ सांसद मुकेश राजपूत से फीता काटकर किया। उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने माउस का बटन चलाकर कंप्यूटर पर कमांड दिया।

इस अवसर पर सांसद ने कहा कि कंप्यूटर शिक्षा वर्तमान समय में अति आवश्यक है । युवाओं के लिए कंप्यूटर शिक्षा अति आवश्यक है। इस अवसर पर प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना में सेंटर द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम की प्रशंसा की और अपनी मंगल कामनाओं के साथ प्रगति पथ पर अग्रसर होने का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर बोलते हुए संस्था के निदेशक सुरेंद्र पाण्डेय ने बताया कि कि हमारा प्रयास है कि हम कंप्यूटर शिक्षा के माध्यम से छात्रों को आत्मनिर्भर बनाएं संस्थान द्वारा बहुत से रोजगार परक कोर्स संचालित हैं। जिनको करने के पश्चात छात्र आसानी से रोजगार पा सकते हैं।प्रबंध निदेशक आकांक्षा सक्सेना ने कहा कि टेक्नोलॉजी हमेशा से जरूरी थी परंतु करोना जैसी महामारी ने हम सभी को सिखा दिया कि अगर हमें कंप्यूटर का ज्ञान है तो हम हर तरह की स्थिति का सामना बहुत आसानी से कर सकते हैं।

उद्घाटन के अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिक डॉ प्रभात गुप्ता, राजेंद्र दीक्षित, साजन शंकर जौहरी, डॉ रामकृष्ण राजपूत, रुति गुप्ता, अंशुल कश्यप, शिल्पी सक्सेना, अलका, नैना, आकांक्षा गुप्ता, रोहित सफ्फर, आदेश अवस्थी, अनुराग पाण्डेय, नवीन मिश्र, रविन्द्र भदौरिया, अरविंद दीक्षित, रत्नेश सक्सेना आदि लोग उपस्थित रहे।

चुनाव प्रशिक्षण में गायब रहे कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज कराने के आदेश

● पहली में 17 और दूसरी पाली में 13 कर्मी मिले गैरहाजिर

चित्रकूट। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने को मतदान कर्मियों के जारी प्रशिक्षण के तीसरे दिन चित्रकूट इंटर कालेज पहुंचे जिला निर्वाचन अधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने कहा कि बारीकी से अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों का प्रशिक्षण लेकर चुनाव सम्पन्न करायें। मतदान के दिन कोई समस्या न आये। इसलिए अच्छे से प्रशिक्षण प्राप्त करें। इस दौरान डीएम ने प्रशिक्षण में गैरहाजिर रहे कर्मचारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के आदेश दिए है।

शनिवार को चित्रकूट इंटर कालेज में चल रहे मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण का औचक निरीक्षण करने पहुंचे जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने कहा कि प्रशिक्षण में बताये जा रहे कार्य को अपनी डायरी में नोट कर लें। मनन व चिन्तन कर कहीं कोई बात समझ में न आये तो उसके बारे में तत्काल पूंछ लें, ताकि मतदान के दिन कोई समस्या न आये। प्रशिक्षण में लापरवाही न बरतें। जिन मतदान कर्मियों की ड्यूटी लगी है वह समय से आकर प्रशिक्षण प्राप्त करें। डीएम ने कहा कि निर्वाचन आयोग की मंशानुरूप त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को निष्पक्ष ,भयमुक्त और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है। डीएम ने सीडीओ अमित आसेरी से कहा कि प्रशिक्षण में पहली पाली में 17, दूसरी पाली में 13 कर्मी गैरहाजिर मिले है। सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी। इसके अलावा बीमारी का बहाना कर फर्जी मेडिकल बनवाने वाले कर्मचारियों के स्वास्थ्य प्रमाण पत्रों की जाँच के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन कर परीक्षण कराया जायेगा। फर्जी प्रमाण पत्र मिलने पर सम्बंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाई की जायेगी। प्रशिक्षण में सीडीओ अमित आसेरी, परियोजना निदेशक अनय कुमार मिश्र,उप कृषि निदेशक टी पी शाही समेत संबंधित अधिकारी व मास्टर ट्रेनर्स मौजूद रहे।

हार्वेस्टर की चिंगारी से 46 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख

● आधा दर्जन गांव के हजारों लोगों ने मिलकर बुझाई आग, बाद में पहुंची फायर बिग्रेड

संवाददाता। बिंदकी (फतेहपुर)

हार्वेस्टर की चिंगारी से अचानक गेहूं की फसल में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। ग्रामीणों ने देखा तो पैरों तले जमीन खिसक गई। आग की चपेट में एक ट्रैक्टर की ट्राली भी आ गई और जलने लगी। विकराल आग को देखकर आसपास के तमाम गांव के हजारों लोग एकत्र हो गए। काफी प्रयास और मशक्कत के बाद आग को बुझाया जा सका। तब तक 46 बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। बाद में फायर बिग्रेड पहुंचीं। जिस पर ग्रामीणों ने नाराजगी भी जाहिर की। पूर्वान्ह करीब 11 बजे कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत छीछा तथा दरियापुर गांव के बीच दरियापुर गांव निवासी किशनपाल के खेत में लगे हार्वेस्टर की चिंगारी से गेहूं की फसल में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। हार्वेस्टर के समीप ही ट्रैक्टर की खड़ी एक ट्राली में भी आग लग गई और ट्राली के पहिए धू धू कर जलने लगे। उधर आग लगातार विकराल रूप धारण करती जा रही थी। आग लगने की जानकारी मिलने पर छीछा, दरियापुर, कोरवा, भवानीपुर, अमेंना सहित आधा दर्जन गांव के हजारों लोग मौके पर पहुंच गए। लगभग डेढ़ घंटे अथक प्रयास और मशक्कत के बाद आग को बुझाया जा सका। तब तक कोरवा गांव के किसान हाफिज की 2 बीघा, कल्लू की 3 बीघा, उज्जैन की 2 बीघा, अंसार अहमद की ढाई बीघा, पप्पू की 4 बीघा, सलाउद्दीन की 2 बीघा, पप्पू हुसैन की 2 बीघा, भूरा की 2 बीघा, जमील की 2 बीघा तथा अनवार की 4 बीघा के अलावा छीछा गांव निवासी ओम प्रताप की 5 बीघा, जुगराज की 3:30 बीघा तथा दरियापुर गांव के निवासी ओमप्रकाश भोला यादव की 2 बीघा, लक्ष्मी नारायण की 3 बीघा तथा किशन पाल की 9 बीघा कुल 46 बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई।

काफी प्रयास के बाद ग्रामीणों ने आग को पूरी तरह से बुझाया। बाद में पहुंची फायर ब्रिगेड पर ग्रामीणों ने जमकर नाराजगी जाहिर की और कहा कि डेढ़ घंटे तक फसल जलती रही और इतनी देर में फायर बिग्रेड आई। शायद समय से फायर ब्रिगेड पहुंच गई तो निश्चित रूप से फसल का नुकसान बहुत कम हो सकता था। वही सूचना मिलने पर कोतवाली प्रभारी आशुतोष सिंह भी पुलिस बल के साथ पहुंचे और राजस्व टीम भी पहुंची और फसल के नुकसान का आकलन किया।

ट्रैक्टर से कुचलकर बाइक सवार युवक की जान गई

गुरसहायगंज (कन्नौज)। अनियंत्रित गति से जा रहे ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने ट्रैक्टर सहित चालक को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है। शनिवार की दोपहर बड़ौरा निवासी 30 वर्षीय युवक अबधेश सिंह यादव पुत्र महेंद्र सिंह यादव पुत्र अज्ञात अपनी बाइक से रजीपुर की ओर जा रहा था। जैसे ही वह लालपुर स्थित तिराहे पर पहुंचा। सामने से आ रहे ट्रैक्टर चालक ने अनियंत्रित गति से टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना से ग्रामीणों का जमावड़ा लग गया। ग्रामीणों ने मौके से फरार हो रहे ट्रैक्टर चालक को पकड़ लिया। सूचना पर पहुंचे नौरंगपुर चौकी इंचार्ज अरुण कुमार ने परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

विवाहिता ने भाजपा नेता पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

● खुद पर लगे घिनौने आरोपों को पूर्व ब्लाक प्रमुख ने नकारा

● बोले पुलिस जांच में सारी सच्चाई हो जायेगी उजागर

संवाददाता। उरई (जालौन)

जिला मुख्यालय के डूडा कालौनी में रहने वाली एक विवाहिता युवती ने शनिवार को कोतवाली पहुंचकर एक भाजपा नेता के विरुद्ध नौकरी दिलाने के बहाने दुष्कर्म करने का सनसनी खेज आरोप लगाकर चुनावी माहौल में हड़कंप मचा दिया। फिलहाल पीड़िता ने महिला हैल्प डैक्स में अपने बयान दर्ज कराने के बाद कोतवाली से चली गयी थी। युवती के आरोपों में कितनी सच्चाई है यह तो पुलिस जांच के दौरान पता चलेगा। लेकिन जैसे ही मामला मीडिया के पास पहुंचा तो वह सोशल मीडिया पर जमकर वायरल होता रहा। वहीं इस मामले में भाजपा नेता व पूर्व ब्लाक प्रमुख ने कहा कि मुझ पर घिनौने आरोप लगाने के मामले की पुलिस जांच कर लें क्योंकि आज के हाईटेक युग में पुलिस हर व्यक्ति की लोकेशन ट्रेस कर सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों उक्त युवती का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिससे वह मेरी छवि को धूमिल करने की मंशा से गंदे आरोप लगा रही है। शनिवार की अपरान्ह में डूडा कालौनी उरई निवासी एक विवाहित युवती कोतवाली पहुंची जहां उसने महिला हैल्प डैक्स पर प्रार्थना पत्र देते हुये भाजपा नेता व पूर्व ब्लाक प्रमुख सुदामा दीक्षित पर आरोप लगाया कि उसकी मुलाकात पूर्व ब्लाक प्रमुख हुई तो उसने बताया कि वह आचार्य नरेंद्रदेव इंटर कालेज उरई का अध्यक्ष है तुम्हारी नौकरी बाबू के पद लगवा दूंगा। इसके बाद फरवरी 2021 में सुदामा दीक्षित कागजात तैयार कराने के बहाने मुझे लखनऊ ले गया जहां अपने घर में ले जाकर जबरन मेरे साथ बलात्कार किया। इसके बाद मैंने भाजपा नेता से बात करना बंद कर दिया था और बदनामी के डर से कोई कार्यवाही नहीं की। जबकि पूर्व ब्लाक प्रमुख लगातार गलत काम करने का दबाव बनाता रहा। 9 अप्रैल को प्रात: प्रात: 8.30 बजे भाजपा नेता ने अपने मोबाइल नंबर 9984000006 से मेरे मोबाइल नंबर 8004549503 पर फोन किया और पूछा तुम कहां हो मुझे मिलना है इस पर मैंने फोन काट दिया तो पुन: 12 बजे के लगभग फोन किया तो मैंने फोन नहीं उठाया इसके बाद डेढ़ बजे दोपहर में पूर्व ब्लाक प्रमुख मेरे डूडा कालौनी आवास पर आया उस दौरान मैं घर में अकेली थी जहां भाजपा नेता ने मुझे मां, बहिन की गालियां देते हुये कहा कि मेरा फोन क्यों नहीं उठा रही। जब मैंने उनसे कहा कि मुझे तुमसे कोई बात नहीं करती है तो सुदामा दीक्षित ने जबरन मेरे साथ घिनौने कृत्य को अंजाम किया और यह धमकी देकर चला गया कि मेरा फोन तत्काल उठाया कर और मैं जहां बुलाऊं तुझे आना पड़ेगा बरना तेरी जिंदगी बर्बाद कर दूंगा।

बाबूपुरा, बहराई व नावर मौजे में आग ने बरपाया कहर

● डेढ़ सौ बीघा की गेहूं की फसलें हुईं राख

● आगजनी की घटना से किसानों में दिखा आक्रोश

संवाददाता। रामपुरा (जालौन)

विकास खण्ड रामपुरा के अंतर्गत ग्राम बाबूपुरा, बहराई नावर मौजे में खड़ी गेहूं की 60 एकड़ खाड़ी फसल में लगी आग। ग्रामीणों द्वारा आग बुझाने की कवायत शुरू हो गयी थी लेकिन देर शाम तक खेतों से आग की चिंगारी उठने से आसपास के किसान चौकन्ना बने हुये थे।

जानकारी के अनुसार शनिवार को दोपहर बाबूपुरा मौजे में हार्वेस्टर से निकली चिंगारी से आसपास के खेते में आग लग गई। आग को बढ़ता देख भगदड़ मच गई। आननफानन में किसानों द्वारा नलकूप चालू कर आग बुझाने का कार्य जारी हो गया। ग्रामीणों द्वारा थाना पुलिस को जानकारी दी गई। सूचना पाकर चौकी इंचार्ज उप निरीक्षक जितेंद्र कुमार मौके पर पहुँचे। दमकल को भी सूचना दी गई। आग से देवेंद्र कुमार बाबूपुरा, पिन्टू शुक्ला, अनिल मिश्रा बाबूपुरा, राजनारायण, विनोद कुमार, दिलीप कुमार आदि सहित एक दर्जन किसानों की गेहूं की लगभग 60 एकड़ खाड़ी फसल में आग से नष्ट हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि किसानों ने निजी उपकरणों की मदद से आग पर काबू पाया। जब तक आग पर काबू पाया गया। तबतक खड़ी फसल का एक मौजा जल कर खाक हो गया। किसानों के हुए नुकसान के बाद खेत स्वामी अपनी जली फसल को देखकर बिलखने लगे। दमकल विभाग की गाड़ी आग लगने के 3 घंटे बाद घटना स्थल पर अपनी हाजरी पूरी करने के लिए पहुंची। आग की सूचना पर नायब तहसीलदार चंद्रकांत के साथ उमरी चौकी इंचार्ज जितेंद्र कुमार मय हमराही मौके पर पहुंचे।

माधौगढ़ में फायर सर्विस स्थापना की उठी मांग

रामपुरा। ग्रामीणों के अंदर प्रशासन के प्रति काफी रोष हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रत्येक वर्ष गर्मियों के दिनों में आगजनी की घटनाएं सामने आती रहती हैं। लेकिन प्रशासन मूकदर्शक बना देखता रहता हैं। जिसका खामियाजा हम गरीबो को भुगतना पड़ता हैं। फिर चाहे वो घर की आग हो या फिर खेतो की। दलकल विभाग जब पहुंचता हैं जब सारा काम आम जनता निपटा लेती हैं।

प्रशासन ने एक बार भी इस विषय पर चर्चा नहीं की, कि जिला मुख्यालय से ग्रामीण क्षेत्र की दूरी 60 किलोमीटर हैं। कम से कम तहसील क्षेत्र में एक दमकल के कार्यालय का निर्माण करा दें। जिससे नुकसान का अनुपात कुछ हद तक कम हो सके। समय रहते दमकल की गाड़ी भी मौके पर पहुंच सके। जबकि माधौगढ़ में दमकल विभाग के कार्यालय निर्माण के लिए जगह वर्षों से पड़ी हैं। लेकिन प्रशासन उसके निर्माण कार्य की जहमत नहीं उठाना चाहता।

पीस कमेटी की बैठक में कोरोना से बचाव की अपील

संवाददाता। बिंदकी (फतेहपुर)

● गाइडलाइन के अनुसार पंचायत चुनाव व त्योहारों में शामिल रहने की कही बात

पीस कमेटी की बैठक में एसडीएम ने मौजूद लोगों से बढ़ते कोरोना के प्रभाव को देखते हुए अधिक से अधिक बचत करने के लिए 2 गज दूरी, मास्क है जरूरी, का पालन करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के साथ-साथ आने वाले त्योहारों तथा विभिन्न कार्यक्रमों में नई गाइडलाइन का पूरी तरह से पालन करें। कार्यक्रम में भीड़ नहीं होनी चाहिए। किसी प्रकार का कोई जुलूस नहीं होगा। सभी को कानून का पालन करना होगा। यदि किसी ने कानून का पालन नहीं किया तो कार्रवाई की जा सकती है। नगर के कोतवाली परिसर में शाम को पीस कमेटी की बैठक हुई। जिसमें आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर चर्चा हुई। जिसमें मौजूद एसडीएम प्रियंका ने कहा कि 26 अप्रैल को पंचायत चुनाव के लिए मतदान होना है। जो लोग भी ग्रामीण क्षेत्र के हैं वह पंचायत चुनाव में शांति पूर्वक भाग में मतदान करें। किसी के दबाव में ना आए। यदि कोई प्रलोभन देता है तो पुलिस और प्रशासन से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा। पड़ोसी जनपदों में भी कोरोना वायरस संख्या लगातार बढ़ रहा है। इस बात को ध्यान रखते हुए 2 गज दूरी मास्क है जरूरी का पालन करें और स्वस्थ रहें। उन्होंने कहा कि नवरात्र त्योहार तथा रमजान के त्यौहार के अलावा अंबेडकर जयंती में कार्यक्रमों में भीड़ नहीं होनी चाहिए। किसी प्रकार की कोई रैली नहीं निकलेगा या सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं होंगे। गाइडलाइन का पूरा पालन किया जाए अन्यथा कार्रवाई होगी। सीओ योगेंद्र सिंह मलिक ने कहा कि यदि किसी ने नई गाइडलाइन का पालन नहीं किया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर कोतवाली प्रभारी बिंदकी आशुतोष सिंह, एसआई प्रदीप कुमार, एसआई महेंद्र प्रताप, एसआई कृष्ण स्वरूप, एसआई विद्या प्रकाश सिंह, एसआई मान सिंह, एसआई रामनरेश, कस्बा इंचार्ज नीतीश राय, नगर पालिका परिषद के प्रधान लिपिक मनोज शुक्ला तथा स्वाति ओमर, मौलाना रजा कादरी, मुनेंद्र तिवारी, मोना ओमर, कामता यादव आदि मौजूद रहे।

कोरोना से हुई अधेड़ की मौत, मचा हड़कंप

गुरसहायगंज (कन्नौज)। नगर में कोरोना से तीसरी मौत होने पर हड़कंप मच गया मेडिकल टीम द्वारा मृतक अधेड़ का शव नगर स्थित कब्रिस्तान में दफन किया गया नगर के मोहल्ला विजय नगर निवासी 56 वर्षीय इफ्तिखार अहमद विगत कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे जिन्हें परिजनों द्वारा 6 अप्रैल को सांस लेने में तकलीफ होने पर तिर्वा स्थित मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया इलाज दौरान दिनांक 9 अप्रैल को अधेड़ ने दम तोड़ दिया वही अधेड़ की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर चिकित्सकों ने परिजनों को सब को पीपीई किट में रख कर मेडिकल टीम द्वारा नगर के मोहल्ला रामगंज स्थित कब्रिस्तान में परिजनों के सामने सब को दफन किया गया।

पंचायत चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग से बीडीओ को हटाने की मांग

खागा (फतेहपुर)। विजयीपुर विकास खंड क्षेत्र के ग्राम सभा मड़ौली निवासी सदाशिव यादव पुत्र राजाराम ने राज्य निर्वाचन आयोग पंचायत एवं नगरीय उत्तर प्रदेश लखनऊ को रजिस्टर्ड डाक से निष्पक्ष पंचायत चुनाव कराने हेतु खंड विकास अधिकारी विजयीपुर गोपीनाथ पाठक को हटाए जाने के संबंध में शिकायती पत्र देकर मांग किया। तहसील क्षेत्र के विकास खंड विजयीपुर ग्राम सभा मड़ौली निवासी सदाशिव यादव पुत्र राजाराम ने अपने दिए गए शिकायती पत्र में मांग करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत मडौली के पंचायत चुनाव में पिछली बार उसकी पत्नी चुनाव लड़ी थी जो दूसरे नंबर पर थीं। इस बार भी वह चुनाव लड़ना चाहता है लेकिन खंड विकास अधिकारी उसकी पत्नी व उसका नाम 11 जनवरी को विरोधी शिवचंद निषाद निवर्तमान प्रधान पति से सांठगांठ कर पैसा लेकर फर्जी रिपोर्ट के आधार पर कागज में हेराफेरी करके नाम काट दिया गया। जिसकी शिकायत पत्र द्वारा चुनाव आयोग व जिलाधिकारी एवं उप जिलाधिकारी सबको किया लेकिन कोई लाभ नहीं मिला। कहा कि उसके परिवार से बीडीओ की रंजिश वर्ष 2018 से चल रही है और उसके खिलाफ 03 फर्जी मुकदमे बीडीओ द्वारा लिखे जा चुके हैं। उसके द्वारा बीडीओ भ्रष्टाचार के खिलाफ विधान परिषद में भी प्रश्न उठाया गया है तथा सीबीआई जांच व अन्य कार्यवाही कराई गयी। पूर्व में भी उसके द्वारा चुनाव आयोग से शिकायत की गई थी। जिसमें चुनाव आयोग के द्वारा सूचना दी गयी कि जिलाधिकारी द्वारा जांच कराई जा रही है। जिन पत्रों की छाया प्रति प्रार्थना पत्र के साथ प्रेषित की गयी थी। उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। बीडीओ से पूरा ब्लॉक पीड़ित है। लगभग 13 प्रधानों के पर्चा खारिज कर चुके हैं।

विधायक ने भाजपा प्रत्याशी के साथ भ्रमण कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं

● जिला पंचायत सदस्य सीट अकबरपुर इटौरा से चन्द्रशेखर द्विवेदी कुरहना को मिल रहा जनता का समर्थन

संवाददाता। कदौरा (जालौन)

जिला पंचायत सीट अकबरपुर इटौरा से भाजपा प्रत्याशी चन्द्रशेखर द्विवेदी (मुन्ना महाराज) के समर्थन में शनिवार को कालपी विधायक नरेंद्र सिंह जादौन ने अपने समर्थकों के साथ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों उसरगांव, छौंक, बरदौली, मसगांया, जोल्हूपुर कासीरामपुर आदि गांव में भृमण कर ग्रामीणो की समस्याओं को सुन कर उनके निस्तारण का भरोसा दिया। बता दें कि चन्द्रशेखर द्विवेदी (मुन्ना महाराज) ग्राम कुरहना आलमगीर से लगातार तीन पंचवर्षीय से प्रधान है उनकी लोकप्रियता को देखते हुए भाजपा आलाकमान ने उनको प्रत्यासी बनाया है। विधायक नरेंद्र सिंह जादौन ने चन्द्रशेखर द्विवेदी के पक्ष में जनसपंर्क अभियान तेज करते हुए शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दे रहे है। साथ ही सड़क पेयजल की समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारियों को अवगत करा कर जल्द निदान के आदेश दिए। चन्द्रशेखर द्विवेदी ने कहा कि अभी तक जिन लोगो ने जीत हासिल की है उन्होंने क्षेत्र का विकास नही किया है। अगर उनको लोगो का प्यार व आशिर्वाद मिला तो तो वह अकबरपुर इटौरा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों में चौमुखी विकास कराएंगे और रोजगार देंगे, भाजपा प्रत्याशी का जगह जगह लोग फूल मालाए पहना कर स्वागत करते देखे गए।

कांग्रेसी नेता पर लगाया जमीन पर कब्जा करने का आरोप

गुरसहायगंज (कन्नौज)। न्यायालय में जमीनी विवाद का मुकदमा विचाराधीन एवं स्थगन आदेश होने के बावजूद कांग्रेसी नेता द्वारा जबरिया बाजार कमेटी की जमीन पर दीवार खड़ी कर कब्जे का प्रयास किया जा रहा है। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र के ग्राम सराय प्रयाग निवासी बाजार कमेटी के प्रबंधक प्रेम सिंह द्वारा कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा गया है कि सराय प्रयाग में बाजार कमेटी की जमीन है। जिस पर कांग्रेसी नेता सहित दबंगो ने कब्जा करने की नियत से दीवार खड़ी कर दी। विरोध करने पर उससे अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी तक दी गई। बताया कि उक्त जमीन से संबंधित मामला न्यायालय में विचाराधीन है। जिसमें यथास्थित बनाये रखने के आदेश दिए गए हैं। बावजूद इसके भी दबंग उक्त जमीन पर जबरिया निर्माण कार्य कर रहे हैं। जिससे किसी भी वक्त बड़ी घटना घटित हो सकती है।

क्विक न्यूज

दो युवतियों ने फांसी लगाकर दी जान

फतेहपुर। बिन्दकी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम महरहा में शुक्रवार की शाम संदिग्ध परिस्थितियों में लगभग 30 वर्षीय एक युवती ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं हुसैनगंज थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव में संदिग्ध अवस्था में 20 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार बिन्दकी कोतवाली के महरहा गांव निवासी अशोक सोनकर की पत्नी मालती देवी ने शुक्रवार की शाम मानसिक तनाव के चलते घर के अंदर पंखे से रस्सी का फंदा डाल फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। बताते हैं कि मृतका अपने परिवार के साथ खजुहा के समीप ईंट भट्ठा में काम करती थी। जबकि उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। इसी के चलते उसने घटना को अंजाम दिया है। वहीं हुसैनगंज थाने के रसूलपुर गांव निवासी राम बाबू की पुत्री रीता ने शुक्रवार की शाम संदिग्ध अवस्था में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

ट्रकों की भिड़ंत में चालक घायल

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के कोराई मोड़ के समीप शनिवार की दोपहर आगे जा रहे वाहन द्वारा ब्रेक लगा देने पर पीछे से आ रहा ट्रक घुस गया जिससे 35 वर्षीय चालक गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसे उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार आगरा जनपद के थाना जगनेर गांव सरेंदी निवासी दिवेन्द्र का पुत्र वासुदेव ट्रक चालक है। बताते हैं कि आज दोपहर लगभग ग्यारह बजे वह ट्रक में कानपुर से खली लादकर रायबरेली जनपद के ऊंचाहार जा रहा था। ट्रक जैसे ही मलवां थाने के कोराई गांव के समीप पहुंचा तभी आगे जा रहे ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया जिससे पीछे चल रहा ट्रक घुस गया। जिसमें वासुदेव गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची एम्बुलेन्स ने घायल को उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया।

घायल अधेड़ की उपचार के दौरान मौत

फतेहपुर। जिला चिकित्सालय में विगत दो माह से भर्ती सड़क हादसे में घायल 50 वर्षीय अधेड़ की बीती रात इलाज के दौरान मौत हो गयी। बताते चलें कि औंग थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी राम सिंह विगत 12 फरवरी को सड़क हादसे में घायल हो गया था। जिसे सरकारी एम्बुलेन्स द्वारा उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां जिन्दगी और मौत के बीच संघर्ष करते करते बीती रात उसने दम तोड़ दिया। सूचना पाकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

टायर फटने से ट्रक मालिक घायल

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के नऊवाबाग हाईवे पर शनिवार की दोपहर अचानक ट्रक का टायर फट जाने से ट्रक मालिक बुरी तरह घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।
जानकारी के अनुसार अयोध्या जनपद निवासी बुधान यादव ट्रक मालिक है। बताते हैं कि वह अपने चालक संदीप कुमार यादव के साथ ट्रक लेकर कानपुर जा रहा था। नऊवाबाग हाईवे पर हवा भरवाने के लिए चालक ने ट्रक रोक दिया तभी अचानक टायर फट जाने से बुधान बुरी तरह घायल हो गया।

ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार किशोर घायल

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के बिलन्दा गांव के समीप शनिवार की दोपहर ट्रक की चपेट में आ जाने से साइकिल सवार 12 वर्षीय किशोर गम्भीर रूप से घायल हो गया था। जिसे उपचार के लिए सदर अस्पताल लाया गया जहां से उसे कानपुर के लिए रिफर कर दिया गया। जिसकी रास्ते में मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार थाने के एकारी गांव निवासी रामबरन का पुत्र अभिषेक कुमार शुक्रवार की दोपहर साइकिल लेकर खेत जा रहा था। जब वह सड़क पार करने लगा तभी विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने उसे टक्कर मार दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया।

आरओ और एआरओ को दिया गया पंचायत चुनाव से संबंधित प्रशिक्षण

संवाददाता। फतेहपुर

जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अपूर्वा दुबे की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित सभगार में आरओ व एआरओ को प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को निर्देश दिये कि चुंनाव सम्बंधित दिए गए प्रशिक्षण को कुशलतापूर्वक सीखे यदि कुछ बाते समझ मे नही आती है तो उन्हें दोबारा से अवश्य पूछ लें और त्रिस्तरीय सामान्य पँचायत निर्वाचन को सकुशल निष्पक्ष एव पारदर्शिता ढंग से सम्पन्न कराये। कहा कि निर्वाचन की हैंड बुक दी गयी है, का विधिवत अध्ययन करके सभी पदों का नामांकन कराये। कहाकि आपके द्वारा जितना अच्छा प्रशिक्षण प्राप्त किया जायेगा उतने बेहतर ढंग से चुंनाव सम्पन्न होंगे। कम्प्यूटर ऑपरेटरों का भी प्रशिक्षण करवा लें और प्रत्याशी द्वारा दिये गए आवदेनो को उसी दिन ऑनलाइन फीडिंग करवान सुनिश्चित करे। अपने व परिवार के हित के लिये मास्क का प्रयोग अवश्य करे और दूसरों को मास्क लगाने के लिये प्रेरित करे। मुख्य विकास अधिकारी सत्य प्रकाश ने कहाकि दो दिवसीय नामांकन किया जाना है। अच्छे प्रकार से प्रशिक्षण ले ताकि चुंनाव के दौरान आने वाली समस्याओ का समाधान कुशलतापूर्वक कर सके। क्षमता एव टीम भावना के साथ चुंनाव निष्पक्ष व निर्बाध रूप से सम्पन्न कराये और 12 अप्रैल तक नामांकन स्थलों पर हर हाल में बैरिकेडिंग करवा लें। चुंनाव को निष्पक्षता पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराये। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही है। पूर्ण रूप से प्रशिक्षित होकर यहां से रवाना हो। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक/प्रभारी प्रशिक्षण अधिकारी महेंद्र प्रताप सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी केएस मिश्रा, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मुदित श्रीवास्तव, जिला युवा कल्याण अधिकारी मनोज यादव, खण्ड विकास अधिकारी/कौशल विकास कमल किशोर सहित आरओ व एआरओ आदि उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण में समय से प्रतिभाग न करने वालों के विरुद्ध दर्ज होगी एफआईआर: डीएम

● पंचायत निर्वाचन के दृष्टिगत प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण सत्र के दौरान दिये निर्देश

कन्नौज। निर्वाचन कार्यों में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशिक्षण में समय से प्रतिभाग न करने वालों के विरुद्ध दर्ज होगी प्रथम सूचना रिपोर्ट। उक्त निर्देश शनिवार को जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र ने पीएसएम डिग्री कालेज के सभागार में पंचायत निर्वाचन के दृष्टिगत आयोजित पीठासीन, मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय हेतु आयोजित दिनांक 08 अप्रैल एवं 9 अप्रैल 2021 को प्रशिक्षण सत्र के दौरान उपस्थित प्रशिक्षार्थीयों को दिए। प्रशिक्षण के दौरान सभी को बिंदुवार पंचायत निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण में पीठासीन अधिकारी, पी1, पी2, व पी3 को उनके पदीय दायित्वों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गयी। उन्होंने आज दिनांक 10अप्रैल 2021 को आयोजित प्रशिक्षण सत्र में जनपद के 21 विभागों में कार्यरत पीठासीन के 17, पी01 के 15, पी02 के 15 एवं पी03 के 29 कुल 76 प्रशिक्षार्थी अनुपस्थित रहे, जिनको पुन: मौका देते हुए कल दिनांक 11 अप्रैल 2021 को पीएसएम डिग्री कालेज में द्वितीय पाली में अपराह्न 02. 00 बजे से 05.00 बजे तक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया है, जिसमें प्रतिभाग न करने वाले प्रशिक्षार्थी के विरुद्ध उ0प्र0 पंचायतीराज अधिनियम 1947 की धारा 12 ख घ एवं भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 174 के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर दी जाएगी।

मऊ में कोरोना की दूसरी लहर में 44 लोग पॉजिटिव

मऊ में पाजिटिव मरीजों की संख्या ने तोड़ा रिकार्ड

जिले में अब तक कुल 230 केस एक्टिव

जिले में एक्टिव होम आइसोलेशन मरीजों की संख्या 169

सार्वजनिक स्थानों पर सर्तकता व चौकसी को जारी किया गया निर्देश

संवाददाता। मऊ

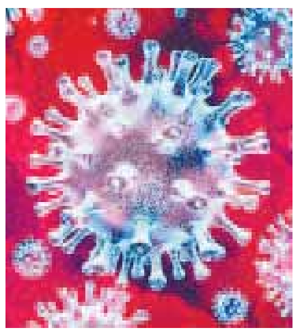

जिले में कोरोना पाजिटिव मरीजों की संख्या में दिन-प्रतिदिन इजाफा होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को जांच के बाद 44 लोगों की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव पाया गया है। कोरोना की दूसरी लहर में अब तक का सबसे ज्यादा रिकार्डतोड़ 44 लोगों की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव आने के बाद जिले में हड़कम्प मच गया। जबकि कुल एक्टिव कोरोना पाजिटिव केस 230 है। वहीं कुल एक्टिव होम आईसोलेशन मरीजों की संख्या 169 हैए जबकि कुल एक्टिव कन्टेनमेंट जोन की संख्या 99 है।

जिलाधिकारी अमित सिंह बसंल व मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सतीश चंद्र सिंह ने सभी प्रशासनिक व स्वास्थ्य अधिकारियों को अधिक से अधिक चौकसी व सर्तकता बरतने का निर्देश जारी किया है। जिलाधिकारी अमित सिंह बसंल ने सख्ती के साथ चेताया है कि कोविड नियमों का उल्लंघन किए जाने पर सख्त से सख्त कार्रवाई किया जाएगा। नियमों के पालन में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण् सतीश चंद्र सिंह ने बताया कि जांच के बाद आई रिपोर्ट में 11 वर्षीय बालिका, 17 वर्षीय युवती, 30 वर्षीय महिला, 15 वर्षीय किशोरी, 42 वर्षीय महिला 24 वर्षीय महिला, 30 वर्षीय महिला, 20 वर्षीय युवक, 50 वर्षीय महिलाए 33 वर्षीय महिला, 28 वर्षीय महिलाए 24 वर्षीय महिलाए 22 वर्षीय महिला, 57 वर्षीय महिलाए 30 वर्षीय पुरुष, 31 वर्षीय पुरुषए 26 वर्षीय पुरुषए 37 वर्षीय पुरुषए 32 वर्षीय पुरुष, 18 वर्षीय किशोरीए 37 वर्षीय महिलाए 28 वर्षीय पुरुषए 45 वर्षीय पुरुष, 27 वर्षीय पुरुषए 25 वर्षीय महिला, 35 वर्षीय पुरुष, 65 वर्षीय पुरुष, 75 वर्षीय पुरुष, 38 वर्षीय पुरुष, 39 वर्षीय पुरुषए 65 वर्षीय पुरुष, 41 वर्षीय पुरुष,52 वर्षीय महिल, 44 वर्षीय पुरुष, 25 वर्षीय पुरुष, 21 वर्षीय महिला,42 वर्षीय महिला, 17 वर्षीय किशोर,49 वर्षीय पुरुष, 49 वर्षीय पुरुष, 20 वर्षीय महिलाए 17 वर्षीय किशोरए 42 वर्षीय पुरुष की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव पाया गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण् सतीश चंद्र सिंह ने बताया कि अब तक 157702 लोगों का नमूना लैब भेजा गया हैए इसमें लोगों 154694 लोगों की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। 153262 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव है और 3028 की रिपोर्ट प्रतीक्षारत है। जांच में अब तक 3330 संक्रमित मिले हैं और 3061 रिकवर हो चुके हैं। संक्रमण से कुल 39 की मौत हुई है। जबकि कुल एक्टिव कोरोना पाजिटिव केस 230 है। वहीं कुल एक्टिव होम आईसोलेशन मरीजों की संख्या 169 हैए जबकि कुल एक्टिव कन्टेनमेंट जोन की संख्या 99 है।

गाजीपुर में 11 से 14 अप्रैल तक मनेगा कोरोना टीका उत्सव

सरकारी समेत निजी क्षेत्र के 76 केन्द्रों पर होगा टीकाकरण

गाजीपुर। कोविड.19 टीकाकरण को लेकर स्वास्थ्य विभाग काफी गंभीर नजर आ रहा है और विभाग का प्रयास है कि अधिक से अधिक लोगों को कोविड.19 टीकाकरण लाभ दिया जा सके। इसको लेकर अब तक कई कवायद की जा चुकी हैं। इस क्रम में पूर्व में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा जनपद के सभी जनप्रतिनिधियों को आमजन को जागरूक करने के लिए पत्र लिखा गया था। तो वहीं दो दिन पूर्व टीकाकरण के दोनों डोज लगा चुके लाभार्थियों के मध्य लकी ड्रा का आयोजन भी किया गया था। वहीं अब एक बार फिर से शासन ने 11 से 14 अप्रैल तक कोरोना टीका उत्सव मनाए जाने का निर्णय लिया है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ उमेश कुमार ने बताया कि यह टिका उत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर पूरे देश में मनाया जा रहा है साथ ही आठ अप्रैल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हुए वीडियो कांफ्रेसिंग मे निर्देश दिया गया है कि 11 अप्रैल ज्योतिबा फुले की जयंती से लेकर 14 अप्रैल बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती तक वृहद स्तर पर कोविड़ टीकाकरण श्टीका उत्सवश् मनाए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि वीडियो कांफ्रेसिंग में मिले निर्देशों के क्रम में इस बार 11 अप्रैल ज्योतिबा फुले की जयंती जो रविवार को पड़ रही है। उस दिन से 14 अप्रैल तक टीका उत्सव के माध्यम से टीकाकरण कराने के लिए जनपद के जिला महिलाए जिला पुरुष अस्पताल के साथ ही समस्त सीएचसीए पीएचसी एवं नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ ही दो निजी नर्सिंग होम को मिलाकर कुल 76 स्वास्थ्य केन्द्रों पर टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनपद में पहले स्वास्थ्य कर्मियोंए फ्रंटलाइन वर्कर के बाद अब 45 साल से ऊपर के व्यक्तियों का टीकाकरण किया जा रहा है। अब तक 11339 स्वास्थ्य कर्मीए 10826 फ्रंटलाइन वर्कर के साथ ही 60 साल से ऊपर और 45 साल से ऊपर के 72675 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। जनपद में अब तक 94840 लोगों का वैक्सीनेशन किया जा चुका है जो लक्ष्य के 45 प्रतिशत है।इस दौरान डॉ उमेश कुमार ने आमजन से अपील की है कि जिनकी उम्र 45 साल के पार हो चुकी है वह लोग इस टिका उत्सव में शामिल होकर इस ऐतिहासिक पल का गवाह बने और अपना टीकाकरण करा कर कोविड.19 से दो.दो हाथ करें। साथ ही उन्होंने बताया कि इस टीकाकरण को कराने के बाद भी लोग मास्क और सैनिटाइजर का प्रयोग करना न भूलें।

कोरोना टीकाकरण चार दिवसीय उत्सव आज से

मिर्जापुर। कोरोना वैश्विक महामारी से लड़ते हुए एक वर्ष बीत गये हैं फिर भी लड़ाई अभी भी जारी है। शासन के आदेशानुसार जनपद में 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक कोरोना टीकाकरण उत्सव मनाया जायेगा। इसके लिए शनिवार को मुख्य चिकित्साधिकारी डाक्टर पी0डी0गुप्ता ने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों समेत अपर मुख्य चिकित्साधिकारियों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया। उत्सव की शुरूआत रविवार को मंडलीय चिकित्सालय स्थित कोविड सेन्टर में मुख्य चिकित्साधिकारी करेगे। कोरोना नोडल अधिकारीध्जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डाक्टर नीलेश श्रीवास्तव ने बताया कि कोरोना की लड़ाई से लड़ते हुए करीब एक वर्ष बीत गये है फिर भी हम सभी आज तक कोरोना की लड़ाई लड़ रहे है। मुख्य चिकित्साधिकारी डाक्टर पी0डी0 गुप्ता के आदेशानुसार जिले में 11 अप्रैल से 14 अप्रैल 2021 तक जनपद में मौजूद 122 कोरोना बूथों पर उत्सव मनाया जायेगा। इसके लिए जिले को बीस हजार कोरोना की वैक्सीन भी उपलब्ध हो चुकी है। इसको शनिवार को सभी केन्द्रों पर आवश्यकतानुसार उपलब्ध करा दिया गया है। उन्होने बताया कि कोरोना उत्सव के दौरान सभी केन्द्रों पर कोरोना के नियमों का विशेष ध्यान रखा जायेगा कोई भी व्यक्ति बिना मास्क व सेनेटाइजर के जाने की अनुमति नहीं दी जायेगी। जिले में चल रहे उत्सव के दौरान सभी अपने घर के नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर टीकाकरण कराकर इस अवसर का लाभ ले सकते है।

सपा 11 अप्रैल को मनायेगी ज्योतिराव फुले की जयंती

मीरजापुर । समाजवादी पार्टी कि राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी के निर्देशानुसार समाजवादी पार्टी 11 अप्रैल को प्रख्यात समाज सुधारक, लेखक ज्योतिराव फुले की 194वीं जयंती पार्टी कार्यालय लोहियाट्रस्ट पर पूर्वाह्न 11 बजे मनायेगी। जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने बताया कि ज्योति राव फूले जी ने महिलाओं एवं दलितों की शिक्षा एवं उत्थान के लिए बहुत काम किये व समाज के सभी वर्गो को शिक्षा प्रदान करने और विधवा विवाह के प्रबल समर्थक थे। श्री चौधरी ने जिले के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया है कि पार्टी कार्यालय पर पसमय से पहुँचकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्वांजलि अर्पित करे और जयंती एवं विचार गोष्ठी में भाग ले।

सपा 14 अप्रैल को डा.भीमराव अंबेडकर की जयंती पर मनायेगी दलित दीवाली

मीरजापुर । समाजवादी पार्टी कि राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्रीअखिलेश यादव जी के निर्देशानुसार समाजवादी पार्टी 14 अप्रैल को डा0 भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती पर देशव्यापी ष्दलित दीवालीष् मनायेगी। जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने बताया कि जनपद के कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय लोहियाट्रस्ट भवन पर पूर्वाह्न 11 बजे उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्वासुमन अर्पित करेंगे तथा कार्यकर्ता सायं पार्टी कार्यालयए अपने.अपने घरों पर डा0 अंबेडकर जी की प्रतिमा स्थल पर दीपक जलाकर बाबा साहेब को श्रद्वा के साथ नमन करेंगे। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से बदले की भावना से काम कर रही है। बाबा साहेब ने संविधान में प्रतिष्ठा और अवसर की समता की जो गांरटी दी थी। उसकी अवहेलना करते हुए अब भाजपा सरकार आरक्षण समाप्त करने की कोशिश में है। नफरत और समाज को बांटने की राजनीति चलाकर भाजपा ने पूरे समाज में जहर घोल दिया है। परस्पर विभेद और विद्वेष की ताकतों को बढ़ावा दिया जा रहा है। जनता बाबा साहेब की जयंती पर उनके द्वारा निर्मित संविधान के प्रति पुन: संकल्पशील होकर स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों की स्थापना और डा राम मनोहर लोहिया के समता मूलक सिद्वान्तों के अनुसरण एवं भारतीय संविधान की प्रतिबद्वता के उद्देश्य से 14 अप्रैल को ष्दलित दीपावलीष् मनायेगी।

अवैध संबंधों में हुई थी महिला की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

गाजीपुर। जनपद में बीते शुक्रवार को थाना नोनहरा में हुयी महिला की हत्या का 24 घण्टे के अन्दर सफल अनावरण करते हए 02 अदद अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही हत्या में प्रयुक्त चापड भी बरामद किया गया है। थाना नोनहरा अन्तर्गत ग्राम तिलाड़ी में नहर के बगल गेहू के खेत में अर्धनग्न महिला का किसी धारदार हथियार से गर्दनए हाथ और पीठ पर निर्मम तरीके से काटकर हत्या कर फेका गया शव शुक्रवार को मिला था। इसके संम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मृतका के पति केदार राम द्वारा सुग्गू सिंह यादव पुत्र देवदत्त उर्फ दवाइत यादव निवासी ग्राम भजया तिलाड़ी थाना नोनहरा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। शनिवार को थाना प्रभारी नोनहरा द्वारा पुलिस फोर्स के साथ महेशपुर बाजार में चेकिंग किया जा रहा था की जरिये मुखबिर सूचना मिली की जो ग्राम तिलाड़ी में महिला की हत्या हुयी थी उससे संम्बन्धित अभियुक्त पराहू बाबा मंदिर वहद ग्राम रोहिली के पास कही जाने के फिराक में खड़े है। मुखबीर की सुचना पर पराहू बाबा मंदिर के पास से दो अभियुक्तो को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त सुग्गू सिंह यादव के साथ मे हत्या में शामिल उसका दुसरा सहयोगी प्रबिन्द राजभर पुत्र मुनीब राजभर नि0ग्राम चुरामन अभिसहन थाना कासिमाबाद भी उसके साथ मौजूद मिला। दोनो अभियुक्तो को गिरफ्तार किया गया। दोनो की निशादेही पर घटना में प्रयुक्त चापड़ व खून से सना हुआ शर्ट घटना स्थल के पास झाड़ियो से बरामद किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि वारदात अवैध संबंधों के चलते हुई थी। वही ग्रामीणों की माने तो उन दोनों ने मुकदमा दर्ज होने के बाद अभियुक्त खुद ही थाने पहुच कर पुलिस के सामने आत्म समर्पण कर दिया। लेकिन जनपद की पुलिस इसे अपनी पीठ खुद ही थप थापने में लगी हुई है।

मुख्तार अंसारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

गाजीपुर। 91 गैंग सरग़ना मुख्तार अंसारी के विरुद्ध थाना मुहम्मदाबाद में 21,25 आर्म्स ऐक्ट के तहत दर्ज की गई। वर्ष 2017 में राइफ़ल तथा वर्ष 1996 में गन का लाइसेंस ज़िलाधिकारी द्वारा निरस्त कर दिया गया था। नोटिस तामील होने के बावजूद इन शास्त्रों को तथा लाइसेंस को मुख़्तार अंसारी द्वारा जमा न कराए जाने के कारण इनके विरुद्ध थाना मुहम्मदाबाद में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विवेचना की जा रही है।

जलापंचायत चुनाव के दृष्टिगत डीएम , एसपी ने पढ़ाया आचार संहिता का पाठ

मीरजापुर। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन के मद्देनजर जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार व पुलिस अधीक्षक अजय कुमार सिंह ने संभावित प्रत्याशियों को आचार संहिता का पाठ पढ़ाया। स्थानीय थाना क्षेत्र के अंतर्गत 55 ग्राम पंचायतों से संभावित उम्मीदवारों व नागरिकों को स्थानीय विन्ध्याचल प्रांगणमें जिलाधिकारी ने कहा कि मतदाता को किसी प्रकार का प्रलोभन देना आचार संहिता का उल्लंघन माना जायेगा तथा ऐसा करने वालों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपने क्षेत्र में बिल्कुल सजग रहे किसी प्रकार से आचार संहिता का उल्लंघन किया जा रहा हो तो इसकीजानकारी तत्काल जिलाधिकारी/पुलिस प्रशासन को सूचना दे।

बदमाशों ने घर में घुसकर मारी गोली, मौत

गोरखपुर । शाहपुर के खरैया पोखरा में शुक्रवार की देर रात बदमाशों ने घर में घुसकर मोबाइल पार्ट्स कारोबारी को गोली मार दी। गोली चलने से मोहल्ले में दहशत फैल गई। परिवार के लोग युवक को मेडिकल कॉलेज ले गए। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। युवक की हत्या का पर्दाफाश करने के लिए पुलिस ने चार टीमें गठित की हैं। इस मामले में परिजनों की तहरीर पर चार अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया। शुरूआती जांच में किसी से दुश्मनी की बात सामने नहीं आई है। व्यापारी की हत्या किसने और क्यों की यह जानने के लिए सर्विलांस और सीसी कैमरे की मदद से पुलिस ले रही है। जानकारी के अनुसार मूल रुप से बस्ती जिले के पैकवलिया, पिपरासाजी निवासी कृष्ण स्वरूप पूर्वोत्तर रेलवे में तृतीय श्रेणी कर्मचारी हैं। असुरन, खरैया पोखरा में मकान बनवाकर परिवार के साथ रहते हैं। उनके तीन बेटों में सबसे छोटे 30 वर्षीय वेद प्रकाश मोबाइल पार्ट्स के थोक व्यापारी थे। परिवार के लोगों ने बताया कि चार माह पूर्व उनकी शादी हुई थी। शुक्रवार की रात में 10 बजे भोजन करने के बाद वेद प्रकाश और उनकी पत्नी रेखा दूसरे मंजिल पर स्थित अपने कमरे में सोने चले गए।

सीएम के निर्देश पर लगाया गया रात्रिकालीन कर्फ्यू

गोरखपुर। बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कोविड-19 की समीक्षा के बाद एवं लगातार बढ़ रहे मरीजों को देखते हुए रात्रि 9 से प्रातः 6 बजे तक निकलने पर रोक लगाया गया है। जिलाधिकारी के. विजयेन्द पाण्डियन ने बताया है कि जनपद गोरखपुर में कोविड19 महामारी के बढ़ते संकमण के दृष्टिगत कोविड-19 वायरस जनित महामारी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु 11 से 18 अप्रैल की रात्रि 9 बजे से प्रातः 6 बजे तक ''रात्रि निषेधाज्ञा'' लगाया जाता है। इन्हें ही मिलेगी छूट : उन्होंने आगे बताया है कि भारत सरकार के अधिकारी/कर्मचारी, राज्य सरकार के अधिकारी/कर्मचारी, इनके स्वायत्त/अधीनस्थ कार्यालय,

ग्यारह केन्द्रों पर किया गया टीकाकरण

59 लाभार्थियों को लगाया गया दूसरा डोज

45 वर्ष से ऊपर के लोगों ने बढ़.चढ़कर लिया भाग

संवाददाता। मऊ

जिले में तेजी के साथ पांव पसार रहे वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण को देखते हुए जिलाधिकारी अमित सिंह बसंल के सख्त रुख के बाद टीकाकरण करवाने वाले काफी उत्साहित नजर आए। कोरोना के खिलाफ जारी जंग में चौथे चरण के अभियान के तहत शनिवार को जिले के 11 केन्द्रों पर 939 लोगों को कोरोना की पहली डोज लगाया गया। जबकि 59 लोगों को कोरोना की दूसरी डोज प्रदान किया गया। टीकाकरण की प्रक्रिया के दौरान लोग काफी बढ़.चढ़कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। कोरोना के खिलाफ छिड़े जंग में सीनियर सिटीजन के साथ.साथ अब 45 वर्ष से ऊपर के लोगों ने भी अब बढ़.चढ़कर अपना योगदान करना शुरू कर दिया है। सभी केन्द्रों पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण् सतीश चंद्र सिंह व डीआईओ डॉण् बृजेश यादव स्वास्थ्य विभाग की टीम के सदस्यों के साथ लोगों को अधिक से अधिक वैक्सीनेशन के लिए उत्साहित करते नजर आए। कोरोना वैक्सीनेशन के महाअभियान के चौथे चरण के तहत इस बार 45 वर्ष पार कर चुके लोगों को भी शामिल किया गया है। चौथे चरण के विशेष अभियान का टीकाकरण जनपद के 11 केन्द्रों पर किया गया। शनिवार को सभी 11 केन्द्रों पर लाभार्थियों का टीकाकरण किया गया। सभी केन्द्रों पर लाभार्थी अपना.अपना आधार कार्ड लेकर आए और पंजीकरण के उपरांत टीकाकरण करवाया। बताते चलें कि जिले में 16 जनवरी से वैक्सीनेशन का प्रारंभ हुआ था। पहले चरण में स्वास्थ्यकर्मियों को वैक्सीन लगाई गई थी। इसके बाद दूसरे चरण में फ्रंट लाइन वर्कर शामिल हुए जबकि तीसरे चरण में 45 वर्ष से लेकर 59 वर्ष के कोमारविड ;जो किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित होद्ध तथा 60 वर्ष से अधिक के उम्र के लोगों का टीकाकरण किया गया। शनिवार को चौथे चरण के अभियान के तहत जिले के सभी 11 केन्द्रों पर 45 वर्ष पार कर चुके लाभार्थियों ने अपना बढ़ चढ़कर योगदान प्रदान किया। अभियान के तहत शनिवार को 11 केन्द्रों पर 939 लोगों को कोरोना की पहली डोज लगाया गया। जबकि 59 लोगों को कोरोना की दूसरी डोज प्रदान किया गया। सभी टीकाकरण केन्द्रों पर अधिक से अधिक टीकाकरण को लेकर चिकित्साधिकारी लोगों को प्रोत्साहित करते नजर आए। उधर घोसी संवाद सूत्र के अनुसार दूसरे शनिवार को अवकाश होने के चलते स्थानीय तहसील के तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों दोहरीघाटए बड़रांव और घोसी पर ही 45 वर्ष से अधिक आयु के कुल 187 व्यक्तियों को कोविड.19 वैक्सीन का टीका लगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोसी पर 69 को वैक्सीन लगीए जबकि दोहरीघाट में यह संख्या 89 और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़रांव पर 29 रही।

सर्वर नहीं चलने से टीकाकरण को लेकर परेशान रहे लोग

मऊ। जिला अस्पताल में टीकाकरण के दौरान शनिवार को इंटरनेट पर कोविड का सर्वर नहीं चलने के कारण टीकाकरण करवाने आने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे ज्यादा दूर.दराज से आए सीनियर सीजिटन को उठानी पड़ी। हालांकि कुछ घंटे बाद इंटरनेट पर कोविड का सर्वर सही ढ़ग से चलने के बाद टीकाकरण अपने रफ्तार से चलने लगा।

14 अप्रैल तक मनाया जाएगा टीका उत्सव

मऊ। डीआईओ डॉण् बृजेश यादव ने बताया कि रविवार से 14 अप्रैल तक टीका उत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान 45 पार के अधिक से अधिक लोगों को टीका लगाया जाएगा। साथ ही साथ रविवार को महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती पर जनपद के सभी 47 केंद्रों पर लाभार्थियों को टीका लगाया जाएगा। डॉण् यादव ने बताया कि टीका उत्सव रविवार से शुरू होकर 14 अप्रैल तक बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की जयंती तक चलेगा।

मतदाताओं को प्रभोलन देने वालों के विरूद्ध होगी कठोर कार्रवाई -डीएम

मीरजापुर। जिगना नरोइया स्थित राज पब्लिक स्कूल के प्रागण मे त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के उम्मीदवारों व जन समूह को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने कहा कि जिस दिन से चुनाव की घोषणा आयोग द्वारा हो गई उसी दिन से आचार संहिता लागू हो जाती है और आदर्श आचार संहिता का पालन न करने वालो के खिलाफकठोर कार्यवाही की जायेगी प्रभारी निरीक्षक जिगना को निर्देशित किया कि जो अवैध रुप से वाहन मे लाउडस्पीकर लगाकर चुनाव प्रचार-प्रसार कर रहें उनके वाहनो से लाउडस्पीकर हटवाये व सम्बन्धित वाहन मालिक के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्तिचत करें। जिस गाड़ी से प्रचार प्रसार हो रहा है उसका परमिट होना अनिवार्य हैं, परमिट न होने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी। उन्होने कहा कि जो आपके एजेण्ट होगे उनका ऊपर कोई मुकदमा न हो और मोबाइल मतदान स्थल पर नही ले सकते है। थाना प्रभारी अपने क्षेत्र मे भ्रमण कर जो भी बैनर पोस्ट लगे है उन्हें हटवाया जाना सुनिश्चित करायें। कोई भी प्रत्याशी सरकारी भवनो मे पोस्टर बैनर आदि नही लगाया जायेगा पकडे जाने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी। निजी आवास मे बैनर पोस्ट लगाने से पहले मकान मालिक की अनुमति होना अनिवार्य व इसका व्यय प्रत्याशी चुनाव खर्च मे जोड़ा जायेगा।

जिला स्वास्थ्य विभाग शराबियों व दलालों की सुर्खियों में हुआ शुमार

गाजीपुर। कोविड.19 के टिकाकरण को लेकर गैर जिम्मेदार कर्मचारी स्वास्थ्य विभाग की करा रहे किरकिरी। बेलगाम अधिकारी व कर्मचारी के चलते कभी शराबियों का अडडा बने, तो कभी दलालों का अडडा बन आये दिन जिला अस्पताल सुर्खियों में बना रहता है।

इसके जिम्मेदार अधिकारी सरकारी योजनाओं से अपने पाकेट भरनें मे मशगुल है। विभाग के चिकित्साधिकारी जबतक एक विवाद से निकलते है तबतक दूसरे विवाद में फंस जाते है। ये इनकी नियती में शुमार है।

मतदान कार्मिको के प्रशिक्षण में जिलाधिकारी ने दिए आवश्यक निर्देश

मीरजापुर। जीआईसी मे 08 अप्रैल 2021 से 12 अप्रैल 2021 तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने कडे शब्दो मे निर्देश दिया कि प्रशिक्षण मे अनुपस्थित सभी मतदान कार्मिको के विरूद्ध एफ0आई0आर0 दर्ज करायी जायेगी। जिलाधिकारी ने मतदान कार्मिको को उनके कतर्व्य एवं जवाबदेही की गम्भीरता को बताते हुये पूर्ण मनोयोग एवं सजगता से कार्य करने की प्रेरणा दी। जिला प्रशिक्षण अधिकारी श्री मनीष रघुवशी एवं राजकीय इण्टर कालेज प्रधानाचार्य श्री महेन्द्र कुमार ने सभी प्रपत्रो को क्रमश: समझाते हुये बताया कि किस प्रकार, किस प्रपत्र को कैसे भरना है आदि बिन्दुओ पर ट्रायल करके दिखाया। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2021 के चारो पदो हेतु अलग-अलग रंग के बैलेट पेपर का प्रयोग किया गया है जिससे मतदाता और कार्मिको दोनो को सुविधा हो। नेत्रहीन और अशक्त मतदाता के साथ एक सहायक या साथी मतकक्ष मे उसकी सहायता हेतु जायेंगे, और वो सहायक या साथी दुबारा किसी अन्य के सहायक या साथी नही बनेगें। प्रशिक्षण मे मुख्य विकास अधिकारी श्री अविनाश सिंह, अपर जिलाधिकारी यू0पी0 सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य डायट आदि अधिकारीगण उपस्थित रहें।

आचार संहिता का कड़ाई से कराया जाए अनुपालन

संवाददाता। मऊ

जिलाधिकारी अमित सिंह बंसल व पुलिस अधीक्षक सुशील घुले द्वारा शनिवार को दोहरीघाट विकास खंड एवं मधुबन में पंचायत चुनाव हेतु चिह्नित मतगणना स्थलए स्ट्रांग रूमए विकास खंड परिसर में बिक्री हो रहे फार्मो के सभी काउंटर का निरीक्षण किया गया। इस दौरान दोहरीघाट एवं मधुबन में राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक कर गहन समीक्षा की। इसके बाद उन्हें निर्देशित किया गया कि आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। पंचायत चुनाव के दृष्टिगत संवेदनशील बूथों को चिह्नित कर आपराधिक किस्म के व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई । ग्राम पंचायत दरगाह ;दरगाह बाजारद्ध में पुलिस बल के साथ रूट मार्च किया गया। स्पष्ट निर्देश दिया गया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी प्रत्याशी अनाधिकृत ढंग से मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सके। निर्वाचन की सुचिता प्रत्येक दशा में स्थापित रहे। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारीए पुलिस उपाधीक्षकए तहसीलदार एवं थानाध्यक्ष घोसीध्मधुबन उपस्थित थे।

बड़े पैमाने पर 'जीएसटी' की चोरी कर रहे 'बुकसेलर'

किताबों पर जीएसटी मुक्त की आड़ में कर रहे चोरी,स्कूलों की मिलीभगत से अभिभावकों और विधार्थियों का कर रहे आर्थिक शोषण

रेल, सड़क और टासंपोर्टर के जरिए बिना बिल के आरहा है खेप का खेप

संवादातता। बस्ती

शहर के लगभग एक दर्जन 'बुकसेलर' हर दिन लाखों रुपये की जीएसटी की चोरी कर रहे है। किताबों पर जीएसटी मुक्त की आड़ में यह लोग बड़े पैमाने पर जीएसटी का चूना लगा रहे हैं। एक मामूली पर्ची पर लाखों रुपये का कारोबार कर कर रहे हैं, एक भी फीसद अभिभावकों को ये लोग पक्का बिल नहीं देते।

हर दिन रेल, सड़क और टांसपोर्ट के जरिए बिना पक्का बिल के स्टेशनरी आ रही है। जीएसटी की चोरी को रोकने वाला वाणिज्यकर विभाग का मोबाइल यूनिट निष्क्रिय साबित हो रहा है। स्कूलों की मिली भगत से यह बुकसेलर संगठित होकर अभिभावकों, विधार्थियों और सरकार का आर्थिक नुकसान कर रहे है। मनमाने तरीके कीमत वसूल की जाती है। जो किताबें डेढ़ दो सौ की होती है, उसे चार से पांच सौ रुपये में प्रकाशकों की मिलीभगत से बेची जा रही है। अभिभावकों और विधार्थियों की मजबूरी है कि उन्हें उन्हीं बुकसेलर के यहां से बुक, कापी और स्टेशनरी खरीदनी पड़ती है, जिस बुकसेलर की सेटिगं स्कूल से रहती है। सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्रनाथ तिवारी ने इसे देशद्रोह मानते हुए स्कूल और बुकसेलरों के विरुद्व एफआईआर दर्ज करने की मांग विभाग और प्रशासन से की है। डिप्टी कमिश्नर वाणिज्यकर हेमंत यादव ने बताया कि 'नरुला पुस्तक केंद्र सहित एक दर्जन बुकसेलरों की शिकायत मिली है। उन्होंने बताया कि इसकी जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विधा के नाम पर जिस तरह विधा मंदिर कहे जाने वाले स्कूलों के प्रबंधकों, प्रकाषकों और बुकसेलरों का संगठित गिरोह कापी, किताब, डेस, बैग और जूता मोजा के नाम पर अभिभावकों और विधार्थियों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं, उससे सबसे अधिक गरिमा प्रबंधकों की धूमिल हुई है। यही कारण है कि अब इन प्रबंधकों को एक लूटेरे के रुप में देखा जाता है। कोई भी अभिभावक किसी भी स्कूल के प्रबंधक से इस मामले में संतुष्ट और खुष नहीं रहता। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्त्ता और कबीर पुरस्कार से अंलकित राजेंद्रनाथ तिवारी कहते हैं कि विभिन्न प्रकाषकों के जिसमें एनसीआरटी की पुस्तकें षामिल हैं, जिलेके कुछ दुकानदार और बुकसेलर देषद्रोह जैसा कार्य कर रहे हैं। न जाने प्रषासन और षिक्षा विभाग क्यों मौन है।

कोरोना काल में षासनादेषों का उल्लघंन कर कुछ विधालय अभिभावकों को बिना रिआयत के फीस वसूल रही है। वहीं कुछ बुकसेलर किताब पर भी कोई रिआयत नहीं कर रही है, अगर किसी किताब का दाम 503 प्रिंट है, उसे 503 रुपये में ही देती है। जबकि उसी किताब की कीमत दो सौ से अधिक होती है। कहते हैं कि अगर वाणिज्यकर की मोबाइल यूनिट सक्रिय हो जाए तो काफी हद तक अवैध कारोबार को रोका जा सकता है। वैसे भी इस यूनिट की गतिविधियों किसी को भी पता नहीं चल पाती।

फंसता देख दिया पक्का बिल

डिप्टी कमिश्नर वाणिज्यकर हेमंत यादव ने बताया कि नरुला पुस्तक केंद्र की जो षिकायत साक्ष्य के साथ की गई उसमें सात अप्रैल 21 को यूनिक सांइस एकेडमी में पढ़ने वाले बच्चे के लिए 4657 रुपया का किताब और कापी सहित अन्य स्टेषनरी लिया, जिसमें डायरी के मद में दो सौ रुपया लिया गया। 4657 रुपये की खरीद की बिल इस्टीमेट पर दी गई, जिसमें जीएसटी नहीं था, जबकि पक्का बिल देना चाहिए था, फिर जब दूसरे जीएसटी वाला बिल लेने गएतो काफी बहस के बाद यह कहते हुए पक्का बिल दियाकि अगर सभी को जीएसटी वाला बिल देने लगे तो धंधा बंद करना पड़ेगा। बताया कि ठीक इसी तरह की षिकायत अन्य पुस्तक भंडार वालों की मिली है। जिसके जांच के आदेष दे दिए गएं है।

स्पेन की बाडोसा ने बार्टी को बाहर किया

चार्ल्सटन (अमेरिका)। स्पेन की पाउला बाडोसा ने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एशलीग बार्टी को सीधे सेटों में हराकर वोल्वो कार टेनिस ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बाडोसा ने यह मैच 6-4, 6-3 से जीता। उन्होंने पांच बार बार्टी की सर्विस तोड़ी। यह पिछली चार प्रतियोगिताओं में दूसरा अवसर है जबकि बाडोसा अंतिम चार में पहुंची है। उनका सामना अब रूस की 15वीं वरीय वेरोनिका कुदेरमेतोवा से होगा। कुदेरमेतोवा ने पूर्व यूएस ओपन चैंपियन सलोनी स्टीफन्स को 6-3, 6-4 से पराजित किया। मोंटेग्रो की दांका कोविनिच ने कजाखस्तान की यूलिया पुतिनसेवा के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद 6-7 (2), 7-5, 6-1 से जीत दर्ज की। वह नवंबर 2019 के बाद पहली बार किसी डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है जहां उन्हें ट्यूनिशिया की ओंस जाबेर का सामना करना है। जाबेर ने अमेरिका की कोको गॉ को हराया। सेमीफाइनल में पहुंची चारों खिलाड़ी अपने पहले डब्ल्यूटीए खिताब की तलाश में हैं।

फीफा अंडर–17 महिला की निदेशक रोमा खन्ना ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। रोमा खन्ना शनिवार को निजी कारणों का हवाला देते हुए भारत में होने वाले फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप और एएफसी महिला एशिया कप के टूर्नामेंट निदेशक पद से हट गईं। रोमा ने 2019 में अंडर-17 विश्व कप की बोली लगाने की प्रक्रिया की अगुआई की थी और बाद में उन्हें स्थानीय आयोजन समिति का टूर्नामेंट निदेशक नियुक्त किया गया था। उन्होंने अगले साल जनवरी में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप की बोली लगाने की प्रक्रिया में भी सफल अगुआई की थी।

आस्ट्रेलिया ने लगातार 24वीं जीत से क्लीन स्वीप किया

माउंट मोनगानुई (न्यूजीलैंड)। आस्ट्रेलिया की महिला टीम ने बारिश से प्रभावित तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शनिवार को यहां न्यूजीलैंड को 21 से हराकर इस प्रारूप में लगातार 24वीं जीत के साथ तीन मैचों की श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया। बारिश के कारण यह मैच 25-25 ओवरों का कर दिया गया। आस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर सात विकेट पर 149 रन बनाए। उसकी तरफ से एलिसा हीली ने 46 और बेथ मूनी ने 28 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की तरफ से लीग कास्पेरेक ने तीन और ली ताहुहु ने दो विकेट लिए।

भारतीय फुटबॉल शैली दिखाएंगे गोवा के खिलाड़ी

नई दिल्ली। एफसी गोवा के खिलाड़ियों ने एएफसी चैम्पियंस लीग के ग्रुप चरण में टीम के पदार्पण को बड़ा मौका करार देते हुए कहा कि इससे उन्हें दुनिया को भारतीय फुटबॉल की शैली को दिखाने का मौका मिलेगा। एफसी गोवा इस 14 अप्रैल को महाद्वीपीय क्लब प्रतियोगिता में खेलने वाला देश का पहला क्लब बन जाएगा। एफसी चैम्पियंस लीग (एसीएल) के ग्रुप चरण में पहले मैच में उनका सामना कतर के अल-रयान से होगा।

टीम संतुलन तैयार करने उतरेगा केकेआर

● दमदार सनराइजर्स से आज है मुकाबला

भाषा। चेन्नई

पूर्व चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) रविवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में टीम के अंदर उचित संतुलन तैयार करके अपने अभियान का सफल आगाज करने की कोशिश करेगा। केकेआर की अगुवाई इस बार सीमित ओवरों के सबसे सफल कप्तानों में से एक इयोन मोर्गन कर रहे है। उन्होंने पिछले सत्र में यूएई में दिनेश कार्तिक से टूर्नामेंट के बीच में कप्तानी संभाली थी। पिछले सत्र में केकेआर के सनराइजर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के समान अंक थे। केकेआर हालांकि रन रेट में पिछड़ गया और लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाया था। मोर्गन पहली बार पूर्णकालिक कप्तान की जिम्मेदारी संभाल रहे और ऐसे में सभी की निगाहें इंग्लैंड के वनडे विश्व कप विजेता कप्तान पर होंगी जो कि दो बार के आईपीएल चैंपियन को खोई प्रतिष्ठा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध लगते हैं। केकेआर के पास शुभमन गिल के रूप में शीर्ष क्रम में शानदार बल्लेबाज है जो कि तेजी से रन बनाने में सक्षम हैं जबकि राहुल त्रिपाठी, नितीश राणा और अनुभवी कार्तिक के रूप में उसके पास अच्छे भारतीय बल्लेबाज हैं। इसके अलावा कप्तान मोर्गन हैं जो कि किसी भी तरह की आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकते हैं जबकि आंद्रे रसेल आक्रामक बल्लेबाजी के पर्याय हैं और किसी भी गेंदबाजी के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। रसेल पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। उन्होंने नौ पारियों में 13 की औसत से रन बनाए थे। वह किसी भी मैच में मैच विजेता प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और जमैका के इस खिलाड़ी पर अत्याधिक निर्भरता केकेआर को महंगी पड़ी थी। वेस्टइंडीज का एक अन्य खिलाड़ी सुनील नारायण भी यूएई में नहीं चल पाया था। केकेआर के पास अब उनके स्थान पर शाकिब अल हसन के रूप में अच्छा विकल्प है। चेपक की धीमी पिच पर निगाहें 40 साल के हरभजन सिंह पर भी टिकी रहेगी जो अपने संभवत: आखिरी आईपीएल में अधिक से अधिक प्रभाव छोड़ना चाहेंगे। केकेआर के पास वरुण चक्रवर्ती के रूप में रहस्यमई स्पिनर भी है। आईपीएल में जिन टीमों के प्रदर्शन में निरंतरता रही है उनमें सनराइजर्स हैदराबाद भी शामिल है। वह पिछले साल दूसरे क्वालीफायर में दिल्ली कैपिटल्स से हार गई थी। भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की वापसी से सनराइजर्स को मजबूती मिली है। वह कूल्हे की चोट के कारण पिछली बार केवल चार मैच खेल पाए थे। भुवनेश्वर ने भारत की तरफ से इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में शानदार वापसी की थी। वह यार्कर विशेषज्ञ टी नटराजन के साथ तेज गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी संभालेंगे। सनराइजर्स के पास अफगानिस्तान का स्पिनर राशिद खान भी है और ऐसे में उसका आक्रमण बेहद संतुलित नजर आता है। लेकिन सनराइजर्स की असली ताकत उसकी सलामी जोड़ी डेविड वार्नर और जॉनी बेयरस्टॉ हैं। उसके पास मध्यक्रम में केन विलियमसन और मनीष पांडे है। ऋद्धिमान साहा ने भी पिछले सत्र में सनराइजर्स की तरफ से पारी का आगाज किया था और ऋषभ पंत के शानदार प्रदर्शन के कारण राष्ट्रीय टीम में अंतिम एकादश में जगह बनाने में नाकाम रहने के बाद अब वह खुद को साबित करने की कोशिश करेंगे।

स्कोरबोर्ड

केकेआर: इयोन मोर्गन (कप्तान), दिनेश कार्तिक, शुभमन गिल, नितीश राणा, टिम सेफर्ट, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, कुलदीप यादव, शिवम मावी, लॉकी फर्ग्यूसन, पैट कमिंस, कमलेश नागरकोटी, संदीप वारियर, प्रसिद्ध कृष्णा, राहुल त्रिपाठी, वरुण चक्रवर्ती, शाकिब अल हसन, शेल्डन जैक्सन, वैभव अरोड़ा, हरभजन सिंह, करुण नायर, बेन कटिंग, वेंकटेश अय्यर और पवन नेगी।

सनराइजर्स : डेविड वार्नर (कप्तान), केन विलियमसन, विराट सिंह, मनीष पांडे, प्रियम गर्ग, ऋद्धिमान साहा, जॉनी बेयरस्टो, जेसन रॉय, श्रीवत्स गोस्वामी, विजय शंकर, मोहम्मद नबी, केदार जाधव, जे सुचित, जेसन होल्डर, अभिषेक शर्मा अब्दुल समद, भुवनेश्वर कुमार, राशिद खान, टी नटराजन, संदीप शर्मा, खलील अहमद, सिद्धार्थ कौल, बासिल थम्पी, शाहबाज़ नदीम और मुजीब उर रहमान।

मैच शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।

पहला मैच नहीं, चैंपियनशिप जीतना महत्वपूर्ण : रोहित

चेन्नई। मुंबई इंडियन्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को यहां नौवीं बार अपना पहला मैच जीतने में असफल रही लेकिन कप्तान रोहित शर्मा इससे निराश नहीं हैं क्योंकि उनके अनुसार पांच बार की चैंपियन के लिए पहला मैच नहीं चैंपियनशिप जीतना महत्वपूर्ण है। मुंबई इंडियन्स को आईपीएल–14 के उद्घाटन मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के हाथों दो विकेट से करीबी हार का सामना करना पड़ा। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद नौ विकेट पर 159 रन बनाए। आरसीबी ने आखिरी गेंद पर लक्ष्य हासिल किया। रोहित ने मैच के बाद कहा, चैंपियनशिप जीतना महत्वपूर्ण है, पहला मैच नहीं। बहुत अच्छा मुकाबला रहा। हमने उन्हें आसानी से नहीं जीतना दिया। हालांकि हम अपने स्कोर से खुश नहीं थे। हमने 20 रन कम

आरसीबी से जुड़ने के बाद से ही मुझे अपनी भूमिका पता थी : हर्षल

चेन्नई। हर्षल पटेल को काफी पहले बता दिया गया था कि उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की तरफ से डेथ ओवरों में मुख्य गेंदबाज की भूमिका निभानी होगी और मुंबई इंडियन्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उद्घाटन मैच में वह इस पर पूरी तरह से खरे उतरे। हर्षल ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 27 रन देकर पांच विकेट लिए। इसके अलावा एबी डिविलियर्स ने शानदार पारी खेली जिससे आरसीबी ने दो विकेट से जीत हासिल की। हरियाणा के इस तेज गेंदबाज मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, जब मुझे आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स से लिया तो मुझे बता दिया गया था कि फ्रेंचाइजी की तरफ से मेरी क्या भूमिका होगी।

हमें छठे गेंदबाज की कमी खली : लिन

चेन्नई। मुंबई इंडियन्स के सलामी बल्लेबाज क्रिस लिन को लगता है कि छठे गेंदबाज का विकल्प मौजूद नहीं होने के कारण उनकी टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के उद्घाटन मैच में हार झेलनी पड़ी। यह मैच बेहद रोमांचक रहा और आरसीबी ने आखिरी गेंद पर 160 रन का लक्ष्य हासिल किया। मुंबई ने पांच गेंदबाजों का उपयोग किया और हार्दिक पंड्या से गेंदबाजी नहीं करवाई। मुंबई की पारी में 35 गेंदों पर 49 रन बनाने वाले लिन ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमें छठे गेंदबाज की कमी खली। जब उनसे पूछा गया कि हार्दिक पंड्या ने गेंदबाजी नहीं की तो लिन ने संकेत दिया कि इस आलराउंडर के कंधे में दिक्कत है और इसके अलावा यह कार्यभार प्रबंधन का हिस्सा है। मैं स्पष्ट तौर पर नहीं जानता। शायद उनके कंधे में दर्द है। निश्चित तौर पर जब वह गेंदबाजी करता है तो हमारी टीम में अलग तरह का संतुलन पैदा होता है लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा ऐहतियात के तौर पर किया गया।

लीड्स ने मैनचेस्टर सिटी को 2–1 से हराकर उलटफेर किया

भाषा। मैनचेस्टर

स्टुअर्ट डलास के मैच के आखिरी पलों में किए गए गोल के दम पर लीड्स ने शनिवार को इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के तालिका में शीर्ष पर काबिज मैनचेस्टर सिटी को 2–1 से हराकर उलटफेर किया। लीड्स के लिए दोनों गोल डलास ने किए। उन्होंने 42वें मिनट में टीम को बढ़त दिला दी थी लेकिन फेरान टॉरेस के 76 में किए गए गोल से मैनचेस्टर सिटी से स्कोर को 1–1 कर दिया। मैच ड्रा की तरफ बढ़ रहा था लेकिन डलास ने स्टॉपेज टाईम (90+1) में गोलकर लीड्स को 2–1 से आगे कर दिया जो निर्णायक साबित हुआ। इस हार के बाद भी गत चैम्पियन मैनचेस्टर सिटी तालिका में दूसरे स्थान पर काबिज मैनचेस्टर यूनाइटेड से 14 अंक आगे है।

लिली ने मेट्ज को 2–0 से हराकर शीर्ष पर पीएसजी पर छह अंकों की बढ़त कायम की

पेरिस। फ्रांस की घरेलू शीर्ष फुटबॉल लीग की तालिका में पहले स्थान पर काबिज लिली ने मेट्ज को 2-0 से हराकर खिताब के दावेदार अन्य दावेदार पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) पर छह अंकों की बढ़त कायम कर ली। लिली की इस जीत के नायक उनके गोलकीपर माइक मैगनन रहे जिन्होंने मैच के शुरुआती मिनटों में मेट्ज के आरोन लेया इसेका के पेनल्टी किक को रोक दिया। उन्होंने इसके बाद और मौके पर शानदार बचाव किया। लिली के लिए बुराक यिलमाज ने 59वें पहला गोल किया जो लीग में उनका 10वां गोल है। मेहमेट जेकि सेलिक ने 89वें मिनट में गोल कर 2-0 की बढ़त के साथ टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

ट्राओर के गोल से वोल्व्स ने फुल्हम को हराया

लंदन। एडम ट्राओर के दूसरे हॉफ के इंजुरी टाइम में किए गए गोल की मदद से वोल्वरहैम्टन ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में फुल्हम को 1–0 से हराया। स्पेन के विंगर ट्राओर को दाएं छोर से पास मिला जिस पर उन्होंने फुल्हम के गोलकीपर अल्फोंसे एरोला को छकाकर गोल दागा। यह दिसंबर 2019 के बाद उनका पहला गोल है। इस जीत से वोल्व्स के 31 मैचों में 38 अंक हो गए हैं और वह 12वें स्थान पर पहुंच गया है। फुल्हम पर दूसरी डिवीजन में खिसकने का खतरा मंडरा रहा है। उसके 32 मैचों में 28 अंक हैं और वह 20 टीमों की लीग में 18वें नंबर पर है।

अंशू और सोनम तोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई

● साक्षी की उम्मीदें खत्म

भाषा। अलमाटी (कजाखस्तान)

भारत की युवा पहलवान अंशू मलिक और सोनम मलिक ने यहां एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर्स में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए शनिवार को तोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई किया। जूनियर से सीनियर वर्ग में पहुंची 19 वर्षीय अंशू और 18 वर्षीय सोनम से पहले अनुभवी विनेश फोगाट (53 किग्रा) ने ओलंपिक में जगह बनाई थी। इस तरह से कुश्ती में भारत की तीन महिला खिलाड़ी तोक्यो खेलों में अपना दावा पेश करेंगी। विनेश ने 2019 में विश्व चैंपियनशिप से क्वालीफाई किया था। भारत के कुल मिलाकर सात पहलवान ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। पुरुषों में बजरंग पूनिया (65 किग्रा), रवि दहिया (57 किग्रा) और दीपक पूनिया (86 किग्रा) ने फ्रीस्टाइल वर्ग में क्वालीफाई किया है। अंशू ने 57 किग्रा में पूरा दबदबा दिखाया जबकि सोनम भी 62 किग्रा में पीछे नहीं रही। सोनम ने कोटा हासिल करके रियो ओलंपिक की पदक विजेता साक्षी मलिक के लिए रास्ता भी बंद कर दिया। सोनम ने हाल में ट्रायल्स में साक्षी को हराया था। अंशू के दबदबे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने फाइनल तक पहुंचने में केवल दो अंक गंवाए। उन्होंने अपने तीनों मुकाबले तकनीकी दक्षता से जीते। उन्होंने कोरिया की जियुन उम को हराकर शुरुआत की तथा फिर कजाखस्तान की इम्मा टिसिना और सेमीफाइनल में शोखिदा अखमेदोवा को हराया।

एफसी गोवा ने ब्रेंडन फर्नांडिज के साथ करार को तीन और वर्षों के लिए बढ़ाया

पणजी। देश की शीर्ष फुटबॉल प्रतियोगिता इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की फ्रेंचाइजी एफसी गोवा ने ब्रेंडन फर्नांडिज के साथ तीन साल का नया करार किया है जिससे वह 2024 तक इस टीम से जुड़े रहेंगे। यहां जारी मीडिया विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी गई। इस 26 साल के खिलाड़ी को 2017 के आईएसएल ड्राफ्ट से टीम में शामिल किया था।उनके नाम इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक गोल में मदद करने का रिकार्ड है। फर्नांडिज ने कहा, मैं चार साल पहले यहां आया था और एफसी गोवा के लिए खेलना हमेशा से खास रहा है। मुझे यहां घर जैसा लगता है। हमने एक साथ कई सफलता हासिल की है और मैं इसे आगे भी जारी रखना चाहूंगा। एफसी गोवा के फुटबॉल निदेशक रवि पुस्कुर ने कहा, टीम से पहली बार 2017 में जुड़ने के बाद उनके खेल में काफी सुधार हुआ है और वह देश के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक है। पिछले चार साल से वह हमारी सफलता के अहम साझेदार हैं।

सरकार ने मध्य प्रदेश में 726 करोड़ की राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी

नई दिल्ली। सरकार ने मध्य प्रदेश में 726 करोड़ रुपए की राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। ए परियोजनाएं राज्य में 291 किलोमीटर राजमार्गों के निर्माण से संबंधित है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। गडकरी ने कहा, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने मध्य प्रदेश में 291 किलोमीटर की 726 करोड़ रुपए की सड़क विकास परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इन परियोजनाओं में घोषित राष्ट्रीय राजमार्ग (572 किलोमीटर) के अद्यतन की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी शामिल है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने प्री पेड सेवा पैकेज द स्माइल्स प्लस शुरू किया

बैंगलोर। मूल्य वर्धित सेवाओं के जरिए अनूठी ग्राहक सेवा मुहैया कराने की निरंतर प्रतिबद्धता के क्रम में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने एक व्यापक और अनुकूल बनाए जाने योग्य सेवा पैकेज द स्माइल्स प्लस की शुरुआत की है। इस पैकेज को ग्राहक की आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूल बनाया जा सकता है तथा इसमें देशभर में उपलब्ध प्रीपेड पैकेज शामिल रहेंगे। पैकेज को डिजाइन करने में इस बात का भी ख्याल रखा गया है कि टीकेएम भविष्य की मोबिलिटी की आवश्यकताओं के लिए तैयार है और मूल्यवान ग्राहकों को बेहतरए आकर्षक तथा बाधामुक्त सेवा अनुभवों से आगे भी सहायता करेगी। प्री.पेड सेवा पैकेज की नई पहल पर टिप्पणी करते हुए श्रीनवीन सोनी सीनियर वाइस प्रेसिडेंट ने कहा कि हमें पूरी तरह नई स्माइल्स प्लस पैकेज की शुरुआत की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है क्योंकि यह पहल अपने ग्राहकों की बढ़ी हुई जरूरतों और मोबिलिटी आवश्यकताओं की पूर्ति करने की टीकेएम की कोशिशों के क्रम में हैं। इस एक्सक्लूसिव पैकेज की पेशकश के बाद हमारा इरादा अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने का है और हम ऐसी सेवा मुहैया कराना चाहते हैं जो उनकी बदलती अपेक्षाओं के अनुकूल हो।

12 नए कोवर्किंग स्पेस बनाने की योजना

दिल्ली। माईप्लेस को वर्किंग भारत के उद्यमियों, व्यक्तियों और स्टार्ट अप्स के लिए भारत के टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्थित पहला एकीकृत कोवर्किंग स्पेस है। माईप्लेस को वर्किंग में वह कंपनी को एक रणनीतिक दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं ताकि एक स्थायी तरीके से इसके पैमाने का विस्तार किया जा सके। विनायकनाथ इसके संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। भारत के पहले एकीकृत सहकर्मी स्थान द माई प्लेस कोवर्किंग के माध्यम से श्रीनाथ व्यवसायों और व्यक्तियों को अच्छी तरह से सुसज्जित कार्य क्षेत्रों में काम करने की सुविधा उपलब्ध कराते हैं जो एक विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इस ब्रांड की विशिष्टता दो चीजों में निहित है। पहला एकीकृत कार्य क्षेत्र की अवधारणा जो व्यक्तियों की उत्पादकता को बढ़ा देती है। दूसराए यह कि ब्रांड का लक्ष्य भारत के टियर क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना है ताकि उन क्षेत्रों में उन उभरते उद्यमियों की सहायता की जा सके जो अब तक उपेक्षित थे।

भारत को अधिक तेज वृद्धि दर्ज करनी होगी : आईएमएफ

● ऐसे होगी कोविड-19 से नुकसान की भरपाई

भाषा। वाशिंगटन

कोविड–19 महामारी की वजह से अर्थव्यवस्था में आने वाले गिरावट की भरपाई के लिए भारत को अधिक तेज आर्थिक वृद्धि दर्ज करनी होगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने यह राय जताई है। चालू वर्ष में भारत की वृद्धि दर प्रभावशाली 12.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आईएमएफस की एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अर्थव्यवस्था में आठ प्रतिशत की बड़ी गिरावट से उबरने के लिए भारत को कहीं अधिक तेज वृद्धि दर्ज करने की जरूरत होगी। आईएमएफ की उप-मुख्य अर्थशास्त्री पेट्या कोवा ब्रुक्स ने पीटीआई–भाषा से साक्षात्कार में महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए अतिरिक्त आर्थिक प्रोत्साहन की भी वकालत की। उन्होंने कहा, जब भारत की बात आती है, तो पिछले वित्त वर्ष में उत्पादन में बड़ी गिरावट आई थी। जैसा आप बता रहे हैं कि यह गिरावट आठ प्रतिशत है। हम इस वित्त वर्ष 2021–22 के लिए 12.5 की अनुमानित वृद्धि के अनुमान को देखकर बहुत खुश हैं और हम क्रय प्रबंधक सूचकांक सहित उच्च आवृत्ति संकेतक भी देख रहे हैं। इनसे पता चलता है कि इस साल की पहली तिमाही में सतत सुधार जारी है। ब्रुक्स ने कहा, महामारी के नए प्रकार के बीच स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन से सुधार के रास्ते में कुछ जोखिम है।

सभी देशों को वैक्सीन की सुरक्षित और प्रभावी आपूर्ति सुनिश्चित करें आईएमएफ, विश्वबैंक : समिति

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) और विश्वबैंक की संयुक्त मंत्रिस्तरीय समिति का मानना है कि कोविड-19 महामारी का प्रभाव अभी कई वर्षों तक देखने को मिलेगा। समिति ने दोनों वैश्विक वित्तीय निकायों से सभी देशों को सुरक्षित और प्रभावी टीके की आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा है। आईएमएफ और विश्वबैंक की शुक्रवार को आयोजित वसंत (स्प्रिंग) बैठकों के बाद जारी वक्तव्य में कहा गया है, महामारी को समाप्त करने की दृष्टि से दुनियाभर में सभी देशों को सुरक्षित और प्रभावी टीके की समय पर आपूर्ति अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर यह देखते हुए कि अब कोरोना वायरस का नया रूप आ गया है। विकासशील देशों को टीकाकरण अभियान के लिए तैयारियां पूरी करनी चाहिए और समन्वित रणनीति के जरिए देश की कमजोर आबादी तक पहुंचना चाहिए। समिति ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने बड़ा स्वास्थ्य, आर्थिक और सामाजिक संकट पैदा किया है जिससे आज करोड़ो लोगों का जीवन और आजीविका खतरे में है।

सरकार ने उर्वरक कंपनियों, आयातकों से खरीफ, 2021 के दौरान पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चत करने को कहा

नई दिल्ली। सरकार ने शनिवार को कहा कि वह उर्वरकों की उपलब्धता तथा कीमतों की निगरानी कर रही है। सरकार ने उर्वरक विनिर्माताओं तथा आयातकों से इस साल खरीफ (गर्मियों की फसल) बुवाई के दौरान उर्वरक की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि रबी (सर्दियों की फसल) 2020–21 के दौरान देशभर में इसकी उपलब्धता संतोषजनक रही है। बयान में कहा गया है कि कोविड–19 की वजह से पैदा हुई तमाम चुनौतियों के बावजूद उर्वरकों का उत्पादन, आयात और आवाजाही समय पर और पर्याप्त रही। बयान में कहा गया है कि किसानों के हित में सरकार की उर्वरक की उपलब्धता पर कीमतों पर नजदीकी निगाह है। कृषि मंत्रालय ने राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के साथ विचार–विमर्श में विभिन्न उर्वरकों की जरूरत का आकलन कर लिया है और इसकी जानकारी उर्वरक विभाग को दे दी है। बयान में कहा गया है कि इस के अनुरूप उर्वरक मंत्रालय ने विनिर्माताओं के साथ विचार–विमर्श में घरेलू उत्पादन का लक्ष्य तय किया और इसकी निगरानी की जा रही है।

चीन ने अलीबाबा पर 2.8 अरब डॉलर का जुर्माना लगाया

बीजिंग। दुनिया की सबसे बड़ी ई–कॉमर्स कंपनी अलीबाबा ग्रुप पर चीन के नियामकों ने को प्रतिस्पर्धा रोधी व्यवहार के लिए 18.3 अरब युआन (2.8 अरब डॉलर) का जुर्माना लगाया है। चीन में सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी तेजी से बढ़ते प्रौद्योगिकी उद्योगों पर अपना नियंत्रण बढ़ा रही है। पार्टी नेता अलीबाबा सहित चीन की बड़ी इंटरनेट कंपनियों के बढ़ते दबदबे से चिंतित हैं। इन नेताओं का मानना है कि जब उद्योग वित्त, स्वास्थ्य सेवा और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में विस्तार कर रहा है, इंटरनेट कंपनियों का बढ़ता दबदबा चिंता की बात है। पार्टी ने कहा कि इस साल हमारी प्राथमिकता विशेषरूप से प्रौद्योगिकी उद्योगों में एकाधिकार को समाप्त करना है।

ऑनलाइन विवाद समाधान से न्याय प्रक्रिया विकेंद्रित होगी : न्यायमूर्ति चंद्रचूड़

नई दिल्ली। न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि ऑनलाइन विवाद निपटान में नागरिकों के लिए न्याय प्रणाली को विकेंद्रित और लोकतांत्रिक करने की क्षमता है। नीति आयोग की ऑनलाइन विवाद समाधान पर पुस्तिका को पेश किए जाने के मौके पर कहा कि ओडीआर से विवाद निपटान अधिक सस्ता, सहमति और पहुंच वाला हो सकेगा। ऑनलाइन विवाद निपटान में नागरिकों के लिए न्याय के आपूर्ति तंत्र को विकेंद्रित, लोकतांत्रिक और विविध करने की क्षमता है। पिछले एक साल के दौरान वर्चुअल सुनवाई से एक महत्वपूर्ण चीज समझने में मदद मिली है कि बेहद सुगम बदलावों की वजह से यह प्रक्रिया कई बार अधिक दक्ष हो सकती है।

सीजी पावर मामले में सैट का सेबी को छह माह में अंतिम आदेश जारी करने का निर्देश

नई दिल्ली। प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस के मामले में अंतिम आदेश छह महीने में पारित करने को कहा है। इस मामले में कंपनी के पूर्व चेयरमैन गौतम थापर और तीन अन्य पूर्व अधिकारियों को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया गया था। थापर के अलावा जिन अन्य अधिकारियों को प्रतिबंधित किया गया है उनमें सीजी पावर के पूर्व मुख्य वित्त अधिकारी वी आर वेंकटेश और पूर्व निदेशक माधव आचार्य और बी हरिहरन शामिल हैं। थापर, हरिहरन और अन्य ने सेबी के मार्च, 2020 में दिए गए पुष्टि आदेश के खिलाफ सैट में अपील की थी। अपने आदेश के तहत सेबी ने थापर, वेंकटेश, आचार्य और हरिहरन के प्रतिभूति बाजार में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी तरह के कारोबार की रोक लगा दी थी। हालांकि, उन्हें उनके पास मौजूद प्रतिभूतियों के मूल्य के 25 प्रतिशत के बराबर की बिक्री करने की छूट दी गई थी। पुष्टि आदेश के बाद सितंबर, 2019 में सेबी ने अंतरिम आदेश पारित किया था। इसके तहत इन अधिकारियों को खातों के गंभीर कुप्रबंधन तथा कोष को इधर–उधर करने के लिए प्रतिबंधित किया था। इसके अलावा नियामक ने कंपनी के फॉरेंसिक ऑडिट का भी आदेश दिया था।

वर्चुअल मॉल का आने वाले समय में सुनहरा भविष्य

लखनऊ। वर्चुअल प्लेटफॉर्म्स का चलन तेजी से देश में बढ़ने लगा हैण् ऑफिस हो या स्कूल हर चीज वर्चुअल प्लेटफॉर्म्स के सहारे चल रहा हैण् इसी तर्ज में उत्तर प्रदेश सरकार राज्य में देश का पहला वर्चुअल एग्जीबीशन मॉल खोलने की योजना पर काम कर रही है। इस मॉल में ऑनलाइन कारोबार करके क्रेता.विक्रेता अपनी सुविधा के मुताबिक किसी भी समय प्रोडक्ट्स की खरीद-बिक्री कर सकेंगे। इसी पर अपनी प्रसन्ता व्यक्त करते हुए वर्ष 2020 में शुरू किये डिजिटल मॉल ऑफ़ शिया के फाउंडर डायरेक्टर ऋषभ मेहरा ने कहा कि हम राज्य सरकार के इस फैसले से काफी प्रोत्साहित हुए हैए सरकार के इस कदम से काफी ब्रांड्स वर्चुअल मॉल के तरफ अपनी विचार धारणा बदल सकेंगे। उन्होंने आगे कहा की उत्तर प्रदेश में हमारे मॉल के साथ 50 से अधिक ब्रांड जुड़ चुके है और आने वाले समय में उत्तर प्रदेश में सारे ब्रांड्स अपना आउटलेट खोल सकेंगेए ब्रांड्स के लिए एक वेयरहाउस भी खुलेगा जहां से डिलीवरी सेंट्रलाइज्ड कर दी जाएगी। मॉल में सर्विस इंडस्ट्री के टावरए फूड कोर्ट एवं ई डिजिप्लेक्स और ई नाइटक्लब भी आयेंगे।

यूसुफअली को अबू धाबी का शीर्ष नागरिक सम्मान

दुबई। अबू धाबी के वलीअहद (क्राउन प्रिंस) शेख मोहम्मद बिन जाएद अल नाहयान ने भारतीय मूल के उद्योगपति यूसुफअली एमए और 11 अन्य लोगों समुदायों में परमार्थ योगदान और अन्य अच्छे कार्यों के लिए अबू धाबी के शीर्ष नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है। यूसुफअली (65) अबू धाबी के लुलु ग्रुप के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक है।

425 करोड़ के संशोधित निवेश को मंजूरी दी

नई दिल्ली। चीनी कंपनी बलरामपुर चीनी मिल्स के निदेशक मंडल ने नए डिस्टिलरी संयंत्र में 425 करोड़ रुपए के अधिक ऊंचे निवेश की मंजूरी दे दी है। इस संयंत्र की क्षमता 320 किलोलीटर प्रतिदिन (केएलपीडी) की है।

नौवहन अधिकारों के उपयोग का अमेरिका ने बचाव किया

भारत के ईईजेड यानी विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के भीतर अपने पोत भेजने के मामले में दी सफाई

भाषा। वाशिंगटन

पेंटागन ने कहा है कि भारत की मंजूरी के बिना उसके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के दायरे में अमेरिकी नौसेना पोत द्वारा नौवहन अधिकारों का उपयोग करना अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी नौसेना के पोत जॉन पॉल जोन्स के भारत के ईईजेड से गुजरने के संबंध में भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया था।

असाधारण कदम उठाते हुए अमेरिकी नौसेना ने भारत की पूर्वानुमति के बिना इस सप्ताह लक्षद्वीप द्वीपसमूह के निकट भारतीय जलक्षेत्र में नौपरिवहन स्वतंत्रता अभियान शुरू करने की घोषणा की थी जिसके बाद नई दिल्ली ने शुक्रवार को अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि उसने राजनयिक माध्यमों से वाशिंगटन को अपनी चिंताओं से अवगत करा दिया है।विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के सात अप्रैल के इस बयान पर भी विरोध दर्ज कराया कि अमेरिकी जहाज जॉन पॉल जोन्स द्वारा नौपरिवहन स्वतंत्रता अभियान में अंतरराष्ट्रीय कानून में निर्धारित समुद्र क्षेत्र के कानूनन इस्तेमाल, अधिकार और स्वतंत्रता को कायम रखा गया।अमेरिकी नौसेना के कदम पर भारत की प्रतिक्रिया से संबंधित सवाल पर पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, मैं कह सकता हूं कि नौसेना के विध्वंसक पोत यूएसएस जॉन पॉल जोन्स ने मालदीव गणतंत्र के नजदीक समुद्री क्षेत्र में सामान्य परिचालन के तहत अहानिकारक तरीके से गुजरते हुए अपने नौवहन अधिकारों एवं स्वतंत्रता का उपयोग किया और ऐसे में उसने बिना पूर्वानुमति के उसके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में परिचालन किया। अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के कमांडर की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मिसाइल

विध्वंसक पोत यूएसएस जॉन पॉल जोन्स के जरिए सात अप्रैल को यह अभियान शुरू किया गया।बयान में कहा गया, सात अप्रैल, 2021 को यूएसएस जॉन पॉल जोन्स (डीडीजी 53) ने भारत की अनुमति के बिना, अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र लक्षद्वीप द्वीपसमूह के पश्चिम से लगभग 130 समुद्री मील दूर नौपरिवहन अधिकार एवं स्वतंत्रता अभियान शुरू किया।

किर्बी ने पेंटागन में संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा, यह अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है। हम अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक उड़ान भरने, समुद्री परिचालन करने तथा परिचालन के अपने अधिकार तथा जिम्मेदारी को बनाए रखेंगे। किर्बी ने कहा कि नौवहन स्वतंत्रता को कायम रखना, अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत समुद्र के कानूनी उपयोग, आजादी एवं अधिकारों को बनाए रखना अमेरिका की जिम्मेदारी है।

विदेश मंत्रालय ने कहा, समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र के समझौते (यूएनसीएलओएस) पर भारत का स्पष्ट रुख है कि इसके तहत दूसरे देशों को किसी तटीय देश की अनुमति के बिना उसके विशेष आर्थिक क्षेत्रों (ईईजेड) में और महाद्वीपीय भाग में सैन्य अभ्यास करने का और खासतौर पर हथियारों और विस्फोटकों का इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा, यूएसएस जॉन पॉल जोन्स के फारस की खाड़ी से मल्लका खाड़ी की ओर गुजरने के दौरान उस पर लगातार नजर रखी गई। हमने पोत के हमारे ईईजेड से गुजरने के घटनाक्रम पर अपनी चिंताओं से अमेरिका की सरकार को राजनयिक माध्यमों से अवगत करा दिया है।

चीन पर धैर्य के साथ आगे बढ़ रहा है अमेरिका : व्हाइट हाउस

भाषा। वाशिंगटन

व्हाइट हाउस ने कहा कि जो बाइडन प्रशासन चीन के साथ धैर्य के साथ आगे बढ़ रहा है और उसे कोई जल्दबाजी नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि चीन के साथ संबंध कड़ी प्रतिस्पर्धा पर आधारित हैं।उन्होंने कहा, हमने निजी और सार्वजनिक तौर पर ताइवान में चीन की आक्रामकता को लेकर अपनी बढ़ती चिंताएं व्यक्त की हैं। ताइवान में लोकतंत्र को खत्म करने के लिए चीन तेजी से बलपूर्वक कार्वाई कर रहा है। हमने ताइवान की खाड़ी में पीआरसी सेना की

चिंताजनक गतिविधि बढ़ती देखी है, हम मानते हैं कि वह संभवत: अस्थिरता पैदा करने के लिए है।

साकी ने कहा, हम धैर्य के साथ इस तरफ आगे बढ़ रहे हैं, हम जल्दबाजी में नहीं हैं। हम अपने देश में स्थितियों को मजबूत करने, अपने कार्यबल को बेहतर सहयोग देने और यह सुनिश्चित करने पर काम कर रहे हैं कि हम ताकत के साथ संबंधों को आगे बढ़ाएं। अमेरिका ताइवान के समीप चीन की सैन्य कार्वाई पर करीबी नजर रख रहा है। पेंटागन ने कहा कि वह दक्षिण चीन सागर में चीन की सैन्य गतिविधियों को लेकर चिंतित है।

पेंटागन प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा, हम दक्षिण चीन सागर के यूनियन बैंक क्षेत्र में चीन के नौसैन्य वाहनों के जुटने से चिंतित हैं। साथ ही हम सहयोगी फिलीपीन के कानूनी अधिकारों को बाधित करने के चीन के प्रयासों से भी चिंतित हैं। अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ खड़ा है और हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ब्रिटेन के राजकुमार फिलिप को लंदन के बकिंघम पैलेस के बाहर पुष्पांजलि अर्पित करने खड़े लोग। फिलिप का 99 वर्ष की आयु में निधन हो गया

वियना में अगले सप्ताह पुनः शुरू होगी ईरान के साथ परोक्ष वार्ता: अमेरिकी अधिकारी

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ईरान के साथ अमेरिका की परोक्ष वार्ता वियना में अगले सप्ताह पुन: आरंभ होगी और यूरोपीय संघ, चीन और रूस के जरिए इस सप्ताह हुई बैठक में कुछ प्रगति हुई है।अधिकारी ने इस सप्ताह वार्ता समाप्त होने के बाद संवाददाताओं से कहा, पक्षकारों के बीच अगले सप्ताह वियना में फिर से बैठक होगी। हमें उम्मीद है कि अमेरिकी दल वापस आएगा और यह स्पष्ट करना जारी रखा जाएगा कि दोनों पक्षों को आपसी सहमति बनाने के लिए क्या कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने इस सप्ताह हुई बैठक को संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) में संभावित वापसी के पहले चरण का पहला कदम बताया। अधिकारी ने कहा, हमें उम्मीद है कि ईरान इस बात के अपेक्षाकृत अधिक संकेत देगा कि वह क्या करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यह सवाल अब भी बरकरार है कि अमेरिका ने सहमति बनाने की जो इच्छा प्रकट की है, ईरान भी वैसा ही करेगा या नहीं। अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल को ईरान से कुछ सकारात्मक संकेत मिले हैं, लेकिन ए निश्चित ही पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन का रुख है कि वह ईरान पर लगाए गए उन प्रतिबंधों को हटाने के लिए तैयार हैं, जो जेसीपीओए के अनुरूप नहीं है और जो उन लाभों के अनुरूप नहीं है, जिनकी अपेक्षा ईरान जेसीपीओए से करता है। अधिकारी ने कहा, इसका अर्थ सभी प्रतिबंधों (को हटाने) से नहीं है, क्योंकि कुछ प्रतिबंध उचित हैं।

अमेरिका ने पूर्वी यूक्रेन में आक्रामक कार्रवाई करने पर रूस को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी

वाशिंगटन(भाषा)। अमेरिका ने पूर्वी यूक्रेन में आक्रामक कार्वाई करने पर रूस को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है और बाइडन प्रशासन इस संबंध में रूस के खिलाफ अपनी नीति की समीक्षा कर रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने दैनिक ब्रीफिंग के दौरान कहा कि अमेरिका रूसी सैनिकों के यूक्रेन की सीमाओं की ओर बढ़ने के मामले पर क्षेत्र के अपने साझेदारों और सहयोगियों के साथ विचार–विमर्श और काम कर रहा है।साकी ने शुक्रवार को कहा, इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इनमें से कुछ प्रत्यक्ष तो कुछ अप्रत्यक्ष होगें। जल्द ही इस बारे में और अधिक जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा, जैसा कि हम जानते हैं कि यह पूर्वी यूक्रेन में रूस की आक्रामक कार्वाई के आसार से संबंधित मामला है। रूस के सैनिक यूक्रेन की सीमाओं ओर बढ़ रहे हैं। हालात का जायजा लेने और आगे की कार्वाई के लिए हम क्षेत्र में अपने साझेदारों और सहयोगियों से सलाह मशविरा करके उनके साथ काम कर रहे हैं। यूक्रेन ने पिछले सप्ताह रूस पर हजारों सैन्य कर्मियों को अपनी उत्तरी तथा पूर्वी सीमाओं और क्रीमिया प्रायद्वीप की ओर भेजने का आरोप लगाया था। इस बीच, मीडिया में आईं खबरों के अनुसार बाइडन प्रशासन ने रूस को लेकर सुरक्षा समीक्षा पूरी कर ली है और वह उसके खिलाफ नई कार्वाइयों की योजना बना रहा है।

क्विक न्यूज

सऊदी अरब में राजद्रोह के लिए तीन सैनिकों को फांसी दी गई

दुबई। सऊदी अरब ने तीन सैनिकों को राजद्रोह के मामले में दोषी पाए जाने के बाद शनिवार को फांसी दे दी। सरकारी सऊदी प्रेस एजेंसी ने बताया है कि ए सैनिक रक्षा मंत्रालय में कार्यरत थे। उसने यह नही बताया कि इन सैनिकों ने देश के दुश्मनों की किस तरह मदद की। सऊदी अरब यमन में ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों से लड़ रहा है। सऊदी अरब ईरान को क्षेत्र में अपना प्रतिद्वंद्वी मानता है। सऊदी अरब ने कहा कि तीन व्यक्तियों को अदालत ने दोषी पाया था। एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुताबिक, 2019 में सऊदी अरब में 184 लोगों को मौत की सज़ा दी गई थी।

अमेरिका में तीन साल के भाई ने आठ माह के शिशु पर चलाई गोली, बच्चे की मौत

ह्यूस्टन। अमेरिका के ह्यूस्टन में शुक्रवार को आठ माह के बच्चे की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस का मानना है कि बच्चे के तीन साल के बड़े भाई के हाथ में घर में रखी बंदूक लग गई और उसी ने ही गोली चलाई।ह्यूस्टन पुलिस विभाग के सहायक प्रमुख वेंडी बैमब्रिज ने बताया कि बच्चे को शुक्रवार सुबह पेट में गोली लगी। परिवार के सदस्य घायल बच्चे को अस्पताल लेकर गए, जहां उसकी मौत हो गई। बैमब्रिज ने कहा, मैं सभी अभिभावकों से अपील करना चाहता हूं कि वे अपने हथियारों को घर में किसी की भी पहुंच से दूर रखें। आप हथियारों को सुरक्षित रखने के लिए कई चीजें कर सकते है। कृपया इस परिवार के लिए दुआ कीजिए। यह बहुत त्रासद घटना है। जांचकर्ताओं को शुरुआत में घटना में इस्तेमाल बंदूक नही मिली, लेकिन बाद में उस वाहन के अंदर से उसे बरामद कर लिया गया जिसमें परिवार के सदस्य बच्चे को अस्पताल लेकर गए थे। बैमब्रिज ने बताया कि जांचकर्ता और अभियोजक यह पता लगा रहे है कि इस मामले में कोई आरोप लगाया जाएगा या नही।

बांग्लादेश में मस्जिद के अंदर हमला, 12 लोग घायल

ढाका। उत्तरी बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी समूह के कार्यकर्ताओं ने एक मस्जिद में इबादत करने आए लोगों पर हमला कर दिया, जिसमें कम से कम 12 लोग घायल हो गए। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार घटना शुक्रवार को गाइबांधा जिले की एक मस्जिद में हुई जब स्वयंभू हिफाजत-ए-इस्लाम के कार्यकर्ताओं ने इमाम का माइक छीन लिया और अपने संगठन के बारे में बोलने लगे।मस्जिद के इमाम मतलूब उद्दीन ने कहा कि जब नमाजियों ने दखल देने की कोशिश की तो उन्होंने उनपर हमला कर दिया। खबर के अनुसार हमले में कम से कम 12 लोग घायल हो गए। सुंदरगंज थाने में मामला दर्ज किया गया है। प्रभारी अधिकारी बुलबुल इस्लाम ने कहा, मस्जिद समिति के बीच मतभेदों के कारण यह घटना हुई।

जलवायु परिवर्तन से निपटने की लड़ाई में भारत अहम साझेदार: अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन। अमेरिका के एक शीर्ष सांसद ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने की लड़ाई में भारत एक अहम साझेदार है। सांसद ने यह बात अमेरिका के विदेश दूत जॉन कैरी की हाल में की गई भारत यात्रा की सराहना करते हुए कही।कांग्रेस सदस्य फ्रैंक पैलोन ने शुक्रवार को ट्वीट किया, मुझे प्रसन्नता है कि वैश्विक उत्सर्जन लक्ष्यों को प्राप्त करने में अमेरिका-भारत के सहयोग पर चर्चा करने के वास्ते कैरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।उन्होंने कहा, जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने की लड़ाई में भारत एक अहम साझेदार है और राष्ट्रपति जो बाइडन के अर्थ डे सम्मेलन के लिए सम्माननीय भागीदार है।

सेना प्रमुख जनरल नरवणे ने बांग्लादेश की सेना के अधिकारियों से मुलाकात की

ढाका। भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने शनिवार को बांग्लादेश की सेना के अधिकारियों से मुलाकात की और उनके सैनिकों के एक अभियान संबंधी प्रदर्शन को देखा।जनरल नरवणे ने दोनों देशों की सेनाओं के बीच दोस्ती के संबंधों के सम्मान में कॉक्स बाजार स्थित रामू कैंटोनमेंट में एक पौधा भी रोपा। पांच दिन की आधिकारिक यात्रा पर बांग्लादेश पहुंचे जनरल नरवणे ने बांग्लादेशी सेना के 10 इन्फैन्ट्री डिवीजन का भ्रमण भी किया।भारतीय सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय (एडीजी पीआई) ने ट्वीट किया, जनरल एम एम नरवणे ने 10 इन्फैन्ट्री डिवीजन का दौरा किया और बांग्लादेश की सेना के अधिकारियों से बातचीत की। रामू कैंटोनमेंट बांग्लादेश की सेना की 10 इन्फैन्ट्री डिवीजन का मुख्यालय है। जनरल नरवणे ने शुक्रवार को बंगबंधु स्मृति संग्रहालय जाकर बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान को श्रद्धांजलि दी थी।बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल अजीज अहमद के निमंत्रण पर जनरल नरवणे की यह यात्रा हो रही है।

मिस्र के लक्सर प्रांत में 3,000 साल पुराने मिले शहर को देखते लोग। यह नगर खोदाई में मिला है

कोरोना वायरसः टीकों की कमी के कारण 60 देशों में टीकाकरण बाधित होने की आशंका

एपी। लंदन

कोरोना वायरस टीकों के निष्पक्ष वितरण के लिए शुरू किए गए संयुक्त राष्ट्र समर्थित कार्यक्रम कोवैक्स को मिलने वाले टीकों की आपूर्ति बाधित होने से दुनिया के कुछ सबसे गरीब देशों समेत कम से कम 60 देशों में टीकाकरण प्रभावित हो सकता है।दैनिक आधार पर संकलित यूनिसेफ आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो सप्ताह में 92 विकासशील देशों में आपूर्ति करने के लिए 20 लाख से कम कोवैक्स खुराकों को मंजूरी दी गई, जबकि केवल ब्रिटेन में इतनी ही खुराक की आपूर्ति की गई।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रस अधानम घेब्रेएसस ने टीकों के वैश्विक वितरण में स्तब्ध करने वाले असंतुलन की आलोचना करते हुए शुक्रवार को कहा था कि अमीर देशों में औसतन चार में से एक व्यक्ति को कोविड–19 टीका लगाया जा चुका है, जबकि कम आय वाले देशों में 500 लोगों में से औसतन केवल एक व्यक्ति को टीका लगाया गया है।भारत ने बड़ी मात्रा में एस्ट्राजेनेका टीकों का उत्पादन करने वाले सीरम इंस्टीट्यूट में बने टीकों के निर्यात को फिलहाल रोकने का फैसला किया है, जो वैश्विक स्तर पर टीकों की कमी का मुख्य कारण है। जिन देशों को कोवैक्स ने सबसे पहले टीकों की आपूर्ति की थी, उन्हें 12 सप्ताह के भीतर टीके की दूसरी खुराक पहुंचाई जानी है, लेकिन ऐसा संभव हो पाएगा या नहीं, इस पर आशंका के बादल मंडरा रहे हैं। टीकों की आपूर्ति करने वाले संगठन गावी ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि टीकों की आपूर्ति में देरी से 60 देश प्रभावित हुए हैं। एपी को मिले डब्ल्यूएचओ के दस्तावेज दर्शाते हैं कि आपूर्ति में अनिश्चितता के कारण कुछ देशों का कोवैक्स से विश्वास उठने लगा है। इसके कारण डब्ल्यूएचओ पर चीन और रूस के टीकों का अनुमोदन करने का दबाव बढ़ रहा है।

म्यांमा में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ जुंटा ने फिर की कड़ी कार्रवाई, सैन्य प्रवक्ता ने उचित ठहराया

एपी। यांगून

म्यांमा में सुरक्षा बलों ने सैन्य तख्तापलट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों पर फिर कड़ी कारवाई की, जिसमें कई लोग मारे गए। इस बीच, सत्तारूढ़ जुंटा के प्रवक्ता ने नेपीता में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान सुरक्षा बलों की कार्वाई का बचाव किया।

> ● ऑनलाइन समाचार साइट और सोशल मीडिया पर शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि यांगून से करीब 100 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित बागो में सरकारी सुरक्षा बलों और पुलिस की कार्वाई में कम से कम चार लोग मारे गए

ऑनलाइन समाचार साइट और सोशल मीडिया पर शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि यांगून से करीब 100 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित बागो में सरकारी सुरक्षा बलों और पुलिस की कार्वाई में कम से कम चार लोग मारे गए। बागो वीकली जर्नल ऑनलाइन ने बताया कि शहर के मुख्य अस्पताल में उसके एक सूत्र के अनुसार, इस कार्वाई में कम से कम 10 लोगों की मौत हुई है। सुरक्षा बलों ने इस सप्ताह तीसरी बार प्रदर्शनकारियों पर घातक बलप्रयोग किया है। सेना ने आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर एक फरवरी को तख्तापलट किया था।देश के उत्तर में कैले और तजे कस्बों में बुधवार को प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्वाई में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। सुरक्षा बलों पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ ग्रेनेड और मोर्टार जैसे हथियारों का इस्तेमाल करने का आरोप है। देशभर में अधिकतर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे और प्रदर्शनकारियों ने सविनय अवज्ञा का मार्ग अपनाया।कई सोशल मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शुकवार को भी कई स्थानों पर सुरक्षा बलों ने हिंसा का इस्तेमाल किया।प्रदर्शन में हताहत हुए लोगों का रिकॉर्ड रखने वाले संगठन असिस्टेंट एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स ने बताया कि प्रदर्शनकारियों पर सैन्य कार्वाई में बृहस्पतिवार तक कम से कम 614 लोग मारे गए हैं।ब्रिगेडियर जनरल जॉ मिन तुन ने प्रदर्शनकारियों पर स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल किए जाने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि यदि ऐसा हुआ होता, तो कुछ ही घंटों में 500 लोग मारे गए होते।उन्होंने असिस्टेंट एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स द्वारा बताई गई मृतक संख्या को गलत बताया और कहा कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार मरने वालों की संख्या 248 है और 16 पुलिसकर्मी भी मारे गए हैं।

अफगान संघर्ष को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं बाइडन : व्हाइट हाउस

भाषा। वाशिंगटन

व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अफगानिस्तान में संघर्ष खत्म करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि देश फिर कभी आतंकवादियों के लिए पनाहगार न बने तथा उनसे अमेरिका या उसके किसी सहयोगी देश को खतरा नहीं हो। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने शुक्रवार को अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा, राष्ट्रपति ने संघर्ष को जिम्मेदार तरीके से खत्म करने, हमारी सेनाओं को हटाने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है कि अफगानिस्तान फिर कभी आतंकवादियों के लिए पनाहगार न बने और उससे अमेरिका या उसके किसी भी सहयोगी को खतरा न पहुंचे। उन्होंने कहा कि बाइडन दुनियाभर में अपने साझेदारों के साथ परामर्श कर और अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम की सलाह के साथ यह फैसला लेना चाहते हैं। साकी ने कहा, उन्होंने सार्वजनिक तौर पर साफ कहा है, मुझे लगता है कि एक मई तक अपनी सेना को वापस बुलाना चुनौतीपूर्ण है लेकिन आप निश्चित ही समयावधि बढ़ाने को लेकर उनसे कुछ सुनेंगे। एक अलग संवाददाता सम्मेलन में विदेश विभाग की प्रधान उप प्रवक्ता जलीना पोर्टर ने पत्रकारों को बताया कि अमेरिका के विशेष दूत जलमी खलीलजाद क्षेत्र में शांति स्थापित करने की प्रक्रिया तेज करने के लिए अफगान नेताओं के साथ बैठकें जारी रखने के वास्ते अभी काबुल में हैं।

पाकिस्तान ने चीन के तीसरे कोविड-19 रोधी टीके के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दी

इस्लामाबाद। कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए संघर्ष कर रहे पाकिस्तान ने कम प्रभावी होने के बावजूद चीन के तीसरे कोविड–19 टीके के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पाकिस्तान औषधि नियामक प्राधिकरण (डीआरएपी) ने चीन की कंपनी सिनोवैक बायोटेक द्वारा विकसित कोविड–19 रोधी टीके कोरोनावैक के आपात इस्तेमाल को बृहस्पतिवार को मंजूरी दी। डीआरएपी के एक अधिकारी ने कहा, पाकिस्तान में इस्तेमाल के लिए मंजूर किया गया चीन का यह तीसरा टीका है। उन्होंने कहा कि देश में अब तक कुल पांच कोविड टीकों को मंजूरी दी जा चुकी है। पाकिस्तान चीन के सिनोफार्म और कैनसिनो बायोलॉजिकल इंक द्वारा विकसित कोंविडेशिया टीकों के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दे चुका है। साथ ही ब्रिटेन के एस्ट्राजेनेका और रूस के स्पूतनिक वी टीकों को डीआरएपी की मंजूरी मिल चुकी है। बताया जा रहा है कि नए मंजूर किए गए कोरोनावैक टीके कम प्रभावी हैं, लेकिन सरकार ने टीकाकरण अभियान को गति देने के लिए इसके आपात इस्तेमाल को मंजूरी दी है।

पायनियर
रविवार, 11 अप्रैल, 2021

एजेण्डा

केवल असली युवा निर्भीक होते हैं, उनमें अकल्पनीय जोखिम लेने की आशा व रुमानियत होती है
- ओलीविया वाइल्ड

मानव पूंजी के महत्व को उजागर करने के लिए डिजिटल तकनीक से अपनी कार्यशक्ति को संपन्न किया जाए। मौजूदा परिवेश में सुदूर कर्मचारियों के सफल प्रबंधन के सूत्र बताती **अंकुर धींगरा** की रिपोर्ट

नए युग का मानव रीमोट

दुनिया भर में वर्तमान कोविड-19 प्रोटोकॉल के साथ और अधिकांश संगठन घर से कार्य या 'दूरस्थ' 'कार्यालय ढांचों का चुनाव कर रहे हैं - कार्यस्थल की गतिशास्त्र बदल गया है। सौ फीसदी कार्यालय से सौ फीसदी रिमोट व्यवस्था होने और हर संभव संयोजन के भीतर, लंबवत स्तर पर संगठन न केवल उत्पादक बने रहने, बल्कि वर्तमान क्रमपरिवर्तन या संयोजन में मानव पूंजी के मूल्य को मुक्त करने के तरीकों की भी तलाश कर रहे हैं जिन्हें संगठन ने अपने कार्यबल के लिए उल्लिखित किया है।

'सोशल डिस्टेंसिंग' और 'सरकार द्वारा घोषित तालाबंदी' से बंधी, कंपनियों के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वे संबंधित रुझानों को जल्द पहचानने के लिए कर्मचारियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और उन्हें सही तरीके से व्यवसाय संचालन में शामिल करने में सक्षम हों।

हालांकि निगरानी और मूल्यांकन उपकरण मुख्य रूप से गतिविधि ट्रैकिंग और फसल परिणाम पर ध्यान केंद्रित करते हैं, मगर एक प्रभावी उद्यम संचालन प्रबंधन मंच संगठनों को मानव पूंजी के वास्तविक मूल्य को उजागर करने में मदद कर सकता है। ऑनलाइन और ऑफलाइन डेटा संग्रह, एकत्रीकरण और विश्लेषण से लेकर रिपोर्टिंग तक सब कुछ के लिए, संस्थान विभिन्न उपकरणों का उपयोग करते हैं। हालांकि यह विधि काम करती है और छोटे संगठनों में प्रभावी है, फिर भी , विभिन्न स्थानों पर अनेक परियोजनाओं को चलाने पर यह बोझिल हो सकता है। नए दूरस्थ कार्यबल को प्रबंधित करने के लिए मंच का चुनाव करते समय यहां अनिवार्य खूबियों की त्वरित जांच सूची इस प्रकार है :

काम का समय

सुदूर से काम करने वाले कर्मचारियों के साथ, एक वितरित कार्यबल के प्रबंधन ने कई संगठनों को गैरजानकार पाया है। कर्मचारी समय- दक्षता सुनिश्चित करने और कार्य-जीवन के संतुलन को बनाए रखते हुए उत्पादकता के स्तर पर उम्मीदों, सुधार या प्रबंधन हेतु जीने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं।

● वो उपकरण, जिसका एक कंपनी उपयोग करती है, उसे टीमों, प्रक्रियाओं और स्थानों पर संपूर्ण कार्य शैली विश्लेषण प्रदान करना चाहिए। यह न केवल परिचालन में पारदर्शिता लाएगा, बल्कि अंतराल को पहचानने और उन्हें पाटने में व्यापार मालिकों की मदद करेगा।

● सिस्टम से परे चल रही गतिविधियों पर ध्यान दें। यह न केवल आपको समय के रिसावों और अंतरालों को अलग करने में मदद करेगा बल्कि आपको अपने कर्मचारियों को सर्वोत्तम प्रशिक्षण प्रदान करने व उन्हें किसी भी चुनौती या मुद्दों का सामना करने की क्षमता प्रदान करने का अवसर देगा।

● पता नहीं, कौन किस प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है? शीर्ष आकार व नकदी की घंटी बजने पर परियोजनाओं को बनाए रखने के लिए इष्टतम संसाधन उपयोग महत्वपूर्ण है। प्रभावी संचालन प्रबंधन उपकरण बेहतर संसाधन समतलन व नियोजन सुनिश्चित करने के लिए संसाधन उपयोग के रुझानों की गहरी तह में जाने के लिए उपयोगी हैं।

● इसी तरह, कर्मचारी उत्पादकता, दिनचर्या अनुपालन, अवकाश दिनचर्या आदि में गुप्त बुलंदी हासिल करने के लिए सुविधाओं और कार्यक्षमता की तलाश करें।

कार्य परिणाम

● चौबीसों घंटे ऑनलाइन होने से उत्पादकता की गारंटी नहीं होती है। उत्पादक परिणामों को हासिल करने के लिए आपके पास एक तंत्र होना चाहिए।

● कर्मचारी प्रयास बनाम परिणाम का व्यापक विश्लेषण के लिए कहें।

● प्रक्रिया समाधान व प्रदर्शन अंतराल को पहचानने, समझने और हल करने के लिए सहजज्ञान-युक्त डैशबोर्ड एक शानदार तरीका है।

● कर्मचारी प्रयास पर व्यापक विश्लेषण द्वारा संचालित समय और गति अध्ययन।

● एक मॉड्यूल जो विभिन्न टीमों और कई स्थानों पर कर्मचारियों की आवश्यकताओं के अनुसार आसानी से वर्गीकृत कर सके। किसी भी अन्य तृतीय-पक्ष कार्य प्रवाह प्रबंधन सॉफ्टवेयर / सर्विस डेस्क / हेल्प डेस्क / सीआरएम या किसी भी प्रकार के उपकरण के साथ सहज एकीकरण, जिसमें लेन-देन का भंडार है।

कार्य प्रवाह प्रबंधन

जब टीमें दूर से काम कर रही होती हैं, तो ए से जेड तक के पाठ्यक्रम को निर्देशित करते हुए किसी परियोजना के काम-प्रवाह को सुव्यवस्थित करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। एक मजबूत कार्य प्रवाह प्रबंधन उपकरण विभिन्न परियोजना कार्यों की बाढ़ को प्रवाह क्षमता व एएचटी या औसत निपटान समय के दौरान अलग-अलग समय-सीमा व आवश्यकताओं में सुधार करते हुए मार्गदर्शन कर सकता है।

● स्थापित कार्यप्रवाह आपका बहुत ज्यादा समय लेने वाला है?

● एक संचालन प्रबंधन उपकरण को लाने में परियोजना की आवश्यकताओं के अनुसार कार्य प्रवाह स्थापित करने और निहित अनुकूलकों का उपयोग कर कार्यों को आवंटित करने की आवश्यक क्षमताएं होनी चाहिए।

● कार्य को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना सुदूर कामकाज की एक और चुनौती है। इस प्रकार, प्रबंधकों को प्रत्येक कार्य पर की जाने वाली तात्कालिक गतिविधि पर काबिज होने में सक्षम बनाना महत्वपूर्ण है, इससे किसी भी अड़चन को दूर करने में मदद मिलती है।

● पता लगाएं कि डेस्कटॉप स्वचालन और प्रक्रिया में सुधार हेतु निहित अवसरों की पहचान करते हुए उपकरण पूर्वनिर्धारित नियमों के आधार पर लेनदेन रिकॉर्ड कर सकते हैं या नहीं।

● एक प्रबंधन उपकरण के लिए पूछें जो आपको बेहतर नियोजन और कार्यभार के पूर्वानुमान के माध्यम से सशक्त बनाता है।

उन्नत विश्लेषिकी

किसी भी संगठन के लिए, विश्लेषिकी व्यावसायिक प्रदर्शन का संचालन करते समय कार्यबल उत्पादकता का प्रबंधन करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। डेटा एनालिटिक्स से प्राप्त अंतर्दृष्टि के साथ, महत्वपूर्ण संबंध व शैलियां खराब कर्मचारी उत्पादकता, उच्च रख रखाव लागत व खराब ग्राहक सेवा के कारण होने वाली हानि का पता लगाने के लिए स्थापित किए जा सकते हैं।

● उपकरण वास्तविक व प्रभावी संगठनात्मक मानदंड और लक्ष्य स्थापित करने हेतु वास्तविक समय प्रदर्शन डेटा प्रदान करने में सक्षम होना चाहिए।

● संगठन के भीतर आकस्मिक, मूल्य वृद्धि और गैर-मूल्य वृद्धि गतिविधियों का वर्गीकरण एक और कार्यभार है जिसे उद्यम संचालन प्रबंधन सॉफ्टवेयर को करने में सक्षम होना चाहिए।

● उन विशेषताओं का पता लगाएं जो संचालन को कारगर बनाने के लिए संसाधनों, ऑपरेटिंग सिस्टम और बुनियादी सुविधाओं के उपयोग का ट्रैक रखने में मदद करती हैं।

> जब टीमें दूर से काम कर रही होती हैं, तो ए से जेड तक के पाठ्यक्रम को निर्देशित करते हुए किसी परियोजना के काम-प्रवाह को सुव्यवस्थित करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। एक मजबूत कार्य प्रवाह प्रबंधन उपकरण विभिन्न परियोजना कार्यों की बाढ़ को प्रवाह क्षमता व एएचटी या औसत निपटान समय के दौरान अलग-अलग समय-सीमा व आवश्यकताओं में सुधार करते हुए मार्गदर्शन कर सकता है।

ये वो दौर है जो मानव पूंजी और डिजिटल निवेशों की वास्तविक क्षमता के दोहन का आह्वान करता है।

हालांकि कर्मचारियों के व्यवहार को समझना मुश्किल हो जाता है जब वे सुदूर रहकर काम करते हैं तो उन्हें सही तरीके से निवेश करना, और सही दिशा चुनौतियों को स्पष्ट करने में मदद कर सकती है। कुछ बिंदुओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए :

● **आत्म-सुधार को बढ़ावा दें :** कर्मचारियों की व्यक्तिगत वृद्धि संगठनात्मक विकास को गति देती है। कर्मचारियों को आत्म-सुधार डैशबोर्ड प्रदान करना समग्र विकास करने का एक शानदार तरीका हो सकता है। जब कर्मचारी अपनी कमजोरियों और खूबियों का आत्म-विश्लेषण करते हैं, उन्हें सही ढंग से काम कराना व सही मार्गदर्शन करना चुनौतियों से निपटने में सहायता कर सकता है। इससे कर्मचारियों को एक बेहतर व गहरी समझ मिलती है कि उनमें कहाँ कमी है। आत्म-विश्लेषण आत्म-विकास की कुंजी है। कुछ बिन्दुओं को जिन्हें दिमाग में रखा जाना चाहिए, वे इस प्रकार हैं:

● **कार्य समय पर ध्यान देना :** कार्य अंतराल का विश्लेषण करना, उत्पादकता स्तर और बेंचमार्क का उपयोग करने का तंत्र स्थापित करना कर्मचारी की क्षमता को सही दिशा में ले जाता है। कर्मचारी उत्पादकता बढ़ाने के लिए, संस्थान अनुसूची अनुपालन को माप सकते हैं, काम के अंतराल और समय के बर्बादी की पहचान कर सकते हैं। उद्यम ग्रेड संचालन प्रबंधन उपकरण तैनात करना जो कर्मचारियों के ओवरटाईम का अनुकूलन करता है, पारदर्शिता लाता है।

● **केंद्र कार्य-आउटपुट:** कार्य परिणाम का मूल्यांकन करने हेतु प्रभावी तंत्र की स्थापना से संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। कार्य निवेश और कार्य परिणाम के गहन विश्लेषण से उत्पादकता में सुधार होता है। एक संगठन प्रक्रिया और प्रदर्शन अंतराल के सटीक विश्लेषण के साथ लाभप्राप्ति में सुधार कर सकता है। कर्मचारी उत्पादकता स्तरों का आरंभिक व अंतिम विश्लेषण प्रदान करने वाले सॉफ्टवेयर से संगठन को उनके प्रदर्शन का व्यापक दृष्टिकोण प्राप्त करने में मदद मिलती है।

● **वास्तविक समय दृश्यता:** सहज ज्ञान युक्त उपकरणों का उपयोग संगठन में परिचालन पारदर्शिता प्रदान करता है जो कार्य प्रवाह का प्रबंधन कर सकता है। कर्मचारियों के कार्य प्रदर्शन को प्रबंधित करने हेतु वास्तविक समय की दृश्यता तक पहुँचने से उनके उत्पादकता स्तर में तेजी आती है। प्रबंधकों को एक कुशल सॉफ्टवेयर की मदद से उनकी क्षमताओं से मेल खाने वाले कार्य लक्ष्यों के साथ कार्यबल को कतारबद्ध करना होता है। वास्तविक समय की दृश्यता प्रबंधकों को चुनौतियों का सामना करने व तदनुसार तैयार करने में सक्षम बनाती है।

● **अनावश्यक कार्यभारों की समाप्ति :** उन्नत विश्लेषिकी के साथ, एक संगठन कमजोर पहलकदमियां और परिसंपत्ति अनुकूलन पर काम कर सकता है। ग्राहक सेवा, कर्मचारी उत्पादकता और अपेक्षित व्यावसायिक लागत में खामियों की पहचान करने के लिए सॉफ्टवेयर का उपयोग कार्य प्रक्रिया की समीक्षा करने में मदद कर सकता है। कार्य-गतिविधियों की नियमित समीक्षा संसाधनों को सुव्यवस्थित करने और गैर-आकस्मिक गतिविधियों को सफाया करने के लिए आवश्यक है।

● **परिचालन लागत कम करें :** सॉफ्टवेयर के जरिए संपत्ति अनुकूलन पर ठोस समझदारी तक पहुँचने से संगठन को पूंजी व परिचालन लागत कम करने में मदद मिलती है। परिसंपत्ति के उत्तम उपयोग पैमाने से, संगठन कंपनी परिसंपत्तियों के सटीक उपयोग का विश्लेषण करने में सक्षम है। संगठन में संचालन प्रबंधन मंच से, अनुत्पादक और अतिरिक्त प्रणालियों की छंटाई आसान हो जाती है। यह अतिरिक्त परिचालन लागत को कम करता है और उत्पादक अनुप्रयोगों के लिए जगह बनाता है।

● **व्यापक रिपोर्टिंग को बढ़ावा दें :** कार्यबल प्रबंधकों को प्रदान की गई जानकारी की छानबीन कर सकता है। किसी भी कार्य में देरी या अपूर्ण जानकारी प्रसारित करने से बचने के लिए, संगठन को कर्मचारी उत्पादकता के प्रति सक्रिय उत्तरदायी होना चाहिए। सॉफ्टवेयर की मदद से स्क्रीन रिकॉर्डिंग या स्क्रीन कैप्चर करने से प्रबंधकों को वास्तविक समय का दृश्य प्राप्त करने में मदद मिलती है कि क्या किया जा रहा है। यह संगठन में पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और प्रबंधकों को पहले तो कर्मचारियों की क्षमताओं को समझने का अवसर देता है। जहां कर्मचारी का अभाव है, वहां गहराई से विश्लेषण करना, प्रबंधकों को तदनुसार उनकी प्रशिक्षण प्रक्रिया को बदलने में मदद करता है।

● **कार्यभार विश्लेषण के प्रति चौकस रहें :** प्रबंधकों को यह समझना चाहिए कि कर्मचारी पर कार्यबोझ बढ़ाने से उनके काम का प्रदर्शन बिगड़ सकता है। स्वचालित सॉफ्टवेयर की मदद से, प्रबंधक वर्चुअल वर्कलोड वितरण आंकलन प्राप्त कर सकता है। ऑपरेशन प्रबंधन मंच संगठन को कर्मचारियों के उपयोग के स्तर को समझने व तदनुसार उन्हें कार्यभार सौंपने में सक्षम बनाता है।

● **विभिन्न विशेषताओं के आधार पर कर्मचारी उत्पादन को वर्गीकृत करें :** संगठन अपने सभी कर्मचारियों से समान परिणाम की उम्मीद नहीं कर सकता है। सॉफ्टवेयर्स की मदद से, संगठन को स्थान, कार्य अवधि, स्थिति और अपेक्षाओं के स्तर जैसी विशेषताओं के आधार पर कर्मचारी परिणाम को वर्गीकृत करने की आवश्यकता होती है। कार्यकारी स्तर पर एक कर्मचारी वरिष्ठ प्रबंधक के समान योगदान नहीं कर सकता है। इसे समझने से प्रबंधकों के संतुष्टि स्तर में सुधार हो सकता है।

● **समतुल्य भार संतुलन:** यह महत्वपूर्ण है कि सुदूर काम करने का अर्थ यह नहीं होता है टीमों केकुछ ऐसे खेमे हैं जो कम काम में आते हैं और कुछ ऐसे हैं जिन पर काम का भारी बोझ होता है। कार्यभार को उचित रूप से संतुलित करना और दृश्यता के साथ काम का समान वितरण सुनिश्चित करना उद्यमों का एक प्रमुख कार्य क्षेत्र है क्योंकि वे एक पोस्ट कोविड-19 ऑपरेशन मॉडल के बारे में सोचते हैं। यह जरूरी है कि एक वास्तविक कार्य समीक्षा हो कि टीमें किस तरह भागीदार हैं ओर विभिन्न टीमों के बीच कार्यबोझ की समझदारी विकसित हो सके

एक मजबूत मापन मंच , जो उद्यम के सभी स्तरों पर अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, का वितरित कार्यस्थल में होना भावी सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

-लेखक , प्रोहेंस नामक उद्यम संचालन प्रबंधन मंच के सीईओ है जो संस्थानों को मानव पूंजी की महत्ता को उजागर करने में मदद करता है।

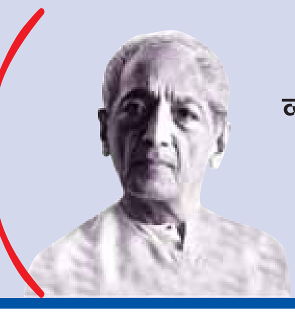

भारतीय प्रतीकवाद का रहस्योद्घाटन

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

परिप्रेक्ष्यगत ध्यान पर एक चर्चा के जवाब में, कई पाठकों ने दो सवाल उठाए। सबसे पहले, उन्होंने भारतीय प्रतीकों के शिक्षाप्रद लाभ पर विस्तार से पूछा। दूसरा, ''वेदांत एक निराकार और गुण-प्रधान भगवान की पैरवी करता है। फिर किस तरह भगवान के रूप की अवधारणा प्रचलन में आई? क्या आपको नहीं लगता कि वे विरोधाभासी हैं?''

उत्तर के लिए, मेरी पुस्तक का अंश: ''ईश्वर या ईश्वर नहीं, जागरूकता जीवन को समृद्ध करती है'' अनिवार्य हो जाता है। प्रतीकात्मक छवि परिप्रेक्ष्यगत ध्यान में कार्यकारी उपकरण है। इसलिए, उनके शिक्षाप्रद आयात की व्याख्या किए बिना, ध्यान पर सबक अधूरा होगा। लेकिन, वेदांत ने एक विलक्षण निराकार और गुण-प्रधान कम-स्रोत का सृजन किया, जहां सृजन श्रृंखला ने उड़ान भरी। अधिकांश लोग विश्वास से प्रेरित होते हैं, हालांकि, मंदिरों का दौरा करते रहते हैं, गर्भगृह में विभिन्न देवता (रूप-देव) रहते हैं, अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए वरदान मांगते हैं। वे इतने अधिक श्रद्धेय हैं कि विशेष स्मरण के लिए एक विशिष्ट तिथि को उन सभी को कुंडलाकार कैलेंडर में समर्पित किया जाता है।

दोनों अवधारणाएं एक साथ जमीन कैसे पकड़ सकती हैं? प्रत्यक्षतया, यह सामंजस्य बैठाना मुश्किल है। हालांकि, दो अवधारणाओं पर गहन चिंतन यह प्रकट करेगा कि वे दो अलग-अलग उद्देश्यों की सेवा करते हैं। वेदांत से तात्पर्य उस शाश्वत वास्तविकता से है, जिसमें संपूर्ण प्रकट जगत निहित है। दूसरी ओर,ईश्वर-रूप अवधारणा की एक उद्देश्यपूर्ण परिप्रेक्ष्यगत प्रासंगिकता है। प्रत्येक प्रतीकात्मक चित्रण क्रमिक मानव व्यवहार के लिए महत्वपूर्ण शिक्षाएं प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, देवी सरस्वती की कल्पना सीखने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का सबक प्रदान करती है ताकि ज्ञान प्राप्त किया जा सके। भगवान गणपति की छवि दुनियावी होने की शर्तों को निर्धारित करती है। देवी दुर्गा हमें संचालनकारी ऊर्जाओं में दोहरी प्रवृत्ति को दूर करने के लिए सबक देती हैं। याद रखें, ऊर्जा एक दुधारी तलवार की तरह है, जो उत्पादक अनुप्रयोगों के लिए विवेकपूर्ण रूप से नियोजित होने या विनाशकारी नतीजों के प्रति गलत तरीके से काम करने की समान क्षमता रखती है।

ध्यान में रखें : प्राचीन भारत के विद्वान उत्कृष्ट संप्रेषक थे। वे समस्त भाषाई और बौद्धिक बाधाओं को पार करते हुए, सरलीकृत शब्दों में अपने साथ जुड़ी छवियों और कहानियों के माध्यम से महान चर्चा कर सकते हैं। और उनके पास व्यावहारिक प्रासंगिकता वाले इन विचारों की सहज कल्पना करने के प्रगाढ़ कलात्मक अर्थ भी रहे होंगे। उस क्रम में इन छवियों को अतीत के भावुक लोगों की तत्काल संवेदना प्राप्त हुई होती तो ऋषियों ने उन्हें देवता - रूपी-ईश्वर का दर्जा दे दिया होगा। कल्पना में जोड़ा गया दिव्य तत्व प्रार्थना अवस्था में उन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहता । प्रार्थना अवस्था में, व्यक्ति अपने हृदय को प्रस्तुत करने के लिएश और उसके जरिए उसका समग्र एकाग्र छवि के साथ तत्काल जुड़ने के लिए इच्छुक होगा। फिर, आपको शब्दों में किसी विवरण की आवश्यकता नहीं होती है।

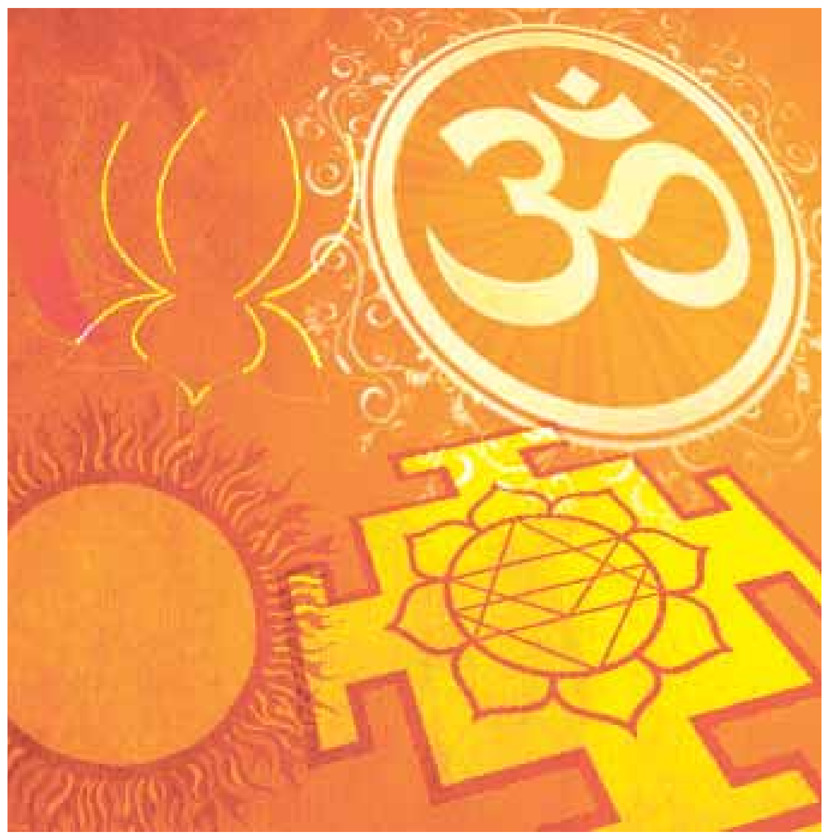

ऐसी सदियों पुरानी अवधारणा के इतिहास का पता लगाना मुश्किल है। लेकिन फिर, यह पचा पाना मुश्किल है कि विद्वान गुरू, वैदिक धारणा के साथ पूरी तरह से संवादरत, मान्यता प्रेरित पद्धति में ईश्वर रूपों की अवधारणा को आँख बंद करके स्वीकार करेंगे। वेदांत - उपनिषदों - भारतीय दर्शन के संस्थापक शिला में ईश्वर रूपों का कोई संदर्भ नहीं है। फिर भी, अगर उन्होंने इसे हमारी सामाजिक / धार्मिक व्यवस्था में पेश किया है, तो इसका उद्देश्य जीवन के सामान्य आचरण नियमों पर मनुष्यों को शिक्षित करना होगा। ऐसा प्रतीत होता है कि समय के साथ-साथ, ईश्वर की अवधारणा ने विश्वास-चालित आयाम प्राप्त कर लिया, जिसे एक बड़े बहुमत ने सत्य के रूप में स्वीकार किया।

प्राचीन भारत के ज्ञानी गुरूजन प्रत्येक व्यक्ति के अद्वितीय चरित्र के बारे में अत्यंत जागरूक थे, जो कि अनिवार्यतया शेष के साथ बिलकुल भिन्न है। इस प्रक्रिया में, ऐसे व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, दुनिया अपनी समूची विविधता, विविधता और जटिलता के साथ हितों के टकराव का एक प्राकृतिक प्रजनन-आधार बन जाती है। इसको इसके हाल पर छोड़ दें तो, दुनिया हमेशा अराजकता से भरी होगी। इस मानवी सीमा को पार करने के लिए, पुरखों को समस्त विविधतापूर्ण लोगों में नागरिकता और पवित्रता की भावना उत्पन्न करने की आवश्यकता महसूस हुई होगी। तदनुसार, उन्होंने जीवन के सामान्य आचरण नियमों में सबक देने की आवश्यकता महसूस की होगी, ताकि सचेतन स्तर पर सामाजिक व्यवस्था के क्रम को सुनिश्चित किया जा सके। और संचार के माध्यम के रूप में अच्छी तरह से तैयार की गई छवियों का उपयोग करने से बेहतर क्या है, क्योंकि यह स्वाभाविक रूप से सभी का ध्यान आकर्षित करती है, और इसलिए, तत्काल जुड़ाव हासिल कर लेती है।

उक्त छवियों पर निरंतर आत्म-चिंतन, हमारी विचार प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले निष्क्रिय शिक्षण लाभ को आसानी से आत्मसात करने में मदद कर सकता है, जो हमारे दिन-प्रतिदिन के आचरण में अनायास ही नजर आ सकता है। इस प्रकार, ध्यानरत छवि से प्राप्त शिक्षाप्रद लाभ, विशेष रूप से ध्यान प्रक्रिया के लिए, महान परिप्रेक्ष्यगत प्रासंगिकता प्राप्त करता है।

अपने मन को साधें

समृद्ध सेठ का कहना है कि यह हमारे ऊपर है कि हम किस प्रकार अपनी सकारात्मक प्रक्रियाओं को बढ़ाएं और छलांग लगाकर उसके इर्द-गिर्द काम करना आरंभ करें......

जितना अधिक हम अनुत्पादक होने से भयभीत होते हैं और उतनी ही तेजी से हम एक ही राह पर निरंतर चलते जाने से डरते हैं, हम अक्सर खुद को पसीने के पूल में पाते हैं, इस पर विचार करते हुए कि किसी संभावित ढंग से इसे मोड़ने हेतु असलियत में दूसरे किसी तरीके से काम करते हुए, हमारे नकारात्मक विचारों के क्या परिणाम हो सकते हैं। हालांकि इसके कुछ खास आंतरिक अनुकूलन पहलू हैं, मगर बाहरी वातावरण का भी इस ढंग से हमारे दिमाग की बनावट पर गहरा और लंबे समय तक प्रभाव रहता है।

सबसे पहले, महामारी से प्रेरित अनिश्चितता ने कार्य-जीवन की संतुलन रेखाओं के धुंधला होने के साथ गंभीर निहितार्थ प्रकट किए हैं। अप्रत्याशित भविष्य, संभावित बेरोजगारी, वायरस के कारण संभावित बीमारी, आर्थिक संकट और व्यक्तिगत रूप से हम पर इसका प्रभाव, महामारी के बीच पकड़े जाने के दौरान कई अन्य विचार हमारे दिमाग पर छाए रहे।

हालांकि बाहरी प्रभाव यानी महामारी ने हमारे दिमाग को रचनात्मक रूप से सोचने से रोक दिया है, मगर सहज रूप से, शिथिलता एक सदियों पुरानी नमी है जो समय पर अपने लक्ष्यों तक पहुंचने की हमारी क्षमता को बाधित करती है। जैसा कि विफलताओं के बाहरी और आंतरिक दोनों विचार अंकुरित होते रहते हैं, ऐसे में जब असफलताओं की संभावनाओं के साथ एक गहरी सोच की तुलना में अधिक लक्ष्योन्मुख रहने के लिए अपने दिमाग को साधित करने की बात आती है, हम निश्चित रूप से अपने हाथों में लगाम ले सकते हैं।

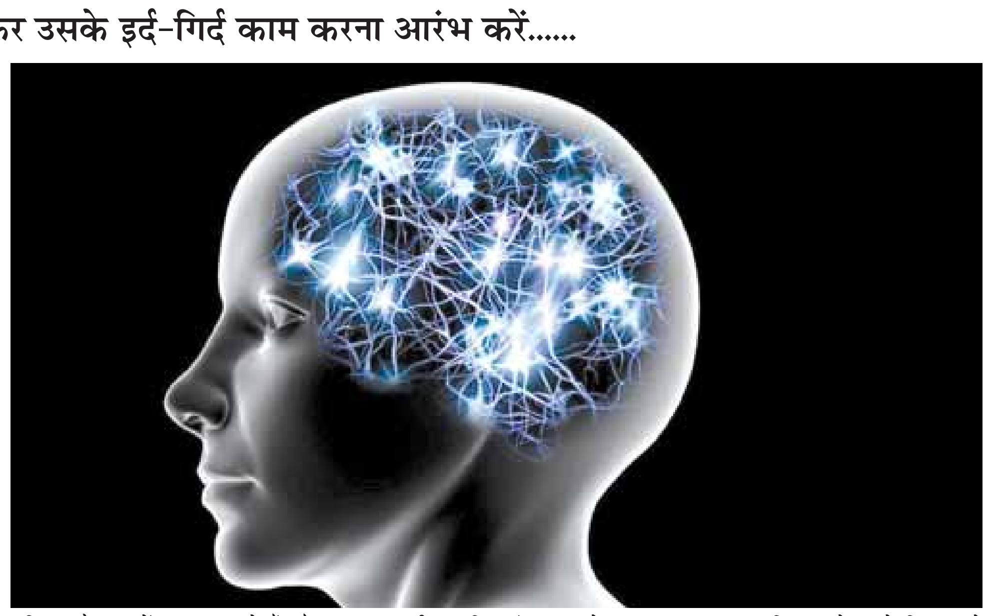

हम संभावित रूप से प्रतिक्रिया करते हैं और परिणाम का अनुमान करते हैं जिसके आधार पर हम एक संभावित परिणाम के रूप में कल्पना करते हैं और यहीं पर हम किसी भी भ्रामक विचार को सबसे पहले अपने दिमाग में पनपने से रोक सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि विफलताओं को परे रखने के लिए, परिवार, कार्यस्थल, बाहरी समाज और सबसे महत्वपूर्ण स्वयं अपने साथ समर्पित महसूस करने के लिए व्यक्ति बुद्धिमान दृश्य परिकल्पना तकनीकों में लिप्त हो सकता है। लक्ष्य-उन्मुख बने रहने का मतलब किसी निश्चित समय सीमा में चीजों को प्राप्त करना नहीं है, बल्कि समय-सीमा के भीतर लक्ष्य को कुशलता से प्राप्त करने के अनेक तरीकों का पता लगाना है। यह हमें रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करता है, विभिन्न मार्गों को देखते हुए कि कैसे उत्कृष्टता प्राप्त करें, चाहे वह घर पर एक दैनिक काम हो या कार्यस्थल का कार्य जिसमें आप आज तक परेशान का सामना कर रहे थे।

अपनी स्मृति संरचना को पुन: संगठित करने की कुंजी परिणाम के विचार को त्याग रही है। वर्तमान में रहें, आप जो गतिविधि कर रहे हैं उसके लिए सबसे अच्छा करें और कार्रवाई को परिणाम प्रस्तुत करने दें। यह शालीनता के लिए कोई जगह नहीं छोड़ता। यदि कोई इस बात की चिंता करता है कि जो चीजें वे कर रहे हैं, उसके साथ क्या होगा, तो वे कभी भी संभावित रूप से उस अधिकतम क्षमता तक नहीं पहुंच पाएंगे जो वे संभवत: पा सकते थे।

दूसरा, एक कल्पना महल बनाने पर ध्यान देने की आवश्यकता है। यह एक यादगार इमारत है। यह उनके घर या विषय से जुड़ी इमारत हो सकती है। इस स्थान पर प्रत्येक कमरे या क्षेत्र की कल्पना करें, जिस पर वे काम कर रहे हैं। अपने विचारों को एक विशेष तरीके से अलग अलग विभागों में करने से हमें स्पष्ट सोच के माध्यम से ठोस समाधान तक पहुंचने में मदद मिलती है, न कि अनावश्यक विचार जो हमारे दिमाग को अनावश्यक रूप से संशयग्रस्त बनाते हैं। यह धीरे-धीरे भीतर से किसी भी भावनात्मक और मानसिक थकान को कम कर देता है और हमें यह सोचने के बजाय हल्का और अधिक समस्या-समाधान करने का एहसास कराता है कि हमारा जीवन कितना गड़बड़ है।

अनिश्चितता हमारी पिछली असफलताओं से उपजी है। विफलताएं हर समय होती रहती हैं लेकिन हमेशा विफलताओं के बीच सफलता की एक लकीर भी रहती है। वास्तविक अर्थों में, विफलताएँ हमेशा छिपी हुई एक सीख हैं। यह केवल हम पर निर्भर है कि हम अपनी सकारात्मक विचार प्रक्रियाओं को कैसे निर्धारित करें और संभावित विफलताओं के बारे में विचार करने के बजाए खुद को डुबो कर उसी के आसपास काम करना शुरू करें। यही है जीने का तरीका!

- लेखक पास्ट ड्वेलर्स नामक किताब के लेखक हैं

कर्तव्य व आश्वासन

अजित कुमार बिश्नोई का कहना है कि यदि हम अपनी इच्छाओं की पूर्ति की इच्छा रखते हैं, तो हमें अपने सभी कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभाना चाहिए......

मनुष्य के रूप में, हमसे हमेशा कर्तव्यनिष्ठ होने की अपेक्षा की जाती है। इसकी शुरूआत बहुत पहले से होती है। बच्चों के कर्तव्य क्या हैं? ये मुख्यत: पाँच हैं। उन्हें उचित भोजन, पर्याप्त व्यायाम / शारीरिक गतिविधियाँ, पर्याप्त नींद और सही मनोरंजन / शौक द्वारा अपने स्वास्थ्य को बनाए रखना चाहिए। उन्हें अच्छे संस्कारों को विकसित करना चाहिए। आखिरकार, हम सबसे उन्नत प्रजाति हैं। निश्चित रूप से, परिवार के बुजुर्गों को उनका आचरण करना चाहिए - उनके लिए एक कर्तव्य। बच्चों को अपनी प्राकृतिक योग्यताओं के साथ साथ अपनी पढ़ाई में अपनी क्षमता हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। और उन्हें घर की देखभाल करना सीखना चाहिए, जिसे महामारी ने सभी के लिए आवश्यक बना दिया है। बहुत अच्छा लगता है लेकिन आप बच्चों को ये सब करने के लिए कैसे प्रेरित करते हैं। आप उन्हें क्या आश्वासन दे सकते हैं कि ऐसा करना उनके लिए सबसे अच्छा होगा?

इसका उत्तर उनकी इच्छाओं को इन कर्तव्यों से जोड़ना है। यदि वे अपनी इच्छाओं की पूर्ति की इच्छा रखते हैं, तो उन्हें ये सभी कर्तव्य करने होंगे। यह इसी तरह से काम करता है। हमें उनकी इच्छाओं को पहचानने में उनकी मदद करनी होगी, जिसे तकनीकी शब्दों में गहन इच्छा कहा जाता है। ऐसी इच्छाओं और निर्णयों के परिणाम हमारे हैं, जो अच्छा और बुरा है।

वयस्कता में, कर्तव्यकम या ज्यादा अच्छी तरह से परिभाषित होते हैं। व्यक्ति को स्वास्थ्य बेहतर तरीके से बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए। भगवान कृष्ण ने भगवद गीता के श्लोक 6.17 पद में मार्गदर्शन किया है। इंसान को खुद को सर्वोत्तम ढंग से बनाए रखने में सक्षम होना चाहिए। भगवान कृष्ण ने गीता में विशेष रूप से रख रखाव के बारे में बात की है, क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण है, जैसा कि हम जानते ही हैं। इसक बाद आती है जीवन की सही दिशा। जब तक इंसान सही रास्ते पर नहीं है, तब तक किसी के सही जगह पर सिमट जाने की संभावना नहीं है। यह ज्ञान भगवान से आता है, क्योंकि केवल वही हम सभी के बारे में व्यापक तौर पर जानता है। चौथा कर्तव्य है कि जो भी मिले उसमें शांतिपूर्ण होना। इससे खुशी और सुरक्षा बढ़ेगी। यहाँ पुन:, ईश्वर से उदार सहायता की आवश्यकता है। जैसे हम बच्चों को उनकी इच्छाओं की पूर्ति के बारे में आश्वस्त कर सकते हैं, वैसे ही हम वयस्कों के लिए भी कर सकते हैं।

बुजुर्गों के अत्यंत परिभाषित कर्तव्य होते हैं। पहला कर्तव्य स्वास्थ्य संबंधी भी है, और वृद्धावस्था में तो और अधिक, क्योंकि मानव शरीर की उम्र कम होती है और इसमें उतना लचीलापन या सहिष्णुता नहीं होती है जितना कि कम उम्र में। समझदार व्यक्ति ज्यादातर अच्छाई के मोड में गतिविधियों को मोड़ लेते हैं, खासकर खाने और मनोरंजन के मामलों में। यदि स्वास्थ्य ठीक नहीं है, तो वृद्धावस्था काफी दर्दनाक हो जाती है, सचमुच। दूसरा कर्तव्य जीवन की दिशा को पुन:जांचना है। अब तक यह स्पष्ट हो चुका होगा कि दिशा उचित है या नहीं। यदि ऐसा नहीं है, तो इसे गंभीरता से पुनर्गठित करने का समय आ गया है। भगवान मदद कर सकता है, इसलिए, जितनी जल्दी, उतना बेहतर है कि भगवान के साथ एक अच्छा संबंध स्थापित किया जाए। अपने आध्यात्मिक स्वभाव के अनुसार अधिकतम आध्यात्मिक गतिविधियाँ करें, और धीरे-धीरे उन्हें बढ़ाते जाएं। वृद्धावस्था में बहुत मदद की जरूरत होती है, जिसमें भगवान की मुख्य भूमिका होती है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, शांति, खुशी और सुरक्षा ईश्वर से ही मिल सकती है। रखरखाव, यदि पहले से सुरक्षित नहीं है, तो इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए। ऐसा करने में कोई रोक नहीं है, यदि यह एक आवश्यकता है। यदि परमेश्वर के साथ संबंध अच्छी तरह से स्थापित है, तो वह कर्तव्यों के बारे में समस्त आवश्यक मार्गदर्शन देगा, क्योंकि वह जानता है कि हमारे लिए क्या अच्छा है। यदि कोई उपरोक्त सबकुछ कर सकता है, तो वह न केवल जीवन के लिए आश्वस्त है, बल्कि एक उत्कृष्ट भावी जन्म के लिए भी तत्पर है।

अंत में, मैं सुरक्षित ढंग से बता सकता हूं कि सृष्टि विधान सही है। यदि कोई इसके नियमों का पालन करता है, अर्थात् वह उन समस्त संबंधित इच्छाओं का पालन करता है, जो कि ''धर्म '' के अनुसार होनी चाहिए, तो, इस बात का विश्वास दिलाया जा सकता है कि व्यक्ति बहुत फलदायी जीवन जीएगा। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए, क्योंकि भगवान ने इसे सुनिश्चित किया है। आखिरकार, यह उसकी रचना है।

इस सप्ताह आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

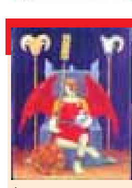

फिटनेस शौकीनों को उचित व्यायाम दिनचर्या का पालन करना चाहिए। आंतरिक व बाह्य निराशा समाप्त हो रही है। आपकी प्रत्युत्पन्नमति व ज्ञान अद्वितीय है। आप शारीरिक- मानसिक दोनों रूप से मजबूत महसूस करते हैं। पेशेवर रूप से, आप कड़ी मेहनत कर रहे होंगे, लेकिन परिणाम प्रतीक्षित हैं। आपको अच्छी तरह से किए गए काम हेतु प्रशंसा मिलना मुश्किल है। आर्थिक मोर्चे पर सावधान रहें।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** गुरूवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

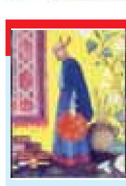

आपको अपना स्वास्थ्य सुधारने के बारे में सोचना चाहिए। आपका स्वास्थ्य व कल्याण की भावना प्राथमिकता होनी चाहिए। यह कुछ समय निकालने और बेहतर जीवनशैली, पोषण और अपने काम को संतुलित करने का अति शुभ समय है। तन, मन और आत्मा में संतुलन की आवश्यकता है। अधिक परिणाम और उत्पादक परिणाम पाने के लिए रणनीति बनाएं, लेकिन इसे गोपनीय रखें।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** शनिवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

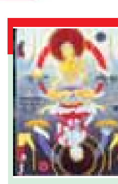

इस सप्ताह आप आसानी से चुनौतियों व आशीर्वादों का प्रबंधन करेंगे। यह आपके स्वास्थ्य में सुधार करेगा व बहुत आशा लाएगा। इस सप्ताह आप जीवन से भरपूर रहेंगे। अतीत की निराशा समाप्त हो गयी है। अब आप आशान्वित और मस्त हैं। चिकित्सा परीक्षणों पर पैसा खर्च करना, बेहतर जीवन जीने के आसार हैं। करियर के मोर्चे पर, आपके मन में कुछ योजनाएँ हैं।

शुभ अंक 3 **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ दिन:** रविवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

इस सप्ताह आप काम की अधिकता के कारण खुद को परास्त महसूस करेंगे। इस बिंदु पर अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा करना उचित नहीं है। शारीरिक और मानसिक रूप से सतर्क रहें। अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। इसे पोषण दें, इसकी देखभाल करें और इसे प्राकृतिक भोजन के साथ पोषित करें। जंक और तैलीय भोजन से बचें। आपको सभी बुरी आदतों को छोड़ना होगा। रोकथाम इलाज से बेहतर है।

शुभ अंक : 12 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** मंगलवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

इस सप्ताह आपको सख्त होने और कुछ मामलों में सीमारेखा खींचने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य मोर्चे पर कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। जीवन में संतुलन लाने के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आध्यात्मिक प्रभाव की आवश्यकता होती है। स्वास्थ्य के प्रति आपके लापरवाह रवैये के परिणामस्वरूप मौसमी बीमारियाँ हो सकती हैं। सर्दी, खांसी, कब्ज और वजन संबंधी समस्याओं से सावधान रहें।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** बुधवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

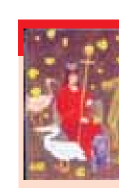

अपने स्वास्थ्य को महत्व दें और इसे प्राथमिकता दें। प्राप्त नेमतों के प्रति कृतज्ञ हों। हो सकता है कि आपका स्वास्थ्य आपके मन के मुताबिक उतना अच्छा न हो लेकिन यह कई अन्य लोगों की तुलना में बेहतर है। आपके पास जो कुछ भी है उसके लिए आभारी रहें। करियर के लिहाज से आपको खुद पर प्रतिबंध नहीं लगाना चाहिए। अपने संवाद में सावधानी बरतें। बहस व विवाद से बचें।

शुभ अंक: 6 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** शुक्रवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

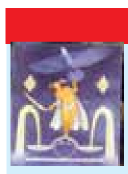

इस हफ्ते आपको अवकाश की जरूरत है। अपने नीरस दिनचर्या से समय निकालें। परीक्षा परिणाम की प्रतीक्षा करने वालों को अनुकूल समाचार मिलने की संभावना है। आप आध्यात्मिकता को तनाव मुक्ति के रूप में ले सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। यह योग, प्राणायाम और ध्यान में लिप्त होने का सही समय है। करियर के मोर्चे पर इस सप्ताह अच्छी खबर मिलने की संभावना है।

शुभ अंक: 15 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** गुरूवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

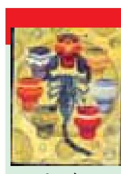

इस सप्ताह आप ऊर्जा व जोश से भरे रहेंगे। आपका तन, मन और आत्मा पूर्ण सामंजस्य में हैं। आप एकाग्र हैं और जानते हैं कि जीवन से क्या पाना है। आप पेशेवर व व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं के बीच संतुलन लाने में पर्याप्त स्मार्ट हैं। काम के मोर्चे पर, काम पर कुछ भी अधूरा नहीं छोड़ना आपके पक्ष में काम करेगा। यदि हाल में एक नया व्यवसाय या नौकरी शुरू की है, तो थोड़ी चिंता का कारण हो सकता है।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** मंगल वार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

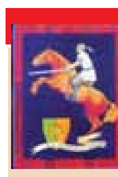

स्वास्थ्य के लिहाज से आपको व्यावहारिक होने की जरूरत है। तन को सुनें, न कि मन की। आपको अपनी खानपान आदतों या मीठे भोजन के लिए चाह को बदलना होगा। आपको अपना स्वास्थ्य बेहतर बनाने के लिए कुछ प्रयास करने होंगे। यदि आप समय के साथ चलते हैं तो काम पर, सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध तरीके से कुछ बेहतर साकार करने की संभावना है। शांत मन से चुनौतियों का सामना करें।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** शुक्रवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

स्वास्थ्य के संदर्भ में अच्छा समाचार मिलने के आसार हैं। जो लोग परीक्षा परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे हैं, वे जान लें कि कुछ भी गंभीर होने के संकेत नहीं है। जिस स्वास्थ्य समस्या से आप पीड़ित हैं, उससे खुद को मुक्त करने के लिए आपको छोटे से इलाज की आवश्यकता है। अपने आहार में तरल पदार्थों, जूस और रेशेदार भोजन का सेवन बढ़ाएँ। कार्य के मोर्चे पर, नए अवसर भविष्य के प्रतिं आपको आशान्वित करने वाले होंगे।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** कत्थई **शुभ दिन:** शनिवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

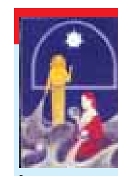

इस सप्ताह आप उत्साही व साहसी महसूस करेंगे, ताकि उन चुनौतियों का सामना कर सकें जो जीवन आपके सामने पेश करता है। आप स्वास्थ्य मोर्चे पर सही रास्ते पर हैं। आपकी स्वास्थ्य चिंता अब आपको समृद्ध लाभांश दे रही है। आप बहुत ही जीवंत, ऊर्जावान और जीवन से भरपूर महसूस करते हैं। आपकी सकारात्मक मानसिकता और हंसमुखता आपके व्यक्तित्व में आकर्षण बढ़ाएगी।

शुभ अंक : 14 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** गुरूवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

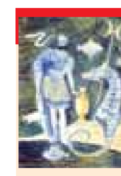

जीवन के सभी क्षेत्रों में इस सप्ताह संतुलन की आवश्यकता है। आपको पता होना चाहिए कि अपनी पेशेवर और स्वास्थ्य प्रतिबद्धताओं को कैसे संभालना है। अपने आहार, व्यायाम और विश्राम के समय का ध्यान रखें। व्यस्त घंटों के बीच झपकी आपको शांतचित्त और चुनौतियों का सामना करने के लिए तरोताजा करने में मदद करेगी। कैरियर के मोर्चे पर, वित्तीय पक्ष पर इस सप्ताह अच्छा ध्यान रखा जाता है।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** मटमैला **शुभ दिन:** रविवार

मित्रता परमशुद्ध प्रेम है। यह प्रेम का उच्चतम रूप है जहां कुछ नहीं पूछा जाता है, कोई शर्त नहीं होती है। जहां व्यक्ति त्याग का आनंद लेता है

- ओशो

तह में क्या है

हिंगोरी लिखते हैं कि सृष्टि को 14 लोकों से युक्त कहा जाता है, जहां प्रत्येक लोक चेतना की एक विशेष श्रेणी का प्रतिनिधित्व करता है, इसे कथित वास्तविकता कहते हैं......

आकाश गंगा की 14 मंजिला इमारत को लोकास भी कहा जा सकता है। प्रत्येक लोक चेतना की एक विशेष श्रेणी का प्रतिनिधित्व करता है या प्रतिबिंबित करता है, इसे कथित वास्तविकता कहते हैं।

7 ऊपरी लोक प्रकाश के क्षेत्र हैं जो रीढ़ से सिर के मुकुट तक फैले हुए हैं, फिर पृथ्वी से सूर्य, सूर्य से उत्तर सितारा या ध्रुव तारा और वहां से परे हैं। निचले लोकों को तल कहा जाता है - सीमित प्रकाश या आंशिक अंधकार के क्षेत्र।

गुरुदेव ने एक बार मुझे, ध्यान की अवस्था के दौरान, मेरी नाभि में और उसके आस-पास एक जलती हुई आग, जो यज्ञ के सदृश है, को दिखाया था। मैंने जो अग्नि देखी, वह संभवत: प्रकाश की सूक्ष्म आभा से मेरी रीढ़ से सिर तक रोशन हो सकती है।

पुराणों में इन लोकों का वर्णन दोनों शीर्षकों से शुरू होने वाले जोड़े के साथ-साथ सूक्ष्म जगत में शरीर के केंद्र, चेतना की सूक्ष्मता द्वारा विभेदित किया गया है।

प्रत्येक लोक गुणों या खूबियों के एक विशिष्ट समूह का प्रतिनिधित्व करता है, चेतना की स्थिति को दर्शाता है। हालांकि, व्यक्ति उन गुणों को भिन्न लोक में स्थानांतरित करने के लिए बदल सकता है।

आइए हम इस ब्रह्मांड की 14 मंजिला इमारत की सातवीं मंजिल से नीचे उतरें और देखें कि निचले इलाके या तल को क्या प्रस्तुत करना है।

इस 14 मंजिला इमारत की छठी मंजिल, 'अतल' - सृष्टि या ब्रह्मांड, पृथ्वी के ठीक नीचे स्थित है। हमारी तुलना में कम योग्यता की दुनिया, यह व्यक्ति को भ्रम और अज्ञान में गहरे ले जाती है। भय और वासना भावनाओं को नियंत्रित कर रहे हैं। यह सभी निचले विमानों की तरह एक सुधारात्मक दुनिया है और केवल वे ही जो आत्म-विश्वास, आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण विकसित करने के लिए इन हीन भावनाओं को काबू पाते हैं, उन्हीं का पृथ्वी पर पुनर्जन्म हो सकता है। यहां औसत गुणमिश्रण में राजों की प्रधानता है।

जिनके पास बड़प्पन और शैली के गुण हैं, वे अतल के आदर्श वासी हैं। स्वार्थी दृष्टिकोण वाले बुद्धिजीवी, वरिष्ठ ' मैं, मेरा और मैं खुद ' वाले कॉर्पोरेट अधिकारी, चतुर व्यवसायी, चतुर लोग, लेकिन बुद्धिमान नहीं, मरीज पर अनावश्यक खर्चों का बोझ डालकर कमीशन खाने वाले भ्रष्ट डॉक्टर। विवाहेत्तर संबंधों वाले लोग, जो यौन कल्पनाओं में डूबे रहते हैं, यहाँ एक अच्छी जगह बनाते हैं, जो तामसिक और सात्विक लोगों की उचित मात्रा के साथ मिलकर उनके राजसिक गुणों की तीव्रता पर भी निर्भर करता है।

वितललोक 5 वीं मंजिल और निचले लोकों का दूसरा स्तर है। गुण मिश्रण, मैं अनुमान लगाता हूं, लगभग 20 प्रतिशत सत्व, 40प्रतिशत रजस और 40 प्रतिशत तामस है। अज्ञानता का स्तर अधिक है। योद्धा, सम्मानित नौसैनिक, सभी नकारात्मक महत्वाकांक्षाओं व गुणों वाले वैज्ञानिक, बेईमान व्यापारी, राजनीतिक रूप से प्रेरित दिमाग वाले कॉर्पोरेट अधिकारी, आत्म-केंद्रित लोग, शारीरिक और मानसिक दोनों रूप में हिंसक लोग, संक्षेप में, कम आत्म-राय रखने वाले लोग इस लोक से संबंधित हैं।

गुण-मिश्रण के आधार पर, इसमें धरती पर धनवान लोग, महान सामाजिक प्रतिष्ठा, हार्वर्ड या स्टैनफोर्ड से डिग्री प्राप्त सुशिक्षित लोग शामिल हो सकते हैं। वे लोग जो सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए दान करते हैं, भ्रष्ट पुजारी हैं, सरकारी अधिकारी जो रिश्वत पर जोर देते हैं, उन्हें इन निचले लोकों के लिए आसानी से वीजा मिल जाता है।

ये लोक बदसूरत जगह नहीं हैं, लेकिन सिर्फ प्रकाश में, अवधारणा में और चेतना में अंधकारग्रस्त हैं।

> **रसातल और पाताल, क्रमश: दूसरा एवं पहला तल, अस्तित्व के सबसे निचले लोक हैं। नकारात्मक किस्म का तमस प्रभावी गुण है। चरम विभ्रम एवं अज्ञानता वाला, आत्मचिंतन इस लोक की अवधारणा नहीं है। असंतुष्टि और चौतरफा दुख। लोग मानते हैं कि स्वीकार करने के लिए चौतरफा वंचित जीवन ही है। मुक्ति दूर की कौड़ी है।**

सुतला या वितला जैसे लोक में भी ऐसे निवासी होते हैं जो धर्मपरायण व कट्टर हो सकते हैं जिनमें संकीर्ण धार्मिक नेता, योगी, धर्मगुरु, पुजारी, खिलाड़ी और महिला हस्तियों सहित, कम आत्म-विचार और कथित नकारात्मक संस्कार वाले राष्ट्रपति और प्रमुख शामिल हो सकते हैं - अपराधी!

सुतला के स्तर पर लोग अज्ञानतावश यद्यपि अधिक समझदार हैं, लेकिन अधिक तामसिक लोगों में अभी भी लाड़ प्यार करने और आत्म-सुधार की दिशा में काम करने की इच्छा है। वे राक्षसी और कम सकारात्मक होने पर आत्म-चिंतन करते हैं। उनका मानना है कि अपने वंश को उलटने के लिए उनके पास बहुत कुछ है।

तलातल चौथी मंजिल या महातल 3 मंजिल अनिवार्यत: असुविधाजनक नहीं है, लेकिन अंधकार अधिक से अधिक माप में रहता है। छद्म अज्ञेय, स्वयंभू पापी, आतंकवादी, टिंकर, दर्जी, सिपाही, नाविक सभी वाचन शैली में योग्य हो सकते हैं।

अपने गुणों में आत्मसुधारों एवं सुधार के बाद उन्हें सुधारात्मक अवसर के रूप में कष्टमय, बीमार, वित्तीय समस्याओं, लगभग मैं ही क्यों के भाव में सामाजिक असंतुष्टि वाला जीवन जीने के लिए धरती पर पुनर्जन्म लेने का अवसर मिल सकता है ताकि उनके कर्मों का बोझ कट सके। उच्च लोकों की सीढ़ी चलने के लिए अनके जन्मों वाली यह एक धामी प्रगति है।

रसातल और पाताल, क्रमश: दूसरा एवं पहला तल, अस्तित्व के सबसे निचले लोक हैं। नकारात्मक किस्म का तमस प्रभावी गुण है। चरम विभ्रम एवं अज्ञानता वाला, आत्मचिंतन इस लोक की अवधारणा नहीं है। असंतुष्टि और चौतरफा दुख। लोग मानते हैं कि स्वीकार करने के लिए चौतरफा वंचित जीवन ही है।

मुक्ति दूर की कौड़ी है और आचरण एवं सोच दोनों पशुवादी हैं। परिष्कार के गुण बिरले ही दिखते हैं। गडढों में रहना प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि वास्तविक है। यह अंधकार की परछाइयों में रहने जैसा है। घृणा, ईर्ष्या, परम अपराधबोध, जलन, दुख, परमसतही भावनाएं, बदतर दृष्टिकोण और राक्षसी स्वभाव इसकी खूबियां हैं। हिटलर, नेपोलियन जैसे महान विजेता, आतंकवादी जो खुलेआम हत्या करते हैं, पेशेवर हत्यारे इस दायरों के लिए आवंटित हैं।

विचारयोग्य दो बिन्दु हैं :

क्या यहां दुख परम है ?

व्यक्ति यहां से बेहतर स्थानों की ओर कैसे जाता है?

यह माना जाता है कि यह केवल तभी जब आपने पर्याप्त कष्ट भोग लिया है और बदलाव करने का फैसला कर लिया है, तब आपको धरती या भूलोक पर पुनर्जन्म का अवसर मिलता है। यह अधिकांश लोकों तथा एक लोक से दूसरे लोक की यात्रा, उन्नति या अवनति दोनों, के लिए सत्य माना जाता है।

इसीलिए अस्तित्व के इस विमान के लोग विभिन्न अन्य लोकों के गुणों पर विचार करते हैं। शर्तें व गुण उनकी सोच के रूझानों को दिखाते हैं और गढ़ते हैं। हालांकि, जैसा कि यह कर्मलोक है, अपने स्वभाव के विपरीत जाने और बेहतर के योग्य बनने का अवसर होता है। उच्च लोकों के दिव्य जन, अपने निम्न जनों की सेवा के लिए जन्म लेते हैं। वे उदाहरण स्थापित करते हुए, प्रेरित करते हुए, उन्हें परामर्श देते हुए व अपने ज्ञान को साझा करते हुए उनके गुणों में बदलाव लाते हैं। अपने अगले आलेख में, हम चर्चा करेंगे कि ऊपर क्या मौजूद है।

- लेखक आध्यात्मिक पुस्तकों की हिंगोरी सूत्र श्रृंखला के लेखक हैं।

अंतर्दृष्टि

प्रमोद पाठक

एक भला आंदोलन

अखबारों की कहानियां इन दिनों निराशाजनक हैं। उन्हें पढ़ते हुए, हम महसूस करते हैं कि लोग अभी भी वही हैं जहाँ वे पाषाण काल में थे। मनोवैज्ञानिक सही निष्कर्ष निकालते हैं कि आप मनुष्य को पाषाण युग से निकाल सकते हैं लेकिन आप पाषाण युग को मनुष्य से बाहर नहीं निकाल सकते। जैसा कि रॉबर्ट ब्राउनिंग ने कहा था कि प्रगति जीवन का नियम बनती प्रतीत नहीं होती है। आदमी को आदमी बनने में कितना समय लगेगा? हम इंसान क्यों अभी भी मनुष्यों में नहीं बदल रहे हैं। हालांकि वर्तमान समय की बर्बरता, आक्रामकता और हिंसा की कहानियां अतीत की तरह ही परेशान करने वाली हैं, लेकिन सभ्य समाज होने के हमारे दावे खोखले प्रतीत होते हैं। हमें यह सोचने की जरूरत है कि ज्ञान और शिक्षा के बावजूद, शैतानी प्रकृति के प्रस्ताव अभी भी आकर्षक लगते हैं। आदमी में बैठा जानवर बदलने में विफल होता है।

जो सबक हमें सिखाए गए थे, उन कुछ हजार वर्षों में उन्होंने शायद ही कोई प्रभाव डाला है। हमने उनसे कुछ नहीं सीखा है। नैतिकता और नैतिकता पर पाठ सिर्फ निबंध लेखन का एक विषय बने हुए हैं क्योंकि लोगों का मानना है कि ईमानदारी उत्तम नीति नहीं है। झूठ बोलना पाप है, लालच सभी बुराइयों का मूल कारण है और घमंड पतन से पहले आता है ये सब कहने की बातें हैं जो कोई मायने नहीं रखती हैं। हर दिन लोग लोगों को मरते हुए देखते हैं फिर भी वे अनंत काल तक जीना चाहते हैं। और यह इच्छा सबसे अधिक समस्याओं की जड़ है क्योंकि लोग अनुचित सुरक्षा प्राप्त करने के लिए सभी प्रकार के कर्मों -दुष्कर्मों में लिप्त हैं। सुरक्षा जो उन्हें बचाएगी, भले ही पूरी दुनिया नष्ट हो जाए। कोई यह नहीं मानना चाहता है कि इस क्षणिक दुनिया में स्थायित्व एक भ्रामक लक्ष्य है। वास्तव में इस प्रश्न से महाभारत के वन पर्व में प्रसिद्ध यक्ष-युधिष्ठिर संवाद में बहुत ही सटीक ढंग से निपटा गया था, जब पांडव निर्वासन में थे।

जब यक्ष के रूप में धर्मराज ने युधिष्ठिर से पूछा कि सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है, तो वरिष्ठ पांडव जो उत्तर देते हैं, वह मानव जीवन की सबसे बड़ी विडंबना को व्यक्त करता है। युधिष्ठिर कहते हैं कि इस दुनिया में सबसे बड़ा आश्चर्य यह है कि यद्यपि लोग नश्वर है और लोगों को रोज मरते हुए देखते हैं लेकिन उन्हें लगता है कि वे नहीं मरेंगे। यही इच्छा इस दुनिया में बुराई को चिरायु बनाती है। इस इच्छा का मुख्य कारण वह अहंकार है जो इंसान को हर तरह की झूठी शान देता है। यह एक करोड़पति को अरबपति बनने और अरबपति को खरबपति बनने की आकांक्षा जगाती है। अपने सपनों को पूरा करने के लिए हर तरह की गंदी चालों को अपनाते हुए लोग आखिरकार अपनी गुलामी में जकड़ जाते हैं क्योंकि लालच किसी को नहीं बख्शता। यहां तक कि कोरोना महामारी उन लोगों की आत्माओं को पिघलाने में विफल रही जो यह महसूस करने में विफल रहते हैं कि अंतिम यात्रा को सभी बाधाओं से मुक्त किया जाना है क्योंकि जीवन एक शून्य शेष खाता है। यह आलेख एक डरावनी तस्वीर को चित्रित करने के लिए नहीं है, बल्कि यह महसूस करने के लिए है कि अंत में यह अच्छाई ही है जो कायम रहती है। एक ऐसे दृष्टिकोण का पता लगाने की आवश्यकता है जो इस दुनिया को सभी के लिए एक बेहतर जगह बनाने में मदद कर सके। एक नए तरह के आंदोलन का निर्माण करना ताकि मानव जाति को उस रूप में बदला जाए जो उसे बनना नियत है, यानी - प्रकृति की समस्त कृतियों में सबसे शानदार। यानी वैसा आदमी बनना, जिसे भगवान ने अपनी छवि में बनाया। आत्मा को जागृत करना भलाई के आंदोलन का निहित विचार होना चाहिए। और इसे उन्हीं उपकरणों को लागू करके किया जा सकता है जिसे दुकानदार उपभोक्ता आंदोलन खड़ा करने के लिए उपयोग करते हैं। मनुष्य अनिवार्यतया अच्छा होना चाहता है लेकिन उसे समझना चाहिए कि अच्छा होने में क्या अच्छा है। यही वो बात है जिसकी आवश्यकता है।

नैतिक रूप से बनें अच्छे

हममें से ज्यादातर लोगों ने जब समस्या या किसी स्थिति से सामना किया तो स्वाभाविक तौर पर उसके प्रति भौतिक, मानसिक, जबानी, मनोवैज्ञानिक , भावनात्मक या आध्यात्मिक प्रतिक्रिया व्यक्त की। यह स्वाभाविक है क्योंकि प्रत्येक भावनात्मक स्थिति एक उत्तेजना के रूप में काम करती है और एक जीवित व्यक्ति से किसी प्रकार की प्रतिक्रिया मांगती है। समस्या की प्रतिक्रिया राजनीतिक, आर्थिक, कानूनी, सामाजिक, सैन्यवादी, राजनयिक, तकनीकी या कोई अन्य हो सकती है। उदाहरण के लिए, एक कठिन परिस्थिति, देश के एक खास हिस्से में, लोगों के एक बड़े समूह द्वारा बनाई गई, जो किसी तरह की स्वायत्तता की मांग करते हैं, क्योंकि लंबे समय तक वे सत्तारूढ़ सरकार द्वारा उपेक्षित रहे हैं, जो कि अन्य क्षेत्रों पर अधिक ध्यान देती आई है। अब, इस तरह की स्थितियों में, सरकार या तो राजनीतिक प्रतिक्रिया कर सकती है और संसद में एक अधिनियम पारित करके उन्हें कोई समाधान दे सकती है या वह यह आश्वासन देकर आर्थिक प्रतिक्रिया दे सकती है कि वे अब उनके भावी विकास हेतु एक बड़ी राशि खर्च करेंगे। इसी तरह, जब दो देशों के बीच संघर्ष होता है, तो वे स्वयं राजनीतिक, कूटनीतिक या सैन्य रूप से समस्या का समाधान कर सकते हैं।

इनके अलावा, कुछ ऐसा है जिसे 'आध्यात्मिक प्रतिक्रिया' कहा जाता है, जो वैचारिक, गुणात्मक और अनुभवात्मक रूप से इन सभी प्रकार की प्रतिक्रिया से बहुत अलग है। इस संदर्भ में, 'आध्यात्मिक' का तात्पर्य 'धार्मिक' नहीं है। यह इस समझ पर आधारित है कि हमारे शरीर में एक आत्मा बसती है यानी एक प्राणी, जो अपने मूल स्वभाव से, भौतिक, क्षणभंगुर, अल्पकालिक, अभूतपूर्व या विनाशकारी से पूर्णतया अलग है। यह प्रकाश बिंदु के रूप में है, जो अपने स्वभाव में भौतिक या सांसारिक नहीं है बल्कि दिव्य है। इस प्रकाश की एक अनिवार्य विशेषता यह है कि यह इस अर्थ में सचेत है कि यह सोचने, समझने, न्याय करने, महसूस करने, याद रखने, सीखने और नैतिक रूप से अच्छा या बुरा होने में सक्षम है। इसीलिए आध्यात्मिक प्रतिक्रिया, ऐसी प्रतिक्रिया दर्शाती है जो नैतिक अच्छाई, प्रेम, शांति और उद्देश्यों, विचारों और कार्यों की पवित्रता पर आधारित है।

> **राजयोगी ब्रम्हकुमार निकुंज जी का कहना है कि सारी समस्याएं नैतिक या आध्यात्मिक मूल्यों को परखने की हमारी विफलता के कारण पैदा होती हैं**

इसे एक आध्यात्मिक दृष्टिकोण से लिया गया है। यह मनुष्य के भाईचारे व भगवान के पितृत्व में विश्वास पर आधारित है। यह प्रतिक्रिया इस दृढ़ विश्वास पर टिकी है कि हमें अच्छा करना चाहिए और कभी भी बुरा नहीं करना चाहिए, क्योंकि कर्म का सिद्धांत अपरिहार्य है और हम अपने बुरे कार्यों के परिणामस्वरूप कष्ट भोगेंगे। इस प्रकार, आध्यात्मिक प्रतिक्रिया जागरूकता पर आधारित नैतिक प्रतिक्रिया है कि हम आत्माएं और भाई हैं। यह प्रतिक्रिया इस समझ पर आधारित है कि सभी समस्याएं नैतिक या आध्यात्मिक मूल्यों का पालन

करने में हमारी विफलता के कारण उत्पन्न होती हैं और इसलिए, शब्द का सही अर्थों में - उन मूल्यों का अवलोकन करके हल किया जा सकता है।

आध्यात्मिक प्रतिक्रिया हमेशा या आमतौर पर किसी स्थिति की प्रतिक्रिया नहीं होती है। दूसरी ओर, यह एक क्रिया है। आध्यात्मिक प्रतिक्रिया करने वाला व्यक्ति 'दांत के लिए दांत और आंख के लिए आंख' नीति का पालन नहीं करता है। एक गुस्सैल व्यक्ति के प्रति उसका रवैया क्रोध या घृणा के कारण नहीं बनता है, बल्कि, वह शांति और प्रेम के अपने मूल, आध्यात्मिक स्वभाव में बसता है। इस तरह की प्रतिक्रिया, इसीलिए, शांति से, स्वभाव से, सौहार्दपूर्वक, निष्पक्ष रूप से और मानवीय रूप से दिव्य मदद की संभावना के साथ समस्याओं को हल करने की एक बड़ी क्षमता है। मूल्यों को अपनाने की आवश्यकता के बारे में अब प्रेस व विभिन्न मंचों से लगातार उल्लेख किया जाता है। लेकिन यह महसूस नहीं किया जाता है कि आध्यात्मिकता के बिना मूल्यों में एक बहुत ही आवश्यक घटक की अभाव होता है और वे अधिक ताकत और दिव्यता के बगैर होते हैं। केवल उन नैतिक मूल्यों को याद रखें, जो सभी प्राणियों की आध्यात्मिक प्रकृति की जागरूकता से उत्पन्न होते हैं और जिनके पास सभी समस्याओं के अंतिम समाधान की ओर ले जाने वाली वो आध्यात्मिक सामग्री होती है।

दुनिया में आज भी ऐसे लाखों लोग हैं जो मानते हैं कि शरीर भौतिक है जबकि आत्मा अभौतिक, यानी आध्यात्मिक। लेकिन शायद ही कोई धार्मिक व्यक्ति इस मान्यता को जीता है। हम अक्सर यह देखते हैं कि व्यावहारिक जीवन में लिंग, नस्ल, राष्ट्रीयता, जातीयता, भाषा, आयु आदि के आधार पर लगभग हर व्यक्ति, एक -दूसरे के बीच भेदभाव करता है। जाहिर है, ये कारक शरीर-चेतना या सामग्री संबंधीं जागरूकता पर आधारित हैं। ये सत्य की दृढ़ जागरूकता पर आधारित नहीं हैं कि सभी प्राणी आत्माएं हैं। इस प्रकार, उनके विश्वास और व्यवहार के बीच भारी अंतर होता है। इसलिए, 'आध्यात्मिक प्रतिक्रिया' के संदर्भ में, यह समझा जाना चाहिए कि यह इस जागरूकता के आधार पर हमारी व्यावहारिक प्रतिक्रिया को संदर्भित करता है कि हम सभी आत्माएं और भाई हैं। आज, यह पहचान या जिसे 'पहचान-संकट' कहा जाता है, 'नैतिक संकट' या 'मूल्यों का संकट' सहित अनेक प्रकार के संकटों की जड़ में है।

'व्यवहार में आत्मा-चेतना' की पूरी अवधारणा सामान्य लग सकती है। लेकिन अगर हम इसकी गहराई, इसके पहुंच और नतीजों की जांच करें, तो हम पाएंगे कि यह एक क्रांतिकारी अवधारणा और एक उल्लेखनीय अभ्यास है जो व्यक्ति में दृष्टिकोण में मानक बदलाव लाएंगे। इसमें सभी प्रकार के भेदभाव और घृणा को समाप्त करने और भाईचारे वाला प्रेम और आपसी सहयोग की भावना विकसित करने की बहुत अधिक क्षमता है। इस पर आधारित आध्यात्मिक प्रतिक्रिया हमारी सोच में एक महान गुणात्मक अंतर लाएगी और इससे हमारी समस्याओं को समाप्त करने और नए, मूल्य आधारित समाज की शुरुआत होगी।

महारानी में रानी भारती का किरदार निभाने में आनंद आया। वह किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में शुरू होता है जिसे हम सभी जानते हैं और उससे संबंधित हैं लेकिन वह जो बन जाता है, वह है हममें से कुछ लोग जो चाहते हैं।
-हुमा कुरैशी

उम्मीद की किरण

फिल्म निर्माता और 'एज ऑफनेचर' सीरीज़ के प्रोड्यूसर वेरिटी वाइट, प्रकृति के साथ हमारे संबंधों, इसपर हमारा प्रभाव, ये कैसे काम करती है और हम किस प्रकार से पृथ्वी पर जीवन में संतुलन को पुनर्स्थापित कर सकते हैं, जैसे बिंदुओं पर एक नए ढंग से दृष्टि डाल रही हैं। टीम पायनियर की प्रस्तुति–

विश्व में निरंतर परिवर्तन हो रहे हैं। और स्पष्ट है कि पृथ्वी के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर तीन बातें सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं: जागरूकता, समझ विकसित करना और परिवर्तन के प्रति सक्रिय भागीदारी। इस संदर्भ में प्रकृति तथा उसमें अपने स्थान के प्रति गहन समझ विकसित करने में सहायता करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सोनी बीबीसी अर्थ चैनल एक नई सीरीज़ 'एज ऑफनेचर' लेकर आ रहा है। ये नया शो प्रकृति के प्रति हमारे संबधों पर नए ढंग से दृष्टिपात करता है और बताता है कि किस प्रकार हम पृथ्वी पर संतुलन को दुबारा से स्थापित कर सकते हैं। प्रस्तुत हैं उनसे बातचीत के अंश–

● नया शो 'एज ऑफनेचर' दर्शकों को क्या संदेश देने का प्रयास करता है?

हम चाहते थे कि दर्शक प्रकृति के बारे में कुछ मूलभूत बातें समझ लें। एक तो ये कि हम इसपर बुरी तरह से निर्भर हैं, फिर चाहे आप गांव में फॉर्महाउस में रह रहे हों या फिर नगरों में। आप जल पीते हैं, वायु की श्वांस लेते हैं। इस प्रकार हम किसी न किसी प्रकार से प्रकृति पर निर्भर तो रहते ही हैं। अब हमारी प्रकृति ही थोड़ी कठिनाई में प्रतीत होती है। ये बात किसी के लिए नई नहीं है। हम एक ऐसे बिंदु पर आ पहुंचं हैं जिसमें यदि हम प्रकृति के स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान नहीं देते, तो हम भी किसी न किसी कठिनाई में रहने वाले हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि प्रकृति को अपने स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करना कोई इतना कठिन काम भी नहीं है। इसकी शक्ति और सामर्थ्य असाधारण है। बस हमें इसे थोड़ा स्थान देना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि इसे वो सब उपलब्ध हो जिसके बल पर ये अपनी स्थिति में सुधार करने की दिशा में उद्यत हो सके।

● वे कौन से प्रयास हैं जिनके माध्यम से हम अपने ग्रह को पुनर्जीवित कर सकते हैं?

मेरा मानना है कि यदि हम प्रकृति को थोड़ा समय और अवसर उपलब्ध करा दें तो ये स्वयं ही अपने को ठीक कर लेगी। प्रकृति में हर क्षण परिवर्तन होते रहते हैं और ये अच्छी बात है। लेकिन हमें बस इसे कुछ समय तक उसके हाल पर छोड़ देना चाहिये और ये स्वयं को पुनर्जीवित कर लेगी। यदि आप इसे खाली मैदान उपलब्ध करा दें तो ये अत्यंत शीघ्रता से पौधों और परागण के माध्यम से बीजारोपण कर लेगी और चिड़ियों के साथ से नई पौध कुछ ही दिन में लहलहाने लगेगी। हमें इसे बस कुछ रिक्त समय और स्थान उपलब्ध भर कराना है, रसायनों से दूर रखना, तथा अपनी सघन खेती करने की आदत, निर्माण की निरंतरताविहीन तकनीकों को इससे दूर रखना होगा और आप देखेंगे कि कुछ ही दिनों में पूरा परिदृश्य ही बदल जाएगा।

● इस शो में जागरूकता, समझदारी तथा परिवर्तन की व्याख्या किस प्रकार से की गई है?

हम फिल्म निर्माताओं को अतीत में जाकर देखना होगा कि हम वर्तमान स्थिति में किन किन कारकों के कारण पहुंचे हैं। प्रकृति के स्वास्थ्य मे आये वर्तमान क्षरण का मूल इतना पुराना भी नहीं है कि इसकी पहचान न की जा सके। हम मनुष्य इस धरा पर कुछ ही सौ साल पहले इतनी सघनता से इसका दोहन कर रहे हैं। अत: आपको पता है कि क्या और कैसे हुआ है। वे कौन से कारण थे जिनके चलते हम वर्तमान स्थिति में पहुंचे हैं। लेकिन ये भी सही है कि हम प्रकृति के प्रति सहानुभूति रखने लगे हैं और आज से 50 वर्ष पहले से ही हम इस दिशा में अधिक जागरूक भी हुए हैं। इसका कारण ये है कि प्रकृति के प्रति हमारी समझ आज श्रेष्ठ और गुणवत्तापूर्ण है। आप इस बिंदु के बारे में इसके दूसरे एपिसोड में देख सकेंगे। आज का विज्ञान भी इस दिशा मे उन्नत हो चुका है। आज हमें पता है कि समुद्री घारा किस प्रकार से काम करती है, वातावरण किस प्रकार से धरती की रक्षा करता है। जैव विविधता किस प्रकार से काम करती है। आप देखेंगे कि धरती के बारे में सबकुछ आपस में जुड़ा है। आज से 50 साल पूर्व हमें ये जानकारियां नहीं थीं लेकिन आज हम इस बारे में पर्याप्त ज्ञान रखते हैं। इसका एक अर्थ ये भी है कि आज हमें पता है कि हम धरती का किस प्रकार से अधिक अच्छे ढंग से ध्यान रख सकते हैं। जलवायु परिवर्तन की दिशा में हम भविष्य में किस दिशा में चलेंगे, हम सभी मनुष्यों के लिए ये अब तक का सबसे बड़ी चुनौती होगी और इस चुनौती से पार पाने में प्रकृति ही हमारी सहायक भी होने वाली है क्योंकि ये कार्बन का पृथक करने की क्षमता रखती है और वातावरण से कार्बन कम करने का ये सबसे सस्ता और सरल ढंग है और हमें ये शीघ्रता से करना होगा।

● क्या आप प्रकृति के संतुलन के महत्व की व्याख्या करेंगी और हम मनुष्य इसे किस प्रकार से प्रभावित करते हैं?

प्रकृति का संतुलन एक अत्यंत रोचक शब्द है। मेरा मानना है कि प्रकृति संतुलन से परे है। ये वाइल्ड है, गतिशील है और हर समय चलायमान और परिवर्तनशील है। वनों में आग लगना और बाढ़ आना प्राकृतिक अवधारणाएं हैं। प्रकृति धरती पर होने वाले हर परिवर्तन के प्रति शीघ्रता से सामंजस्य स्थापित कर लेती है। यदि आप वृहद स्तर पर देखें तो भी ये संतुलन स्थापित कर ही लेती है। लेकिन हम प्रकृति से स्थिर और शांत रहने की अपेक्षा नहीं कर सकते। प्रकृति को हमें इतना सक्षम बनाए रखना है कि वो इस प्रकार के परिवर्तन कर सके क्योंकि यही इसका काम है और यही ये करती आई है। इसी कारण से इसे अधिक अवसर दिये जाने चाहिये। मेरे अनुसार यदि हम प्राकृतिक संतुलन को सही रखना चाहते हैं तो हमें प्रकृति को अधिक समय और स्थान तथा अवसर उपलब्ध कराने होंगे।

● इस शो के बनने के दौरान प्रकृति के बारे में वे कौन सी बातें थीं जो आपने सीखीं?

मैंने कुछ तकनीकी शब्द सीखे। मेरे लिए सबसे बड़ा रहस्योद्घाटन था शब्द 'प्रकृति की कार्बनवनों के संचय करने की क्षमता'। ये कार्बन को अपनी जैविक विविधता की शक्ति के बल पर संचित करता है। अत: केवल पौधारोपण के माध्यम से ही हम कार्बन को कम नहीं कर सकते। बल्कि ये संचय मिट्टी में होना चाहिये। ये सागरों के तल में पानी के नीचे होना चाहिये। ये तभी संभव है जब हमारी पारिस्थितिकी प्रणाली स्वस्थ हो और हमारी जैव विविधता सशक्त। जब हम प्रकृति को नष्ट करते हैं और जब हम मछली पकड़ने के लिए बड़े फिशिंग टॉलरों का प्रयोग करते हैं, जब हम जंगलों को जलाते हैं, जब हम गुड़ाई करते हैं, हम उतना कार्बन धरती में डाल देते हैं जितना फॉसिल फ्यूल जलाने से होता है। ये बातें मुझे पहले नहीं पता थीं। इसके अलावा एक और सर्वाधिक रोचक शूट उत्तरी अमेरिका में येलोस्टोन पार्क में भेड़ियों के आवास का था जहां लोगों ने भेड़ियों के साथ रहना सीख लिया है। अब लोग शिकारी पशुओं के साथ पारिस्थितिकी में रहना सीख चुके हैं और हमें उनके अनुभवों को यूरोप और दूसरे स्थानों पर भी क्रियान्वित कर सकते हैं।

● आपका वन्यजीव फिल्म निर्माण के व्यवसाय में आना किस प्रेरणा के चलते संभव हुआ?

मैं बचपन से ही प्रकृति के सानिध्य में रहना पसंद करती थी। मैं चीजों को ध्यान से देखने, कीड़ों को पकड़ने, उन्हें घर लाने जैसे काम करती रहती थी जिससे मेरी मां बहुत डरती थीं। ये मुझमें वंशानुगत होगा क्योंकि मैं निरंतर इसी दिशा में सोचा करती थी। इसके अलावा मैं कहानी कहने में रुचि रखती हूं जबकि फिल्म निर्माण की तकनीक आदि से मैं दूर ही रहती आई हूं। ऐसे में दोनों बातों को पूरा करने के लिए ही मैं वन्यजीवन पर आधारित फिल्में बनाने के क्षेत्र में आयी। और मेरा मानना है कि आप वन्यजीवन पर अच्छी फिल्मों का निर्माण तब तक नहीं कर सकते जब तक आप इसे एक अच्छी कहानी का रूप नहीं देते और इस बात को रेखांकित नहीं करते कि हमारी प्रकृति संकट के दौर से गुजर रही है। हमें आज इसकी ओर अधिक ध्यान देना होगा।

● क्या आप भारतीय दर्शकों को किसी प्रकार का संदेश देना चाहती हैं?

मुझे लगता है कि भारत से हम और देशों की अपेक्षा अधिक आशा रख सकते हैं। जलवायु परिवर्तन की स्थिति भयावह स्थिति में है। लेकिन प्रकृति में संभावना है और सभी लोग अपनी अपनी भूमिका का निर्वाह कर सकते हैं। हम गांवों, नगरों और खेती के दौरान इन बातों का ध्यान रख सकते हैं। हमारी प्रकृति हर बात के लिए आपकी कृतज्ञ होगी, फिर चाहे आप सबसे सूक्ष्म योगदान ही क्यों न करें। आपके प्रयासों से आपको और हम सभी को रहने के लिए एक न एक दिन एक स्वस्थ ग्रह अवश्य उपलब्ध हो सकेगा।

(शो 12 अप्रैल को सोनी बीबीसी अर्थ चैनल पर रात 9 बजे प्रीमियर होगा)

रोहित शर्मा ने गैंडों के संरक्षण की अपील की

चेन्नई। मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित शर्मा ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उदघाटन मैच में एक सींग वाले गैंडों के तस्वीरों वाले जूते पहनकर दुनिया से विलुप्ति होती इस प्रजाति के संरक्षण की अपील की। रोहित ने इस आईपीएल में एक सींग वाले गैंडों या भारतीय गैंडों के संरक्षण के लिए आईपीएल के दौरान यह विशेष तरीका अपनाया है। इस सलामी बल्लेबाज ने विशेष तरह के जूते पहने हुए थे जिसमें इस संकटग्रस्त प्रजाति की तस्वीरें बनी हुई थी। मौजूदा चैंपियन मुंबई एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मैच में दो विकेट से हार गया था। रोहित ने ट्वीट किया , कल जब मैं मैदान पर उतरा तो मेरे लिए यह एक मैच से अधिक था। क्रिकेट खेलना मेरा सपना था और दुनिया को बेहतर बनाने की दिशा में हम सभी को मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा , यह विषय मेरे दिल के काफी करीब है और इसलिए यह मेरे लिए खास पल था। हर कदम मायने रखता है। भारतीय गैंडे शिकार, पर्यावास के अभाव , आंतरिक प्रजनन और बीमारियों जैसे खतरों से जूझ रहे हैं।

99 सॉन्स को रिलीज करने पर रहमान ने कहा, डर है पर फिल्म की कामयाबी सिने जगत की सफलता होगी

मुंबई। जाने-माने संगीतकार ए आर रहमान ने कहा है कि महामारी के दौरान जब लोग अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं, ऐसे में वह अपने प्रोड्क्शन की पहली फिल्म 99 सॉन्स रिलीज कर रहे हैं और इस पर उन्हें गर्व है। उन्होंने कहा कि फिल्म की कामयाबी से सिने जगत को प्रोत्साहन मिलेगा।

रहमान ने यह भी कहा कि इस समय लोगों को फिल्म बड़े पर्दे पर देखनी चाहिए और फिल्मकारों तथा निर्माताओं को प्रोत्साहित करना चाहिए, क्योंकि एक फिल्म की कामयाबी पूरे सिने जगत की सफलता है। संगीत ड्रामा 16 अप्रैल को तीन भाषाओं- हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। यह महाराष्ट्र को छोड़कर समूचे भारत में रिलीज की जाएगी। दरअसल, कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर महाराष्ट्र सरकार ने सप्ताहांत पर लॉकडाउन लगा दिया है।

इस समय लोगों को फिल्म बड़े पर्दे पर देखनी चाहिए और फिल्मकारों तथा निर्माताओं को प्रोत्साहित करना चाहिए, क्योंकि एक फिल्म की कामयाबी पूरे सिने जगत की सफलता है। संगीत ड्रामा 16 अप्रैल को तीन भाषाओं- हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी।

रहमान ने चेन्नई से जूम के माध्यम से पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, डर है... हर कोई हैरत कर रहा है कि वह कैसे अभी फिल्म रिलीज कर रहे हैं, क्या वह मूर्ख हैं? लेकिन मेरे ख्याल से, फिल्म रिलीज करनी है और लोगों को इसे बड़े पर्दे पर देखने की जरूरत है। रहमान (54) ने महाराष्ट्र में लॉकडाउन की घोषणा होने से एक हफ्ता पहले साक्षात्कार दिया था।

संगीतकार का मानना है कि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कामयाबी का असर मनोरंजन क्षेत्र पर होगा जो महामारी के कारण बुरी तरह से प्रभावित है। उन्होंने कहा, इस वक्त लोगों को फिल्मकारों और निर्माताओं को प्रोत्साहित करना चाहिए क्योंकि एक फिल्म की कामयाबी पूरे सिने जगत की सफलता है। कई लोग उम्मीद खो रहे हैं, परेशान हैं और भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। रहमान ने कहा, हमें इसे रिलीज करने का साहस जुटाने पर गर्व है और उम्मीद है कि लोग मास्क लगाकर आएंगे तथा सुरक्षित रहेंगे और फिल्म का आनंद लेंगे। 99 सॉन्स का निर्देशन विश्वेश कृष्णमूर्ति कर रहे हैं और फिल्म के सह-लेखक एवं निर्माता रहमान हैं। उन्होंने फिल्म में संगीत भी दिया है। इस फिल्म से इहान भट और एडिलेसी वर्गस अभिनय करियर की शुरुआत कर रहे हैं।

महाभारत में इंद्र का किरदार अदा करने वाले सतीश कौल नहीं रहे

लुधियाना। महाभारत धारावाहिक समेत कई फिल्मों एवं शो में नजर आ चुके पंजाब के अभिनेता सतीश कौल का कोविड-19 संबंधित स्वास्थ्य जटिलताओं के चलते शनिवार को यहां निधन हो गया। वह 74 साल के थे। कौल की बहन सत्या देवी के अनुसार छह दिन पहले बुखार होने पर उन्हें यहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सत्या देवी ने पीटीआई-भाषा से कहा, अस्पताल में कोविड-19 संक्रमण के चलते आज सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें बुखार था और वह ठीक नहीं थे। हमने उन्हें बृहस्पतिवार को अस्पताल में भर्ती कराया था और उनकी जांच करवाई थी, जिसमें सामने आया था कि वह कोविड-19 से संक्रमित हैं।

कौल के परिवार में उनकी बहन हैं। वह बी आर चोपड़ा के महाभारत में देवराज इंद्र की भूमिका के लिए लोकप्रिय हुए थे। उन्होंने प्यार तो होना ही था , आंटी नंबर वन समेत 300 से अधिक पंजाबी एवं हिंदी फिल्मों में काम किया था। उन्होंने टीवी शो विक्रम और बेताल में भी काम किया था। कौल 2011 में मुम्बई से पंजाब आ गए और उन्होंने अभिनय का एक स्कूल खोला लेकिन उनकी यह कोशिश सफल नहीं रही।

2015 में उनकी कमर की हड्डी टूट गई थी और वह करीब ढाई साल तक बिस्तर पर पड़े रहे। बाद में वह एक वृद्धाश्रम चले गए और वहां 2019 तक रहे। फिर वह एक किराए के मकान में आकर रहने लगे।

पिछल साल मई में उन्होंने कहा था कि वह लॉकडाउन के दौरान दवाइयों, किराना के सामान एवं मूलभूत जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उन्होंने फिल्मोद्योग से मदद की अपील की थी।